3 राजधानी
डीएम की टीम-9 काबू करेगी हालात

6 अभिमत
छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

10 स्पोर्ट्स
आईपीएल में कोरोना का संक्रमण

11 विदेश
ओली 10 मई को पेश करेंगे विश्वास प्रस्ताव

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 192
लखनऊ, मंगलवार, 4 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रियंका चोपड़ा ने सोनू सूद का किया समर्थन
विविध-12

प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू की अवधि दो दिन और बढ़ी

- अब बृहस्पतिवार सुबह सात बजे तक रहेगी पाबंदी
- कल से गांवों में चलेगा विशेष जांच अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने सप्ताहांत पर लगाए गए कोरोना कर्फ्यू की अवधि सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दी। अब बृहस्पतिवार सुबह सात बजे तक यह कर्फ्यू लागू रहेगा। सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि सरकार ने पिछले शुक्रवार को रात आठ बजे से मंगलवार सुबह सात बजे तक लागू किए गए कोरोना कर्फ्यू की अवधि सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दी है और अब यह व्यवस्था छह मई सुबह सात बजे तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह व्यवस्था इसी हफ्ते के लिए की गई है और इस अवधि में आवश्यक तथा अनिवार्य सेवाएं जैसे दवा, सब्जी की दुकानें, औद्योगिक इकाइयां वगैरह जारी रहेंगी। सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई टीम-9 की बैठक में यह फैसला लिया गया है। यह प्रदेश में कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के अपने प्रयासों के तहत लिया गया है।

वहीं कोविड महामारी से गांवों को सुरक्षित रखने में अब तक कामयाब रही (शेष पेज 9)

बड़े पैमाने पर की जाएगी मेडिकल स्टाफ की भर्ती

- स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में 25 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिये योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर मेडिकल स्टाफ को मानदेय पर रखने का फैसला लिया है। इसके तहत नर्स, वार्ड ब्वाय, सुपरवाईजर, चिकित्सक, अन्य पैरा मेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य कर्मियों को रखा जाना है। सरकार के निर्णय को धरातल पर उतारने के लिये जल्द ही शासनादेश जारी होगा। विदित हो कि सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि अतिरिक्त मैनपावर के लिए अस्पतालों में बड़ी संख्या में मानदेय पर मेडिकल और नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की सेवाएं ली जाएं। इसके अलावा रिटायर स्वास्थ्य कर्मियों, (शेष पेज 9)

चुनाव नतीजों के बाद बंगाल में भारी हिंसा

भाजपा का आरोप-पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हुए हमले, गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद सोमवार को व्यापक पैमाने पर हिंसा देखने को मिली जिसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हो गई तो कई घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटना में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। हिंसा के खिलाफ भाजपा ने 5 मई को देशव्यापी धरने का ऐलान किया है। भाजपा महासचिव व पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर कहा, ममता जी की जीत के बाद उनके कार्यकर्ता जश्न मना रहे है और भाजपा कार्यकर्ताओं के घर तोड़ रहे है। अब तक 9 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। भाजपा ने एक पार्टी कार्यालय में आगजनी का वीडियो साझा किया है जिसमें बांस की बल्लियां और छत जलती हुई नजर आ रही हैं और परेशान लोगों को चिल्लाते हुए भागते देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर मृत व्यक्तियों की तस्वीरें और एक दुकान से कपड़े लूट कर भागते लोगों की फुटेज वायरल हो रही है। भाजपा का दावा है कि उसके कम से कम छह कार्यकर्ता और समर्थक हमलों में मारे गए हैं जिनमें एक महिला भी शामिल है। भाजपा इसका आरोप तृणमूल पर लगा रही है। भाजपा ने पत्रकारों के साथ एक वीडियो साझा किया जिसमें नंदीग्राम में पार्टी दफ्तर में हुई तोड़फोड़ को दिखाया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से चुनाव हार गई थीं।

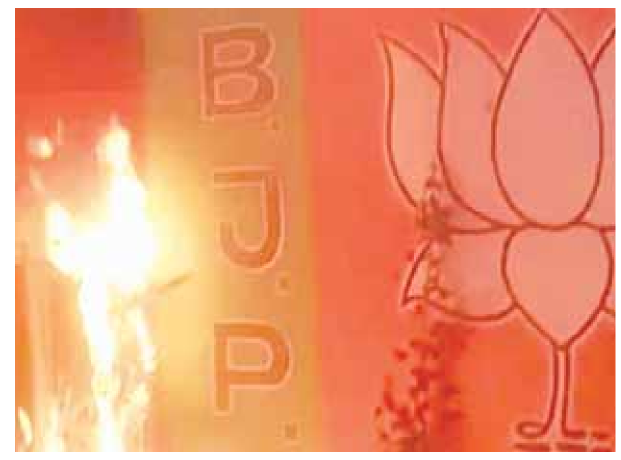

पश्चिम बंगाल के आरमबाग में भाजपा कार्यालय में लगा दी गयी आग

राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने प्रदेश के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को तलब कर उन्हें शांति बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के एक दिन बाद हुई इन घटनाओं के बाद की स्थिति पर अफसरों से चर्चा की। धनखड़ ने गृह सचिव एक के द्विवेदी से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, राज्य में चुनाव बाद हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बाद मैने एसीएस गृह को तलब किया था और उन्हें चुनाव बाद हुई राज्य में हुई हिंसा व तोड़फोड़ तथा उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने अलग से राज्य के पुलिस महानिदेशक पी नीरजनयन और पुलिस आयुक्त सोमेन मित्र से मुलाकात की और उन्हें कानून-व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को चुनाव बाद आगजनी, लूटपाट और हिंसा में लोगों की जान जाने के बढ़ते मामलों पर तलब किया था। उनसे कानून-व्यवस्था बहाल करने केलिए सभी कदम उठाने को कहा गया है। एक प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से राज्य में विपक्षी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की निशाना बनाकर की जा रही हिंसा पर एक रिपोर्ट मांगी है। इस बीच ममता बनर्जी ने समर्थकों से शांति बरकरार रखने और उकसावे के झांसे में नहीं आने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने चुनाव के दौरान तृणमूल समर्थकों के साथ कई ज्यादतियां कीं। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में (शेष पेज 9)

कल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी ममता बनर्जी

- कहा, विपक्ष के साथ मिलकर लड़ सकते हैं 2024 की लड़ाई

कोलकाता। ममता बनर्जी पांच मई को तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पार्टी महासचिव पार्थ चटर्जी ने कहा कि नव-निर्वाचित विधायकों ने यहां हुई बैठक में बनर्जी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। तृणमूल विधायकों ने मौजूदा विधानसभा के अध्यक्ष विमान बनर्जी को नई विधानसभा का कार्यवाहक अध्यक्ष चुना है। चटर्जी ने विधायकों की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, नव-निर्वाचित सदस्य छह मई को विधानसभा में शपथ लेंगे। ममता बनर्जी ने देश के विपक्षी दलों का परोक्ष रूप से आह्वान किया कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ साथ मिलकर लड़ाई लड़ी जा सकती है। राज्य विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की पृष्टभूमि में ममता ने कहा कि इस जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बधाई देने संबंधी कोई फोन उनके पास नहीं आया, जबकि अब तक यह परंपरा रही है कि प्रधानमंत्री फोन करते हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर कहा, मैं सड़क पर लड़ाई लड़ने वाली योद्धा हूं। मैं लोगों का हौसला बुलंद कर सकती हूं कि ताकि हम भाजपा के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ें। अगर हम सामूहिक रूप से फैसला कर सकते हैं तो 2024 की लड़ाई हम मिलकर लड़ सकते हैं।

प्रदेश में कोरोना से 38,687 रोगी स्वस्थ

- 29,192 नए मामले आए, 288 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 288 संक्रमितों की मौत हो गई जबकि 29,192 नए मरीज चिन्हित किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में कोरोना संक्रमण से पिछले 24 घंटे में 288 संक्रमितों की मौत हो गई और अब तक कुल 13,447 संक्रमितों ने अपनी जान गंवाई है। उत्तर प्रदेश में 29,162 नए संक्रमितों के पाए जाने के बाद अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 13,42,413 हो गई है। पिछले 24 घंटे में मिले नए संक्रमितों के सापेक्ष 38,687 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। अभी तक राज्य में 10,43,134 कोरोना के मरीज पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय कोरोना संक्रमित 2,85,832 मरीजों का उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब उपचराधीन कोरोना संक्रमितों की संख्या घट रही है और तीन लाख से कम हो गई है। प्रसाद के मुताबिक राज्य में रविवार को कोरोना के 2.29 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई जबकि अब तक 4.15 करोड़ से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। सोमवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार लखनऊ में पिछले 24 घंटे में 3,058 नए मरीज मिले और 26 संक्रमितों की मौत हो गई। इसी अवधि में गौतमबुद्धनगर में 1,446, मुरादाबाद में 1,404, कानपुर नगर में 1,311, सहारनपुर में 1,222, गोरखपुर में 1,097 और वाराणसी में 1,022 नए संक्रमित मिले हैं। प्रयागराज में 25, झांसी में 21, गोरखपुर में 19, कानपुर नगर और चंदौली में 17-17, गौतमबुद्ध नगर में 13, वाराणसी में 11 तथा मेरठ में 10 और संक्रमितों की मौत हो गई है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि पांच मई से नौ मई के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम राज्य में घर घर जाकर लोगों को हाल चाल पूछेगी और जो लोग ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में लक्षणयुक्त पाए जाएंगे और उनकी जांच नहीं हुई है, उनको जांच के लिए प्रेरित किया जाएगा और साथ ही दवा की किट उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने भीड़ भाड़ वाली जगहों में जाने से बचने और दो गज की दूरी का पालन करने और मास्क पहनने की सलाह दी।

देश में 3,68,147 नए मामले, 3417 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कोविड-19 के 3,68,147 नए मामले आए तथा 3417 और मरीजों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक नए मामलों के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 1,99,25,604 जबकि मृतक संख्या 2,18,959 हो गई है। देश में एक मई को संक्रमण के रिकॉर्ड 4,01,993 नए मामले आए थे वहीं दो मई को 3,92,488 मामले सामने आए। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 34,13,642 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 17.13 प्रतिशत है।

नीट पीजी परीक्षा चार माह के लिए स्थगित

- मोदी ने महामारी प्रबंधन में चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी फैसलों को अंतिम रूप दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोविड-19 से निपटने के लिए मानव संसाधन की जरूरतों के मद्देनजर की गई समीक्षा के बाद सोमवार को एनईईटी-स्नातकोत्तर की परीक्षा को अगले चार महीने तक स्थगित करने के साथ ही चिकित्सा प्रशिक्षुओं को महामारी प्रबंधन कार्यों के लिए तैनात करने का फैसला लिया गया। ऐसे सभी कर्मियों को 100 दिनों का अनुभव पूरा करने के बाद आगे की सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी और साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान से भी नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 से निपटने के लिए चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी अहम फैसलों को आज अंतिम रूप दिया। पीएमओ ने बयान में कहा कि एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों का कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले मरीजों की निगरानी और टेली-मेडिसीन में उपयोग किया जा सकता है जबकि चिकित्सा प्रशिक्षु अपने संकाय के अधीन ऐसे मामलों में उपचार कर सकेंगे। बयान में कहा गया कि इससे कोविड-19 मरीजों के इलाज में जुटे मौजूदा चिकित्सकों का बोझ कम होगा। बयान के मुताबिक बीएससी नर्सिंग या जीएनएम पास नर्सों को वरिष्ठ चिकित्सकों और नर्सों की निगरानी में कोविड-19 मरीजों की सेवा में पूर्णकालिक उपयोग किया जा सकता है। पीएमओ के बयान में कहा गया कि कोविड प्रबंधन में काम करने वालों को 100 दिनों का अनुभव होने के बाद आगे सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी (शेष पेज 9)

मुलायम की भतीजी और नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के पुत्र पराजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंचायत चुनाव

- कई माननीयों के परिजन जीते तो कई के हाथ लगी निराशा

पंचायत चुनाव की मतगणना रविवार को शुरू हुई जो सोमवार तक जारी रही और सोमवार देर रात तक जारी रहेगी। गांव की सरकार चुनने में कई माननीयों की अपने क्षेत्र की कितनी हैसियत थी इस बात का भी अंदाजा लग गया है। शुरुआती रुझानों में जिला पंचायत सदस्यों के पद पर बीजेपी और सपा में मुकाबला है। यह रुझान अगर परिणाम में बदलते हैं तो बीजेपी के लिए शुभ संकेत होगा। इस चुनाव में कई माननीय के परिजन जहां चुनाव जीते हैं तो कई के परिजन चुनाव हार भी गए हैं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की भतीजी और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन मैनपुरी की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संध्या यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गईं। संध्या यादव ने मैनपुरी जिले के वार्ड नंबर 18 से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और उन्हें समाजवादी पार्टी के प्रमोद यादव ने पराजित किया। वहीं नेता प्रतिपक्ष और सपा के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी के बेटे रंजीत चौधरी बलिया में जिला पंचायत के वार्ड संख्या 16 से पराजित हो गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पंचायत चुनाव के विभिन्न पदों के उम्मीदवारों की मतगणना अभी चल रही है। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार प्रदेश के समस्त जनपदों में 232612 सदस्य ग्राम पंचायत, 38317 प्रधान ग्राम पंचायत, 55926 सदस्य क्षेत्र पंचायत एवं 181 सदस्य जिला पंचायत निर्वाचित हुए हैं।

भाजपा ने जिला पंचायत की सभी 3052 सीटों पर पार्टी से समर्थित प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। जीत हासिल करने के लिए व्यापक तैयारी के साथ पार्टी ने काम भी किया। पहले चरण के मतदान के बाद कोरोना के भयावह प्रसार के बाद तैयारियां बाधित हुईं तो भाजपा के बड़े नेताओं ने वर्चुअली बैठकों के माध्यम से अपनी तैयारी को रफ्तार दी थी। जिला पंचायत सदस्य की 3050 सीटों पर मतगणना जारी है। इसमें भाजपा को काफी बढ़त मिली है। भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी 172, सपा के 139, बसपा व कांग्रेस के 40-40 और निर्दलीय प्रत्याशी 87 सीटों पर आगे चल रहे हैं।

उन्नाव में भाजपा समर्थित 9 प्रत्याशी जीते है जबकि सपा समर्थित 16 की जीती हुई है। निर्दलीय 10 जीते है। उन्नाव में जिला पंचायत सदस्य के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में जिले की चर्चित सीटों में एक फ तेहपुर चौरासी तृतीय का चुनाव परिणाम आ गया। इसमें पूर्व एमएलसी स्वर्गीय अजीत सिंह की पत्नी शकुन सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पुष्पा वर्मा को करीब 27 सौ मतों से हरा दिया है। यह सीट इसलिए भी काफी चर्चा में थी क्योंकि भाजपा ने पहले यहां से पूर्व विधायक (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	48,729	↓	64	
निफ्टी	14,634	↑	3	
सोना	46,580	↑	310	/10g
चांदी	67,429	↑	580	/kg

क्विक न्यूज

केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत की बेटी का कोरोना से निधन

इंदौर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत की 42 वर्षीय बेटी का कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज के दौरान सोमवार को यहां एक निजी अस्पताल मे निधन हो गया। मेदांता हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि गहलोत की बेटी योगिता सोलंकी (42) का उनके अस्पताल मे हफ्ते भर से इलाज चल रहा था और मरीज के 80 प्रतिशत फेफड़ों में संक्रमण फैल गया था। उन्होंने बताया, कोरोना वायरस से संक्रमित योगिता को टोसिलिजुमैब इंजेक्शन और अन्य जीवनरक्षक दवाएं भी दी गई थी लेकिन तमाम कोशिशो के बावजूद उनकी जान नही बचाई जा सकी। केंद्रीय मंत्री की बेटी के निधन पर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई ने शोक जताया है।

कर्नाटक के चामराजनगर जिला अस्पताल में 24 मरीजों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

- परिजनों ने ऑक्सीन की कमी का लगाया आरोप

कर्नाटक के चामराजनगर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के चलते पिछले 24 घंटे में 24 मरीजों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कोविड-19 के 23 मरीज शामिल हैं। सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जांच अधिकारी के तौर पर आईएएस अधिकारी शिवयोगी कलसाड को नियुक्त किया है। कांग्रेस ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सिस्टम के जागने से पहले लोगों को और कितनी पीड़ा सहनी पड़ेगी? चामराजनगर जिला अस्पताल में मातम पसरा हुआ है जहां खबर सुनने के बाद मृतकों के परिजन रोते-बिलखते नजर आए। मृतकों के परिवारों ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया और आरोप लगाया कि यहां ऑक्सीजन की कमी थी। उन्होंने वहां नारेबाजी की। चामराजनगर जिला प्रभारी मंत्री एस सुरेश कुमार ने कहा कि उन्होंने घटना में जिला प्रशासन से मौत की ऑडिट रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। वह इस बात पर कायम रहे कि सभी मौतें ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई हैं। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह कहना सही नहीं होगा कि सभी 24 मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई हैं। ये मौतें रविवार सुबह से आज सुबह तक हुई हैं। ऑक्सीजन की कमी रविवार देर रात 12:30 बजे से 2:30 के बीच हुई थी। मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने भी जिला उपायुक्त से घटना के बारे में सूचना प्राप्त की है। सुरेश कुमार ने कहा कि मौत की ऑडिट रिपोर्ट से पता चलेगा कि ए मरीज किस बीमारी से ग्रस्त थे, उन्हें कोई और गंभीर बीमारियां थी और उन्हें किस स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा, जितने भी लोगों की मौत हुई है जरूरी नहीं कि सभी की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई हो। उन्होंने कहा कि 6,000 लीटर तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन थी लेकिन ऑक्सीजन सिलेंडरों की जरूरत थी। कुमार ने कहा, ए सिलेंडर मैसुरु से आने वाले थे लेकिन कुछ समस्या हो गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह स्थिति राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के निजी सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रताप रेड्डी को भी समझाई जो राज्य में ऑक्सीजन आपूर्ति के प्रभारी (शेष पेज 9)

संक्रमित हो चुके लोगों पर टीके की एक ही खुराक कारगर

अध्ययन

भाषा। नई दिल्ली

एक अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना वायरस से पहले संक्रमित हो चुके लोगों में कोविड-19 रोधी टीके की सिर्फ एक खुराक ही कारगर हो सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने वायरस के ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीकी स्वरूपों पर यह अध्ययन किया है लेकिन उनका मानना है कि उनकी पड़ताल ब्राजील (पी.1) और भारतीय (बी.1.617 और बी.1.618) स्वरूपों पर भी लागू हो सकती है। यह अध्ययन जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया है कि जो लोग पहले कोविड-19 से संक्रमित नहीं हुए हैं और उन्होंने टीके की सिर्फ एक ही खुराक ली है, उनमें कोरोना वायरस के स्वरूपों के प्रति रोग प्रतिरोधक प्रतिक्रिया नाकाफी हो सकती है। इम्पेरियल कॉलेज लंदन , लंदन की क्वींन मेरी यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के अनुसंधानकर्ताओं ने बार्ट्स और रॉयल फ्री हॉस्पिटल में फाइजरबायोएनटेक टीके की पहली खुराक लेने वाले ब्रिटेन के स्वास्थ्य कर्मियों पर अध्ययन किया है। उन्होंने पाया कि जिन लोगों को पहले संक्रमण हुआ था और उसके मामूली लक्षण थे या कोई लक्षण थे ही नहीं, उनमें इस टीके की पहली खुराक लेने के बाद वायरस के केंट और दक्षिण अफ्रीकी स्वरूपों के खिलाफ सुरक्षा काफी बढ़ गई है। वहीं जो लोग पहले कोविड-19 से बीमार नहीं पड़े हैं, उनमें टीके की पहली खुराक लेने के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता कम मजबूत थी और उन्हें वायरस के स्वरूपों का खतरा था। इम्पीरियल कॉलेज लंदन में इम्यूनोलॉजी और श्वसन चिकित्सा के प्रोफेसर तथा अनुसंधान की अगुवाई करने वाले रोसमेरी बॉयटन ने कहा कि उनके अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने टीके की पहली खुराक ली है और वे पहले सार्स-कोव-2 से संक्रमित नहीं हुए हैं, उन्हें वायरस के स्वरूपों से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन लोगों को कोरोना वायरस से पूर्ण सुरक्षा देने के लिए टीके की दूसरे खुराक लेने की अहमियत को रेखांकित करता है।

नई दिल्ली में कोरोनारोधी टीका लगवाती एक युवती

बिना जरूरत सीटी स्कैन न कराएं मरीज, कैंसर का खतरा

नई दिल्ली। एम्स के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने हल्के कोविड-19 लक्षणों में सीटी स्कैन की जल्दबाजी को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इसके दुष्प्रभाव होते हैं और फायदे से अधिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा, एक सीटी स्कैन 300 से 400 छाती एक्स-रे के समान होता है। आंकड़ों के अनुसार युवा अवस्था में बार-बार सीटी स्कैन कराने से बाद में कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है।

कोरोना की लड़ाई में सारथी बने फ्रंटलाइन वर्कर्स को बड़ा तोहफा

● स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में 25 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड की लड़ाई में रात-दिन जुटे स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वकर्स के मानदेय में 25 फीसदी की भारी बढ़ोत्तरी का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। कोविड कार्यों में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, स्वच्छता कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सरकार के इस अतिरिक्त मानदेय का फायदा मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को टीम 9 के साथ कोरोना की समीक्षा बैठक में कहा कि अस्पतालों में सेवारत डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ को कोविड सेवा के दिनों के लिए वर्तमान वेतन-मानदेय का 25 फीसदी अतिरिक्त देय होगा। उन्होंने कहा कि अन्य कोरोना वॉरियर्स के लिए भी अतिरिक्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। यह अतिरिक्त मानदेय ड्यूटी के उपरांत इनके आइसोलेशन अवधि के लिए भी दिया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि मेडिकल नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं की सेवाएं भी कोविड सेवा कार्य में ली जाएंगी, सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मियों, अनुभवी डॉक्टरों, एक्स सर्विस मैन के अनुभवों का भी लाभ लिया जाए, उन्हें भी कोविड कार्य से जोड़ा जाए। सभी को नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में शीघ्र आदेश जारी कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सभी लोग अपने अपने माध्यम से सेवा दे रहे हैं। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंट लाइन वर्कर्स का इस जंग में बड़ा योगदान है। वे सीधे कोरोना से संक्रमित मरीजों के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना के खिलाफ प्रदेश में शुरू हुई लड़ाई में फ्रंटलाइन वर्कर्स ने जो मोर्चा संभाला है। जिसका नतीजा है कि प्रदेश में कोरोना की जांच में रिकार्ड बढ़ोत्तरी होने के साथ ही अस्पतालों व होम आईसोलेशन में बड़ी संख्या में रोगी ठीक होकर वापस अपने घर लौटने लगे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना हारेगा, भारत अवश्य जीतेगा को पूरी तरह से साकार करने में फ्रंट लाइन वर्कर्स जुटे हैं। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जनता से भी यही अपील की है कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में आप सभी का दायित्वपूर्ण भागीदारी कोरोना मुक्त समाज की स्थापना के लिये अत्यंत आवश्यक है। मानवता की रक्षा के लिये अपना अपना प्रयास जारी रखिये। इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से प्रदेश के समस्त ज़िलों में मैनपावर बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका फायदा बड़े पैमाने पर ग्रामणी जनता को मिलेगा। इस मैनपॉवर का उपयोगी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता दिलाएगा। सीएम योगी की ओर से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में बढ़ोत्तरी करने के फैसले का कर्मचारी वर्ग ने दिल से स्वागत किया है। यूपी फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव और राजकीय नर्सेज संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्णय से वर्तमान की कठिन परिस्थितियों में अस्पतालों में सेवा में जुटे कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और एक बार फिर से वे पूरी स्फूर्ति और ताकत से कोरोना को हराने की जंग में तब तक जुटे रहेंगे जब तक संक्रमण का पूर्ण खात्मा नहीं हो जाता।

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश में 8 हजार से अधिक फार्मासिस्ट, इतनी ही संख्या में नर्सेज, 12 हजार से अधिक डॉक्टर, तीन हजार से अधिक लैब टेक्नीशियन, एक हजार से अधिक एक्सरे टेक्नीशियन, एनएमएच के लगे दो हजार स्वास्थ्य कर्मी है। कोविड केयर ड्यूटी में लगे स्टाफ डॉक्टर, नर्स, वार्ड ब्वॉय और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को बेसिक आय का 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। कोविड 19 में स्वयंसेवक के रूप में सेवा करने वाले लोगों को प्रति दिन प्रचलित एनएचएम दर से 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय मिलेगा।

कोविड से लड़ाई को मजबूती देने को बनेगी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना के तेज संक्रमण और बढ़ते रिकवरी दर के बीच योगी सरकार स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने जा रही है। एसजीपीजीआई, केजीएमयू, अटल बिहारी वाजपेयी, आरएमएल इंस्टिट्यूट जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संसाधनों के डॉक्टर सलाहकार समिति में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। टीम 9 की बैठक में सीएम योगी ने कहा कि कोविड का वर्तमान स्ट्रेन लगातार रूप बदल रहा है। यह पहली लहर की तुलना में 30 से 50 गुना अधिक संक्रामक है। कुछ केस में देखा गया है कि कोविड के ट्रूनैट, एंटीजन अथवा आरटीपीसीआर टेस्ट में भी इसकी पुष्टि नहीं हो रही है, जबकि सीटी स्कैन में पता लग रहा कि उसके लंग्स कोविड से प्रभावित हैं। लक्षणविहीन लोगों में भी ऐसी समस्या देखी गई है। ऐसे में हमें और सतर्कता के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार किया जाए। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम-9 को समय समय पर परामर्श दे सकेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का परामर्श रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगा।

पंचायत चुनाव परिणाम से बीजेपी तय करेगी 2022 का रोडमैप

● भाजपा विधायकों व सांसदों का भी तय होगा कद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में पंचायत चुनाव के परिणाम से ही भाजपा अगले विधान सभा चुनाव के लिए रणनीति तय करेगी। 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 9 माह का समय शेष है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल बीजेपी की चिंता और अधिक बढ़ जाती है कि पंचायत चुनाव परिणाम यह बताएंगे हवा का रुख क्या है। यही नहीं संगठन ने जिन पदाधिकारियों और विधायक, सांसदों को जिम्मेदारी दी थी उसमें वह कहां तक सफल हुए हैं यह भी तय हो जाएगा। भाजपा ने पंचायत चुनाव लड़ने की पूरी घोषणा की थी और पूरी ताकत से चुनाव लड़ा भी है। इसलिए यह तय है कि इस चुनाव परिणाम के ही जरिए भाजपा 2022 का रोडमैप तय करेगी।

दरअसल संगठन ने पंचायत चुनाव में जाने से पहले पूरी तैयारी की थी और जिले स्तर पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी थी। यही नहीं स्पष्ट किया था कि कोई पदाधिकारी पंचायत चुनाव नहीं लड़ेगा यदि उसे चुनाव लड़ना होगा तो उसकी सूचना वह क्षेत्रीय अध्यक्ष को देगा। बीजेपी ने जिला पंचायत सदस्यों के उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर यह निर्देश संगठन के पदाधिकारियों को दिए थे कि वह पार्टी प्रत्याशी को चुनाव जीताने में पूरी मदद करें। अब यदि जिलों में इस जिम्मेदारी का निर्वावन पूरी तरह से यदि कोई नहीं कर पाता है तो यह लाजिमी है कि अगले चुनाव में उस पदाधिकारी को मौका नहीं दिया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस चुनाव में बीजेपी को न सिर्फ जमीनी पकड़ का अंदाज मिलेगा बल्कि सांगठनिक कमजोरियों का भी संकेत मिल जाएगा। इन्हीं संकतों को भांपकर पार्टी के रणनीतिकार अगले चुनाव के लिए तैयारी करेंगे। इन चुनाव के जरिए पार्टी इस बात को भी जानने का प्रयास करेगा कि 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद 2019 में जनाधार घटा है या फिर बढ़ा है। औसतन चार से छह जिला पंचायत सदस्यों को मिलाकर विधानसभा के एक क्षेत्र हो जाता है। ऐसे में जिला पंचायत सदस्यों को मिलने वाले वोट को आधार बनाकर भाजपा यह जानने की कोशिश करेगी कि जनाधार को और कैसे बेहतर किया जा सके। जाहिर है कि इसको लेकर संगठन में बदलाव भी होगा। कमजोर इलाकों में न सिर्फ नए और प्रभावी लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है बल्कि वर्तमान सेक्टर तथा बूथ कमेटियों के पुनर्गठन का काम भी शुरू किया जा सकता है। पार्टी की मानें तो हर जिले के जो भी परिणाम होंगे उनकी समीक्षा की जाएगी। क्षेत्रवार, जातिवार नतीजों पर मंथन के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। भाजपा ने प्रदेश में दो तिहाई बहुमत की सरकार और एक लाख 55 हजार बूथों पर संगठन की शक्ति के बूते सभी 75 जिला पंचायतों में कमल खिलाने की योजना बनाई है। दरअसल पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भगवा फहराने की रणानीति के तहत ही जिला पंचायत सदस्यों की जीत के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष कौन होगा यह पार्टी भविष्य के चुनाव को देखते हुए तय करेगी। संगठन को प्राथमिकता दी जाएगी। वह इसलिए जो जिला पंचायत अध्यक्ष बनेगा उसी पर अगले चुनाव की जिम्मदरी भी होगी। भाजपा ने इन अध्यक्षों के जरिए गांवों के जमीनी विकास की योजना को अमली जामा पहनाकर काम करने वाली सरकार का संदेश देने की तैयारी की है ताकि विधानसभा चुनाव में उसका लाभ मिल सके।

लॉकडाउन को लेकर गृह विभाग ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को जारी किए निर्देश

● पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रयोग कर कोरोना से बचाव के प्रति जागरूकता के संदेश प्रसारित किए जाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के गृह विभाग ने बढ़े हुए लॉकडाउन को लेकर राज्य के सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को 9 बिंदुओं पर कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं।

जारी निर्देशों में कहा गया है कि 4 मई की प्रात: 7 बजे तक लागू कर्फ्यू को आंशिक तथ्यों के रूप में 6 मई की प्रात 7 बजे तक बढ़ा दिया गया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से राज्य के सभी मंडलायुक्ततोंए सभी जोन के एडीजी, रेंज के आईजी, डीआईजी, जिलों के डीएम व एसएसपी और लखनऊ का गौतम बुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर को 9 बिंदुओं पर निर्देश दिए हैं। आंशिक कर्फ्यू के दौरान सरकारी कार्यालयों में 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की उपस्थिति न हो और शेष 50 प्रतिशत भी शिफ्ट में कार्यालय बुलाए जाएं एवं यथासम्भव इस दौरान वर्क फ्राम होम की व्यवस्था लागू की जाए। राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यम से प्रदेश के बाहर कोई भी बस न भेजी जाए जिससे कि संकमण पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। बसों में सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन हो व सेनेटाइजर का प्रयोग एवं मास्क का प्रयोग अनिवार्य कर दिया जाए । आवश्यक दवा, सर्जिकल की दुकान खुली रहेंगी । उद्योग पूर्व आदेशों के अर्न्तगत खुले रहेंगे । केवल दैनिक उपयोग की दुकान जैसे सब्जी, फल, दूध, किराना इत्यादि की दुकानों को छोड़कर शेष दुकानें बन्द रहेंगी । सब्जी मण्डी, फल मण्डी में भी सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन व मास्क, ग्लव्स व सेनेटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता रहेगी । 5 मई 2021 से ग्रामों में करीना के लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान एवं लाइन लिस्टिंग का कार्य किया जाएगा एवं कोविड की मेडिकल किट भी वितरित की जाएगी । इस विशेष अभियान की जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक प्रतिदिन समीक्षा करेंगे । लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान के पश्चात उनकी टेस्टिंग की जाएगी । पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक प्रयोग कर कोरोना से बचाव के प्रति जागरूकता के संदेश प्रसारित किए जाएं । हाई रिस्क कैटेगरी यथा 60 वर्ष से ऊपर अथवा 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे अथवा गर्भवती महिलाएं एवं एक से अधिक बीमारी से ग्रसित अर्थात् कम इम्यूनिटी के लोग बाहर न जाएं । टीकाकरण का अभियान जनपदों में यथावत चलता रहेगा परन्तु सोशल डिस्टेन्सिंग व दो गज की दूरी व मास्क की अनिवार्यता टीकाकरण के समय आवश्यक होगी । निगरानी समितियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में क्वारंटाइन सेन्टर की स्थापना की जाए। जो भी व्यक्ति ग्राम के बाहर से आ रहे हैं, यदि होम क्वारन्टाईन की घर में जगह नहीं है तो क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखा जाए। कन्टेनमेंट जोन में आवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य सभी कार्य सख्ती से बाधित रखे जाएं।

गांवों में कोरोना से बचाव के तरीकों को लेकर जागरूकता फैलाएंगे शिक्षक

● महानिदेशक बेसिक शिक्षा ने जारी किए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यूपी में शिक्षकों को अब गांवों में कोरोना संक्रमण से संबंधित जागरूकता फैलानी होगी। शिक्षकों को अभिभावकों व विद्यार्थियों के साथ मिल कर कोरोना संक्रमण के बचाव के तरीकों पर चर्चा करनी होगी। इस संबंध में महानिदेशक बेसिक शिक्षा विजय किरन आनंद ने आदेश जारी कर दिए है।

महानिदेशक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए साफ सफाई, मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और साबुन से हाथ धोना आदि संदेशों को जनआंदोलन बना कर लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा है कि इस अभियान को पूरे मिशन मोड में चलाया जाएगा और यूनाइट टु फाइट कोरोना हैशटैग के साथ इसकी तस्वीरें ट्वीट की जाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे प्रेरणा मिले। जिलों में अन्य विभागों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। इसके स्थानीय भाषा में संदेश विभिन्न माध्यमों से पहुंचाए जाए। डिजिटल माध्यम जैसे दूरदर्शन चैनल, रेडियो या ई लर्निंग साइट पर भी प्रचार किया जाए। कई तरह के पोस्टर व क्रिएटिव तैयार किया जाएं और स्कूल के अंदर व बाहर इसे लगाया जाए। इन्हें ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान भी दिखाया जाए। चूंकि प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की पहुंच गांव के ज्यादातर घरों में होती है लिहाजा वे इस अभियान को पूरे जोर से चलाएं और हर घर में कोरोना से बचाव के तरीके से अवगत कराएं।

उत्तर प्रदेश में नहीं सुधर रहे कोरोना संक्रमण के हालत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के हालत सुधर नहीं रहे हैं। प्रदेश में सांसों का आपातकाल जारी है। मुख्यमंत्री के झूठे दावों की रोजाना अस्पतालों से आ रही डरावनी तस्वीरें पोल खोल रही हैं। भाजपा सरकार को इससे अब शर्मिंदगी भी नहीं होती है। वस्तुत: सत्तादाल ने चार साल में कोई काम तो किया नहीं। उसने खुद आइसोलेशन में रहते रहते पूरे प्रदेश को ही आइसोलेशन में पहुंचा दिया है। अखिलेश ने कहा कि कितने घरों में आज चूल्हा बुझ चुका है। माँ बाप का साया उठ चुका है। पूरे का पूरा परिवार संक्रमित है पर कोई देखने वाला नहीं है। अस्पतालों में जिंदा को मुर्दा बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की टीम-9 और टीम-11 कहां है क्या कर रही है पता नहीं। सख्ती के आदेश-निर्देश सब कूड़े के ढेर में जा रहे हैं। न कहीं ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और न कहीं बेड बढ़ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में जब मनमानी चल रही है तब प्राइवेट नर्सिंग होम तो सर्व स्वतंत्र की भूमिका में रहेंगे ही। अखिलेश ने कहा सच तो यह है कि लोग कोरोना से ज्यादा भाजपा सरकार की लापरवाही और बदइंतजामी से दम तोड़ रहे हैं। लोगों की इस मौत के लिए भाजपा सरकार नैतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर जिम्मेदार है। घड़ियाली आंसू बहाने से परिवारों को उजाड़ने से बचाया नहीं जा सकता है।

आक्सीजन की कमी के चलते नहीं चालू हो पा रहे अस्पताल: अनुपम मिश्रा

लखनऊ। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर अवध शिल्प ग्राम में डीआरडीओ की तरफ से तैयार किये गए 500 बेड के अस्थाई हॉस्पिटल के आक्सीजन के अभाव में न चालू होने पर राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा है कि लखनऊ में आम जनमानस कोरोना के कहर से एक एक सांस को तड़प रहा है, ऐसे समय में ऑक्सीजन की कमी व अनुपलब्धता के कारण यह अस्पताल मरीजों का दाखिला नहीं ले सका। जबकि मुख्यमंत्री हर रोज बड़े-बड़े झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। अनुपम मिश्रा ने शहर के कई बड़े अस्पतालों की सूची जारी करते हुए सरकार से पूछा कि क्या कारण है कि एसजीपीजीआई में वीआईपी को ही प्राथमिकता मिल रही है। महामारी के इस दौर में जब एसजीपीजीआई को पूर्व में निर्देशित किया जा चुका था कि उसे बेडों की संख्या 1500 से अधिक बढ़ानी है।

गरीबों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की केंद्र से मांग करें सभी पार्टियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गों के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए।

सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि देश में अति भीषण व दर्दनाक रूप धारण करते कोरोना प्रकोप के कारण सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गों के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए। साथ ही, बीएसपी का यह भी कहना है कि यदि केन्द्र की सरकार इस अनुरोध को स्वीकार नहीं करती है तो फिर सभी राज्य सरकारों को अपने ग़ैर जरूरी खर्चों में कटौती की पहल करके इस जिम्मेवारी को इन्हें खुद ही उठाना चाहिये। मायावती ने आगे लिखा कि इतना ही नहीं बल्कि यदि इस मामले में दलगत राजनीति से अलग हटकर सभी दल मिलकर व आगे आकर जो भी पहल करते हैं तो फिर बीएसपी इसका स्वागत करेगी और इसमें हर संभव अपना पूरा सहयोग करेगी। यही समय की जरूरत भी है।

खनन पट्टों की मई माह की मासिक किस्त में की गई शिथिलता

लखनऊ। सचिव, भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली में उल्लिखित प्राविधानों के अंतर्गत खनन पट्टों के देय माह मई की मासिक किस्त में शिथिलता प्रदान करते हुए खनिजों की निकासी की मात्रा के आधार पर बिड दर के अनुसार पट्टा धारक से अग्रिम भुगतान प्राप्त कर खनिजों की निकासी की अनुमति प्रदान की जाए। डॉ जैकब ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के संक्रमण से कोविड काल में विकास कार्यों के प्रभावित होने के फलस्वरूप उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश में आम जनमानस को सुगमता से उपखनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने तथा खनन उद्योग एवं परिहारधारकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0, कक्ष सं0 301–304, पारेषण भवन, यू.पी. एस.एल.डी.सी. परिसर, निकट मंत्री आवास विभूति खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ। निविदा सूचना संख्या 02/2021–2022 सहायक अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन उपखण्ड टीआरटी लखनऊ के प्रयोगार्थ एक नग डीजल चालित हल्का वाहन वर्ष 2018 या उसके बाद का माडल (चालक सहित) नौ माह के लिए मासिक किराये पर उपलब्ध कराने हेतु सीलबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रपत्र पर दो भागों में अनुमवी एजेन्सी/ फर्मो द्वारा आमंत्रित की जाती हैं। भाग एक में धरोहर धनराशि रुपये 3000/–जो बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर्स चौक के रुप में अधिशासी अमियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड लखनऊ के पक्ष में संलग्न करना अनिवार्य है। भाग दो में दर नियम एवं अन्य शर्ते होनी चाहिए । निविदा दिनॉक 28–05–2020 को 12:00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं उसी दिन 15:00 बजे निविदा दाताओं या उसके अधिकृत प्रति. निधि के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र संख्या 02/2021–2022 का मूल्य रुपये 224/– (जी0एस0टी0 सहित) मात्र होगा जो इस कार्यालय से प्राप्त होगा। निविदा प्रपत्र www.upptcl.org पर भी उपलब्ध है। निविदा का क्रय करना अनिवार्य है। अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास बिना कारण बताये किसी भी निविदा को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है. तथा अवकाश की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। **अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड उ0प्र0पा0ट्रां0का0लि0, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ** पत्रांक–121 दिनांक–01.05.2021 ''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''

पिछड़े जिलों के धार्मिक स्थलों को लगे विकास के पंख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार पिछड़े जिलों में स्थित सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को दुनिया भर में पहचान दिलाने में जुटी है। पहली बार श्रावस्ती, बलरामपुर, देवीपाटन और गोण्डा जिलों के दर्शनीय स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है।

सरकारी प्रवक्ता का कहना है कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण अभी तक ये यह सभी स्थल पर्यटकों की नजर से दूर थे। अब उनको विकसित कर यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ साथ युवाओं और यहां के व्यवसाय और शिल्पकलाओं को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू हो गये हैं। योगी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में पर्यटकों के लिए यूपी में अनूठे और आकर्षक पैकेज भी तैयार किये हैं। जिससे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लगना शुरू हो गये हैं। इन स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। गाइड के रूप में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना शुरू हुआ है। पर्यटन स्थलों के आसपास वहां की स्थानीय चीजों की बिक्री भी पहले से बढ़ी है और स्थानीय शिल्पकारों को रोजगार मिलना शुरू हा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिये जाने का ही नतीजा है कि आज बौद्ध सर्किट में श्रावस्ती, कपिलवस्तु और कुशीनगर और रामायण सर्किट में चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर में पर्यटन सुविधाओं का विकास शुरू हो चुका है। योगी सरकार ने अपने चार सालों में पर्यटन स्थलों के लिये ऐसी अनूठी और आकर्षक पहल की है जिसको दुनिया भर में सराहना मिली है। मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक गौरव प्रयागराज कुम्भ 2019 के आयोजन को यूनेस्को की सरहना के साथ भव्य रूप से सम्पन्न कराया गया। इसके साथ ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमि पूजन सम्पन्न कराना भी इतिहास में दर्ज हो गया।

योगी सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास को बढ़ावा देने और उनको दुनिया के नक्शे में स्थान दिलाने का काम अपने चार साल के कार्यकाल में किया। इसी का परिणाम है कि अयोध्या दीपोत्सव ने लगातार दो वर्षों में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा में कृष्णोत्सव, बरसाना में रंगोत्सव, वाराणसी में शिवरात्रि एवं देव दीपावली के आयोजन ने भारतीय संस्कृति को दुनिया भर में पहचान बनाने का काम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चार साल के कार्यकाल में बृज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद नैमिषारण्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद विंध्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद, शुक्रधाम तीर्थ विकास परिषदए चित्रकूट तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद और देवीपाटन तीर्थ विकास परिषद के गठन का भी अभूतपर्व कार्य कर दिखाया है। इसके अलावा योगी सरकार में पर्यटन को बढ़वा देने की रणनीति के तहत शक्तिपीठ सर्किट एवं आध्यात्मिक सर्किट से जुड़े स्थलों का विकास बहुत तेज गति से किया जा रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास भी इसमें शामिल है। महाभारत सर्किट के अन्तर्गत महाभारत से जुड़े स्थलों का विकास इसका उदाहरण बन गया है।

जेल महकमा गरीब बंदियों के कोरोना ग्रस्त परिजनों की भी मदद करेगा

लखनऊ। कोरोना महामारी की विभीषिका के इस दौर में एक साथ भारी संख्या में लोगों के संक्रमित होने और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे दबाव को दृष्टिगत रखते हुए जेल महकमे ने गरीब कैदियों के कोरोना से संक्रमित परिजनों की देखरेख व इलाज का बीड़ा उठाया है। डीजी जेल आनन्द कुमार ने प्रदेश के सभी जेल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस अभूतपूर्व संकट काल में हमें अपने दायित्यों से आगे बढ़कर पीड़ित मानवता की सेवा करनी है। न सिर्फ जेल के बन्दियों के प्रति बल्कि निर्बल असहाय बन्दियों के कोविडग्रस्त परिजनों को भी यथाशक्ति बचाना है। मार्च 2020 में हुए लाकडाउन के साथ ही जेलों में कोरोना संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से परिजनों से मुलाकात पर जो रोक लगाई तो उसका अनुपालन आज भी जेलों में सख्ती से कराया जा रहा है। हालांकि कोरोना की पहली लहर के कमजोर पड़ने पर पिछले कुछ महीनों में बन्दियों के परिजनों की ओर से मुलाकात पर प्रतिबंध हटाने की भी मांग हुई किन्तु व्यापक बन्दी स्वास्थ्य हित में ऐसा नहीं किया गया। मुलाकात बंद होने की वजह से बंदी सिर्फ जेल में संचालित पीसीओ से टेलीफोन पर परिजनों से बात करते हैं। जेल मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि यूपी की जेलों में कुल कैदियों की संख्या 1,11,882 के करीब है। जेल महकमा इस बात के पूरे प्रयास कर रहा है की कैदियों कोरोना संक्रमित होने से बचाया जा सके। इसके साथ ही डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को निर्देशित कर दिया है कि गरीब और असहाय बंदियों के परिजनों का भी जेल अस्पतालों के माध्यम से पूरा ख्याल रखा जाए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

राजधानी में डीएम की टीम-9 काबू करेगी हालात

● कोरोना संक्रमण से उपजी विकट परिस्थितियों से लोगों को राहत दिलाने का करेगी काम, ऑक्सीजन सप्लाई से लेकर मरीजों की भर्ती तक की जिम्मेदारी संभालेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की तरफ से गठित टीम-9 की तर्ज पर लखनऊ में कोरोना से हालात पर काबू करने के लिए डीएम अभिषेक प्रकाश ने टीम-9 का गठन किया है। गठित टीम ऑक्सीजन सप्लाई से लेकर मरीजों की भर्ती तक की जिम्मेदारी संभालेगी। कोरोना नियंत्रण को लेकर डीएम अभिषेक प्रकाश ने बताया कि ये टीम चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा विभागों और अस्पतालों से सम्पर्क में रहेगी। साथ ही औद्योगिक इकाइयों को संचालित रखने और मजदूरों की समस्याओं का समाधान करेगी।

मुख्य समिति में सीडीओ प्रभाष कुमार, सीएमओ संजय भटनागर और एलडीए सचिव पवन गंगवार को रखा गया है। यह टीम सरकारी और निजी अस्पतालों के आईसीयू और ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था देखेगी। जबकि सह समिति में एसीएमओ एमके सिंह की अध्यक्षता में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर अधिकारी काम करेंगे। समिति में उनके अलावा मेडिकल अफसर डॉ. मिलिंद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव को रखा गया है। यह समिति भी पहली समिति के कार्यों की मदद करेगी।

समिति में रखे गए सीडीओ प्रभाष कुमार, एडीएम ट्रांस गोमती विश्वभूषण मिश्रा जिले में एम्बुलेंस सेवाओं के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी निभाएंगे। इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम की नियमित रूप से समीक्षा करेंगे। सह समिति में एसीएमओ डॉ अजय राजा, एसीएमओ डॉ आरवी सिंह, एसीएमओ डॉ केपी त्रिपाठी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ केडी मिश्रा, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनूप श्रीवास्तव और जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव का रखा गया है। वहीं एडीएम प्रशासन अमर पाल सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनूप कुमार श्रीवास्तव, सीवीओ तेज बहादुर यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मिलिन्द, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव की समिति शासन और अन्य जिलों से महत्वपूर्ण विषयों पर समन्वय करेंगी। लखनऊ की रिपोर्ट शासन को देगी। शासन से आने वाली चिट्ठियों का उसी दिन जवाब देगी। गौ आश्रय स्थलों में भूसे, चारे की व्यवस्था करेगी। अन्य विभागों से समन्वय रखेगी। एक अन्य टीम जिसमें एडीएम सिविल सप्लाई आरडी पाण्डेय और उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र, उप श्रम आयुक्त को रखा गया है, औद्योगिक इकाईयों और व्यावसायिक इकाइयों का संचालन प्रभावित न हो इस पर नजर रखेगी। साथ ही सभी इकाइयों में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना कराएगी। एडीएम टीजी विश्व भूषण मिश्रा के नेतृत्व वाली एक अन्य टीम जिसमें जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा, जिला खाद्य विपणन अधिकारी निश्चल आनंद, सचिव कृषि उत्पादन मंडी संजय सिंह, डीएसओ सुनील सिंह को सदस्य बनाया गया है। यह टीम गेहूं खरीद की व्यवस्था सुनिश्चित करने, समय से भुगतान करने, किसानों को खाद, बीज आदि की व्यवस्था करने का कार्य करेगी।

एडीएम सिटी पूर्व खेमपाल सिंह, एसीएम प्रथम नवीन चन्द्र, आरटीओ आरपी द्विवेदी, ड्रग इंस्पेक्टर बृजेश कुमार, ड्रग इंस्पेक्टर माधुरी सिंह की टीम जिले में ऑक्सीजन की समय पर व्यवस्था कराने, इसके लिए शासन और अन्य जिलोंए सप्लायरों, ट्रांसपोर्टरों से समन्वय स्थापित करेगी। एडीएम वित्त एवं राजस्व बिपिन कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली टीम में एलडीए संयुक्त सचिव ऋतु सुहास, अपर नगर आयुक्त अर्चना द्विवेदी, जिला पंचायतीराज अधिकारी निरीष साहू को रखा गया है। यह टीम प्रवासी कामगारों के जिले में आने पर रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, ग्राम पंचायतों और वार्डों में उनकी जांच कराएए क्वारंटीन करने की व्यवस्था करेगी।

एक अन्य टीम में नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी अध्यक्ष और सभी पुलिस उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सह अध्यक्ष होंगे। साथ ही अपर नगर आयुक्त अमित कुमार, वरिष्ठ जेल अधीक्षक आशीष तिवारी, सहायक श्रम आयुक्त राधे मोहन तिवारी सदस्य बनाए गए हैं। यह टीम कंटेनमेंट जोन में प्रभावी व्यवस्था करने, पूरे जिले में मास्क की चेकिंग करने, साप्ताहिक बंदी का कड़ाई से पालन कराने का कार्य करेगी। इसे अलावा कारागार में साफ सफाई और सैनिटाइजेशन कराने का कार्य करेगी। इस टीम में नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी, एसीएम सूर्यकांत त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी देवेन्द्र कुमार दोहरे, जिला पंचायती राज अधिकारी निरीक्ष साहू को रखा गया है। यह टीम जिले के सभी नगरीय और ग्रामीण इलाकों में सफाई और सैनीटाइजेशन कराने, इसकी समीक्षा करने का कार्य करेगी।

केजीएमयू 48 घंटे में शुरू करेगा 127 ऑक्सीजनयुक्त बेडों पर भर्ती

● तीन सर्जिकल वार्डो को किया जाएगा शिफ्ट

● प्रभारी अधिकारी ने डबल शिफ्ट लगाते हुए कार्य पूरा करने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड रोगियों को तत्काल उपचार पहुंचाने के उद्देश्य से किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी 48 घण्टे के अंदर अपने 3 सर्जिकल वार्डों को शिफ्ट कर 127 आक्सीजन युक्त बीएड पर भर्ती शुरू कर देगा। सोमवार को चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना एवं लखनऊ जिले के प्रभारी अधिकारी कोविड 19 डॉ रोशन जैकब ने केजीएमयू में इसको लेकर चल रहीं तैयारियों का निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केजीएमयू के साइक्रेटिक वार्ड में तैयार किये जा रहे 140 ऑक्सीजनयुक्त बेड के कोविड वार्ड की तैयारियां देखी। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि लगभग सभी कार्य पूरे हो गए है, सिर्फ ऑक्सीजन पाईप लाइन का कार्य थोड़ा बचा है। जिस पर मंत्री द्वारा निर्देश दिया गया कि जितना भी काम बचा है उसे तत्काल पूरा किया जाए। प्रभारी अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह में दिन रात डबल शिफ्ट में कार्य करते हुये सभी कामों को पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि कोविड रोगियों उपचार के लिए हर सम्भव कोशिश की जा रही है। प्रभारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि इन 140 बेड के अतिरिक्त केजीएमयू के द्वारा 3 सर्जिकल वार्डो को शिफ्ट करके 48 घण्टे में 127 ऑक्सीजनयुक्त बेड बढ़ा दिए जाएंगे। ताकि सभी रोगियों को जल्द से जल्द उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

सिद्धार्थ नाथ सिंह ने ली वैक्सीन की दूसरी डोज: प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, निवेश एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सोमवार को इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय में कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज ली। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान करते हुए कहा कि 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोग कोरोना की वैक्सीन अवश्य लगवाये। यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। कोरोना से जंग जीतने में वैक्सीन सबसे बड़ा हथियार है।

बोकारो से चार टैंकर ऑक्सीजन लेकर पहुंचे लखनऊ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल लगातार ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन कर राजधानी में ऑक्सीजन पहुंचा रहा है जिससे कोरोना महामारी की चपेट में आए लोगों को इन दिनों सबसे जरूरी ऑक्सीजन समय से मिल सके। बोकारो से चलकर एक ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन सोमवार शाम चार ऑक्सीजन टैंकरों के साथ लखनऊ पहुँची। इन चार टैंकरों द्वारा लगभग 38.95 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही सोमवार सुबह ही एक ऑक्सीजन एक्सप्रेस दो खाली टैंकरों के साथ एवं एक अन्य ट्रेन दोपहर में लखनऊ से एक खाली टैंकर तथा बरेली से आए दो खाली टैंकरों के साथ उतरेटिया स्टेशन पर आपस में जोड़कर ऑक्सीजन की रीफिलिंग के लिए बोकारो रवाना किए गए। इन दो ट्रेनों को संचालित करते के लिए, कुल पांच टैंकरों को रीफिलिंग के लिए रवाना किया गया। ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए ग्रीन कारीडोर बनाकर इन ट्रेनों का बिना रुके और बहुत ही कम समय में संचालन किया जा रहा है।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने किया इंट्रीग्रेटेड कोविड कन्ट्रोल एंड कमाण्ड सेंटर का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने सोमवार को कोविड प्रबंधन हेतु बनाए गए इंट्रीग्रेटेड कोविड कन्ट्रोल एंड कमाण्ड सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि इस कन्ट्रोल रूम के द्वारा कोविड प्रबन्धन जैसे हास्पिटल लोकेशन एम्बुलेंस एलॉटमेंट होम रोगियों का फीडबैक–हेल्थ मॉनिटरिंग की जा रही है। निरीक्षण में स्वयं स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा लाइव कॉल सुनी और स्थापित प्रोटोकॉल एवम् कॉल सेंटर की प्रशंसा की, साथ ही यह मॉडल अन्य जनपदों के लिए लागू करने की योजना पर ज़ोर भी दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि कॉल सेंटर की सभी श्रेणियों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल बनाए गए है, जिसके अनुसार ही आने वाली समस्याओं शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित कराया जाता है। निस्तारण की गुणवत्ता जांचने के लिए सभी कॉल्स की रिकॉर्डिंग भी होती है साथ ही साथ टेस्ट कॉल के द्वारा भी कन्ट्रोल सेंटर की गुणवत्ता को परखा जाता है। जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड रोगी का टेस्ट रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज होते ही कॉल सेंटर के द्वारा कॉल किया जाता है। जिसमे रोगियों को घर मे रहने सोशल दूरी·होम आइसोलेशन का पालन व अन्य जानकारियां उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही यदि मरीज के लिए तत्काल हास्पिटल की आवश्यकता प्रतीत होती है तो हॉस्पिटलाइजेशन हेतु डॉक्टर्स टीम को स्थानतरण किया जाता है। जिलाधिकारी द्वारा मंत्री को बताया गया कि कन्ट्रोल सेंटर के नम्बर 0522–4523000 पर कॉल करके जनपद वासी हास्पिटल में भर्ती होने, कोविड टेस्ट कराने, होम आइसोलेशन में दवा प्राप्त करने आदि सम्बन्धित समस्याओं का निस्तारण कराया जा सकता है।

राजधानी के पांच चिकित्सा संस्थानों को मिले 30 वेंटिलेटर

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पहल पर सोमवार को फ्लिपकार्ट कम्पनी द्वारा लखनऊ के 5 चिकित्सा संस्थानों को 30 वेंटिलेटर कंचन वर्मा, प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से उपलब्ध कराये गए हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि कोरोना महामारी के इस संक्रमण काल मे ये वेंटिलेटर मरीजों के लिये संजीवनी का कार्य करेंगे। वेंटिलेटर वितरण की जानकारी देते हुए प्रबंध निदेशक ने बताया कि 7–7 वेंटिलेटर एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ को, 5–5 वेंटिलेटर आरएमएल तथा कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ को और 6 वेंटिलेटर बलरामपुर अस्पताल लखनऊ को प्रदान किये गए हैं।

आक्सीजन सिलेंडर व रेमडेसिविर दिलाने का झांसा देकर ठगने वाले गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड की दूसरे लहर के दौरान उपचार के लिए आवश्यक इंजेक्शन के रूप में प्रचलित एमडी सिविर इंजेक्शन की बढ़ी हुई मांग का फायदा उठाने के लिए सोशल मीडिया के द्वारा फर्जी रूप से अपने मोबाइल नंबर को वेरीफाइड दर्शाते हुए उसे टेलीग्राम ट्विटर पर शेयर कर रेमडीसीविर इंजेक्शन व आक्सीजन सिलेंडर दिलाने के नाम पर एडवांस में रकम खाते में मंगाने वाले अपराधियों के समूह को पुलिस ने धर दबोचा। पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पकड़े गए नाबालिगों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

प्रभारी सविलांस सेल मध्य जोन धर्मेंद्र कुमार को सूचना मिली कि कुछ लोग मोबाइल नंबर पर सोशल मीडिया के जरिए ट्यूटर में बने अकाउंट में या मैसेज डाल कर रेमेडीशिविर इंजेक्शन तथा अक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता वाले लोगों को ठग रहे हैं। यह लोग यह विश्वास दिलाते थे कि उन्हें उक्त इंजेक्शन तथा ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराएंगे तथा इस कार्य के लिए 40 प्रतिशत कीमत पहले तथा शेष रकम आपूर्ति के समय लेंगे। उच्चाधिकारियों के निर्देशन पर उक्त शिकायत की जांच के लिए टीम द्वारा कार्रवाई प्रारंभ की गई। निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार द्वारा सविलांस के जरिए से इनके ठिकानों का पता किया गया। वृंदावन कॉलोनी लखनऊ में इनका लोकेशन प्राप्त हुआ। वहां सिल्वर की होटल के पास यह किसी कार्य से एकत्रित थे। मोबाइल नंबर पर कॉल किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव कर लिया जिससे यह निश्चित हो गया कि ये वही लड़के हैं। तत्पश्चात इनसे नियमानुसार पूछताछ की गई तो पाया गया कि उक्त दोनों नंबरों को ट्विटर हैंडल से आरएसएस के नाम से प्रसारित किया गया था। एक सप्ताह पूर्व से सक्रिय हुए इस गिरोह ने अभी तक लगभग 2 दर्जन लोगों को धोखा दिया जाना स्वीकार किया है। पुलिस ने दो किशोरों को हिरासत में लेकर किशोर न्याय बोर्ड भेज दिया है।

लविवि स्थित ऐतिहासिक लाल बारादरी का एक हिस्सा गिरा

● अवध के दूसरे नवाब नसीरुद्दीन हैदर ने 1830 के आसपास करवाया था निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। हालांकि इमारत की स्थिति को देखते हुए विवि की तरफ से पूर्व में ही इसकी बैरिकेडिंग कर दी गई थी, जिसके चलते कोई हानि नहीं हुई। इस इमारत को वर्ष 1830 के आसपास नसीरुद्दीन हैदर ने बनवाया था। विवि की स्थापना से पूर्व इसे बादशाह बाग के नाम से जाना जाता था।

हालांकि विवि की तरफ़से इसके मर मत को लेकर कई बार आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को पत्र लिखा गया था लेकिन मर मत नहीं हो पाई। इसके अलावा विवि की तरफसे भी इसका मर मत नहीं कराया गया। इस बारे में विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक भवन की स्थिति को देखते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अगुवाई में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो पियूष भार्गव, निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो निशी पांडेय के साथ एक कमेटी का गठन किया गया था। प्रो पीयूष भार्गव ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश स्टेट आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट को लाल बारादरी के संरक्षण हेतु सहायता का पत्र प्रेषित किया था। प्रो भार्गव ने बताया की बारादरी के अनुरक्षण संरक्षण संबंधी प्रयास सन 2010 से ही किये जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश कहीं से भी कोई सहायता अभी तक प्राप्त नही हो पाई है।

डायल 112 पर सीएम के लिए भेजा गया धमकी भरा मैसेज

लखनऊ। यूपी पुलिस के डायल 112 कंट्रोल रूम व्हाटसएप पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। कंट्रोल रूम पर मौजूद आपरेटर ने मैसेज मिलते ही अधिकारियों को सूचना दी। जिसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मैसेज भेजने वाले नम्बर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। डायल 112 में अंजुल कुमार आपरेशन कमांडर मुख्यालय के पद पर तैनात है। उन्होंने बताया कि बीती 29 अप्रैल की शाम 7.58 मिनट पर मीडिया डेस्क के व्हाटसएप नम्बर पर एक मैसेज आया था। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई थी। मैसेज में लिखा था कि पांच दिन बाद मुख्यमंत्री के साथ बड़ा हादसा होगा। यह मैसेज पढ़ते ही ड्यूटी पर तैनात काल टेकर अंकित दूबे सन्न रह गया।

लखनऊ की 10 सीएचसी पर लगी 160 शिक्षकों की ड्यूटी

● होम आइसोलेशन के मरीजों का लेंगे हाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के चलते लखनऊ में होम आइसोलेशन में रह कर इलाज करा रहे मरीजों का हाल चाल अब शिक्षक लेंगे। इसके लिए लखनऊ की 10 सीएचसी पर लगी 160 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। यह निर्णय सोमवार को स्मार्ट सिटी सभागार में प्रभारी अधिकारी कोविड 19 लखनऊ डॉ रोशन जैकब के साथ संपन्न हुई शिक्षकों व चिकित्सकों के साथ बैठक में लिया गया है। बैठक के बाद प्रभारी अधिकारी ने कहा कि धनात्मक रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने एव होम आइसोलेशन रोगियों के फॉलो अप हेतु सीएचसी वार कॉलिंग व्यवस्था बनाई गई है। उन्होंने बताया कि जनपद की 10 सीएचसी पर कुल 160 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक सीएचसी के निकटम विद्यालय में शिक्षकों के बैठने की व्यवस्था की गई है। साथ ही इसी प्रकार से अनुभवी चिकित्सकों की भी ड्यूटी सीएचसी वार लगाई गई है ताकि होम आइसोलेशन रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श घर बैठे उपलब्ध कराया जा सकें। डॉ जैकब ने बताया कि प्रत्येक सीएचसी के एमओआईसी अपने यहां के शिक्षकों की टीम को धनात्मक रोगियों की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। सूची के अनुसार शिक्षकों द्वारा रोगियों को कॉल करके फॉलो आप लिया जाएगा। शिक्षकों द्वारा रोगी से उनके टेम्प्रेचर, ऑक्सीजन लेवलए आरआरटी के द्वारा दवा उपलब्ध कराई गई या नही एवं क्या उनको चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है अथवा नही आदि फीडबैक लिया जाएगा। यदि रोगी द्वारा चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता बताई जाती है तो उसको हैलो डॉक्टर सेवा का नम्बर दिया जाएगा। जिस पर कॉल कर के रोगी चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यदि किसी को अभी तक दवा नही मिली या कोई अन्य समस्या है तो इसकी सूचना तत्काल एमओआईसी को उपलब्ध कराई जाएगीए ताकि रोगी की समस्या का निस्तारण सुनिश्चित कराया जा सके। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा रोगियों को कॉल करके उनके निस्तारण का सत्यापन भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार से चिकित्सको के पास जो कॉल आएंगे उसमे रोगियो को परामर्श दिया जाएगा और यदि लगता है कि किसी रोगी का स्वास्थ्य गिर रहा है उसे हास्पिटल की आवश्यकता है तो तत्काल उसका विवरण एमओआईसी को उपलब्ध कराते हुए उसे कोविड कन्ट्रोल एंड कमाण्ड सेंटर के माध्यम से हास्पिटल में भर्ती कराने की कार्यवाही की जाएगी।

सिसेण्डी इलाके में पेट्रोल पम्प मैनेजर की गोली मारकर हत्या

संवाददाता। मोहनलालगंज

सिसेण्डी इलाके में सोमवार को दिनदहाड़े पेट्रोल पम्प मैनेजर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का खून से लथपथ शव नहर पटरी पर बरामद किया गया। घटनास्थल से पुलिस को मृतक की बाइक और देशी पिस्टल व बुलेट का खोखा बरामद हुआ है। एडीसीपी और जेसीपी ने मौका मुआयना कर परिजनों और पेट्रोल पम्प स्टाफ से पूछताछ के बाद मातहतों को जल्द खुलासे के निर्देश दिए हैं।

निगोहां के मंगटइया गांव निवासी जसवंत सिंह उर्फ भलोले मोहनलालगंज के इमिलिहा खेड़ा पेट्रोल पम्प पर मैनेजर की नौकरी करते थे। सोमवार को पम्प आने के बाद करीब 11 बजे स्टाफ से कुछ रुपये लेकर बाइक से सिसेण्डी की ओर चले गए। दोपहर बाद जसवंत का खून से लथपथ शव भीलमपुर से भरोसवा जा रही सुनसान नहर पटरी पर पेट के बल पड़ा बरामद किया गया। उसकी कनपटी पर सटाकर गोली मारी गई थी। दिनदहाड़े हत्याकांड की सूचना मिलने हड़कंप मच गया। आनन–फानन इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्र और एसीपी दिलीप कुमार मौके पर पहुंच गए। पुलिस को घटनास्थल पर देशी पिस्टल व बुलेट का खोखा और मृतक की जेब से मोबाइल व पर्स जिसमें रखे कागजात व कुछ रुपये भी बरामद हुए हैं। जबकि मृतक की बाइक बगल में खड़ी मिली। फिलहाल परिजनों ने किसी तरह की रंजिश से इनकार किया है। मृतक के परिवार में पत्नी ममता और दो बेटे अर्पित व अस्मित हैं। एडीसीपी साउथ पूर्णेन्दु सिंह और ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पियूष मोर्डिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से छानबीन की। एडीसीपी ने परिजनों और पेट्रोल पम्प जाकर स्टाफ से भी पूछताछ कर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली। एडीसीपी ने बताया परिजनों ने किसी पर शक नहीं जताया है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है।

अभी भी ऑक्सीजन को लेकर जूझ रहे राजधानीवासी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर से हाहाकार मचा हुआ है। मरीज इलाज के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं। कोई अस्पताल में एक बेड के लिए, जद्दोजहद कर रहा है तो कोई एक.एक सांस के लिए जूझ रहा है और उसे ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। यही नहीं आवश्यक दवाओं की भी बाजार में भारी किल्लत है। जिसकी वजह से भी मरीज दम तोड़ने को मजबूर हैं।

कोरोना के बढ़ते कहर के बाद भी राजधानी लखनऊ के लोग बड़े अभाव में हैं। झारखंड के बोकारो के साथ ही उत्तराखंड से तमाम टैंकर मेडिकल ऑक्सीजन लखनऊ में पहुंचने के बाद भी लोगो को 12 घंटा लाइन में लगने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। न तो सिलेंडर रिफिल हो रहा है और न ही मिल रहा है। इतना ही नहीं अस्पतालों में भी ऑक्सीजन न होने के कारण गंभीर रूप से बीमार भर्ती नहीं हो पा रहे हैं। लखनऊ के ऐशबाग और नादरगंज के ऑक्सीजन प्लांट में सन्नाटा पसरा है। यहां पर लोग सड़कों पर ही एक लाइन से सिलेंडर लगाकर इस उम्मीद में हैं कि शायद उन्हें सांस मिल जाए। तीमारदार शहर में जगह जगह लम्बी लाइन में लग सांसें लेने के प्रयास में हैं। ऑक्सीजन की किल्लत के कारण विभवखंड के सन हॉस्पिटल ने कोविड मरीजों को अस्पताल से हटाने का नोटिस लगाया है। यहां पर ऑक्सीजन खत्म होने से मरीजों की जान संकट में है। इस अस्पताल में बड़ी संख्या में कोविड मरीज भर्ती हैं। लखनऊ के ही कुछ अस्पतालों में तो संक्रमितों को इस शर्त के साथ भर्ती किया जा रहा है कि वह लोग अपने साथ ही ऑक्सीजन लेकर आएं। यहां पर निजी अस्पताल में ऑक्सीजन लाने पर भर्ती हो रही है। कोविड अस्पतालों में 24 घंटे का भी बैकअप नहीं है तो निजी अस्पताल बैकअप के लिए परेशान हो रहे हैं। इस सभी जगह पर भर्ती मरीजों के परिजन भटकने को मजबूर हैं। ऑक्सीजन की किल्लत के कारण अस्पतालों में बेड खाली हो रहे हैं। ऑक्सीजन न मिलने से यह सभी अस्पताल अपने को नॉन कोविड करने की मांग कर रहे हैं। कुछ निजी अस्पतालों ने नॉन कोविड में बदलने के प्रस्ताव भेजे हैं।

रेमडेसिविर का विकल्प भी गायब: कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए रेमडेसिविर के बाद अब इसका विकल्प डेक्सामेथासोन भी बाजारों से गायब होने लगा है। बाजारों में इन इंजेक्शन की भारी किल्लत है। जमाखोरों ने इन सस्ते इंजेक्शनों को भी बाजार से हटा दिया है। इसके अलावा कोरोना संक्रमितों को लाभ पहुंचाने वाले कई अन्य जरूरी इंजेक्शन भी बाजार में नहीं हैं। तीमारदार शहर के मेडिकल स्टोरों पर इन इंजेक्शन की तलाश के लिए इधर उधर भटक रहे हैं।

योगी ने कोरोना की जंग में खिलाड़ियों से मांगा सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना की लड़ाई में खिलाड़ियों से सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी का जीवन बड़ा ही संयमित और अनुशासित होता है। इस महामारी से बचाव के लिए उसी अनुशासन और संयम की जरूरत है। सीएम ने कहा कि कुछ लोगों की नकारात्मक और भ्रामक प्रचार से आम आदमी सही जानकारी से वंचित हो जा रहा है, ऐसे में जरूरत है कि आप सभी लोगों को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि मास्क लगाना अनिवार्य है, ग्लव्स पहनना जरूरी है। सैनीटाइजेशन आपको संक्रमित होने से बचाएगा। घर से अनावश्यक बाहर न निकलें।

सीएम योगी सोमवार को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से संवाद सदैव ही उत्साहवर्धक रहा है। पूरा देश पूरी दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही है, ऐसे में खिलाड़ियों की सकारात्मक ऊर्जाए उनका हौसला और उनकी टीम भावना सभी के लिए प्रेरणास्पद है। योगी ने कहा कि कोरोना कोई सामान्य वायरस नहीं अपितु महामारी है। यह अपनी पिछली लहर से 30 से 50 गुना अधिक संक्रामक है। यह कोई सामान्य बीमारी नहीं है, कोरोना एक महामारी है। बचाव ही इसका सबसे सरल उपाय है। सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष कोविड की पहली लहर जब पीक पर थी, तब 68000 केस आये थे। एक दिन में 7750 केस अधिकतम आये थे। नियंत्रण के लगातार प्रयासों से यह घटते घटते 85 तक आ गया था। लेकिन आज इसकी संक्रामकता अत्यधिक है। सामान्य दिनों में यदि 500 बेड का हॉस्पिटल है तो वहां 450-500 मरीज में से 35-40 को ऑक्सीजन और 5-10 को वेंटिलेटर की जरूरत होती थी। आज स्थिति अलग है। बीते 24 अप्रैल को एक ही दिन ने 38000 केस आये। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार सभी जरूरी प्रयास कर रही है, लेकिन आम आदमी की सावधानी और जागरूकता बहुत जरूरी है।

सीएम ने कहा कि हर जिले की सीधी निगरानी हो रही है। आप की बात दूर तक जाएगी, लोगों को बताएं कि थोड़े भी लक्षण हों तो डरें नहीं, टेस्ट कराएं। चिकित्सक से परामर्श करें। ज्यादातर लोग घर में आइसोलेट रहते हुए पूर्णतः स्वस्थ हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सर्वाधिक टेस्ट करने वाला राज्य है। अब तक यहां चार करोड़ 17 लाख से अधिक टेस्ट हो चुके हैं। यही नहीं हम सबसे ज्यादा टेस्ट कर रहे हैं तो यहां 18-44 आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण भी शुरू हो गया है। टीकाकरण कोविड से बचाव का सुरक्षा कवच है। सरकार रैपिड रिस्पॉन्स टीम बढा रही हैं तो टेस्टिंग कैपिसिटी को भी बढाया जा रहा है। निगरानी समितियां लागातर एक्टिव हैं। हर जिले में आइसीसीसी बनाये गए हैं। होम आइसोलेशन के लोगों से संवाद हो रहा है। योगी ने कहा कि यह महामारी है। संसाधन कितने भी हो, कभी पर्याप्त नहीं होते। आज सभी को मानसिक सम्बल की जरूरत है। चुनौतियों से जूझना खिलाड़ियों से बेहतर कौन जानता है। टीम वर्क का महत्व खिलाड़ी बेहतर जानते हैं। यह समय अनावश्यक टिप्पणियों नही, भ्रम फैलाने वाली सूचनाओं के प्रसार का नहीं, एकजुट रहने का है। संवाद कार्यक्रम में हॉकी, एथलेटिक्स और क्रिकेट सहित विभिन्न खेल विधाओं के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने विचार रखे। जिसमें प्रमुख रूप से क्रिकेटर सुरेश रैना एथीलीट विजय सिंह चौहान ने कहा हॉकी खिलाड़ी प्रीति दुबे ने अपनी बात रखी और कहा कि आज समय एकजुट होने का है। कोविड पॉजिटिविटी को हम अपने मन की पॉजिटिविटी से हरा सकते हैं।

बरेली के उपजिलाधिकारी की मौत, सीएम ने जताया शोक

लखनऊ। प्रादेशिक प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के अधिकारी डॉक्टर प्रशांत कुमार की सोमवार को मृत्यु हो गई। प्रशांत कुमार बरेली जिले में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के पद पर तैनात थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कुमार बरेली के श्रीराम मूर्ति मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे और उनमें कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण थे लेकिन उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। आज अचानक उनकी हालत काफी बिगड़ गई और उन्हें एयर एंबुलेंस से सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली भेजा गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात डॉक्टर प्रशांत कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

300 अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में आक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से लड़ाई में आ रही आक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 300 अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों मे आक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। साथ ही इसके अतिरिक्त सभी सीएचसी में आक्सीजन कंसन्ट्रेटर लगाने हेतु लगभग 21 हजार आक्सीजन कंसन्ट्रेटर खरीदने की प्रक्रिया हो गयी है। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि प्रत्येक सीएचसी में 2.2 आक्सीजन कंसन्ट्रेटर लगाये जायेंगे। प्रदेश में ऑक्सीजन की प्रतिदिन बढ़ोत्तरी करते हुए आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। इसी क्रम में 736 मीटन आक्सीजन की सप्लाई की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आज 93,210 कन्टेनमेंट जोन में 1300 थाना है जिसमें 2 लाख 40 हजार कोरोना पॉजिटिव लोग है। 2 लाख 85 हजार एक्टिव केस में से 2 लाख 33 हजार मरीज होम आइसोलेशन में है। इन आसोलेशन मरीजों को डोर टू डोर आवश्यक सामान तथा मेडिसिन किट उपलब्ध करायी जा रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए अब 31 तक हो सकेंगे आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण से खतरे को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक और पीएचडी रेगुलर एवं पार्ट टाइम पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। दाखिले के लिए अभ्यर्थी अब 31 मई तक आवेदन कर सकेंगे।

विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक 12वीं की परीक्षाएं भी अभी तक नहीं हुई हैए जिसके चलते यह फैसला लिया गया हैं। प्रवक्ता के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों बीबीए एवं बीसीएद्ध एवं परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमो एमबीए एवं एमटीटीएम आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 मई से 31 मई कर दिया है। पीएचडी ; रेगुलर एवं पार्ट टाइमद्ध पाठ्यक्रमों (सत्र 2020-21) के आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है। बीपीएड एएमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।

15 मई तक एसएमयू मे कक्षाएं बन्द: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय 15 मई तक बंद रहेगा। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। यह जानकारी कुलचिव अमित कुमार सिंह ने दी है।

हर बूथ को कोरोना मुक्त करना होगा: भाजपा

पार्टी की लखनऊ महानगर इकाई ने वर्चुअल बैठक कर की गहन चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी लखनऊ महानगर द्वारा वर्चुअल बैठक का आयोजन करते हुए कोविड महामारी की दूसरी लहर से पीड़ित जनों को हर संभव सहायता प्रदान कराने के संबंध में गहन चर्चा की गई। लखनऊ प्रभारी प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा की कार्यकर्ताओं को सेवा ही संगठन भाव को चरितार्थ करते हुए हर संभव प्रयास द्वारा प्रत्येक बूथ को कोरोना मुक्त करना होगा। इस अभियान में प्रशासन का सहयोग लेने के अलावा समाजसेवी संगठनों को भी साथ लेना चाहिए। कार्यकर्ता कोविड-19 मानको का पालन करते हुए व अपने स्वास्थ्य की भी चिंता करते हुए आवश्यकतानुसार पीपीई किट पहनकर पीड़ितों और होम आइसोलेशन में जरूरतमंदों तक मास्क, दवाई भोजन व आवश्यक वस्तुएं यथाशीघ्र पहुंचाने का काम करे। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने कहा की वह स्वयं कोविड-19 ग्रस्त हैं पर होम आइसोलेशन में रहते हुए भी फोन के माध्यम से निरंतर कार्यकर्ताओं और जनता के निरंतर संपर्क में हैं और अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं के निराकरण का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। पूरे शहर में वृहद स्तर पर सैनिटाइजेशन का कार्य भी नगर निगम कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सभी से यह अपील भी की कि सोशल मीडिया पर नकारात्मक पोस्ट ना करें सदैव सकारात्मक पोस्ट करते हुए लोगों का हौसला बनाए रखें। कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक ने बताया कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में दवाई वितरण के साथ स्टीम वेपराइजर का वितरण करते हुए जनता को संक्रमण से बचाव के लिए सभी उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मंत्री स्वाति सिंह ने बताया की कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में होम आइसोलेशन में जरूरतमंदों को किट का वितरण किया जा रहा है जिसमें दवाई, मास्क, सैनिटाइजर के साथ में महिलाओं हे सेनेटरी पैड भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विषम परिस्थितियों में महामारी का मजबूती से सामना किया जा रहा है। युवा मोर्चा कार्यकर्ता द्वारा ऐसे मृतकों का अंत्येष्ठी का भी कार्य भी किया जा रहा है जिनके परिवार में इन विषम परिस्थितियों में अंतिम समय में क्रिया कर्म करने के लिए परिवारिक सदस्य उपस्थित नहीं है। बैठक में उपस्थित सभी मंत्री, विधायकों, महानगर पदाधिकारियों, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्षों ने 2 मिनट का मौन रखकर कोरोना के चलते दिवंगत हुए विधायक सुरेश श्रीवास्तव, उनकी धर्मपत्नी, मंडल अध्यक्ष अतुल अग्रवाल व अन्य स्वर्गवासी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बीजेपी प्रवक्ता के निधन पर संगठन ने व्यक्त किया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ मनोज मिश्रा के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। स्वतंत्र देव सिंह ने मनोज मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता को खो दिया। उनका निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सुनील बंसल ने कहां डॉ मनोज मिश्र के निधन की सूचना अत्यंत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यआत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। मनोज मिश्र जी के निधन पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य, पंकज सिंह, विजय बहादुर पाठक, सलिल विश्नोई, प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर, गोविन्द नारायण शुक्ला, अनूप गुप्ता, प्रियंका सिंह रावत, प्रदेश मंत्री त्रयम्बक त्रिपाठी, सुभाष यदुवंश, संजय राय, डा चन्द्रमोहन सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, शलभ मणि त्रिपाठी, समीर सिंह, मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, अनीला सिंह, अशोक पाण्डेय, जुगल किशोर, प्रदेश मीडिया सहप्रभारी आलोक अवस्थी, हिमांशु दुबे, प्रदेश मीडिया सम्पर्क विभाग संयोजक डा तरूणकान्त त्रिपाठी आदि ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

व्यापारी को गोली मारने वाले दो संदिग्ध हिरासत में

लखनऊ। गुडम्बा थाना क्षेत्र के छुईया पुरवा पुलिस चौकी के पास ज्वैलर्स की दुकान में लूटपाट के विरोध में व्यवसाई को गोली मारने वाले दो संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों का दावा है कि पुलिस गिरफ्त में आए बदमाशों ने घटना करना कबूल कर लिया है। मंगलवार को पुलिस घटना का खुलासा कर सकती है। छुईया पुरवा पुलिस चौकी के पास सर्राफ अनुराग अवस्थी की अंजनी के नाम से ज्वैलर्स की दुकान है। शुक्रवार देर शाम नकाबपोश तीन बदमाश अंदर घुसकर लूटपाट का प्रयास करने लगेएविरोध में अनुराग से उनकी हाथापाई होने लगी। इस पर बदमाशों ने अनुराग के सिरपर बट मार कर घायल कर दिया। यह देख पड़ोस के किराना व्यवसायी पीयूष अग्रवाल भी अनुराग के बचाव में अंदर आकर बदमाशों से भीड़ गया। खुद को फंसता देख बदमाश भागने लगे तो पीयूष को पीछे दौड़ते देख बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी और अपने साथियों के साथ बाइक और स्कूटी से असलहा लहराते हुए भाग निकले थे। गोली पीयूष के जबड़े को लगी। लहूलुहान हालात में उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटे के आधार पर दो बदमाशों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

चोरों ने उड़ाई नकदी व जेवरात

लखनऊ। राजधानी के कृष्णानगर इलाके में अज्ञात चोरों ने बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी चोरी कर लिया। बताया जा रहा है कि उसी मकान में रह रहे एक अन्य किरायेदार के यहां हाथ साफकर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार न्यू शुभम सिटी अलीनगर सुनहरा निवासी ममता कनोजिया ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ कानपुर गई हुई थीं। एक मई को जब वापस वह अपने घर लौटी तो देखा कि मकान के सारे ताले टूटे हुए हैं और उनमें रखी नकदी व जेवरात चोरी हो गए हैं वही मकान में रह रहे एक अन्य किरायेदार सतेंद्र मिश्रा के भी कमरे से नकदी व जेवरात चोरी हुए हैं पुलिस ने वादिनी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वायरल हुआ दरोगा के रिश्वत लेने का आडियो

लखनऊ। जहां एक तरफ वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की वजह से पूरा प्रदेश अपनों की जान बचने में जुटा है और लोगों की मदद कर रहा है वहीं पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस के एक दरोगा पर 50 हज़ार रुपए की रिश्वत लेने का आरोप सोशल मीडिया पर वायरल होने से पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। रविवार की रात सोशल मीडिया पर जारी हुए दो लोगों की बातचीत के ऑडियो रिकॉर्डिंग और मैसेज में कहा गया है कि लखनऊ पश्चिम क्षेत्र के सआदतगंज थाने की कटरा विजय बेग पुलिस चौकी के इंचार्ज संजय गुप्ता और एक कांस्टेबल द्वारा चौपटिया के कच्चा पुल पर मांस की दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति से 50 हज़ार की रिश्वत ली गई। हालांकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो मैसेज में जो दो लोग आपस में बात कर रहे हैं उसमें एक मांस के विक्रेता और दूसरा ग्राहक बताया जा रहा है मांस लेने के इच्छुक ग्राहक से मांस विक्रेता द्वारा यह बताया जा रहा है कि कटरा विजन बेग चौकी के दरोगा और एक सिपाही द्वारा उससे 50 हज़ार की रिश्वत इसलिए ली गई क्योंकि वह लॉकडाउन में मांस बेच रहा था सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो के संबंध में आरोपी बनाए जा रहे उपनिरीक्षक संजय गुप्ता का कहना है कि यह सच है कि वह मांस की बिक्री की सूचना पर मांस विक्रेता को पकड़कर चौकी लाए थे लेकिन लॉकडाउन में मांस बिक्री की खबर गलत साबित होने पर उसे छोड़ दिया गया था। वहीं इस सम्बन्ध में पुलिस के आला अफसरों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जारी हुए ऑडियो मैसेज की जांच की गई तो प्रथम दृष्टया ऑडियो फर्जी प्रतीत हो रहा है आला अधिकारियों का कहना है कि क्योंकि मामला रिश्वत जैसा गंभीर है इसलिए जांच जारी है।

प्रत्याशियों ने जीत पर निकाले विजय जुलूस

संवाददाता। माल

निर्वाचन आयोग का त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के परिणामों के बाद विजय जुलूसों पर कड़े प्रतिबन्धों के निर्देश जारी किये थेए लेकिन प्रत्याशियों की जीत के आगे बौने साबित हुये। जीते हुये प्रत्याशियों के मना करने बाद समर्थकों के हुजूम ने विजय जुलूसों का रूप ले लिया और जयकारे और नारे बाजी के साथ ही अमीर गुलाल भी खूब उड़ाया गया। इस मंजर पर जिम्मेदारों को भी मौन देखा गया। जब कुछ मीडिया कर्मियों ने फोटो खींचना शुरू किया तो पुलिस देखते ही हरकत में आयी और कुछ ग्रामीणों को थाने पर बैठा लिया। जिन्हें घन्टे भर बाद में छोड़ दिया गया। थरी पंचायत लतीफपुरएशाहमऊ नौबस्ता सहित दर्जनों पंचायतों में प्रतिबन्ध के बाद भी धूम धड़ाके से विजय जश्न मनाये गये।

इनके सिर बंधा जीत का सेहरा: विकास खंड की 67 पंचायतों के ग्राम प्रधान पदों के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आ गया। जहां गोड़वा बरौकी पंचायत में मो अनीस ने पुनः जीत दर्ज करायी वहीं ससपन में मैकू, गोपालपुर में परमेश्वर यादव, तिलन में असलम, गोड़वा में वीरेंद्र शुक्ला, जमोलिया से मुस्ताक, खड़सरा से दिनेश कुमार, गहदों से चन्द्रवती सिंह, सन्तोष कुमार रावत ,सैदापुर से छोटे लाल, बड़खोरवा से प्रेमा देवी, मसीढारतन से पूनम,मसीढा हमीर से मोहनी, चंदवारा से इलियाश, आंट से अरविंद यादव, माल से आसुतोष, रामनगर से राधाकृष्ण, अमलौली से अनवार अहमद, कड़ौरा से शैलेंद्रसिंह, नई बस्ती भिटौरा से पुत्तीलाल, नरायनपुर से जितेंद्र, गुमसेना से रामकुमार नाई, रनीपारा से सुष्पा सिंह, अऊमऊ से गंगाराम, दनौर से सुनीता, आदमपुर से राजेश गुप्ता, कोलवा भनौरा से रजाना, गौरैया से मायावती, पतौना से बरातीलाल, लतीफपुर से गीता सिंह, सरथरा से आबिराबानो, सैमसी से सुरेश यादव, भानपुर से आशीष कुमार, ढखवा से हँसावती, नबीपनाह से प्रकाश सिंह हसनापुर से रमेश, शाहपुर गोड़वा से राकेश, मंझौवा से मालती देवी,मंझी निकरोजपुर से रतीभान सिंह, मडवाना से रणवीर सिंह , देवरी भारत से आशा देवी, बाजार गांव से अजय रावत, अकबरपुर से सुनीता देवी, बसन्तपुर से ममता, सालेहनगर से राजेशयादव ,रायपुर से सियाराम, मवई खुर्द से विजयरावत, वीरपुर से सुशीला देवी, शंकरपुर से रोचना मिश्रा, देवरी गजा से राधाशुक्ला, जिन्दाना से सुमन सिंह ,अटारी से संयोगिता सिंह, करेंद से राजेन्द्र मौर्य, आंटगढ़ी सौंरा से लालबहादुर,, पारा भदराही से गुडडू गाजी, रुदानखेड़ा से हनुमान, शाहमऊ नौबस्ता से सुनीता, सिसवारा से मन्जेश कुमार, रहटा से पूनम, बहिर से रेशमा, अहिन्डर से प्रेमकुमार, उमरावल से चन्द सिंह , बहरौरा से राखी , लोधौरा कमालपुर से सीमा देवी, पिपरी कुराखर से गुड्डी, बदैंया से कल्लू कश्यप, टिकरी कला से सन्तोष कुमार गुप्ता विजयी घोषित किये गये। इस बार सालेह नगर पंचायत के विजयी प्रधान रहे राजे शकुमार यादव ने ब्लाक में सबसे अधिक 860 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं ब्लाक की शाहमऊ नौबस्ता पंचायत की विजेता प्रधान सुनीता देवी ने सबसे कम मतों के अंतर मात्र एक मत से जीत हाशिल करने वालों में शुमार हैं।

पंचायत	विजेता प्रधान
करनपुर	मदनमोहन सिंह
भसण्डा	ललित कुमार
उत्तरगांव	ज्ञान सिंह
रामपुर गढ़ी जमुनी	सत्यप्रकाश
अचलीखेड़ा	अरविन्द कुमार
मंगटइया	नेहा साहू
दहियर	सोनी
डिघारी	दीपिका
रायभानखेड़ा	सुमन रावत
अघइया	उर्मिला देवी
भदेसुवा	गीता
शेरपुर लवल	आनन्द रानी
नटौली	पुष्पेन्द्र सिंह
भगवानपुर	सुनीता
कुशमौरा	माया
तमोरिया	आनन्दगोपाल
बैरीशालपुर	अनुपम
गढ़ी मेंहदौली	सरिता
खुझौली	राजकुमार
छतौनी	भानुशंकर
हुलासखेड़ा	नीता यादव
परेहटा	कुसुमावती
कांटा करौंदी	अमित कुमार
गढ़ा	सुनील कुमार
धनुवासांड़	कृष्णशरण प्रद्युम्न
सिसेण्डी	सन्नो जायसवाल
सल्सामऊ हिल्गी	रुपरानी
कनकहा	मंशाराम
बघौना	कैलाशनाथ
रतनापुर	शिवबरन सिंह
गोविन्दपुर	प्रियंका
राती	नवनीत कुमार
मीरकनगर	फूलमती
समेसी	अशोक कुमार
रघुनाथखेड़ा	कमलेश
उतरावां	भोलानाथ
करोरा	सुधीर कुमार
निगोहां	अभय कांत दीक्षित
भद्दी सिर्स	सुरेश कुमार
रामदासपुर	राजकुमार
लालपुर	नीरज
जबरौली	रेनू
दयालपुर	निर्मला
देवती	विद्या देवी
एटीए नगराम	सुनीता

युवाओं ने बाजी मारी, पंचायतों में मतदाताओं ने चुनी पढ़ी-लिखी सरकार

संवाददाता। मोहनलालगंज

पंचायतों में इस बार युवाओं ने बाजी मारी है। मतदाताओं ने गांव के विकास की कमान नौजवानों को सौंपकर उनके मजबूत कंधों पर भरोसा जताया है। खास बात यह भी है कि डिजिटल इण्डिया के दौर में मतदाताओं ने शिक्षित उम्मीदवारों को तरजीह देकर ज्यादातर पंचायतों में पढ़ी.लिखी सरकार चुनी है।

मोहनलालगंज ब्लाक की दर्जनों ग्राम पंचायतों में मतदाताओं ने इस बार शिक्षित और युवा चेहरों पर भरोसा जताया है। ब्लाक की सबसे चर्चित ग्राम पंचायत निगोहां में जनता ने 26 वर्षीय अभयकान्त दीक्षित को चुना है। अभय के माता पिता दोनों प्रधान रह चुके हैं। सबसे बड़ी पंचायत समेसी में मतदाताओं ने युवा अशोक कुमार और हसनपुर में सत्यम सिंह को प्रधान पद की कमान सौंपी है। इसी तरह रायभानखेड़ा से युवा सुमन रावत और धनुवासांड़ से कृष्णशरण प्रद्युम्न ने प्रधान पद हासिल किया है। भौंदरी से युवा देवेन्द्र सिंह और अचलीखेड़ा से अरविन्द कुमार जीतने में कामयाब रहे हैं। दहियर , दाउदनगर, सलेमपुर अचाका, करोरा ,कुढ़ा और जबरौली समेत कुछ अन्य पंचायतों में मतदाताओं ने युवाओं को ही तरजीह दी है। मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत रायभानखेड़ा में इस बार इन्द्रजीत खेड़ा को भी शामिल किया गया था। इस गांव ने पंचायत के चुनावी समीकरण बदलकर रख दिए। जिसका असर नतीजों में साफतौर पर नजर आया।

जीत के मौके पर आंखों से छलक पड़े आंसू: ग्राम पंचायत हुलासखेड़ा में चुनाव प्रक्रिया के दौरान ही प्रधान पद पर जीती नीता यादव के पति का बीमार होकर अकस्मात निधन हो गया था। सोमवार को नीता मतगणना केन्द्र पर विजयी प्रमाण पत्र लेने पहुंची उनकी आंखों से आंसुओं का सैलाब छलक पड़ा। परिवार के लोगों ने किसी तरह उन्हें संभालकर प्रमाण पत्र दिलाया।

दिग्गज हुए पस्त नए चेहरों को जनादेश: मोहनलालगंज की पंचायतों में इस बार मतदाताओं के बदले मिजाज ने दिग्गजों के हौसले पस्त कर नए चेहरों पर भरोसा जताया है। भसण्डा ,रायभानखेड़ा, हुलासखेड़ा ,परेहटा ,भौंदरी ,उतरावां, अघइया और जबरौली समेत कुछ पंचायतों से चुनावी मैदान में उतरे नए चेहरों को ही जीत हासिल हुई है।

सफाईकर्मियों को करनी पड़ी मतगणना: मोहनलालगंज में मतगणना केन्द्र पर सोमवार की दोपहर बाद से ही मतगणना कर्मी गायब होना शुरु हो गए। लिहाजा शाम होने तक अधिकतर टेबिल खाली हो जाने से अधिकारियों ने सफाईकर्मियो को जुटाकर किसी तरह मतगणना का कार्य जैसे तैसे पूरा कराया। जिसे लेकर कर्मचारियों में आक्रोश नजर आया।

धांधली का आरोप लगा हंगामा , विधायक ने दिया धरने का अल्टीमेटम: मोहनलालगंज में जिला पंचायत सदस्य के चारों वार्ड की मतगणना पूरी होने के बावजूद एआरओ देर रात तक मतगणना शीट तैयार कर आरओ को नहीं दे सके। चुनाव परिणाम सार्वजनिक करने में देर हुई तो सपा और बसपा के उम्मीदवारों ने अधिकारियों पर सत्ता पक्ष के उम्मीदवारों को जिताने के लिए धांधली की आशंका जताकर हंगामा शुरु कर दिया। बवाल बढ़ता देख एडीएम वित्त एवं राजस्व विपिन मिश्र मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मतगणना निष्पक्ष तरीके से होने और पुर्नमतगणना की संभावना से साफ इनकार कर जल्द शीट तैयार कराने का भरोसा दिया। घण्टे भर बाद भी शीट नहीं तैयार हो सकी तो सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने मतगणना केन्द्र पहुंचकर अधिकारियों को धरना प्रदर्शन तक की चेतावनी दे डाली जिससे हड़कंप मच गया।

परिणामों की घोषणा के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गांव-गांव सतर्कता व गश्त बढ़ाने के निर्देश

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सकुशल संपन्न कराने के बाद प्रदेश पुलिस की अगली बड़ी चुनौती मतगणना के परिणामों की घोषणा के बाद गांव में शांति व्यवस्था कायम रखना है। चुनाव में विजयी और पराजित हुए प्रत्याशियों व उनके समर्थकों के बीच कहीं कोई टकराव ना हो इसके लिए गांव गांव में पुलिस को अपनी सतर्कता बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि गांवों में सतर्कता और पुलिस गश्त बढ़ा दी जाए। कहीं पर भी कोई प्रत्याशी ना तो विजय जुलूस निकाले और ना इस संबंध में कोई जश्न बनाया जाए। जिससे प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के बीच होने वाली कहासुनी को टकराव में बदलने से टाला जा सके। चुनाव प्रचार के दौरान जिन गांवों में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस की नजर अब उन्ही गांवों और उनके प्रत्याशियों पर है। चुनाव के दौरान झगड़ा करने वालों को पुलिस ने पाबंद किया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हारने और जीतने वाले प्रत्याशियों के बीच में दोबारा संघर्ष हो सकता है। विशेषकर मामूली अंतराल से जीतने और हारने वाले प्रत्याशियों के बीव संघर्ष होने की ज्यादा आशंका है। इसके मद्देनजर पुलिस ने इन गांवों में सतर्कता बढ़ाई है। इसके साथ ही पिछले चुनावो के दौरान जिन गावों में खूनी संघर्ष हुआ था। वहां पर भी पुलिस की नजर है।

सेवानिवृत्त शिक्षिका ने भी रिकार्ड तोड़ जीत दर्ज कर सम्भाली गांव की कमान

निगोहां। ग्राम पंचायत आगहिया की 62 साल की उर्मिला द्विवेदी ने प्रधानी जीत दर्ज कराई वर्ष 2016 प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने अपना समय गांव के विकास की ओर दिया व समाज सेवा से जुड़ी रही पटसा की रहने वाली उर्मिला द्विवेदी ने आज रिकॉर्ड जीत हासिल कर गांव की कमान संभाली।

मतगणना के दूसरे दिन जयघोष के नारों से, गूंजता रहा बीकेटी

बख्शी का तालाब। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के मतदान के दूसरे दिन सोमवार को दिन भर नतीजो के साथ ही मतगणना स्थल के बाहर जिन्दाबाद के नारे गूंजते रहे थे। रविवार देर रात से लेकर सुबह तक समर्थक और प्रत्याशी मतदान स्थल के चारों ओर जुटे थे।

गोमती नदी में संदिग्ध परिस्थितियों में उतराता मिला युवक का शव

बीकेटी। लखनऊ मंझी घाट स्थित पुल के नीचे नदी की झाड़ियों में फंसा युवक का शव मिला हैं। वही परिजनों ने हत्या के बाद शव फेके जाने की बात कह रहे है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया हैं। वह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे के कार्यवाही की बात कह रही हैं। घटना बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के कठवारा गांव स्थित मंझी पुल के नीचे शाम छह बजे के करीब की हैं। ग्रामीणों ने एक शव पुल के नीचे झाड़ियों में फंसा देखा। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने मछुवारों की मदद से शव को बाहर निकाला। शिनाख्त करने के बाद पता चला मृतक संतोष कुमार 22 निवासी बिकामऊ खुर्द बीकेटी का था । जो तीन दिन पूर्व घर से अचानक गायब हो गया था। परिजनों ने जिसकी शिकायत पुलिस थाने में भी की थी । मृतक के पिता स्व सुशील कुमार की लाश भी मौत 6 माह पूर्व गांव के बाहर बाग में संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ में लटकती मिली थी। मृतक के चचेरे भाई ने हत्या की आशंका जताते हुये जांच की मांग की है।

कोविड-19 की रोकथाम के हो रहे प्रयासः सीडीओ

अयोध्या। सीडीओ अनीता यादव ने इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर में कोविड.19 संक्रमण के प्रसार पर प्रभावी रोकथाम बचाव हेतु किए जा रहे कार्यों व संक्रमित व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं के स्थिति की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने घर पर उपचार ले रहे व विभिन्न चिकित्सालयों में भर्ती कोविड.19 से संक्रमित मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली तथा घर पर उपचार ले रहे समस्त मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा मरीज के पॉजिटिव आते ही तत्काल मेडिसिन किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घर पर उपचार ले रहे मरीजों से प्राप्त फीडबैक जिन मरीजों को मेडिसिन किट उपलब्ध नहीं है उन्हें भी तत्काल पहचान कर मेडिसिन किट उपलब्ध कराया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान कर उनकी कोविड जांच कराने तथा निगरानी समितियों द्वारा चिन्हित किए गए सिंप्टोमेटिक लोगों की जांच कराना सुनिश्चित करने तथा पॉजिटिव आने पर उन्हें तत्काल मेडिसिन किट व की। उन्होंने बताया कि जनपद में टेस्टिंग की समस्त टीमों के पास पर्याप्त आवश्यकतानुसार बेहतर चिकित्सा सुविधाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में कोविड टीकाकरण के स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने जनपद में टेस्टिंग किट उपलब्ध है। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीएम एनसीआर ने की उत्तर मध्य रेलवे पर कोविड 19 स्थिति की समीक्षा

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे कोविड 19 से अपने कार्यबल की रक्षा करते हुए सुरक्षित और कुशल ट्रेन संचालन को निर्बाध रूप से बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। सतत निगरानी प्रणाली के अंतर्गत सोमवार को महाप्रबंधक विनय कुमार त्रिपाठी ने उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षों मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज झांसी और आगरा के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर मध्य रेलवे पर कोविड 19 स्थिति की समीक्षा की। रेल द्वारा रो रो तथा कंटेनर रेक के माध्यम से तरल मेडिकल ऑक्सीजन के त्वरित परिवहन सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तर मध्य रेलवे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑक्सीजन एक्स. में प्रयुक्त किए जा रहे 106 वैगनों से लैस 4 टैंक वैगन के रेक झांसी में तैयार करने के अतिरिक्त उत्तर मध्य रेलवे आक्सिजन एक्सप्रेस के खाली एवं लोडेड रेक के तीव्र गति से परिवहन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

29 नामजद समेत 250 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा हुआ दर्ज

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के अमीनपुर गांव में निवर्तमान प्रधान व वर्तमान प्रधान गुट के बीच में हुई मारपीट में पुलिस ने निवर्तमान प्रधान गुट की तहरीर पर 29 नामजद और 250 अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। आरोप है कि नवनिर्वाचित प्रधान गुफरान के द्वारा रैली निकाली जा रही थी, उसी दौरान अचानक निर्वाचित प्रधान गुफरान गुट ने निवर्तमान प्रधान गुट पर हमला बोल दिया और घर में तोड़फोड़ किया। इस दौरान कई लोगों को चोटें आई । तहरीर के अनुसार घटनास्थल पर अलनपुर के भी कुछ लोग निवर्तमान प्रधान के गुट की तरफ से मौजूद थे, इनको भी चोट आई है। तहरीर के अनुसार वर्तमान प्रधान की तरफ से भी अलनपुर के लोग मौजूद थे। यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि यदि यह मारपीट सुनियोजित नहीं थी तो घटना स्थल पर अलनपुर के लोग क्या कर रहे थे। यहां यह भी गौर करने वाली बात है कि जीता हुआ प्रत्याशी इस प्रकार से मार पीट क्यों करेगा, इस बात पर पुलिस को गौर करना चाहिए था लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्यवाई ने अमीनपुर गांव को हमेशा के लिए दो गुट में विभाजित कर दिया है। यह वर्चस्व की लड़ाई अब यहीं शांत नहीं होने वाली है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिस के द्वारा लाठियां बरसाई गई जिसमें लोग चोटिल हुए है लेकिन पुलिस इससे इंकार कर रही है।

मारपीट में घायल युवक

क्विक न्यूज

पंचायत चुनावः मतगणना में अनुपस्थित 66 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। एक ओर कोरोना वायरस का संक्रमण तो दूसरी ओर पंचायत चुनाव की मतगणना। कोरोना के चलते पहले चुनाव कराने और फिर अब मतगणना कराने में जिला प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस कार्य में कर्मचारी ड्यूटी से भी बचते रहे। ऐसे में जिला प्रशासन को सख्ती भी करनी पड़ी। रविवार की सुबह मतगणना में न जाने के कारण सीडीओ ने तीन थानों में 66 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सीडीओ शिपू गिरि ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार चुनाव आवश्यक कार्य है। इस कार्य को करने से सरकारी कर्मचारी इंकार नहीं कर सकते हैं। वैसे जिन कर्मचारियों को कोई परेशानी थी। उनको पहले ही छूट दी जा चुकी है। जो कर्मचारी आज रविवार को मतगणना करने के लिए नहीं आए। उनके खिलाफ अब मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही विभागीय कार्यवाई की जा रही है। कौड़िहार ब्लाक में 25 मतदान कर्मचारी अनुपस्थित थे। निर्वाचन अधिकारी कौड़िहार ने नवाबगंज थाने में उनके खिलाफ तहरीर दी है। इसी प्रकार जसरा ब्लाक के निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह सचान ने 27 कर्मचारियों के खिलाफ घूरपुर थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि फोन पर सूचना देने के बावजूद ये कर्मचारी नहीं आए। वहीं मांडा ब्लाक में 14 कर्मचारियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

चुनौतीपूर्ण समय में सभी की सहभागिता बहुत जरूरी

प्रयागराज। देश भर में चल रहे भयानक स्वास्थ्य संकट यानी कोरोना महामारी के मद्देनजर कोविड 19 राहत प्रयासों में सहायता करने और ऑक्सीजन प्राप्त करने में मदद करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को वीवो ने दो करोड़ रुपए के सहयोग की घोषणा की है। जब देश में कोविड 19 के कारण बेहद चुनौतीपूर्ण समय चल रहा है। ऐसे में नावेल कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में योगदान करना चाहता है। भारत और उसके लोगों के लिए प्रतिबद्धता को लगातार दोहराते हुए वीवो इंडिया के ब्रांड स्ट्रेटेजी डायरेक्टर निपुण मार्य ने कहा कि विकट परिस्थितियों में हम सभी एक साथ हैं। कोविड 19 को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ना चाहिए। इससे पहले वर्ष दो हजार बीस में कंपनी ने राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को नौ लाख मास्क पंद्रह हजार पीपीई सूट और पचास हजार लीटर सैनिटाइजर प्रदान किया था।संकट के समय में समाज की मदद करने के लिए आगे आ रहा है। यह छोटा सा योगदान कई लोगों की जान बचाने में मदद करेगा। इस चुनौतीपूर्ण समय से उबरने के लिए जबरदस्त संकल्प शक्ति का प्रदर्शन करना होगा। महामारी से लड़ने के लिए सरकार के प्रयासों में सहयोग करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

58 लोग स्वस्थ हुए , 41 में मिला संक्रमण

अंबेडकरनगर। जिले में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है । सोमवार को तीन लोगों के निधन के साथ ही मृतकों का आंकड़ा 79 पर पहुंच गया है। इसके साथ ही 41 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि 58 लोग स्वस्थ हुए हैं। जिले में मौजूदा समय में सक्रिय मरीजों की संख्या 826 है। जानकारी के अनुसार बेवाना थाना अंतर्गत उदयपुर निवासी विमला तिवारी 70 पत्नी श्रीपाल व सलेमपुर परसावा टांडा निवासी सुमित्रा मिश्र पत्नी महेंद्र की सांस फूलने के कारण मौत हो गई। जिला मुख्यालय के पटेल नगर क्षेत्र में रहने वाले दुर्गा मेडिकल स्टोर के संचालक मुकेश विश्वकर्मा के पिता राधेश्याम विश्वकर्मा का भी कोरोना संक्रमण के कारण मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। मौजूदा समय में जांच प्रक्रिया कम होने के कारण संक्रमित लोगों की संख्या में कमी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि मतगणना के कारण जांच कार्य प्रभावित हो रहा है।

बड़ी संख्या में आये ग्राम प्रधानों के परिणाम

अंबेडकरनगर। रविवार से शुरू हुई मतगणना के उपरांत लगभग दो दर्जन ग्राम पंचायतों के परिणाम अभी तक घोषित किये जा चुके हैं। ग्राम पंचायत अहलपुर से माधुरी कनौजिया, धरमगंज से सुनीता, भीटी से रामप्रकाश निषाद, चंदापुर से कौशल्या, नगहरा से इंद्रावती ,मधुपुर मीरानपुर से निर्मला ,खरगपुर से गिरीशा मानिकपुर से सीमा, जैतपुर से शालिकराम ,पीठापुर से पुन्नवासी, अर्जुनपुर से विपुल, जलालपुर से माधव, चतुरी पट्टी से संजय वर्मा, पूरे दरबार से बबली, गोविंदा पुर से सीता वर्मा ,सया से बंदना, पिगिरियावा से उमावती, नरहरपुर से प्रभाकर सिंह ,बेला से प्रदीप सिंह,केवारी परमानंद से अतुल सिंह , बिलोलपुर से अनिल कुमार ,बेलबना से कंचन ,मझेपुर से तेज बहादुर, दुल्हूपुर से रामचंद्र ,लोहझरा से अंजू ,ऊजीपारा से अनीता, आमी से सुषमा यादव ,बसोहरी से शारदा ,दहेमा से नीलम, जैतूपुर से राधेश्याम ,परियावे से रीता देवी, इटवां से अनुराधा, दिलावरपुर से बिंदु देवी, कंदरियावा से शांति, बीबीपुर सिटकहवा से कन्हैया लाल ग्राम प्रधान का चुनाव जीत चुके हैं।

विधायक की सास व जेठानी हारी

अंबेडकरनगर। आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में परिणाम बेहद उलटफेर भरे सामने आ रहे हैं। भाजपा विधायक अनीता कमल की सास एवं पूर्व विधायक त्रिवेणी राम की पत्नी भानमती जहांगीरगंज विकासखंड के मखदूमपुर वार्ड से चुनाव हार गई हैं। वहीं अकबरपुर नारायणपुर गांव से विधायक अनीता कमल की जेठानी शांति देवी चुनाव हार गई हैं। इस सीट पर विधायक अनीता कमल एवं पूर्व विधायक त्रिवेणी राम की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। दोनों क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिये मैदान में थी। हार के साथ ही उनका ब्लॉक प्रमुख बनने का सपना टूट गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 जुलाई को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश अनुसार कोविड 19 के बढ़ते हुए संक्रमण के कारण 08 मई 2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित करते हुए अब 10 जुलाई 2021 को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी प्रज्ञा सिंह द्वितीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई है।

आरएसएस ने तीमारदारों के लिए शुरू की सेवाएं

प्रयागराज। प्रयागराज में वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर कोविड मरीजों के तीमारदारों की निःस्वार्थ सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस ने नर सेवा नारायण सेवा के तहत मदद का बीड़ा उठाया है। आरएसएस के सेवा विभाग प्रयाग महानगर विभाग की ओर से स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के पास स्थित आदर्श उत्तर प्रदेश माध्यमिक विद्यालय सीपीआई परिसर में तीमारदारों के रहने के लिए सात कमरों में 50 बेड की व्यवस्था शुरू की है। व्यवस्था के मद्देनजर दो कमरों में महिला तीमारदारों के लिए अलग से बेड की व्यवस्था है। सेवा विभाग के बैनरतले अस्पतालों में रह रहे मरीजों के तीमारदारों के रहने एवं भोजन की व्यवस्था है। दोपहर बारह बजे से दो बजे और सायं सात बजे से नौ बजे तक भोजन तथा औषधि युक्त काढ़ा एवं चाय की व्यवस्था की गई है। इसके लिए, बाकायदा हेल्पलाइन नंबर 9696797603 जारी किया गया है। तीमारदारों के लिए की गई व्यवस्था का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

वैश्विक महामारी में मानवता की मिसाल बन रही है कायस्थ धर्मसभा

अयोध्या। महामारी काल में शायद किसी व्यक्ति के अंतिम संस्कार की व्यवस्था से बड़ी कोई और मानवीय और सामाजिक सेवा नहीं हो सकती। आज जब वैश्विक महामारी से समाज में हाहाकार मचा हुआ है, तब इस दौर में भी कुछ ऐसी संस्थाएं हैं जो बगैर सुगबुगाहट बड़े सलीके से इस पुण्य कार्य को अंजाम दे रही हैं।

इन्हीं संस्थाओं में से एक नाम का एक नाम कायस्थ धर्म सभा का भी है, जो विगत कई दिनों से रामनगरी अयोध्या के शमशान घाट और शहर के यमथरा घाट पर महामारी की भेंट चढ़ने वाले लोगों के परिजनों को अंतिम संस्कार का संसाधन उपलब्ध करा रही है। इस संपूर्ण व्यवस्था को सुनियोजित तरीके से विस्तार पूर्वक संपन्न कराने के लिए धर्म सभा की ओर से बाकायदा स्टाल लगाकर और प्रचार माध्यमों से संपर्क सूत्र प्रसारित करने का भी कार्य भी किया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों को धनसर धर्म सभा की ओर से इस व्यवस्था का लाभ दिलाया जा सके।

सोमवार को एक मुलाकात के दौरान धर्मसभा पदाधिकारी विश्व दीपक श्रीवास्तव व सत्येंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थ धर्म सभा लमबे समय से सामाजिक व मानवीय सरोकारों के प्रति समर्पित रहने वाली संस्थाओं में शामिल रही है। धर्मसभा द्वारा लगातार सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। महामारी का यह समय ऐसा भयावह समय है जिसमें लोग अंतिम संस्कार के संसाधनों तक की आस लगाए हुए हैं। ऐसे में धर्मसभा द्वारा यह निर्णय लिया गया कि जरूरतमंदों की मदद के लिए धर्मसभा हर स्तर से तत्पर रहेगी इसी क्रम में इस मुहिम की शुरुआत की गई है।

इस मुहिम के तहत कायस्थ धर्मसभा द्वारा असहाय लोगों के शव संस्कार में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का निःशुल्क सेवा अयोध्या धाम घाट एवं यमथरा घाट अयोध्या में किया जा रहा है। इस कार्य में जरूरतमंद लोगों को अंतिम संस्कार के लिए हर आवश्यक चीजें उपलब्ध कराई जा रही है दोनों स्थानों पर लगाए गए स्टालों में लगाए गए फ्लेक्स पर संपर्क सूत्रों का भी मुद्रण कराया गया है और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रचार.प्रसार किया जा रहा है जिससे कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति आपात स्थिति में धर्म सभा पदाधिकारियों से संपर्क कर सके उन्होंने बताया कि इस कार्य में सत्येन्द्र श्रीवास्तव, सत्येन्द्र जी, ओम भास्कर, सतीश सहाय, विनोद श्रीवास्तव, कार्तिकेय, सुशील जी, महेश जी एवं अन्य सेवादारों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पूरा जिला पंचायत वार्ड दो व तीन से भाजपा की जीत

अयोध्या। विधानसभा अयोध्या के ब्लाक पूरा के जिला पंचायत वार्ड दो व तीन से भाजपा की विजय होने पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने जनता को धन्यवाद कहा है। पूरा द्वितीय से रोली सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी शम्भूनाथ सिंह दीपू को 3958 मतो तथा देवता पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी ज्ञानचंद यादव को 2800 मतो से पराजित किया है। महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि विपक्ष अब गुमराह करने की राजनीति पर उतर आया है। जनता से संवाद करके विपक्ष की गुमराह करने वाली राजनीति का जवाब दिया जायेगा। कोविड.19 का यह आपातकाल है। हमारी एकता व एक दूसरे की मदद करने की प्रवृति निश्चय ही इस महामारी से हमें विजय प्रदान करेगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। निश्चय ही कोरोना का यह संकट हमारे लिये परीक्षा की घड़ी है। हमारा आत्म विश्वास और सबको साथ लेकर चलने की परिकल्पना हमें इस परीक्षा में शत प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण करेगी। महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। संवाद में बड़ी शक्ति होती है। पार्टी के कार्यकर्ताओं से जनता से संचार के विभिन्न माध्यमों से जुड़े रहने के लिए कहा गया है।

जीत की खुशी व हार के गम के साथ चल रही मतगणना

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना का परिणाम आने के बाद चुनाव जीते हुए प्रत्याशियों के खेमे में खुशी तो हारे हुए प्रत्याशियों के खेमे में गम के बादल छाए रहे। विकासखंड बसखारी में कुल 69 ग्राम सभा के लिए मतदान का कार्य का बीते 29 अप्रैल को संपन्न हुआ था जिसमें 69 ग्राम पंचायत प्रधान, 96 बीडीसी सदस्य एवं 879 ग्राम पंचायत सदस्य के साथ चार जिला पंचायत के सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई थी।

विकासखंड बसखारी के डॉक्टर परशुराम दीनबंधु परशुराम महाविद्यालय में जारी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के दूसरे दिन कुल 69 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 47 प्रधान पदों, 96 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सापेक्ष 55 के परिणाम शाम 5.30 बजे तक आ चुके थे। जिसमें प्रधान पद के लिए जमऊपुर से आदित्य तिवारी 13 मतों से, बनियानी से विजयमणि 24 मतों से,बसहिया से सितारा देवी 74 मतों से,मसड़ा मोहनपुर से पूनम गुप्ता 290 मतों से, तिलकारपुर से कंचन देवी 5 मतों से, जैनुद्दीनपुर से जनजीत मौर्य 153 मतों से, मेंढ़ीसुलेमपुर से राम मिलन 115 मतों से, फूलपुर से जयराम 197 मतों से, मकोइया से नगमा खातून 56 मतों से, कटया गंजन से रामधनी 248 मतों से, बीबीपुर से दुर्गविजय सिंह 7 मतों से,दौलतपुर हाजलपट्टी से संदीप यादव 481 मतों से,नसीराबाद से अनीता 76 मतों से,टड़वा मिश्र से सुमन मिश्रा 10 मतों से, छांगुरपुर मिश्रौलिया से राम मुसाफिर, बढ़ियानी कलां से राजमणि उपाध्याय, रामडीह सराय से अंकिता यादव 261 मतों से,तरौली मुबारकपुर नीलम मिश्रा, साबुकपुर पूनम,बर्गी निजामपुर से पूनम, नौरहनी रामपुर से बंदना, दायमपुर से पंकज,अरूसा आजमपुर चंद्रावती, मोहम्मदपुर साबुकपुर से राजन कुमार, उमरापुर मीनापुर से राकेश कुमार, डोडी ऐदिलपुर–से मोहम्मद आसिफ, नरायनपुर प्रीतमपुर से कलावती, समसुद्दीनपुर से रोशन लाल, पिपरी बिशुनपुर से मत्ती देवी, बेलापरसा से राजाराम, भिटुण से पूनम निषाद, हरसम्हार से सोमवती, हंसवर से कन्हैयालाल, केवटला से अनीता, पृथ्वीपुर से दिलीप कुमार,फरीदपुर सैफ्फ से मनोज कुमार, औझीपुर से भानचंद, बजदहिया पाईपुर से साधना, रामपुर बेनीपुर से गंगेश कुमार, शंकरपुर बिशुनपुर से इसरावती, मोतिगरपुर से धर्मेंद्र कुमार, नरकटा बैरागीपुर से अमिता, अजमेरी बादशाहपुर से सोमपती वर्मा, कल्यानपुर उदनपुर से माया सिंह, हुसैनपुर गिरंट से आकांक्षा, फाजिलपुर उसका से कृष्णावती, जाझपुर साबुकपुर से मिथिलेश सिंह प्रधान पद के लिए निर्वाचित घोषित किए गए हैं। तो वहीं 96 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में 55 के परिणाम घोषित किए गए जा चुके थे।

साथ ही चार जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतगणना की प्रक्रिया जारी है। वहीं शेष प्रधान ,क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के सदस्यों के परिणाम के आने की संभावना देर रात तक बताई जा रही है। विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों के निर्वाचित होने की खबर से जहां उनके समर्थकों में खुशी छाई रही तो वही हारे हुए प्रत्याशियों के खेमे मे गम के बादल छाए रहने जैसा नजारा देखने को मिला।

प्रेम मिश्र जिले के सबसे कम उम्र के प्रधान निर्वाचित

● जमुनीपुर ग्राम पंचायत से सुभाष वर्मा व छितुनी से पंकज वर्मा ने दर्ज की जीत

●डोमनेपुर ग्राम मे 83 मतो से दर्ज की जीत

प्रेम मिश्र-प्रधान डोमनेपुर, सुभाष वर्मा प्रधान जमुनीपुर

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना जिले के सभी 9 विकास खंडों पर रविवार को प्रारंभ हो गई। भारी अव्यवस्था के बीच शुरू हुई मतगणना के परिणाम दोपहर बाद आने शुरू हो गए। कटेहरी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोमनेपुर के निर्वाचित प्रधान प्रेम मिश्रा जिले के सबसे कम उम्र के प्रधान निर्वाचित हुए हैं। प्रेम मिश्र पुत्र ओमप्रकाश निवासी दुल्हपुर ग्राम सभा डोमनेपुर 394 मत प्राप्त कर 83 मत से विजयी हुए। दूसरे नंबर पर राम आशीष वर्मा रहे, उन्हें 311 मत मिला। डोमनेपुर में प्रेम को 122 मत व राम आशीष को 198 मत मिला था। दुल्हपुर में प्रेम को 272 व राम आशीष को 113 मत मिला। निवर्तमान प्रधान डब्बू को 260 मत मिला वे तीसरे नंबर पर रहे। वहीं अकबरपुर ब्लाक के जमुनीपुर ग्राम पंचायत से युवा नेता सुभाष वर्मा ने प्रधान पद पर जीत दर्ज की। अकबरपुर ब्लाक के छितुनी ग्राम पंचायत से पंकज वर्मा ने महज 5 वोटो से जीत दर्ज की। जहांगीरगंज विकास के अंतर्गत ग्राम पंचायत नरवा पितांबरपुर हजजीपुर से ब्राह्मण महासभा सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष हरिओम तिवारी उर्फ गुड्डू तिवारी की पत्नी आरती तिवारी निर्वाचित घोषित हो गई हैं। इसके अलावा टांडा विकासखंड के मदारपुर से शाह आलम, बसंतपुर से अमित पांडे ,अमीनपुर से गुफ्रान निर्वाचित घोषित किए गए हैं। रामनगर विकास खण्ड के गोहनारपुर से सुधाकर प्रजापति चुनाव जीत गए हैं। शाहपुर औरॉव से रामसुख तथा तिगरा दाउदपुर से रिंकी देवी व राउतपारा से संगीता देवी निर्वाचित हुईं हैं। जहांगीरगंज के भूपतिपुर कौड़रा से रामकिशन गुप्ता, असनारा से नीरज यादव व जल्लापुर से मंजुला यादव चुनाव जीत गई हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत प्रधानों के परिणाम भी घोषित किए जा चुके हैं तथा मतगणना का कार्य जारी है।

हाईकोर्ट की कमेटी ने बंदियों के रिहाई की बनाई योजना

● कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए लिया गया फैसला

प्रयागराज। प्रदेश की जेलों में कोरोना संक्रमण फैलने पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव की अध्यक्षता में गठित हाईपॉवर कमेटी ने सजायाफ्ता कैदियों और विचाराधीन बंदियों की रिहाई की योजना बनाई है। साथ ही न्यायिक अधिकारियों को जेलों में जाकर इस योजना के तहत कैदियों और बंदियों को 60 दिन के पेन्डेमिक पेरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा करने की कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। कमेटी ने महानिदेशक कारागार से उन कैदियों का डाटा मांगा है जो कारावास पूरा करने के बाद अर्थदंड न जमा कर पाने के कारण जेल में हैं। ताकि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उनके जुर्माने का भुगतान कर उन्हें रिहा किया जा सके। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव की अध्यक्षता में सदस्य प्रमुख सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी और महानिदेशक कारागार आनंद कुमार की कमेटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोरोना संक्रमण की निगरानी के लिए गठित की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के महानिबंधक आशीष गर्ग को पत्र लिखकर कमेटी की योजना का अनुपालन कराने का आग्रह किया है। पत्र में सभी जेल अधीक्षकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के लगातार संपर्क बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है। प्रदेश स्तरीय निगरानी टीम भी बनी है। जिसे जेलों में जाकर न्यायिक अधिकारियों की कार्यवाही की रिपोर्ट 15 मई तक हाईपॉवर कमेटी को सौंपने को कहा गया है। हाईपॉवर कमेटी की अगली बैठक 22 मई को होगी।

योजना के तहत 30 मई तक बंदियों को कोर्ट में पेश पर रोक लगा दी गई है। उनकी पेशी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से ही की जाएगी। जो कैदी पेरोल पर हैं। उनका पेरोल अगले 60 दिन के लिए बढ़ा दिया जाएगा। जो शांतिपूर्ण पेरोल के बाद समर्पण कर चुके हैं। उन्हें फिर से 60 दिन का पेरोल दिया जाएगा। जो सात साल से कम सजा के अपराध में जेल में हैं। उन्हें 60 दिन का विशेष पेरोल या अंतरिम जमानत दी जाएगी बशर्ते उनके विरुद्ध जेल में प्रतिकूल कार्यवाही न की गई हो। जो कैदी 2020 21 में या पांच साल के भीतर कभी पेरोल पर छूटे हों। उन्हें भी 60 दिन का पेन्डेमिक पेरोल दिया जाएगा। जिन कैदियों की अर्जी सरकार के समक्ष लंबित है। उस पर एक सप्ताह के भीतर 60 दिन के पेरोल पर रिहाई का फैसला लिया जाएगा। प्राधिकरण ने एसपी और जिलाधिकारी को पेन्डेमिक पेरोल देने का आंकलन करने को कहा है। प्राधिकरण ने पत्र में कहा है कि न्याय प्रशासन के हित में लोक शांति सुरक्षा और संरक्षा बनाए रखने के लिए जेलों में बंद 65 साल से अधिक के पुरुष व महिला कैदियों 50 साल से अधिक की महिला कैदियों सजायाफ्ता गर्भवती महिलाओं कैंसर हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त सभी कैदियों को 60 दिन का पेरोल पाने का हक है।

खुशियों के आंगन में मातमी चीत्कार

बेटे की शादी कर लौटे अधेड़ की करंट की चपेट में आकर मौत

पायनियर समाचार सेवा। नैनी प्रयागराज

बेटे की बारात लौटने के बाद घर में पूजा के लिए आम की टहनी तोड़ने गए दूल्हे के पिता की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद खुशी के माहौल में मातम छा गया। औद्योगिक क्षेत्र के मवइया गांव निवासी अशोक निषाद 45 पुत्र गेंदा लाल के बेटे की बारात गई थी। बारात वापस लौटने के बाद सोमवार को घर मे पूजन होना था। जिसकी तैयारी चल रही थी। पूजन के लिए अशोक लीचे ही पाइप लेकर आम की टहनी तोड़ने गए थे। पत्ती तोड़ने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घरवाले सारी तैयारी छोड़कर मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी औद्योगिक पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया। अधेड़ की मौत से खुशी वाले घर मे मातम छा गया।

नैनी के युवा कोरोना से जूझ रहे परिवारों का बन रहे सहारा

नैनी, प्रयागराज। कोरोना की दूसरी लहर पैर पसारती जा रही है। नैनी के युवाओं की एक टीम बड़ी हिम्मत से इस महामारी को मुंह तोड़ जवाब दे रही है। राहुल बनर्जी श्रेया शुक्ला एवं हिना खान दिन रात कोरोना से जूझ रहे परिवारों के लिए तत्परता से खड़े हैं। कई दिनों से निरंतर स्वस्थ्य रानी हॉस्पिटल में मरीजों के तीमारदारों के लिए निशुल्क भोजन एवं पानी वितरण का कार्यक्रम चला रखा है। भोजन की पैकिंग एवं बनवाई दी इस्ट कैफे के कुशल टीम द्वारा किया जा रहा। टीम में अथर्व आदित्य कुलदीप शेफ आदर्श विशाल दीक्षा श्रीवास्तव एवं रक्षा श्रीवास्तव जैसे मेहनती युवा दिन रात समाज के लिए लगे हुए हैं।

रेलवे ने दीमापुर में तैनात किए दस आइसोलेशन कोच

प्रयागराज। कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्र की क्षमताओं को मजबूत करते हुए रेल मंत्रालय ने बहुआयामी पहलों के बीच करीब 64 हजार बेड साथ लगभग चार हजार आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है। पीआरओ ने बताया कि राज्यों के साथ साझा रूप से काम करने और यथासंभव सामंजस्यपूर्ण जल्द कार्यवाही के लिए एक आदेश को लेकर अपने समझौता ज्ञापन को पूरा करने के लिए रेलवे ने जोनों और डिवीजनों को सशक्त बनाने की एक विकेंद्रीकृत कार्य योजना तैयार की है। आइसोलेशन कोचों को आसानी से स्थानांतरित और भारतीय रेल नेटवर्क पर मांग के स्थानों पर तैनात किया जा सकता है। राज्यों की मांग के अनुसार वर्तमान में कोविड मरीजों की देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों को लगभग 3400 बेड की क्षमता के साथ 213 कोच सौंपे गए हैं। मौजूदा समय में आइसोलेशन कोचों का इस्तेमाल दिल्ली महाराष्ट्र अजनी आईसीडी नंदुरबार मध्य प्रदेश इंदौर के करीब तीहीं में किया जा रहा है। नवीनतम मांग नागालैंड की राज्य सरकार की ओर से आइसोलेशन कोचों के लिए आया है। इसके अनुरूप रेलवे ने दीमापुर में दस आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है। इसके अलावा रेलवे ने उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों जैसे फैजाबाद भदोही वाराणसी बरेली और नजीबाबाद में भी 50 कोच लगाए हैं। वहीं जिला प्राधिकारियों की मांग पर आइसोलेशन कोचों को नंदुरबार से पालघर स्थानांतरित किया गया है। जबलपुर के लिए भी आइसोलेशन कोच तैनात किए जा रहे हैं। दिल्ली उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में तैनात इन कोचों की उपयोगिता की अद्यतन स्थिति इस प्रकार है। आज की तिथि में महाराष्ट्र के नंदुरबार में पिछले कुछ दिनों में छह नए मरीजों को भर्ती किया गया है।

जबकि तीन मरीज को आइसोलेशन अवधि के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। अभी इस सुविधा में 35 कोविड मरीज आइसोलेशन में हैं। अब तक राज्य स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा 95 भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। जबकि 60 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अभी भी 330 बेड उपलब्ध हैं। इसके अलावा रेलवे ने अजनी इनलैंड कंटेनर डिपो आईसीडी में 11 कोविड केयर कोचों चिकित्सा कर्मियों एवं आपूर्ति के लिए विशेष रूप से सेवा देने वाले एक कोच के साथ को लगाया है। मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दो कोचों की मांग के संबंध में पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन ने इंदौर के पास तीही स्टेशन पर 320 बेड की क्षमता वाले 22 कोच तैनात किए हैं। अब तक यहां 12 मरीज भर्ती हो चुके हैं। अभी 308 बेड उपलब्ध हैं। वहीं भोपाल में 20 कोच तैनात किए गए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इनमें 4 डिस्चार्ज के साथ 21 मरीजों को भर्ती किया गया। यहां अभी 275 बेड उपलब्ध हैं। रेलवे ने दिल्ली में 1200 बिस्तरों की क्षमता के साथ 75 कोविड केयर कोचों की राज्य सरकार की मांग को पूरा किया है। इनमें से 50 कोच शकूरबस्ती और 25 कोच आनंद विहार स्टेशन पर तैनात हैं। अब तक इनमें एक मरीज को डिस्चार्ज किए जाने के साथ चार भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। 1196 बेड अभी भी उपलब्ध हैं।

कोरोना का संकट

खराब हुई छवि

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में भारत की छवि को भारी धक्का लगा है। समय आ गया है कि हम दुनिया को अपनी असली शक्ति दिखा दें। विदेशी मीडिया ने कोविड-19 को सनसनी की तरह पेश कर हमें दुनिया अश्पृश्य जैसा बना दिया है। महामारी फैलने के कारण नई दिल्ली से हवाई संपर्क तोड़ लिए गए हैं और भारत इस समय ऐसी चुनौती का सामना कर रहा है जैसी स्वतंत्रता के बाद बहुत कम आई है। किसी महामारी, विदेशी आक्रमण या घरेलू अव्यवस्था के कारण आर्थिक मंदी का कुछ समय सामना करना एक बात है, लेकिन इस आयाम की विभीषिका का सामना करना एकदम अलग है। बढ़ते मामलों और मौतों के कारण स्वाभाविक रूप से विदेशी मीडिया ने अपना फोकस ट्रंप युग की समाप्ति के बाद अमेरिका में मची अफरातफरी के बाद अब भारत पर कर लिया है। ट्रंप अपने कार्यकाल में खबरों की भूखी मीडिया को काफी मसाला देते रहते थे, पर अब महामारी पर नियंत्रण के बाद व्हाइट हाउस पर मीडिया का ज्यादा ध्यान नहीं है और वैश्विक खबरिया मीडिया ने अपना ध्यान तेज घटनाक्रम वाले भारत की ओर मोड़ दिया है। फुटपाथों पर मर रहे मरीजों, कुत्तों के श्मसान में अंतिम संस्कार, अस्पतालों में बिस्तरों व आक्सीजन सिलिंडरों की कमी तथा ब्लैक मार्केट में 10 गुना दाम पर बिक रहे रेमेडेसेविर इंजेक्शनों की दु:खद खबरों ने मीडिया में जगह बना ली है। कुछ राज्यों द्वारा सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने के खिलाफ तुगलकी आदेशों से मामला और खराब हो गया है। महाकुंभ और विधानसभा चुनावों ने विदेशी मीडिया को धर्म और राजनीति का एक काकटेल परोस दिया है।

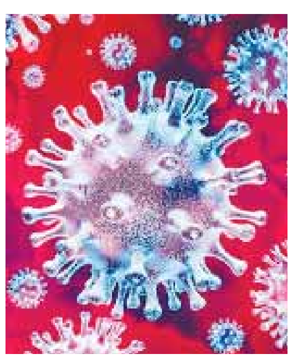

संदेहवादी विदेशी मीडिया कवरेज को पूर्वाग्रही व षडयंत्र से प्रेरित कह सकते हैं, पर तथ्य यह है कि पश्चिमी मीडिया अपनी प्रकृति से साधारण चीजों को सनसनीखेज तरीके से पेश करता है। ऐसे में वे यह अवसर क्यों छोड़ेंगे जहां सभी प्रकार की चीजें हैं। इसके परिणामस्वरूप दर्जनों देशों ने भारत से संपर्क काट लिए हैं और अपने नागरिकों को घर लौटने के लिए कहा है। बिगड़ते स्वास्थ्य ढांचे और अराजकता के कारण भारत को आज अश्पृश्य देश की तरह देखा जा रहा है। यह वही देश है जो कोरोना-पूर्व के दिनों में दुनिया की महाशक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभरा था। लेकिन कोरोना ने जल्दी ही इस छवि को एकदम उलट दिया है। विदेशी मीडिया में हो रही बहस में ज्यादातर ध्यान सुशासन के कथित अभाव पर दिया जा रहा है, वहीं इस तथ्य को अनदेखा किया गया है कि सड़कों पर चलने वाले लोग भी वायरस के प्रसार के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

यह स्पष्ट है कि हम भारतीय प्रोटोकालों और निर्देशों का पालन तभी करते हैं जब इनको दंडात्मक उपायों के माध्यम से हमारे ऊपर थोप दिया जाता है। ऐसे में यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि हमारे नेताओं ने भी आत्मानुशासन का उदाहरण नहीं पेश किया है। लेकिन इसमें कुछ भी नया नहीं है। भारत इस समय एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसमें नेताओं और आम जनता को एकसाथ आ कर उपयुक्त कदम उठाने चाहिए तथा यह छवि बदलने का प्रयास करना चाहिए। विश्व समुदाय को सही संदेश देने के लिए मजबूत राजनीतिक एकता स्थापित करना अत्यधिक दूरगामी कदम होगा। समय आ गया है कि सभी पार्टियों को समझना होगा कि देश उनके राजनीतिक लक्ष्यों से बड़ा है। वे और केवल वे ही जनता को लामबंद कर सकते हैं कि दुनिया में हमारी खराब हो रही छवि ठीक करने की दिशा में उचित कदम उठाए जाएं।

छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

न केवल छोटी फर्मों को धन मुहैया कराने के लिए बल्कि वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में उनकी मदद करने अनुकूल नीतियां बनाने की आवश्यकता है।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

किसी भी व्यवसाय की जीवन रेखा वित्त है। धन का आवंटन और उपयोग - तकनीकी रूप से पूंजी बजट के रूप में जाना जाता है - किसी भी व्यवसाय के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में से एक है। लेकिन क्या यह निर्णय बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी कंपनियों के लिए अलग है? बड़े उद्यमों की तुलना में छोटे उद्यमों में पूंजी का आवंटन अक्सर अधिक महत्वपूर्ण होता है - पूंजी बाजारों तक उनकी कमी को देखते हुए - क्योंकि गलती को ठीक करने के लिए आवश्यक धन उपलब्ध नहीं हो सकता है। इसके अलावा, बड़ी कंपनियां कई परियोजनाओं के लिए पूंजी आवंटित करती हैं, इसलिए एक में गलती दूसरों में सफलता से ऑफसेट हो सकती है।

जबकि पूंजी निवेश छोटी फर्मों के लिए एक प्रासंगिक क्षेत्र है, पिछले चार दशकों के दौरान किए गए अधिकांश अध्ययनों में बड़े उद्यमों के पूंजीगत बजट निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और छोटे संगठनों के लिए समान सबूत मौजूद नहीं हैं। इसलिए, छोटे व्यवसायों के पूंजी बजट प्रथाओं के बारे में बहुत कम जाना जाता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में छोटी कंपनियों के अनुपात और महत्व को देखते हुए और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संसाधनों के अधिक कुशल उपयोग के लिए उनकी निरंतर प्रेरणा के लिए, छोटी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विधियों पर जानकारी की निश्चित आवश्यकता होती है ताकि उनकी दुर्लभ पूंजी जमा और आवंटित की जा सके।

लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) क्षेत्र किसी भी बढ़ती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे विकास के इंजन के रूप में पहचाना जाता है - लगभग 70 प्रतिशत रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान। इस क्षेत्र के योगदान को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से देखा जा सकता है, जो दर्शाता है कि यह विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवाओं से सकल घरेलू उत्पाद में 24.6 प्रतिशत योगदान देता है। इसके अलावा, भारत से कुल निर्यात में इसकी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है और लगभग 120 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह 8,000 से अधिक विविध उत्पादों का विनिर्माण करता है, जिसमें कम-तकनीकी वस्तुओं से लेकर तकनीकी रूप से उन्नत वाले भी शामिल हैं। विश्व स्तर पर, दुनिया के सभी उद्यमों का 99.7 प्रतिशत एसएमई है और शेष 0.3 प्रतिशत बड़े पैमाने पर उद्यम हैं। भारत में एसएमई क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों का 95 प्रतिशत हिस्सा है। चूंकि यह क्षेत्र किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है, इसके अस्तित्व के लिए उचित वित्तीय प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि वित्तीय समस्याएं अक्सर छोटे व्यवसायों की विफलता का एक प्रमुख कारण होती हैं। दो प्रमुख समस्याएं, अंडरकैपिटलाइजेशन और बाहरी वित्त सहायता प्राप्त करने में कठिनाई, अक्सर खराब वित्तीय प्रबंधन से संबंधित होती हैं। गरीब और कुछ मामलों में पारंपरिक ऋण देने के स्त्रोतों से लाभ उठाने के लिए उचित वित्तीय रिकॉर्ड रखने वाली छोटी फर्मों की कमी है क्योंकि ये व्यवसाय उनकी वित्तीय व्यवहार्यता को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं। स्टार्ट-अप चरण में कई एसएमई, एक व्यवसाय के संचालन की लागत को कम करते हैं और इस प्रकार नकदी प्रवाह और आवश्यक परिचालन पूंजी की मात्रा का प्रबंधन करने में विफल होते हैं। कई अध्ययनों ने एसएमई प्रदर्शन और विशिष्ट वित्तीय प्रथाओं के बीच सहयोग के अस्तित्व को स्थापित करने का प्रयास किया है। सबूत बताते हैं कि एसएमई द्वारा सफल वित्तीय प्रदर्शन का वित्तीय मामलों के प्रभावी प्रबंधन, जैसे कि नियोजन, वित्तीय रिकॉर्डों का रखरखाव, बाहरी वित्त प्राप्त करना, पेशेवर वित्त सलाह और अन्य कारकों के साथ एक सकारात्मक जुड़ाव है।

पूंजी बजट सिद्धांत कुछ मान्यताओं पर आधारित है जैसे सभी सकारात्मक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) परियोजनाओं में निवेश करके और नकारात्मक एनपीवी वाले लोगों को अस्वीकार करके शेयरधारकों के धन को अधिकतम करना; और संपूर्ण वित्तीय बाजारों तक पहुंच, यह सभी मूल्य वर्धित परियोजनाओं को वित्त करने की अनुमति देता है। हालांकि, छोटी कंपनियों के लिए इन धारणाओं की प्रयोज्यता संदिग्ध हो सकती है। पृथक्करण सिद्धांत, जिसमें कहा गया है कि निवेश के निर्णयों को शेयरधारकों के स्वाद और वरीयताओं से स्वतंत्र किया जा सकता है, बारीकी से आयोजित और छोटे व्यवसायों के लिए नहीं है। एनपीवी तकनीक के तहत, अगर एनपीवी सकारात्मक है, तो यह स्वीकार कर लिया जाता है, अगर नकदी बहिर्वाह भविष्य के नकदी प्रवाह के मौजूदा मूल्यों से कम है, जो पूंजी की फर्म की लागत पर छूट देता है। हालांकि, चूंकि छोटी फर्मों के शेयर आसानी से बाजार में नहीं आते हैं, इसलिए छोटे व्यवसायों में बाजार निर्धारित छूट दरें अनुचित हैं। बड़ी और छोटी कंपनियों के लिए पूंजीगत बजट के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पूर्व के निर्णयों में स्टॉकहोल्डर्स के दृष्टिकोण से स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है, लेकिन बाद में, यह आवश्यक है कि मालिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों। छोटी कंपनियों को पूंजी बाजार से धन जुटाने में भी कठिनाई होती है। वास्तव में, इक्विटी और दीर्घकालिक फंडों की कमी देश में एसएमई के विकास को रोकती है। इसके अलावा, अनुसंधान से पता चलता है कि छोटी कंपनियां अपनी सूचना-अपारदर्शिता और मजबूत बैंकिंग संबंधों की कमी के कारण बैंक ऋणों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, कुछ छोटे उद्यमों के लिए, सार्वजनिक मुद्दे के माध्यम से धन जुटाना असंभव है और दूसरों के लिए यह निषेधात्मक रूप से महंगा हो सकता है। उपर्युक्त नकदी की कमी छोटे उद्यमों को किसी भी संभावित आकर्षक निवेश अवसर के लिए पर्याप्त नकदी संतुलन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। यद्यपि एसएमई क्षेत्र समग्र अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख तरीके से योगदान देता है, पिछले चार दशकों में वित्तीय अनुसंधान ने खुद को बड़े संगठनों द्वारा पसंद की जाने वाली पूंजी बजट तकनीकों को समझने तक सीमित कर दिया है और एनपीवी, आंतरिक दर वापसी (आईआरआर) जैसे परिष्कृत उपकरणों के उपयोग का अध्ययन किया है।), लाभप्रदता सूचकांक (पीआई) और पेबैक जैसे आसान उपकरण। भारत में 333 छोटी फर्मों पर किए गए एक शोध में, यह स्पष्ट हो गया कि देश में छोटे व्यवसाय पूंजी निवेश सिद्धांत द्वारा अनुशंसित लोगों की तुलना में संभावित निवेश का विश्लेषण करने के लिए कम परिष्कृत तरीकों को नियुक्त करते हैं। विशेष रूप से, सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि ये फर्म कैश फील, पेबैक अवधि और रिटर्न की लेखांकन दर की तुलना में कम कैश डिस्काउंट फ्लो (डीसीएफ) विश्लेषण का उपयोग करती हैं।

हालांकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास पेशेवर डिग्री है, वे आर्थिक रूप से साक्षर नहीं हो सकते हैं और उनकी छोटी प्रबंधन टीम एक पूंजी बजट विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डीसीएफ तकनीकों को लागू करने के लिए एक बाहरी सलाहकार को नियुक्त करना छोटी कंपनियों के लिए महंगा साबित हो सकता है। चूंकि पूंजी परियोजनाएं आकार में अपेक्षाकृत छोटी होती हैं, इसलिए उनका विश्लेषण करने की लागत को बनाए रखना किफायती नहीं हो सकता है। इससे पता चलता है कि छोटी परियोजनाओं के साथ छोटी फर्मों को समझ में आ सकता है जब वे कम परिष्कृत तकनीकों पर या मालिकों के सहज एहसास पर निर्भर करते हैं। चूंकि छोटी फर्में बुनियादी अस्तित्व से संबंधित हैं, वे नकदी-उन्मुख होते हैं और इसलिए पेबैक तरीकों पर जोर दे सकते हैं।

छोटे व्यवसाय के मालिक भी तत्काल भविष्य से परे पूर्वानुमान बनाने में सहज नहीं हैं क्योंकि वे नकदी प्रवाह और पूंजी बजट में अधिक अनिश्चितता का सामना करते हैं। शिक्षा, सरकार की नीतियों और वास्तविक व्यापारिक दुनिया के बीच एक अंतर मौजूद है। पारंपरिक व्यावसायिक शिक्षा ज्यादातर बड़ी फर्मों के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित है। हालांकि, प्रमुख ध्यान अब छोटे व्यवसायों के वित्तीय प्रबंधन में स्थानांतरित करना है। इसके अलावा, अनुकूल नीतियों को न केवल छोटी फर्मों को धन प्रदान करने के लिए, बल्कि उन्हें धन के प्रबंधन में मदद करने के लिए भी तैयार किया जाना है।

नेपाल सरकार की दिशाहीन नीतियां

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में शोधार्थी हैं)

नेपाली राजनीति का एक सामान्य तत्व राजनीतिक दृष्टिकोण से अनिश्चित होना तथा उसका अनुमानों से परे काम करना है। उसके ये कदम राष्ट्रीय कल्याण से बहुत दूर हैं तथा उन्होंने देश की राजनयिक पहल को नुकसान पहुंचाया है। केपी ओली नीत वर्तमान सरकार न घरेलू मामलों पर ध्यान दे पा रही है और न उसने देश की विदेश नीति मजबूत करने की चिन्ता की है। इस समय नेपाल में कोविड-19 के मामले भी बढ़ रहे हैं और वह भारत या चीन से मिलने वाली वैक्सीनों का ठीक से प्रबंधन नहीं कर पा रहा है। नेपाल इस समय राजनयिक अलगाव का सामना कर रहा है। नई दिल्ली में होने वाले रायसीना डायलाग, चीन में बीओएओ फोरम बैठक तथा अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन में नेपाल की अनुपस्थिति से यह बहस तेज हो गई है कि क्या नेपाल सरकार विदेश नीति के मामले में गंभीर है। हालांकि, अभी नेपाल भारत को ज्यादा सहयोग का आश्वासन देने में विफल रहा है, पर लगता है कि चीन भी रणनीतिक हितों के मामले में ओली सरकार पर आंखें मूंद कर विश्वास करने पर पुन: विचार कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका भी ओली से इसलिए नाराज है कि उन्होंने मिलीनियम चैलेंज कोआपरेशन-एमसीसी में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई क्योंकि चीन इसे एक सैनिक मंच मानता है, जबकि इससे नेपाल को सस्ते व हरित परिवहन, बिजली, क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति व विकास के नए रास्ते मिल सकते हैं।

नेपाल गंभीर जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का सामना कर रहा है। 2015 में भूकंप से आई भयानक विभीषिका के साथ ही माउंट एवरेस्ट पर पड़ने वाले प्रभाव, जंगलों में लगने वाली आग, हवा की गुणवत्ता खराब होने तथा देश में स्वच्छ जल सप्लाई में कमी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां नेपाल को अंतरराष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है। अमेरिका की बाइडेन सरकार ने जलवायु परिवर्तन तथा पेरिस घोषणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की है।

हालिया जलवायु शिखर सम्मेलन इस दिशा में नई शुरुआत है। नेपाल को इस सम्मेलन में आमंत्रित करना अपरिहार्य था, पर एमसीसी पर ठीक राजनयिक व्यवहार न करने वाली आत्मकेन्द्रित ओली सरकार ने नेपाल की बात रखना ठीक नहीं समझा। अमेरिका ने अक्सर नेपाल से एमसीसी को प्राथमिकता देने को कहा है, लेकिन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट सरकारों ने इसे अमेरिका बनाम चीन जैसा मामला बना दिया है। सरकार ने घोषणा की थी कि सागरमाथ संवाद या एवरेस्ट संवाद बहुपक्षीय संवाद मंच होगा जिसकी प्रतिबद्धता प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय व राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार करना होगी। पहले संवाद का आयोजन 2-4 अप्रैल को होना था, पर इसे महामारी के कारण टाल दिया गया। हालांकि, नेपाल ने इसमें होने वाली चर्चा में भाग लेने के लिए अमेरिका, भारत व चीन को आमंत्रित किया है, पर नेपाल द्वारा जलवायु सम्मेलन में भाग न लेने से वाशिंगटन में नेपाल के बारे में बेचैनी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि नेपाल ने जलवायु परिवर्तन को 2016 में घोषित अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में 'राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे' की तरह पेश किया है। यह नीति इस उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय फंड प्राप्त करने की इच्छा प्रकट करती है। ओली ने इस बात के सारे प्रयास किए हैं कि भारत के साथ खराब हुए संबंधों को ठीक किया जाए। निकटतम पड़ोसी के रूप में भारत हमेशा सभी संकटों में नेपाल के साथ खड़ा हुआ है। भारत ने पहाड़ियों से माओवादी छापामार समूहों को हटाने तथा उन्हें संवाद के लिए मजबूर करने का काम किया था जिसका परिणाम अंतत: नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना के रूप में सामने आया। इसके बावजूद नेपाल की सभी पूर्व सरकारों तथा ओली नीत सरकार ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए भारत द्वारा व्यक्त सद्भावना का दुरुपयोग किया। जब भारत ने नेपाल को कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में सहायता की, उसी समय ओली चीन को खुश करने के लिए भारत के साथ सीमा समस्या भड़का रहे थे। एक जिम्मेदार पड़ोसी के रूप में नेपाल को भारत के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा के लिए राजनयिक माध्यमों का प्रयोग करना चाहिए था, पर उसने इसके बजाय भारत को राक्षस की तरह पेश करने का प्रयास किया।

नेपाली प्रधानमंत्री भले ही भारत के साथ तथाकथित 'शांतिपूर्ण इरादों' की बात करते हुए चीन के साथ सहयोग को बढ़ावा दें तथा नेपाल के घरेलू मामलों के माइक्रोमैनेजमेंट का प्रयास करें, लेकिन इन सारी चीजों के बावजूद बीजिंग ओली से खुश नहीं है। उसने 2019 में नेपाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित करवा कर तथा अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर कर एक शातिर चाल खेली है।

हालांकि, चीन को शी की यात्रा के समय इच्छित चीज नहीं मिली। बीजिंग काठमांडू के साथ प्रत्यावर्तन संधि करना चाहता था। इससे चीन को तिब्बती शरणार्थियों के 'फ्री तिब्बत' आंदोलन पर लगाम लगाने का ज्यादा मौका मिल जाता और वह नेपाल में रह रहे तिब्बती शरणार्थियों का प्रत्यावर्तन करवा लेता। लेकिन यूएनएचसीआर व मानवाधिकार संगठनों के अंतरराष्ट्रीय दबाव तथा देश में विपक्ष के बढ़ते दबाव के कारण अंतिम समय इस संधि पर वार्ता को टाल दिया गया। चीन को यह बात पसंद नहीं आई। संयुक्त बयान में चीन ने आशा प्रकट की थी कि जल्द ही यह संधि हो जाएगी। हालांकि, ओली नीत कम्युनिस्ट सरकार ने भले ही चीनी हितों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया हो, पर बीजिंग अपनी तिब्बत नीति को देखते हुए प्रत्यावर्तन संधि से कम किसी चीज के लिए तैयार नहीं है।

राजनीति और राजनय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सिक्का बनाते समय उन पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन नेपाल में व्यक्तिगत और पार्टी हितों को राष्ट्रीय हितों पर प्राथमिकता दी गई है। ओली जैसे नेताओं ने भारत के साथ 'विशेष संबंधों' का लाभ चुनावी लाभ के लिए उठाया और चीनी हितों के लिए राजनयिक स्वायत्तता का बलिदान कर दिया। नेपाल चारों ओर भूमि से घिरा देश है और उसे भारत तथा अन्य मित्र देशों की सहायता की आवश्यकता है, पर उसका राजनयिक व्यवहार संकुचित दृष्टिकोण वाला रहा है। भारत और अमेरिका के साथ संबंध नेपाल को चीन के साथ संतुलन बनाने में सहायता कर सकते हैं। लेकिन नेपाल की राजनीति और राजनेता अविश्वसनीय बने हुए हैं। इस कारण नेपाली जनता को भविष्य तय करने का काम अपने हाथ में लेना होगा।

आप की बात

भारत-जापान संबंध

हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उच्च प्रौद्योगिकी कौशल विकास और कोविड-19 बीमारी से लड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत जापान सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है इससे दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही साथ दोनों देशों के बीच 5त्न सबमरीन केबल औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को और मजबूत करने के साथ ही अन्य विकास परियोजनाओं के विविधीकरण में भी यही सहयोग की संभावनाएं है। इसके साथ ही भारत और जापान के बीच बहुत सारे भागीदारी समझौते हुए हैं जिससे कि दोनों देशों को अपनी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में स्थिति मजबूत करने में सहायक है और भारत को वह हर क्षेत्र में तरक्की प्रदान योग्य हैं। हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है। अधिक सहयोग और सहभागिता दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भारत और जापान दोनों ही उभरती अर्थव्यवस्था है और दोनों को अपने समावेशी विकास की ओर ध्यान देना होगा इसके लिए भारत जापान संबंधों में मजबूती एक बहुत ही अच्छी बात है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

वाहन ध्यान से चलाएं

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में लापरवाही के कारण जान माल की हानि होती है, जिसे कई वर्षों से रोकने हेतु प्रयत्न किये गए मगर दुर्घटनाएं कम नहीं हुई। सड़क पर चलते हुए या गाड़ी चलाते हुए मोबाइल पर बात कर रहे लोगो की आए दिन दुर्घटना की खबर पढ़ने को आती है। अधिकांश लोग वाहन चलाते समय चालक अपने मोबाइल को कान और कंधे के बीच दबाकर बातचीत करते हुए वाहन चलाते है उनका ध्यान बातचीत पर ही ज्यादा रहता ही। पीछे हार्न देने वाले की भी वो सुनते नहीं ऐसे में दुर्घटना संभव है। शराब पीकर के वाहन न चलाएं ,सर पर हेलमेट अवश्य पहने चाहे थोड़ी दूर जाना हो तब भी। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। तहसील स्तर और जिला स्तर पर जहां यातायात का दबाव ज्यादा हो वहां पर मुख्य चौराहों पर यातायात सिग्नल अवश्य लगाए जाना चाहिए। ताकि यातायात व्यवस्थित हो सकें। मोबाइल एवं स्वयं की सुरक्षा के साथ दूसरों का भी ख्याल रखे। परिवार के लोग आप के घर आने की राह देख रहे हैं। सुरक्षित चलें ,लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए निर्धारित गति से ज्यादा गति में वाहन चलाना ,एवं यातायात के नियमों का पालन नही करने से दुर्घटनाएं होती हैं।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

स्पुतनिक वरदान

देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े गतिमान अवस्था मे होते जा रहे है। कोरोना से त्रस्त जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। इस बीच रूसी वैक्सीन स्पुतनिक -वी की पहली खेप भारत मे मिलने से पुन: वेक्सीनेशन गतिमान अवस्था मे आएगा। भारत मे इस कोरोना काल मे 3 वैक्सीन को मौजूदगी से निश्चित ही कोरोना संक्रमण महामारी में नियंत्रण के आसार नजर आएंगे। भारत मे रूस के राजदूत ने कहा कि स्पुतनिक कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी है। बहुत अच्छी और राहत भरी पहल है कि कोरोना में स्पूतनिक वरदान साबित होगी। वैसे देश मे कोरोना संक्रमण महामारी को परास्त करने के लिए एडी से चोटी तक कि जोर आजमाइश की जा रही है। निश्चित ही कोरोना को जल्द से जल्द परास्त किया जाएगा। बस कमी है लोगो की समझदारी की वो अगर कुछ समय अपने आप को साध ले ,बेवजह घर से बाहर नही निकले , मास्क की ,और् दो गज दूरी की अनिवार्यता को समझ ले तो हम अतिशीघ्र ही कोरोना से मुक्त हो सकते हैं।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

संकट के पिछले बीते दौर में भारत ने अन्य देशों की मदद करने के मामले में विशालहृदयता का परिचय दिया है और अब भारत की समस्या खत्म करने में सहयोग देने की जिम्मेदारी अन्य देशों की है।

– **एंथनी एस फॉसी**
अमेरिकी मुख्य चिकित्सा सलाहकार

अपने साहस एवं वंचितों की सेवा करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के चलते गुरु तेग बहादुर जी सारे विश्व में सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने तानाशाही एवं अन्याय के विरुद्ध झुकने से इनकार कर दिया।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

बनारस के जिन घाटों पर उमड़ता था कभी जनसैलाब, वहां पसरा सन्नाटा

● काशी के अस्सी, दशाश्वमेध घाट दिख रहे सुनसान जहां गंगाआरती स्थल पर होती थी भारी भीड़

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

काशी के गंगा सेवा निधि सेवा समिति, गंगोत्री सेवा समिति, दशाश्वमेध एवं अस्सी स्थित सुबह ए बनारस की शाम व सुबह की महागंगा आरती विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो चुकी हैं। लेकिन आजकल कोविड महामारी के चलते शहर में लॉकडाउन लग गयी है जिसके चलते इन घाटों पर पसरा सन्नाटा हुआ है। जहॉ इन घाटों पर हजारों सैलानियों के साथ काशीवासी गंगाघाट घूमने आते हैं आजकल गंगा आरती स्थल सहित घाटों पर एक व्यक्ति सहित पशु-पक्षी भी नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन जो गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु आज भी अलसुबह पहुॅचकर गंगा स्नान कर रहे हैं और गंगा मां से इस कोविड के महामारी को खत्म करने की प्रार्थना कर रहे हैं जिससे देश, प्रदेश व शहर में शांति स्थापित हो सकें।काशी नगरी उन शहरों में गिना जाता है जहॉ स्वयं विशेश्वरनाथ व मॉ गंगा पृथ्वी पर विराजमान हैं उसके बावजूद कोविड महामारी से हजारों लोग प्रतिदिन मर रहे हैं। भगवान विश्वनाथ ही कोविड 19 की इस महामारी रोग को रोकने में सहायक होगें।

कोरोना जांच में 279 व्यक्ति पॉजिटिव मिले

चन्दौली । सोमवार को प्राप्त परिणाम में 279 व्यक्ति का रिपोर्ट पॉजटीव प्राप्त हुआ है। इनमें से 01 बालकए 03 बालिकाए 54 महिला व 221 पुरूष है। ये सभी लोकल ट्रैवलिंग या अपने कार्यस्थल से संक्रमित हुये है। जनपद चन्दौली में ये बरहनी ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 4ए चहनिया के 1ए चकिया ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 62ए चन्दौली ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 33 व नगरीय क्षेत्र के 09ए धानापुर ब्लाक के 25ए नौगढ़ के 20ए नियामताबाद ब्लाक के 39ए डीण्डीण्यूण् नगर के 64ए सकलडीहा ब्लाक के 18ए शहाबगंज ब्लाक के 04 है। इनके सम्पर्क में आये अन्य व्यक्तियों की कान्टैक्ट ट्रेसिंग कर अग्रेतर कार्यवाही की जा रहीं है। जनपद में कोविड जॉच हेतु आज कुल 1496 नमूने संग्रहित किये गए। आज 652 व्यक्ति स्वस्थ्य हुए है व 19 मृत्यु की सूचना प्राप्त हुयी है। इस प्रकार जनपद चन्दौली में कोविड के कुल 13540 केस व इनमें एक्टिव केस की संख्या 2997 है।

पूर्व सांसद के निधन से सपा को अपूर्णनीय क्षति: देवी प्रसाद

संवाददाता। मिर्जापुर

पूर्व सांसद एवं लोकसभा मीरजापुर क्षेत्र के प्रत्याशी रामचरित्र निषाद का नोएडा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इनके निधन की सूचना मिलते ही जिले के सपाईयों में शोक की लहर दौड़ गई। पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजित कर दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने श्री निषाद के निधन पर दु:ख जताते हुए कहा कि इनके निधन से पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई हैए जिसकी भरपाई करना मुश्किल है। श्री निषाद पार्टी के प्रति निष्ठावानए संघर्षशील व जुझारू नेता थे। श्री चौधरी ने ईश्वर से प्रार्थना किया कि इस दु:ख की घड़ी में उनके परिवार को सहनशक्ति दे और श्री निषाद को अपने चरणों में स्थान दें।

निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसियाए पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह मुन्नी यादवए सुरेन्द्र सिंह पटेलए यादवए आशीष यादवए अशोक यादवए रोहित शुक्ला ;लल्लूद्धए जवाहर लाल मौर्याए रामगोपाल बिन्दए संजय यादवए अनिल यादवए गिरधारी पालए निजाम राइनए सुनील पाण्डेयए अभय यादवए सुभाष पटेलए अशोक मिश्राए धनश्याम साहूए सलीम बादशाहए रत्नेश श्रीवास्तवए जयनाथ यादवए शिवकुमार यादवए राजकुमार यादव आदि ने दु:ख जताया है।

सिर्फ कागजों पर दिखाई जा रही है बेड और ऑक्सीजन की उपलब्धता: अविनाश कुशवाहा

● समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

● अव्यवस्थाओं का पत्र में दिया हवाला

संवाददाता। सोनभद्र

समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक व प्रदेश प्रवक्ता अविनाश कुशवाहा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा जनपद मुख्यालय पर 200 बेड का शिशु एवं मातृ चिकित्सालय का निर्माण कराया गया था। उसी चिकित्सालय 200 बेड के अस्पताल को कोविड-19 हॉस्पिटल के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी कोविड-19 कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिस कारण उक्त चिकित्सालय में भी मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर कई प्राइवेट हॉस्पिटलों को कोविड-19 हॉस्पिटल घोषित किया गया है। परंतु इन सभी हॉस्पिटलों को प्रशासन द्वारा पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। निजी चिकित्सालय में कोविड-19 के संक्रमित मरीजों को भर्ती भी नहीं किया जा रहा है। जनपद के अधिकारियों द्वारा केवल कागजों पर ही बेड और ऑक्सीजन की उपयोगिता दिखाई जा रही है जबकि वास्तविकता यह है कि सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी के कारण और निजी चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की कमी बताकर प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। जिससे कई मरीज इलाज न मिल पाने के कारण दम तोड़ दे रहे हैं। पूर्व विधायक श्री कुशवाहा ने मांग किया है कि ऐसी स्थिति में जनपद सोनभद्र में ऑक्सीजन व बेड की पर्याप्त व्यवस्था कराए जाने के साथ ही व्यवस्था की उच्च स्तरीय निगरानी भी कराई जाए जिससे लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से निजात मिल सके।

डीसीएम ने किया डीडीयू जंक्शन का निरीक्षण

मुग़लसराय चन्दौली । मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के स्टेशनों पर कोरोना को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज मंडल वाणिज्य प्रबंधक ;डीसीएमद्ध मोहम्मद इकबाल द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन ;डीडीयू जंक्शनद्ध पर यात्री सुविधा व विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा स्टेशन पर कार्यरत रेल कर्मियों को सतर्क रहते हुए कोरोना से बचाव के प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा गयाए साथ ही यात्रियों में भी इस प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित रखने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी रेलकर्मी को कोविड से संबंधित कोई भी लक्षण महसूस होने पर अपने आपको अलग करने तथा इसकी सूचना संबंधित नियंत्रक अधिकारी को देते हुए उस रेलकर्मी द्वारा तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की हिदायत मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा सभी को दी गई।

पद्मविभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र की बेटी के निधन का मामला

छोटी बेटी ने प्रधानमंत्री मोदी से लगायी गुहार

● मैदागिन स्थित एक प्राइवेट हास्पिटल के खिलाफ बहन संगीता मिश्रा के इलाज के दौरान प्रबंधन की घोर लापरवाही करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा की बड़ी बेटी संगीता मिश्रा के निधन के बाद लगातार उनके परिजन मेडविन हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। सोमवार को पंडित छन्नूलाल मिश्रा की छोटी बेटी डॉ नम्रता मिश्रा ने मेडविन हॉस्पिटल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। उन्होंने हॉस्पिटल द्वारा उन 6 दिनों की सीसीटीवी फुटेज की मांग की जब उनकी बहन वहां एडमि ?ट थीं। साथ ही उन्होंने मेडविन हॉस्पिटल के डॉक्टर मनमोहन श्याम पर अपनी बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में तहरीर दी है। इस सम्बन्ध में अस्पताल पहुंची डॉ नम्रता मिश्रा ने बताया कि मेरी बड़ी बहन संगीता मिश्रा को उल ?टी और बुखार की शिकायत थी। तीन चार दिन उनका फीवर नहीं उतरा तो हम उन्हें डॉक्टर रोहित गुप्ता के यहाँ उन्हें लेकर गएए जहाँ उनके बेटे अत्रि गुप्ता ने उन्हें देखा और ये हॉस्पिटल रेकमंड किया और कहा कि एडमिट कर दीजिये। इसके बाद हम यहाँ लेकर आये तो पहले तो यहां एडमि ?ट नहीं कि ?या गयाए बाद में जिलाधिकारी के फ़ोन करने पर इन्होने हमारी बहन को एडमिट किया। डॉ नम्रता मिश्रा ने बताया कि एडमिशन के दिन ही डॉक्टर मनमोहन श्याम ने कहा था कि रोज़ाना आप अपने मरीज़ को 2 से 4 बजे तक सीसीटीवी फुटेज में देख सकते हैं। उस दिन फिर हम लोग डेढ़ लाख रुपये जमा करके यहां से चले गए। उस समय मेरी मां की तबियत भी खराब थी वो ओरियाना हॉस्पिटल में एडमिट थीं। हम लोग जब अगले दिन दीदी को देखने आये तो यहाँ बताया गया कि टीवी खराब जब टीवी बन जाएगा तो हम आप को बता देंगे।

डॉ नम्रता ने बताया कि? हमने उनसे विनती की कि आप ऊपर जाकर वीडियो बनाकर ले आइये या हमें ऊपर जाने दीजिये पर उन्होंने कहा कि परमिशन नहीं है। उसके बाद हम लोग यहां से चले गए और अपनी मम्मी की सेवा में लग गए। 26 तारीख को मेरी मां की डेथ हो गयी। उसके बाद लगातार तीन दिन मेरे पिताजी पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा ने फोन से डॉक्टर्स से हाथ जोड़कर विनती की कि मेरी बेटी का चेहरा एक बार दिखा दीजिये।

डॉ नम्रता ने बताया कि उसके बावजूद हमसे कहा गया कि गुरूजी हम असमर्थ हैं नहीं दिखा सकते। उसके बाद जब मेरी माता जी के गुजरने के बाद प्रधानमंत्री जी का कॉल आया तो हमारे पि ?ता जी ने प्रधानमंत्री जी से कहा कि मेरी बेटी भी एडमिट है एक बार उसका चेहरा दिखवा दीजिये। उनके प्रयासों से डीएम साहब जागे और 28 तारीख को रात 9 बजे कांफ्रेंस काल के ज़रिये पिता जी को दीदी को दिखलवाया गयाए जिसमे वो बेड पर बैठी हुई दिख रही थीं।

डॉ नम्रता मिश्रा ने आरोप लगाया कि जो डॉक्टर्स कह रहे थे कि आप की दीदी सात्विक भोजन कर रही हैं। दूध पी रही हैं काढ़ा पी रही है और 95 प्रतिशत ठीक हो गयी हैं। बहुत जल्दी आप अपनी दीदी को लेकर जाएँगी। 28 की रात में बात करवाई है और 29 की रात में फोन किया कि बहुत सीरियस कंडीशन है आप की दीदी की आप लोग आ जाइये। बस दस से 15 मिनट औरए उसके बाद रात के 11 बजे से ढाई बजे तक हम लोग अस ?पताल के बाहर खड़े रहे हैं। वो कह रहे थे कि डीएम साहब ने कहा है कि बीएचयू से दो डॉक्टर्स आ रहे हैंए वो आप की बहन को देखेंगे। कुछ नहीं होगा उन्हें। चिंता मत कीजिये और ढाई बजे कहा कि उनकी मौत हो गयी हैए अटैक आ गया है उन्हें।

डॉ नम्रता ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक भी रिपोर्ट या दवा का पर्चा हमें आज तक नहीं मिला। वो कहते हैं की 40 हज़ार और 35 हज़ार का इंजेक्शन लगा और 4 लाख और देना होगा आप को जबकि हम डेढ़ लाख देकर गए। हमें जब बॉडी मिली तो दीदी के नाक और मुँह से खून रिस रहा था। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि दीदी की बेटी आयी थीए मां से मिलने तो उसे एक घंटा खड़ा करवा के 1700 रुपये में एक पीपीई किट पहनाकर ऊपर एक व्यक्ति ले गया था। उस वक़्त दीदी ने बेटी से कहा कि बहुत कष्ट है पर वहां साथ में गए व्यक्ति ने बात घुमा दी और कहा कि वो कह रही हैं कि यहाँ एडमिट लोगों को बहुत कष्ट है और तुरंत ही उसे नीचे ले लाये।

डॉ नम्रता मिश्रा ने डॉ नम्रता मिश्रा ने मांग की है कि अस्पताल प्रशासन उन 6 दिनों का सीसीटीवी फुटेज हमें अवलेबल करवाए। यदि उसमे से दस मिनट का वीडि ?यो भी कटा तो हम जान जायेंगे कि उसी 10 मिनट में इन्होने मेरी बहन की हत्या कर दी। सारे टेस्ट की रिपोर्ट और सारी दवाओं के पर्चे चाहिए। वरना हम कोर्ट जाएंगे। फिलहाल हंगामे की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस उन्हें लेकर कोतवाली थाने ले आयी जहां डॉ नम्रता मिश्रा ने एक तहरीर मेडवि ?न अस ?पताल प्रबंधन के खि ?लाफ दी है और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। साथ ही प्रधानमंत्री नरे ?द्र मोदी से भी अपील की है कि? उनकी बहन को ?याय दि ?या जाए।

संक्रमितों को नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी: यादव

● चालू हुआ ऑक्सीजन प्लांट प्रतिदिन तीन सौ सिलेण्डरों की होगी रिफिलिंग

संवाददाता। सोनभद्र

हिण्डालको रेनूसागर पावर डिवीजन प्रबन्धन ने अनपरा परिक्षेत्र के करहिया स्थित ऑक्सीजन प्लांट को चालू करा कर बडी सफ्लता अर्जित की है। साथ ही यह भरोसा दिया है कि इस महामारी के समय ऑक्सीजन प्लांट को किसी भी कीमत पर बन्द नही होने दिया जायेगा। रेनूसागर प्रबन्धन सहयोग के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। सोनभद्र जिला प्रशासन की पहल पर हिण्डालको रेनूसागर के इंजिनियरो की टीम नें अपने जोश व जज्बे का परिचय देते हुए पिछले छ: साल से जीर्णशीर्ण अवस्था में रहे आक्सीजन प्लांट को न सिर्फमनुष्य के जीवन को संजीवनी देने वाले ऑक्सीजन प्लांट को सिलिण्डर रिफिलिंग योग्य बनाया बल्कि यह दावा भी किया कि यह ऑक्सीजन प्लांट अपनी पूरी क्षमता के साथ आपूर्ति कर सकता है। प्रशासन की पहल पर हिण्डालको रेनूसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष के0 पी0 यादव ने स्वंय उक्त ऑक्सीजन प्लांट की कमान सभालते हुए अपने एक दर्जन टेक्नीकल इलेक्ट्रीकल व इन्सटूमेन्ट के वरिष्ठ इंजिनियरो की टीम सहित प्लांट को चालू करने हेतु ए0सी0 कम्प्रेसर मोटर पम्प मेन सार्किट ब्रेंकर केबुल स्वीच दो बैरल आयल आदि सामानों के साथ मोर्चा सभाला जिसका परिणाम रहा कि एक सप्ताह बाद उक्त प्लांट को चालू कर लिया गया। हिण्डालको की इस पहल पर जनपद वासियों ने खुशी व्यक्त किया तथा स्थानीय जनता ने जिला प्रशासन व हिण्डालको रेनूसागर प्रबन्धन को धन्यवाद दिया। रेनूसागर प्रबन्धन के वरिष्ठ अधिकारी सी एस सिंह व सुदिप्ता नायक नें जानकारी देते हुए बताया कि हमारें प्रबन्धन प्रमुख के निर्देश पर इंजिनियरो ने रात दिन मेहनत कर के यह सफ्लता अर्जित की है। रविवार से उत्पादन भी शुरू हो गया। उक्त ऑक्सीजन प्लांट से प्रतिदिन तीन सौ सिलेण्डरो की रिफीलिग निर्वाध रूप से की जा सकेगी। छ: साल से बन्द पड़े प्लांट में उत्पादन किसी चुनौती से कम नही था इस ऑक्सीजन प्लांट के चालू होने से भयंकर रूप से फैली महामारी कोविड-19 कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव को रोकने और उपचार के लिए आवश्यक ऑक्सीजन सिलिण्डर की उपलब्धता मे कोई कमी नही आयेगी। रेनूसागर प्रबन्धन के मुखिया के0 पी0 यादव ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इस महामारी के दौर में उक्त ऑक्सीजन प्लांट में यदि कोई तकनीकी खराबी आती है तो रेनूसागर प्रबन्धन उसे ठीककर प्लांट को अनवरत चालू करने हेतु प्रतिबद्ध है।

आज से चलेगा कोविड जागरूकता अभियान

संवाददाता। मिर्जापुर

कोविड वैश्विक महामारी को रोकने के लिए चार से 8 मई तक चार दिवसीय अभियान जिले में शुरू किया गया है। इसके तहत एक दिवसीय जूम एप के जरिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व एएनएम समेत स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कोरोना नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय ने बताया कि अभी भी लोग कोरोना की जांच नहीं करा रहे और अपने घर पर ही बैठे है और कोरोना जैसी महामारी को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे है। इसी को संज्ञान में लेकर विभाग ने जनपद में चार मई से आठ मई तक 12 विकास खण्डों में लगातार निगरानी समिति के सदस्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताए आशाए एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा जागरूक व सावधानियों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी देने का कार्य करेगे। इसके लिए पत्र के माध्यम से जिले के सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व निगरानी समिति के सदस्यों को अवगत कराया जा चुका है। इसके लिए सोमवार को एक दिवसीय जूम एप के जरिये प्रशिक्षित भी किया गया है। इस अभियान में बाल विकास विभाग के 2668 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अभियान के दौरान सर्दीए जुकामए व कोरोना के लक्षण दिखने पर उनको नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाकर उनका उपचार कराया जायेगा। अभियान के दौरान कोविड के नियमों का कठोरता के साथ पालन किया जायेगा। उन्होने बताया है कि इस अभियान को पल्स पोलियो अभियान की तरह इस अभियान को चलाया जायेगा। इस अभियान में ग्राम स्तर व शहरी स्तर में दो निगरानी समिति के सदस्य एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व क्षेत्र की एएनएम को रखा गया है।

हजारों युवक और युवतियों ने राजकीय अस्पताल पर लगवाया कोविड इंजेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिले में 18 से 44 वर्ष के लाभार्थियों के लिए सोमवार से 17 केन्द्रों पर सुबह नौ बजे से ही राजकीय महिला जिला अस्पताल, कबीरचौरा, रामकृष्ण मिशन हास्पिटल, मारवाड़ी हास्पिटल, माता आनंदमयी हास्पिटल, राजा बलदेव दास बिड़ला, मच्छोदरी व बुनकर हास्पिटल को 45 वर्ष से अधिक उम्र के लाभार्थियों को टीकाकरण वैक्सील लगाने की भीड़ जुट गई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 वी0एस0राय ने कहा कि किसी भी लाभार्थी का केन्द्र पर तुरंत रजिस्टेऊशन नहीं किया जाएगा और न ही बिना पूर्व रजिस्टेऊशन के टीकाकरण किया जाएगा। एक अप्रैल से जिन 70 केन्द्रों पर चल रहा है, उन्हें बरकरार रखा गया है। पहले से काविन पोर्टल या आरोग्य सेतु एप पर पंजीयन एवं केन्द्र व स्लाट बुक कराकर आने वाले लाभार्थियो को ही इन केन्द्रों पर टीकाकरण लगाया जा रहा है। सोमवार को राजकीय महिला अस्पताल पर सुबह नौ बजे से 18 से 44 वर्ष के युवाओं की टीकाकरण लगवाने के लिए भीड़ लग गई थी। देखते ही देखते हजारों युवक-युवतियों ने कोविड का टीकाकरण लगवाया।डॉ नम्रता ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक भी रिपोर्ट या दवा का पर्चा हमें आज तक नहीं मिला। वो कहते हैं की 40 हज़ार और 35 हज़ार का इंजेक्शन लगा और 4 लाख और देना होगा आप को जबकि हम डेढ़ लाख देकर गए। हमें जब बॉडी मिली तो दीदी के नाक और मुँह से खून रिस रहा था। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि दीदी की बेटी आयी थीए मां से मिलने तो उसे एक घंटा खड़ा करवा के 1700 रुपये में एक पीपीई किट पहनाकर ऊपर एक व्यक्ति ले गया था। उस वक़्त दीदी ने बेटी से कहा कि बहुत कष्ट है पर वहां साथ में गए व्यक्ति ने बात घुमा दी और कहा कि वो कह रही हैं कि यहाँ एडमिट लोगों को बहुत कष्ट है और तुरंत ही उसे नीचे ले लाये।

नेटवर्क में हुआ सुधार

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारती समूह द्वारा समर्थित उपग्रह संचार कंपनी वनवेब ने सोमवार को कहा कि उसने रूस के वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से एरियनस्पेस के जरिए 36 उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है।कंपनी ने धरती की निचली कक्षा ;एलईओद्ध में इन संचार उपग्रहों को स्थापित किया।कंपनी ने बताया कि इसके साथ ही उसके द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों की संख्या 182 हो गई है। ये उपग्रह वनवेब के 648 एलईओ उपग्रह बेड़े का हिस्सा है जो तीव्र गति इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराएगी। वनवेब 2022 तक वैश्विक सेवाएं शुरू करने का इरादा रखती है।वनवेब के सीईओ नील मास्टरसन ने कहाए श्इस सफ्ल प्रक्षेपण के साथ हमारा मकसद और भी उपग्रहों को लॉन्च करनेए नेटवर्क में सुधार लाने और इसे दुनिया के तमाम हिस्सों में पहुंचाने का है।

चुनाव आयोग के आदेश की जमकर उड़ीं धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव का परिणाम रविवार से लगातार आ रहा है और अभी भी मतगणना चल रही है। इस बार कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए चुनाव आयोग ने सभी प्रकार के विजय जुलूस पर रोक लगायी है। वाराणसी में इस बात के अनुपालन के लिए पुलिस सख्ती बरत रही हैं वहीं रोहनिया थानाक्षेत्र के मडाव गांव के विजयी ग्राम प्रधान प्रत्याशी और बीडीसी प्रत्याशी ने चुनाव आयोग की धज्जियां उड़ाते हुए विजय जुलूस निकाला।मडाव से प्रकाश गौड़ प्रधान पद पर निर्वाचित हुए हैं। सुबह आये परिणाम के बाद नवनिर्वाचित बीडीसी और 50 से अधिक लोगों के साथ प्रकाश गौड़ ने क्षेत्र में जुलूस निकाला। इस दौरान ना तो सोशल डिस्टेंसिंग थी और न ही किसी के मुँह पर मास्क था।इस सम्बन्ध में जब रोहनिया थाना प्रभारी से बात की गयी तो उन्होंने कहा की सूचना मिली है जांच की जा रही है। विजय जुलूस यदि निकाला गया है तो महामारी एक्ट में कार्रवाई की जायेगी।

बंगाल चुनाव परिणाम ने दिखाया कि मोदी-शाह अजेय नहीं हैं: शिवसेना

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि जिन राज्यों (पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल) और केंद्रशासित प्रदेश (पुडुचेरी) में हाल में चुनाव हुए, उनमें से सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल पर थीं।

पार्टी ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के बजाए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरी केंद्र सरकार (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को हराने के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में लगी थी। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार तृणमूल कांग्रेस को रविवार को जीत दिलाई। मराठी समाचार पत्र ने कहा, परिणाम से साबित होता है कि पूरा तंत्र और सभी प्रौद्योगिकियां पास होने के बावजूद मोदी-शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन बनर्जी को समर्थन दिया था। उसने आरोप लगाया कि भाजपा ने बनर्जी को हराने के लिए धन, शक्ति और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम का एक पंक्ति में विश्लेषण यह है कि भाजपा हार गई और कोरोना वायरस जीत गया।

शिवसेना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ मोदी और शाह चुनाव प्रचार में उतरे तथा उन्होंने कोविड-19 संबंधी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़ी रैलियां एवं रोडशो किए। उन्होंने कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय ने कोविड-19 की ताजा लहर के लिए निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया है।

शिवसेना ने सवाल किया कि चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन की जिम्मेदारी कौन लेगा। उसने कहा कि असम और पुडुचेरी को छोड़कर भाजपा ने (अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में) अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। संपादकीय में कहा गया है, पश्चिम बंगाल के लोगों की प्रशंसा की जानी चाहिए कि वे कृत्रिम लहर के झांसे में नहीं आए और अपनी प्रतिष्ठा के लिए एकजुट होकर खड़े रहे। देश को बंगाल से सीखना चाहिए।

जबरन शादी समारोह रूकवाने वाले जिलाधिकारी को पद से मुक्त किया गया

अगरतला। पश्चिम त्रिपुरा के जिलाधिकारी (डीएम) को उनके आग्रह के बाद पद से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकॉल को लागू कराने के दौरान जबरन शादी समारोह रूकवा दिया था। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि शैलेश कुमार यादव ने मुख्य सचिव मनोज कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है, लिहाज़ा पश्चिम त्रिपुरा डीएम के पद से उन्हें मुक्त किया जाए। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पीटीआई-भाषा के पास मौजूद पत्र में यादव ने कहा कि त्रिपुरा सरकार ने 26 अप्रैल 2021 की रात को हुई घटनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। पत्र के मुताबिक, यह घटनाएं अगरतला में कोरोना रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन कर मणिक्या कोर्ट और गोलप बगान में विवाह समारोहों के दौरान हुई थी।

जयपुर में हवा महल क्षेत्र में कोविड लॉकडाउन के बाद लोगों की चेकिंग करते हुए पुलिस सुरक्षाकर्मी।

फोन टैपिंग मामला: प्राथमिकी के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंची आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला

मुंबई। आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने कथित फोन टैपिंग और पुलिस तबादलों से संबंधित संवेदनशील दस्तावेज लीक किए जाने के मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के खिलाफ सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया। शुक्ला के अधिवक्ता ने याचिका पर अविलंब सुनवाई की अपील करते हुए कहा कि 1988 कैडर की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को इस मामले में गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। नांगरे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह पुलिस को शुक्ला के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई न करने का निर्देश दे।

प्रशासन की मंशा याचिकाकर्ता को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाने की है। शुक्ला सीआरपीएफ के दक्षिण जोन की अतिरिक्त महानिदेशक के तौर पर हैदराबाद में तैनात हैं। खुफिया विभाग की शिकायत पर मुंबई के बीकेसी साइबर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ अवैध रूप से फोन टैपिंग और गोपनीय दस्तावेज लीक करने के आरोप में सरकारी गोपनीयता कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कथित फोन टैपिंग उस समय हुई थी, जब शुक्ला राज्य की खुफिया विभाग की प्रमुख हुआ करती थीं। देवेन्द्र फडणवीस ने पुलिस तबादलों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कथित रूप से शुक्ला द्वारा पुलिस महानिदेशक को लिखे पत्र का हवाला देते हुए इस मामले का खुलासा किया था। टैप की गईं उन कॉल की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद हंगामा खड़ा हो गया था। शिवसेना नीत सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने आरोप लगाया था कि शुक्ला ने बिना अनुमति के फोन टैप किए। मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने मुख्यमंत्री को सौंपी गई एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि ऐसा प्रतीत होता है कि शुक्ला ने खुद ही वह गोपनीय रिपोर्ट (फडणवीस के साथ) साझा की।

निर्वाचन आयोग को भंग किया जाए, इसके सदस्यों की जांच हो: आनंद शर्मा

नई दिल्ली। आनंद शर्मा ने सोमवार को कहा कि वर्तमान निर्वाचन आयोग को भंग किया जाए और इसके सदस्यों के कदमों की जांच होनी चाहिए क्योंकि इसने मतदाताओं के विश्वास के साथ कथित तौर पर धोखा किया है। उच्चतम न्यायालय की एक संविधान पीठ को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों के लिए पात्रता के बारे में फैसला करना चाहिए। वर्तमान निर्वाचन आयोग को भंग किया जाना चाहिए और इसके सदस्यों के कदमों की जांच होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने खुद को कलंकित किया है और मतदाताओं के विश्वास के साथ धोखा किया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संख्या तथा पात्रता पर निर्णय करने तथा आयोग के निष्पक्ष एवं स्वतंत्र ढंग से काम करने के लिए दिशानिर्देश तय करने को लेकर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ को फैसला करना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने अनुच्छेद 324 के तहत मिले अधिकार का हनन किया है।

पूनावाला धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराएं: महाराष्ट्र के मंत्री

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के एक मंत्री ने सोमवार को कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कथित रूप से जो धमकियां मिली हैं, उनके बारे उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए तथा सरकार उनकी सघन जांच कराएगी। भारत में कोविड-19 टीके की बढ़ती मांग के संबंध में कथित धमकियों से बचने के लिए ब्रिटेन चले गए पूनावाला ने कहा है कि वह कुछ दिनों में लौट आएंगे। हाल ही में वहां द टाईम्स के साथ साक्षात्कार में पूनावाला ने आरोप लगाया था कि भारत में उन्हें धमकियां मिल रही हैं, ऐसे में वह और उनका परिवार कोविड-19 टीके की मांग को लेकर अप्रत्याशित दबाव एवं आक्रामक स्थिति उत्पन्न होने के बाद देश से चले आए।

पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ऑक्सफोर्डा एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 टीके कोविशील्ड का उत्पादन कर रहा है। महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई ने संवाददाताओं से कहा, पूनावाला को शिकायत दर्ज कराके धमकी का ब्योरा देना चाहिए , उन्हें वह फोन नंबर भी बताना चाहिए जहां से उनके पास ऐसे कॉल आए। हम उनकी गहराई से जांच कराएंगे। इस बीच कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने पूनावाला से भारत लौट आने की अपील की और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार लेगी।

लोगों की जान महत्वपूर्ण है और टीका उत्पादन भारत में ही होना चाहिए। केंद्र पहले ही उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा दे चुका है। यदि जरूरत हुई तो उन्हें और सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। पटोले की पार्टी कांग्रेस महाराष्ट्र में शिवसेना एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर सत्तासीन है। हालांकि राकांपा नेता और महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने दावा कि पूनावाला आज जिस स्थिति में हैं, उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं और कोई उन्हें बदनाम नहीं कर रहा है। मलिक ने कहा, पहले, उन्होंने केंद्र सरकार के लिए 150 रूपए, राज्यों के लिए 400 रूपए और निजी अस्पतालों के लिए 700 रूपए (प्रति कोविशील्ड खुराक की) घोषणा की। बाद में उन्होंने ट्वीट करके बताया कि वह राज्यों के लिए दर 400 रूपए से घटाकर 300 रूपए कर रहे है। मंत्री ने कहा कि इससे संशय पैदा हुआ और लोगों के दिमाग में ढेर सारे सवाल आए। राकांपा मंत्री और महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेंद्र अव्हाद ने पहले कहा था कि देश को पूनावाला को मिली कथित धमकियों के पीछे का सच जानने की जरूरत है।

क्विक न्यूज

सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने का सरकार का कदम हास्यास्पद : एचुरी

नई दिल्ली। माकपा महासचिव सीताराम एचुरी ने कोरोना वायरस महामारी के बावजूद सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने की सरकार की योजनाओं को हास्यास्पद बताया है। एचुरी ने परियोजना के तहत शेष भवनों के लिए केंद्र द्वारा आवश्यक पर्यावरण मंजूरी देने संबंधी रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मंजूरी के समय को लेकर सवाल किया। उन्होंने ट्वीट किया, यह हास्यास्पद है। ऑक्सीजन और टीकों के लिए पैसे नहीं हैं जबकि हमारे भाई और बहन अस्पताल में बेड के लिए इंतजार करते करते दम तोड़ रहे हैं। लेकिन मोदी अपनी दंभी महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए जनता के पैसों की बर्बादी करेंगे। इस अपराध को बंद करिए। विपक्षी दल कोरोना वायरस महामारी के दौरान संसद के नए भवन के निर्माण को लेकर सेंट्रल विस्टा परियोजना पर सरकार की आलोचना करते रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में दूसरे सप्ताह भी लॉकडाउन जारी रहने के बीच परियोजना का कार्य जारी रहा, जबकि लॉकडाउन के दौरान अधिकतर निर्माण स्थलों पर कार्य ठप रहा। निर्माण कार्य को आवश्यक सेवाओं में शामिल किया गया, जिसकी विपक्ष ने आलोचना की है।

पश्चिम बंगाल में अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई: सिब्बल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई है। सिब्बल ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल में अहंकार, ताकत, धन बल, राजनीति के लिए जय श्रीराम के इस्तेमाल, विभाजनकारी एजेंडे और निर्वाचन आयोग की हार हुई है। सिब्बल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि इनके सामने वह खड़ी हुईं और जीतीं। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 210 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और तीन पर आगे है, जबकि भाजपा ने 77 सीटें जीती हैं। राज्य में 292 सीटों पर चुनाव हुआ था।

कोविड संक्रमण के कारण अनाथ हुए बच्चों के बारे में जानकारी दें राज्य: एनसीपीसीआर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा कि वे ऐसे बच्चों के बारे में जानकारी दें जिन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने प्रदेशों के मुख्य सचिवों के नाम लिखे पत्र में कहा, आयोग को पता चला है कि कई गैर सरकारी संगठन ऐसे बच्चों के बारे में विज्ञापन दे रहे हैं जो जिन्होंने कोरोना वायरस के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है। किशोर न्याय कानून-2015 के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि ऐसे बच्चों की उचित देखभाल की जाए और उनके अधिकारों की रक्षा की जाए। कानूनगो ने राज्यों से कहा, ऐसे में यह जरूरी है कि अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को जिले के बाल संरक्षण प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाए तथा इनके बारे में सूचना साझा की जाए।

कन्याकुमारी लोस सीट पर कांग्रेस का कब्जा बरकरार

चेन्नई। कांग्रेस ने तमिलनाडु की कन्याकुमारी लोकसभा सीट के उपचुनाव में जीत हासिल करते हुए इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन को।,37,950 मतों के अंतर से पराजित किया। पिछले साल कांग्रेस सांसद एच वसंत कुमार के निधन के कारण यहां उपचुनाव हुआ। वसंत कुमार का निधन कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हुआ था। वसंत कुमार के पुत्र विजय वसंत को कांग्रेस ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था। भाजपा की ओर से राधाकृष्णन को टिकट दिया गया जो 2014 में कन्याकुमारी से चुनाव जीते थे। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत को 52.5 फीसदी वोट मिले तो भाजपा उम्मीदवार को 39.92 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा।

गुवाहाटी में एजीपी अध्यक्ष अतुल बोरा और पार्टी वर्किंग अध्यक्ष केशव महंता ने नए पार्टी विधायकों के चुने जाने के बाद पार्टी मुख्यालय में किया स्वागत।

केरल में एकमात्र सीट भी जीतने में नाकाम रही भाजपा, श्रीधरन एवं राज्य प्रमुख भी हारे

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में कम से कम 35 सीटें जीतने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत रविवार को अपनी एकमात्र नेमोम सीट भी नहीं बचा पाई और मेट्रोमैन के नाम से प्रसिद्ध ई श्रीधरन और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन समेत उसके सभी बड़े उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। राज्य की राजधानी स्थित नेमोम सीट पर पुन: जीत हासिल करने की जिम्मेदारी मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुमानम राजशेखरन के कंधों पर थी, लेकिन वह 2016 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले पार्टी नेता ओ राजागोपाल की तरह जादू चलाने में नाकाम रहे और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सत्तारूढ़ माकपा नेता और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार वी सिवनकुट्टी ने 3,949 मतों के अंतर से राजशेखरन को हराया। इससे पहले 2016 में सिवनकुट्टी को राजागोपाल ने मात दी थी। नेमोम सीट पर जीत बरकरार रखना भगवा दल के लिए प्रतिष्ठा की बात थी, क्योंकि सत्तारूढ़ माकपा ने 140 सदस्ईय विधानसभा में भाजपा को पैर जमाने से रोकने से कोई कसर नहीं छोड़ी। चुनाव से मात्र एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा था कि माकपा राज्य में भाजपा की एकमात्र सीट को भी इस बार छीन लेगी। अपनी एकमात्र नेमोम सीट हारने के अलावा, भगवा दल पलक्कड़, मालमपुझा, मांजेश्वरम और काझाकुट्टम जैसी अहम सीटों पर भी खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। 88 वर्षीय श्रीधरन ने पलक्कड़ सीट पर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंतत: युवा विधायक शफी परमबिल ने उन्हें 3,859 मतों के अंतर से हरा दिया। अभिनेता से सांसद बने सुरेश गोपी त्रिशुर में शुरुआत में कई दौर की गणना के बाद पहले स्थान पर बने हुए थे, लेकिन अंतिम परिणाम आने तक वह तीसरे स्थान पर खिसक गए।

असम में भाजपा को 33.21 प्रतिशत जबकि कांग्रेस को 29.67 फीसद वोट मिले

गुवाहाटी। असम में लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज होने वाली भाजपा को विधानसभा चुनाव में 33.21 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। भाजपा के गठबंधन साझेदार असम गण परिषद (एजीपी) को 7.91 प्रतिशत वोट मिले जबकि संप्रग के प्रमुख दल कांग्रेस को 29.67 प्रतिशत तथा एआईयूडीएफ को 9.29 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। भाजपा को जहां विधानसभा चुनाव में 126 में से 60 सीटों पर जीत मिली है तो उसके सहयोगी दलों असम गण परिषद को नौ और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी (लिबरल) को छह सीटों पर जीत हासिल हुई। कांग्रेस को 29, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (एआईयूडीएफ) को 16 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट को चार सीटों पर जीत मिली।

एक सीट पर माकपा और एक पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत हासिल हुई। 92 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को 6,84,538 (33.21 प्रतिशत) वोट मिले। 26 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाले क्षेत्रीय दल असम गण परिषद को।,519,777 (7.9 फीसद) मतदाताओं ने वोट दिया। आठ सीटों पर चुनाव लड़ने वाली यूपीपीएल को मिले मतों के आंकड़े नहीं दिए गए हैं। कुल 94 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 5,703,341 (29.7 प्रतिशत), 14 सीटों पर लड़ने वाली एआईयूडीएफ को।,786,551 (9.3 प्रतिशत) जबकि दो सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाली माकपा को केवल 160,758 (0.84 फीसद) वोट मिले। अन्य के खाते में 2,628,518 यानी 13.7 प्रतिशत वोट पड़े जबकि 219,578 (1.14 प्रतिशत) मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। चुनाव जीतने वाले प्रमुख चेहरों में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उनके मंत्रिमंडल के साथी हिमंत बिस्व सरमा और चंद्रमोहन पटवारी, पिछली विधानसभा के अध्यक्ष हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, एजीपी प्रमुख अतुल बोरा और सीएए-विरोधी आंदोलन के जेल में बंद नेता अखिल गोगोई शामिल हैं।

दमोह विधानसभा चुनाव हार को मध्य प्रदेश भाजपा नेताओं ने अंदरूनी षडयंत्र बताया

भोपाल। मध्य प्रदेश के भाजपा नेता एवं केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल तथा प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने राज्य की दमोह विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा की हार के लिए सोमवार को पार्टी की अंदरूनी षडयंत्रकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। इनके अलावा, भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी ने भी इस सीट पर अपनी हार के लिए सीधे तौर पर दमोह के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री जयंत मलैया को जिम्मेदार ठहराया और उनको पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। दमोह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार राहुल सिंह लोधी को 17,097 मतों से हराया है और इस सीट पर पार्टी की जीत बरकरार रखी। इसका परिणाम रविवार को आया है।

मिश्रा ने ट्वीट किया, दमोह नहीं हारे हैं हम, छले गए छलछन्दों से। इस बार लड़ाई हारे हैं हम, अपने घर के जयचंदों से। दमोह की जीत पर मध्य प्रदेश कांग्रेस ज्यादा खुशी नहीं मनाए। मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पूरे देश में कांग्रेस का जो सफाया हुआ है, उस पर भी चिंतन करना चाहिए। वहीं, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने ट्वीट किया, दमोह चुनाव परिणाम ने भविष्य की चुनौतियों, षड्यंत्रों और कार्यप्रणाली में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए हैं। हम सभी कार्यकर्ता अपनी परिश्रम की मूलसामर्थ्य और विद्वेषरहित कार्यप्रणाली से इनका समाधान खोजेंगे। पटेल ने भाजपा को मतदान और सहयोग करने वाले सभी दमोहवासियों को धन्यवाद भी दिया। दमोह विधानसभा उपचुनाव के लिए 17 अप्रैल को मतदान हुआ था। राहुल सिंह लोधी 2018 में हुए चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे, लेकिन पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और बाद में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसी वजह से यह सीट रिक्त हो गई थी। लोधी ने उपचुनाव हारने के बाद रविवार देर रात मीडिया को बताया, दमोह के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री जयंत मलैया तथा उनके परिवार के कारण मैं चुनाव हारा हूं। मलैया 35 वर्षों से राजनीति कर रहे हैं और मैं उनके ही वार्ड में हार गया। इस वार्ड को हम कभी नहीं हारे थे। उन्हें बताना चाहिए कि मैं उनका वार्ड कैसे हारा? मलैया को शहरी क्षेत्र की जिम्मेदारी दी थी तो शहरी क्षेत्र में कैसे हारे? लोधी ने आगे कहा, मैं तो खुले रूप से आरोप लगाता हूं कि मलैया परिवार की पूरी रणनीति सफल हुई, और भाजपा दमोह से हारी। मैं तो स्पष्ट कहता हूं और मांग करता हूं कि ऐसे लोगों को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। लोधी ने कांग्रेस की टिकट पर वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के जयंत मलैया को दमोह सीट से हराया था।

चेन्नई में जीत का प्रमाणपत्र लेने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री स्व. एम. करुणानिधि को श्रद्धांजलि देते हुए डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

'दवाओं की कालाबाजारी निंदनीय'

● न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह आरोपियों की पहचान और उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करे

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कोविड-19 के उपचार में जरूरी दवाओं और ऑक्सीजन की काला बाजारी लोगों की कठिनाइयों का फायदा उठाने का निंदनीय प्रयास है। न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह आरोपियों की पहचान और उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करे। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि नागरिकों को अनाप-शनाप किराया वसूले जाने से बचाने के लिए एंबुलेंसों को लेकर दिशानिर्देश अवश्य होने चाहिए और केंद्र ऐसे मामलों को सुगमता से दर्ज कराने और उनके निस्तारण के लिए मंच बनाने पर विचार कर सकता है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि रेमडेसिविर और टोसिलिजुमैब जैसी कुछ महत्वपूण 'दवाएं महत्वपूर्ण रूप से उंचे दामों पर या फिर गलत रूप से बेची जा रही हैं। रविवार देर रात न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड आदेश में अदालत ने कहा, लोगों की कठिनाइयों का फायदा उठाना और उनकी मजबूरी से लाभ लेना निंदनीय कृत्य है। पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट भी शामिल हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, इस व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार को उन लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करना चाहिए जो: (ए) चिकित्सीय श्रेणी ऑक्सीजनाकोविड-19 दवाओं को उंचे दामों पर बेचते हैं, और (बी) नकली सामान बेचते हैं और संबंधित सामान को बरामद करना। केंद्र ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि जमाखोरीकाला बाजारी एक गंभीर खतरा है और अपराध होने के साथ ही मानव दुखों के व्यापार का गैर माफी योग्य कृत्य है।

केंद्र ने पीठ को बताया कि केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन ने सभी राज्य औषध नियंत्रकों को देश में रेमडेसिविर की जमाखोरी व काला बाजारी रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह निर्देश कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वत: संज्ञान पर लिए गए एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

केंद्र ने कहा कोविड-19 रोगियों के लिए 2,084 अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर

नई दिल्ली। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि देश में कोविड-19 रोगियों के लिए 2,084 समर्पित अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट की पीठ ने अपने आदेश में देश में समर्पित अस्पताल बिस्तरों की उपलब्धता के बारे में तथ्य का उल्लेख किया है जिसने महामारी की दूसरी लहर से निपटने के लिए आवश्यक आपूर्ति और सेवा सुनिश्चित करने के बारे में कई दिशा-निर्देश पारित किए। इसने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार ने अपने शपथपत्र में कहा है कि उसने कोविड प्रबंधन के लिए कोविड देखरेख केंद्रों, समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्रों और समर्पित कोविड अस्पतालों की स्थापना की है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में दर्ज किया कि वर्तमान में 2,084 समर्पित अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर हैं। केंद्र ने कहा है कि कोविड प्रबंधन के लिए ईएसआईसी, रक्षा, रेलवे, अर्धसैनिक बलों, इस्पतात मंत्रालय के तहत अस्पतालों की मदद ली जा रही है। इसने कहा कि रेलवे ने अपने 16 जोन में 3,816 रेल डिब्बों को कोविड देखरेख केंद्रों में तब्दील किया है। पीठ ने केंद्र द्वारा दी गई जानकारी का संज्ञान लिया तथा सुझाव दिया कि स्वास्थ्य देखरेख कार्यबल को आगे और मजबूत किया जा सकता है। इसने सुझाव दिया कि केंद्र टीकाकरण के कार्य में सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के स्वास्थ्यकर्मियों का भी उपयोग कर सकता है।

केंद्र व राज्य लॉकडाउन पर विचार करें

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर पर काबू पाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जनहित में लॉकडाउन लगाने पर विचार कर सकती हैं। हाल, उच्चतम न्यायालय ने उनसे कहा कि अगर वे लॉकडाउन लगाना चाहते हैं तो पहले से व्यवस्था करनी होगी ताकि गरीब लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक आपूर्ति एवं सेवाएं सुनिश्चित करने के मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को बीमारी और नहीं फैले, इस बारे में किए गए प्रयास और भविष्य में किए जाने वाले प्रयास के बारे में जानकारी देनी होगी।

पीठ ने कहा, महामारी की दूसरी लहर में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को निर्देश देते हैं कि वायरस पर काबू पाने के प्रयासों के बारे में बताएं और भविष्य में किए जाने वाले उपायों के बारे में भी जानकारी दें। पीठ में न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस. रविंद्र भट भी शामिल थे।

पीठ ने कहा, साथ ही हम केंद्र और राज्य सरकारों से आग्रह करते हैं कि वे भीड़ एकत्रित नहीं होने दें और ऐसे कार्यक्रमों पर भी प्रतिबंध लगाएं जिनसे वायरस फैलने का खतरा हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसे लॉकडाउन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का अंदाजा है , खास तौर पर हाशिए के समुदाय पर पड़ने वाले प्रभाव पर। इसने कहा, इसलिए अगर लॉकडाउन लगाया जाता है तो इन समुदायों की जरूरतों का पहले से इंतजाम किया जाना चाहिए।

अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में दसवें गुरु अर्जन देव की जयंती के अवसर पर मंदिर में उपस्थित श्रद्धालु

त्रिपुरा के और क्षेत्रों में रात्रि का कर्फ्यू बढ़ाया गया

भाषा। अगरतला

त्रिपुरा सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर सोमवार को सभी स्थानीय एवं शहरी निकायों और नगर पंचायत क्षेत्रों में रात्रि कर्फ्यू की अवधि और समय बढ़ाने का निर्णय लिया। त्रिपुरा के मुख्य सचिव मनोज कुमार ने सोमवार को आदेश पारित किया, जिसके अनुसार मंगलवार से रात्रि कर्फ्यू को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार ने राज्य के सभी नगर निकाय क्षेत्रों में रात्रि कर्फ्यू की अवधि शाम छह बजे से अगले दिन सुबह पांच बजे तक करने का भी निर्णय लिया है। इससे पहले, अगरतला नगर निगम क्षेत्र में रात 10 से अगले दिन सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू लागू रहता था।

आंध्र प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 18,972 नए मामले, 71 की मौत

भाषा। अमरावती/ इम्फाला/ श्रीनगर

आंध्र प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 18,972 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 11,63,994 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 10,277 मरीजों के संक्रमण से उबरने के बाद राज्य में अब तक कुल 10,03,935 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके मुताबिक, इसी अवधि में कोविड-19 के 71 मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 8,207 तक पहुंच गई। बुलेटिन के मुताबिक, राज्य में फिलहाल 1,51,852 मरीज उपचाराधीन हैं। उधर, मणिपुर में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 362 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 32,523 हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि इसी अवधि में कोविड-19 के सात मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 422 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि मणिपुर में फिलहाल 2,071 मरीज उपचाराधीन हैं जबकि अब तक कुल 30,030 लोग ठीक हो चुके हैं। इस बीच, जम्मू-कश्मीर में सोमवार को संक्रमण के 3,733 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,87,219 तक पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 51 मरीजों की मौत के बाद प्रदेश में इस घातक वायरस के चलते जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 2,421 तक पहुंच गईं। नए मामलों में जम्मू संभाग में 1,294 नए मामले जबकि कश्मीर में 2,439 मामले दर्ज किए गए। केंद्र शासित प्रदेश में 34,567 मरीज उपचाराधीन हैं जबकि अब तक 1,50,213 मरीज ठीक हो चुके हैं।

पुडुचेरी में एआईएनआरसी के नेता एन. रंगासामी को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया

बंगाल चुनाव में गेम चेंजर बने शुभेंदु अधिकारी

भाषा। कोलकाता

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराकर बड़ा उलटफेर करने वाले के रूप में उभरे हैं, हालांकि उनकी पार्टी को चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अधिकारी ने मतगणना के अंतिम दौर तक चली खींचतान के बाद बनर्जी को 1,900 से अधिक मतों के अंतर से हार का स्वाद चखा दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़ भाजपा में आए अधिकारी की जीत को भगवा पार्टी के लिए केवल मनोबल बढ़ाने वाली जीत के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने 292 सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर विजय प्राप्त की है। मतगणना के दौरान अनियमितता बरते जाने की जानकारी मिलने के बाद दोबारा मतगणना की मांग करने वाली बनर्जी ने अब कहा है कि वह परिणाम को लेकर अदालत का रुख करेंगी। फिलहाल अधिकारी भाजपा के हलकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।अधिकारी के लिए नंदीग्राम उस समय महज राजनीतिक अखाड़े से अस्तित्व की जंग के मैदान में बदल गया था जब बनर्जी ने अधिकारी और उनके परिवार को मजा चखाने की चुनौती दे डाली थी, जिनका दशकों से इस क्षेत्र पर दबदबा रहा है। इस जीत के साथ ही अधिकारी बंगाल में भाजपा की पहली पंक्ति के नेताओं में शामिल हो गए हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।पूर्वी मेदिनीपुर जिले का नंदीग्राम इलाका 2007 में रसायन हब के लिए जमीन के बलपूर्वक अधिग्रहण के खिलाफ टीएमसी के नेतृत्व में हुए किसानों के आंदोलन का गवाह रहा है। बनर्जी ने जब भवानीपुर सीट के बजाय इस बार नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो सबकी निगाहें इस सीट पर टिक गईं। भाजपा ने अधिकारी का गढ़ बचाने और दीदी को घेरने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुपरस्टार मिथुन चक्रवर्ती को प्रचार मैदान में उतारा। अधिकारी ने खुद को नई पार्टी की विचारधारा और भविष्य की भूमिकाओं में ढालने के लिए अपनी छवि को भूमि अधिग्रहण आंदोलन के समावेशी नेता से हिंदुत्व ब्रिगेड के सिरमौर के रूप में स्थापित करने की कोशिश की और दावा किया कि यदि टीएमसी चुनाव जीती तो नंदीग्राम मिनी पाकिस्तान बन जाएगा।अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में आरएसएस की शाखाओं में प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारी ने 1980 में कांग्रेस की छात्र इकाई छात्र परिषद के सदस्य के तौर पर राजनीति में कदम रखा था। हालांकि वह पहली बार 1995 में चुनाव राजनीति में उतरे जब उन्हें कांठी नगरपालिका में पार्षद चुना गया। साल 1999 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद अधिकारी और उनके पिता शिशिर अधिकारी उसमें शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने 2001 में विधानसभा चुनाव और 2004 में लोकसभा चुनाव लड़े। दोनों में हार का सामना करना पड़ा। 2006 में कांठी से जीतकर वह पहली बार विधानसभा पहुंचे। साल 2007 में नंदीग्राम में टीएमसी के आंदोलन के दौरान वह बड़े नेता बनकर उभरे और जल्द ही उन्हें टीएमसी के कोर समूह का सदस्य और टीएमसी की युवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने 2009 और 2014 में तामलुक लोकसभा सीट से जीत हासिल की। हालांकि, टीएमसी से उनकी अदावत के बीज 2011 में पड़ चुके थे।

पेज एक का शेष

प्रदेश में ...

उत्तर प्रदेश सरकार गांव-गांव में कोविड टेस्टिंग का अभियान चलाएगी। पांच मई से शुरू होने वाले इस अभियान के तहत गांवों में दस लाख से अधिक एंटीजन टेस्ट करके कोरोना की घुसपैठ को गांवों में रोका जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में एंटीजन टेस्ट करने के लिए 10 लाख एंटीजेन किट उपलब्ध कराई गई है और 10 लाख से अधिक मेडिकल किट बाँटे जाएंगे। एंटीजन टेस्ट में जो ग्रामीण कोरोना संक्रमित पाया जाएगा, उसका गांव में ही तत्काल इलाज शुरू किया जाएगा। कोरोना संक्रमित ग्रामीण को इलाज के लिए दवाई वाली एक कोविड किट और आयुष काढ़ा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि कोविड संक्रमण से गांवों को बचाने के लिए गांव-गांव में कोविड टेस्टिंग किया जाना तथा गांवों में सैनिटाइजेशन पर जोर देने से कोरोना की घुसपैठ को रोका जा सकता है। जिसके चलते ही अब प्रदेश के सभी 97 हजार राजस्व गांवों में कोविड टेस्टिंग का वृहद अभियान चलाने की योजना तैयार की गई है। कोविड टेस्टिंग को लेकर यह देश में अपनी तरह की अनूठी और वृहद योजना है, जिसके तहत एक दिन में 97 हजार गांवों में कोविड टेस्टिंग की जाएगी।

बड़े पैमाने ...

अनुभवी चिकित्सकों, एक्स सर्विस मैन को कोविड ड्यूटी से जोड़ा जाए। विभाग की ओर से इसके लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर कोविड की लड़ाई में रात-दिन जुटे स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के मानदेय में 25 फीसदी की भारी बढ़ोत्तरी का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। कोविड कार्यों में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, स्वच्छता कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकार के इस अतिरिक्त मानदेय का फायदा मिलेगा।

चुनाव नतीजों ...

कहा, परिणामों की घोषणा के बाद भी भाजपा ने कुछ इलाकों में हमारे समर्थकों पर हमला किया लेकिन हम अपने लोगों से उकसावे में नहीं आने और पुलिस से शिकायत करने का अनुरोध करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि मारे जाने से पहले एक भाजपा कार्यकर्ता फेसबुक पर दो बार लाइव था और उसने कहा कि हमलावरों द्वारा जानवरों और बच्चों को भी नहीं छोड़ा जा रहा। उन्होंने कई घायल लोगों की तस्वीरें भी साझा कीं। एक वीडियो में हांग कांग फैशन नामक दुकान से युवक कपड़े लूटकर भागते हुए दिखे। उनमें से कुछ के चेहरों पर हरा रंग लगा था और संभवत: वीडियो बना रहे व्यक्ति की आवाज सुनाई दे रही है जो कहता है, यही होना चाहिए था, हम तो मिजाज बना रहे थे। एक अन्य वीडियो में बुर्का पहने महिलाओं का एक समूह दुकान के बाहर खड़ा है और गुस्से में चिल्लाते हुए पूछ रहा है,. यह ममता राज है कि गुंडों का राज है? उनमें से एक ने कहा कि उसका भाई हांग कांग फैशन चलाता है और भाजपा के लिए काम करता है।

नीट पीजी ...

जाएगी। साथ ही 100 दिन के अनुभव के बाद ऐसे सभी चिकित्साकर्मियों को भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान दिया जाएगा। चिकित्सा छात्रों और पेशेवरों को कोविड संबंधी कामकाज में तैनात करने से पहले उनका टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही उन्हें चिकित्साकर्मियों को मिलने वाली सरकारी बीमा योजना का लाभ भी दिया जाएगा।

मुलायम की ...

कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष संगीता सेंगर को उम्मीदवार घोषित किया था। बाद में उनका टिकट पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने रद कर दिया था। इसके बाद ही पूर्व एमएलसी की पत्नी ने नामांकन कराया जिन्हें नाम वापसी के दिन पार्टी ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी घोषित किया था। हाथरस में जिला पंचायत सदस्य पद के लिए मतदान में बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे रामवीर उपाध्याय की पत्नी सीमा उपाध्याय ने अपनी सगी देवरानी और भाजपा समर्थित ऋतु उपाध्याय को वार्ड नम्बर 12 से पराजित किया। यहां पर सीमा उपाध्याय को 12022 वोट मिले तो दूसरे नम्बर पर निर्दलीय प्रत्याशी क्षमा शर्मा 5394 वोट मिले। बसपा प्रत्याशी मधु चौधरी 4532 वोट के साथ तीसरे और भाजपा समर्थित ऋतु उपाध्याय 2309 मत के साथ चौथे स्थान पर रहीं। हाथरस में रामवीर के छोटे भाई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विनोद उपाध्याय और उनकी पत्नी चुनाव हार गईं हैं। रामवीर उपाध्याय के छोटे भाई निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष विनोद उपाध्याय वार्ड 16 से चुनाव लड़े थे। वहीं उनकी पत्नी सरोज उपाध्याय चुनाव वार्ड 20 से मैदान में थीं। दोनों ही प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा है। मैनपुरी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव के बेहद करीबी सदर विधायक राजकुमार यादव राजू की पत्नी वंदना यादव जिला पंचायत सदस्य पद के लिए चुनाव हार गई हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य वंदना यादव वार्ड 28 से सपा से समर्थित प्रत्याशी थीं। उनको सपा के बागी प्रत्याशी जर्मन यादव ने पराजित किया है। मैनपुरी में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरीं सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की भतीजी संध्या यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गई हैं। वह सैफई के परिवार से विद्रोह कर भाजपा में शामिल हुई थीं। संध्या यादव बदायूं से सपा के सांसद रहे धर्मेंद्र यादव की बहन हैं। भाजपा ने सैफई परिवार में सियासी सेंध लगाने में तो सफलता प्राप्त कर ली लेकिन उनकी प्रत्याशी चुनावी मैदान में टिक नहीं सकीं। जिलों से मिली जानकारी के अनुसार कैबिनेट मंत्री रमापति शास्त्री के भतीजे गांव में प्रधान पद का चुनाव हार गए। निकटतम प्रतिद्वंदी ने मंत्री के भतीजे को 201 वोटों से हरा दिया। इसी प्रकार बस्ती जिले के हर्रैया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अजय सिंह की सगी भाभी कविता सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव हार गईं।

चित्रकूट तथा पास के क्षेत्र में पहले मतदान नहीं होता था और बाहुबली के फरमान पर ही प्रधान तय होते थे। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार सभी पद के लिए मतदान हुआ है। चित्रकूट में डकैत शिवकुमार पटेल उर्फददुआ के दाहिने हाथ रहे और वर्तमान में जेल में बंद डकैत राधे उर्फ सूबेदार सिंह के बेटे अरिमर्दन सिंह ने शीतलपुर तरौंहा ग्राम पंचायत में प्रधान पद का चुनाव जीत लिया। प्रतिद्वंद्वी अरविंद सिंह को 22 मतों से हराया। गोपामऊ से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश की पत्नी शशि टड़ियावां विकास खंड की भड़ायल से प्रधान चुनी गईं है। सीतापुर जिले के बिसवां से विधायक महेंद्र सिंह यादव की मां शिवदेवी सिंह यादव भरावन विकास खंड की हाजीपुर वार्ड से बीडीसी सदस्य चुनी गईं। उन्होंने निर्वतमान ब्लाक प्रमुख सुमन दीक्षित की देवरानी रश्मी दीक्षित को पराजित किया। जीआरपी लखनऊ के आईजी सतेंद्र सिंह की पत्नी गीता सिंह कछौना विकास खंड की सरसंड ग्राम पंचायत से प्रधान चुनी गईं। वहीं बिहार में जज अविनाश पांडेय की पत्नी रंजना बावन विकास खंड की बवनापुर वार्ड से बीडीसी चुनी गईं।

कर्नाटक के ...

हैं। कुमार ने कहा, मैंने अधिकारियों को चामराजनगर जिले में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्थाई समाधान खोजने को भी कहा है। मैसुरू में जरूर ही समस्या है लेकिन मैसुरु से चामराजनगर और मांड्या में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। मरीजों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, मंत्री ने कहा कि वह स्थिति का जायजा लेने के लिए चामराजनगर जाएंगे। मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा ने घटना के दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी और घटना पर दुख व्यक्त किया।

कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के बहुत प्रारंभिक संकेत मिले

नई दिल्ली(भाषा)। केन्द्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं जबकि कुछ चिंता का विषय बने हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं जबकि बिहार, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दैनिक मामलों में वृद्धि के रूझान दिखाई दे रहे हैं।देश में चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार इसके उत्पादन के लिए नाइट्रोजन संयंत्रों के रूपांतरण की संभावना तलाश रही है।ग्रवाल ने कहा, कुछ राज्यों में कोविड-19 मामलों में स्थिरता या गिरावट के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 29 अप्रैल को 15,583 मामले सामने आए थे जबकि दो मई को 14,087 मामले सामने आए।

अभी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड विमान नहीं : सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख निक हॉक्ले ने सोमवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) समाप्त होने के बाद कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत से आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को स्वदेश लाने के लिए चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करने की अभी उनकी कोई योजना नही है। हॉक्ले ने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) में सुरक्षित महसूस कर रहे है लेकिन उनकी यह टिप्पणी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों के इस खतरनाक वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने की खबर से पहले आई थी। इस कारण केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया।

स्पेनिश इंटरनेशनल में नहीं खेल पाएंगे भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और सुकांत कदम की पैरालंपिक की तैयारियों को झटका लगा क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते नए पृथक्वास नियमों के कारण भारतीय टीम स्पेनिश इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नही ले पाएगी। टूर्नामेंट का आयोजन 11 से 16 मई तक होना है लेकिन स्पेन ने भारत से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन का अनिवार्य पृथक्वास लागू किया है जिसके कारण खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा लेना संभव नही है।

भारत की जंग में 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर दान देगा सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत मे तबाही मचा रही कोविड-19 की दूसरी लहर से लड़ाई के समर्थन में सोमवार को 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर देने का वादा किया और साथ ही अपने खिलाड़ी संघ तथा यूनिसेफ के साथ मिलकर और राशि जुटाएगा। पिछले कुछ हफ्तो से भारत मे रोजाना संक्रमण के तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे है और इस दौरान प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले भी सामने आए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार रोजाना मरने वालों का आंकड़ा भी तीन हजार से अधिक है।

गेल या मलान से पारी का आगाज कराने के बारे में नहीं सोचा: अग्रवाल

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के कार्यवाहक कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने लोकेश राहुल की गैरमौजूदगी में आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल या डेविड मलान के उनके साथ पारी का आगाज करने की संभावना के बारे में अब तक चर्चा नहीं की है। नियमित कप्तान राहुल को आंत्रपुच्छ के उपचार के लिए सर्जरी की जरूरत है। उनके जल्द ही टीम से जुड़ने की संभावना कम है लेकिन टीम ने उम्मीद जताई कि मुंबई के अस्पताल में सर्जरी के बाद वह एक हफ्ते से 10 दिन के भीतर वापसी करेंगे।

आईपीएल में कोविड का संक्रमण

- केकेआर-आरसीबी मुकाबला स्थगित
- कोलकाता के वरुण व संदीप पाजिटीव
- सीएसके स्टाफ में भी पॉजिटिव मामले

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 ने सोमवार को आईपीएल में दस्तक दी जब केकेआर के वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर इस घातक वायरस के लिए पॉजिटव पाए गए जिसके कारण आज शाम आरसीबी के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले टीम के मैच को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा सीएसके की टीम में भी कुछ मामले सामने आए हैं।

केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबला सोमवार की शाम अहमदाबाद में होना था लेकिन अब इसका आयोजन 30 मई को समाप्त होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान किसी अन्य दिन किया जाएगा। आईपीएल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पिछले चार दिन में तीसरे दौर के परीक्षण में वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर पॉजिटव पाए गए। टीम के अन्य सभी सदस्य कोविड-19 के लिए नेगेटिव पाए गए हैं। इसके अलावा पता चला है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और स्टाफ का एक अन्य सदस्य रविवार को पॉजिटिव पाए गए। बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने उनके मामले को गलत पॉजिटिव घोषित किया था लेकिन बाद में स्पष्ट किया गया कि बालाजी और एक ड्राइवर दूसरे परीक्षण में पॉजिटिव आए हैं। सूत्रों ने कहा, सीएसके दल के सदस्य, सीईओ काशी, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और एक बस ड्राइवर का सुबह परीक्षण पॉजीटिव पाया गया जिसके बाद रैपिड एंटीजन परीक्षण की रिपोर्ट नेगेटिव आई। हालांकि दूसरे आरटी पीसीआर परीक्षण में बालाजी और बस ड्राइवर को फिर से पॉजिटिव पाया गया। टीम के अन्य सदस्यों विशेषकर खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। सीएसके की टीम अभी दिल्ली में है। उसने दिन का अपना अभ्यास स्थगित कर दिया तथा उसे पांच मई को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। टीम में इससे पहले यूएई में 2020 में खेले गए आईपीएल के दौरान भी कोविड मामले पाए गए थे। साथ ही दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं।

इस मैदान पर मंगलवार को मुंबई इंडियन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है। दिल्ली एवं डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि इनमें कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीसीसीआई लगातार जोर देकर कह रहा है कि लीग जारी रहेगी लेकिन सोमवार के मामलों से निश्चित तौर पर लीग पर कोविड-19 का साया मंडराने लगा है। लेग स्पिनर चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज वारियर को पृथकवास में रखा गया है और फिलहाल दल के अन्य सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है। ए दोनों 30 बरस के हैं। इन दोनों में से वारियर को मौजूदा सत्र में अब तक केकेआर के सात मैचों में से एक में भी खेलने का मौका नहीं मिला है। मेडिकल टीम लगातार दोनों के संपर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। इस बीच कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रोजाना परीक्षण की दिनचर्या से गुजरेगी जिससे कि किसी अन्य संभावित मामले की पहचान हो सके और जल्द से जल्द इलाज किया जा सके। मेडिकल टीम साथ ही पॉजिटिव नतीजों के नमूने एकत्रित करने से 48 घंटे पहले तक दोनों पॉजिटिव खिलाड़ियों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान करेगी। केकेआर ने अपना पिछला मुकाबला 29 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था और पॉजिटिव नतीजे आने के बाद टूर्नामेंट में घबराहट की स्थिति हो सकती है जिसका आयोजन छह स्थलों में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खाली स्टेडियम में किया जा रहा है।

कड़े बायो बबल में कोविड की घुसपैठ, पर टीमों ने कहा आईपीएल जारी रहना चाहिए

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में कोविड-19 के दो मामले पाए जाने के बाद खिलाड़ी विशेषकर विदेशी क्रिकेटर असहज महसूस कर रहे है लेकिन टीमो का मानना है कि इस महामारी के बढ़ते खतरे के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जारी रहना चाहिए। केकेआर के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद सवाल उठ रहे है विश्व के सबसे बड़े टी20 लीग के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) मे यह खतरनाक वायरस कैसे पहुंच गया। भारत से यात्रा प्रतिबंधो के कारण विदेशी खिलाड़ी पहले ही स्वदेश लौटने को लेकर चिंतित थे और अब उनकी चिंता बढ़ गई है। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, आधा टूर्नामेंट हो चुका है। इसको रोकने का कोई मतलब नही बनता है। इस खबर (केकेआर टीम मे पॉजिटिव मामले) से बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। हमने सुना है कि एक खिलाड़ी इसलिए संक्रमित हुआ क्योंकि उसे स्कैन के लिए बायो बबल से बाहर ले जाया गया। इसलिए यह बायो बबल के बाहर हुआ। जहां तक मै जानता हू हर कोई बीसीसीआई के प्रोटोकॉल का पूरा पालन कर रहा है और उसका कोई उल्लंघन नही हुआ। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यदि कोई अन्य टीम वायरस से प्रभावित नही होती है तो टूर्नामेंट जारी रहना चाहिए। यदि आप टूर्नामेंट रोकना चाहते है तो कब तक। एकमात्र तरीका यही है कि पॉजिटिव मामलो को अलग थलग करके खेल जारी रखा जाए। खिलाड़ी निश्चित तौर पर अब अधिक चिंतित है लेकिन उनकी मुख्य चिंता यह है कि वे स्वदेश कैसे लौटेंगे। ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भारत से आने वाले यात्रियो पर प्रतिबंध लगा रखा है और आईपीएल मे इन तीनो देशो के कई क्रिकेटर खेल रहे है। आस्ट्रेलिया के तीन क्रिकेटर यात्रा प्रतिबंध लगने से पहले स्वदेश लौट गए थे। एक टीम के अन्य अधिकारी ने कहा, हमे यह फैसला बीसीसीआई पर छोड़ देना चाहिए कि हम सबके लिए क्या सर्वश्रेष्ठ है। उन्हे कई तरह की राय देने से भ्रम की स्थिति ही पैदा होगी।

मेस्सी के दो गोल से बार्सीलोना जीता

मैड्रिड। लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेलेंसिया को 3-2 से हराकर ला लीगा फुटबॉल खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखा है। बार्सीलोना की ओर से मेस्सी ने 57वें और 69वें मिनट में गोल दागे जबकि एंटोनी ग्रिजमैन ने 63वें मिनट में गोल किया। वेलेंसिया की ओर से गैब्रिएल पोलिस्ता (50वें मिनट) और कार्लोस सोलर (83वें मिनट) ने गोल किए। इस जीत से बार्सीलोना के 34 मैचों में 74 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सीलोना की टीम अगर अगले सप्ताहांत होने वाले मुकाबले में एटलेटिको को हरा देगी तो मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष पर पहुंच सकती है। अन्य मैचों में विलारीयाल घरेलू मैदान पर गेटाफे को।-0 से हराकर छठे स्थान पर पहुंच गया है जबकि सातवें स्थान पर मौजूद रीयाल बेटिस को वेलाडोलिड ने।-। से बराबरी पर रोका। बार्सीलोना को हराने वाले ग्रेनाडा को हालांकि केडिज के खिलाफ 0-। से हार झेलनी पड़ी।

बालाजी के पॉजिटिव आने से दिल्ली में होने वाले आईपीएल मैचों पर संशय

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के कोविड-19 परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) दिल्ली में होने वाले अगले कुछ आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) मैचों को लेकर असमंजस की स्थिति में है। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सोमवार की शाम को होने वाला उसका मैच स्थगित कर दिया गया था। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद जहां केकेआर की पूरी टीम पृथकवास पर चली गई है, वहीं नियमित तौर पर सीएसके टीम के साथ रहने वाले बालाजी भी सोमवार को आरटी पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव आने के बाद अलग थलग हो गए हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, बालाजी की पॉजिटिव रिपोर्ट वास्तव में चिंता का विषय है हालांकि सीएसके के खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। अमूमन अधिकतर लोगों में पांचवें या छठे दिन लक्षण दिखााई देते हैं। चर्चा यह है कि क्या दिल्ली में अगले दोनों मैचों का आयोजन किया जाना चाहिए या नहीं।

बांग्लादेश को हराकर श्रीलंका ने श्रृंखला जीती

पालेकल। पदार्पण कर रहे प्रवीण जयविक्रम के मैच में 11 विकेट की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को 209 रन से हराकर टेस्ट श्रृंखला।-0 से जीत ली। श्रीलंका को जीत के लिए अंतिम दिन पांच विकेट की दरकार थी और जयविक्रम ने इनमें से तीन विकेट चटकाए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने मैच में 178 रन देकर 11 विकेट हासिल किए। पदार्पण करते हुए यह किसी टेस्ट गेंदबाज का 10वां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह किसी श्रीलंकाई गेंदबाज का पदार्पण करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जयविक्रम ने अकिला धनंजय को पीछे छोड़ा जिन्होंने तीन साल पहले बांग्लादेश के खिलाफ 44 रन देकर आठ विकेट चटकाए थे। बांग्लादेश ने 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने अंतिम तीन विकेट आठ गेंद में गंवा दिए जिससे टीम दूसरी पारी में 227 रन पर सिमटी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स जीत का प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। लगातार दो जीत के साथ लय में लौटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार होगी। मुंबई ने अपने पिछले मैच में कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की बदौलत फॉर्म में चल रहे चेन्नई को चार विकेट से हराया। दूसरी तरफ सनराइजर्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 55 रन की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा सत्र में टीम की सात मैचों में छठी हार है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है जिसमें खराब फॉर्म से जूझ रहे डेविड वार्नर से कप्तानी केन को सौंप दी गई है। मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (250 रन) और क्विंटन डिकॉक (155 रन) एक बार फिर पांच बार की चैंपियन टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के अलावा अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में बदलना चाहेंगे। मुंबई का आक्रामक मध्यक्रम पिछले दो मैचों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सफल रहा है जो टीम प्रबंधन के लिए राहत की बात है। चेन्नई के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 87 रन की मैच विजेता पारी खेलने वाले पोलार्ड (168 रन) इस फॉर्म को बरकरार रखने उतरेंगे। कृणाल (100 रन), हार्दिक (52 रन) और सूर्यकुमार (173 रन) विरोधी टीम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं और एकजुट होकर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। यह भी देखना होगा कि क्या मुंबई की टीम जेम्स नीशाम की जगह इशान किशन और जयंत यादव में से एक को मौका देती है या नहीं। नीशाम ना तो बड़ी पारी खेल पाए हैं और ना ही विकेट हासिल कर पाए हैं। मुंबई के गेंदबाजों को हालांकि चेन्नई के खिलाफ खराब प्रदर्शन को भुलाकर नई शुरुआत करनी होगी। जसप्रीत बुमराह (छह विकेट) और ट्रेंट बोल्ट (आठ विकेट) ने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और सनराइजर्स के बल्लेबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर (11 विकेट) मुंबई के सबसे सफल गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें कृणाल से सहयोग की जरूरत है जो सिर्फ तीन विकेट चटका पाए हैं।

टी20 रैंकिंग में भारत दूसरे स्थान पर

- वनडे में तीसरे स्थान पर खिसका
- वार्षिक अपडेट के बाद फैसला

भाषा। दुबई

भारत ने सोमवार को वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 टीम रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है लेकिन एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गया। टी20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड (277 अंक) शीर्ष पर है जबकि भारत उससे पांच रेटिंग अंक पीछे है। इस दौरान इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला।-। से ड्रॉ की जबकि आस्ट्रेलिया को 2-। और दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराया। टीम को भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 2-3 से हार झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड को टी20 में वार्षिक अपडेट में फायदा हुआ है और टीम पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने इस दौरान वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराया। आस्ट्रेलिया की टीम तीसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई है। श्रीलंका और बांग्लादेश एक स्थान के फायदे से क्रमश: आठवें और नौवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की टीम दो स्थान के नुकसान से 10वें पायदान पर हैं। आईसीसी के अनुसार इस अपडेट में 2017-18 के नतीजों को हटा दिया गया है और 2019-20 में खेले गए मैचों की अहमियत को आधा कर दिया गया है। एकदिवसीय टीम रैंकिंग के वार्षिक अपडेट में आस्ट्रेलिया और अब शीर्ष पर पहुंचे न्यूजीलैंड के बाद भारत एक स्थान के नुकसान से तीसरे सथान पर खिसक गया है। न्यूजीलैंड ने शीर्ष स्थान से गत विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हटाया है। न्यूजीलैंड को दो स्थान का फायदा हुआ है और उसके कुल 121 अंक हैं। आस्ट्रेलिया के 118 अंक हैं। भारत और इंग्लैंड दोनों के 115 हैं लेकिन दशमलव अंकों में बेहतर स्थिति के कारण भारत तीसरे स्थान पर है। पिछले 12 महीने में इंग्लैंड को आस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में।-2 से हार झेलनी पड़ी जबकि आयरलैंड ने भी उसे एकदिवसीय मैच में हराया। नए अपडेट में मई 2020 के बाद खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत रखा गया है जबकि पिछले दो साल के मैचों के अंकों को 50 प्रतिशत किया गया है। आस्ट्रेलिया दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंचा जबकि भारत को एक स्थान का नुकसान हुआ। वेस्टइंडीज श्रीलंका को पीछे छोड़कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है। नीदरलैंड को पुरानी रैंकिंग पर बरकरार रखा गया है क्योंकि नए रेटिंग समय के दौरान उसने सिर्फ चार एकदिवसीय मैच खेले। इस दौरान कोविड-19 के कारण टीम के मुकाबले स्थगित हो गए।

इंटर मिलान ने पहला सिरी ए खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने एक दशक से अधिक समय बाद पहला सिरी ए फुटबॉल खिताब जीता जिसके बाद मिलान शहर में जश्न का माहौल है। दूसरे स्थान पर मौजूद अटलांटा को रविवार को सासुओलो ने 1-1 से बराबरी पर रोका जिससे इंटर मिलान के चैंपियन बनने की पुष्टि हो गई। इंटर मिलान ने 13 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि अब सिर्फ चार मैच खेले जाने बाकी हैं। इंटर मिलान के खिताब जीतने की पुष्टि होने के बाद टीम के हजारों समर्थक पियाजा डुमो में शहर के मुख्य चौराहे पर जमा हो गए जो हाथ में झंडे और स्कार्फ लिए हुए थे और नारे लगाने के अलावा गाने गा रहे थे। इस दौरान हालांकि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों को नजरअंदाज किया गया। सभी ने मास्क तो पहने हुए थे लेकिन कई लोगों ने इसे नाक और मुंह से नीचे किया हुआ था। समर्थकों ने इस दौरान आतिशबाजी भी की। इंटर मिलान का 2011 से यह पहला खिताब और 2010 से पहला सिरी ए खिताब है। टीम ने 2010 में लीग, चैंपियन्स लीग और इटैलियन कप का तिहरा खिताब जीता था। इंटर की खिताबी जीत के साथ यूवेंटस का लीग में लगातार नौ खिताबी जीत का अभियान भी थम गया।

रातों-रात उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकती, टीका उत्पादन एक खास प्रक्रिया है: पूनावाला

नई दिल्ली। टीकाकरण के लिए राज्यों से बढ़ती मांग के बीच कोविड टीका कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने कहा कि रातों-रात टीके की उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकती। टीके का उत्पादन एक खास प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है। पूनावाला ने एक बयान में कहा कि एसआईआई को भारत सरकार ने अगले कुछ महीनों में टीके की 11 करोड़ खुराक के आर्डर मिले हैं जबकि कंपनी 15 करोड़ खुराक की आपूर्ति पहले ही कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अगले कुछ महीनों में 11 करोड़ खुराक राज्यों एवं निजी अस्पतालों के लिए आपूर्ति की जाएगी।

ग्लेनमार्क ने भारत में किफ़ायती मूल्य पर लॉन्च की रयालट्रिस

मुंबई। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने भारत में मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस के उपचार के लिए रयालट्रिस एझेड नेज़ल स्प्रे लॉन्च करने की घोषणा की। श्वसन क्षेत्र के अग्रणियों में से एक ग्लेनमार्कए भारत में एलर्जिक राइनाइटिस के उपचार के लिए किफ़यती मूल्य पर ब्रांडेड जेनेरिक संस्करण लॉन्च करने वाली पहली कंपनी है। इससे मरीजों को देश में कहीं अधिक सुविधाजनक, किफायती उपचार का विकल्प मिलेगा। ग्लेनमार्क रयालट्रिस एझेड को मोमेटसन फ्यूरोएट 50 एमसीजी 50, एज़िलास्टाइन 140 एमसीजी 140 को एक नये निश्चित खुराक संयोजन के रूप में लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। लगभग 20-30 फिसदी भारतीय आबादी एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित है। इसके अलावा भारत में रोगियों को दवा का खर्च अपने दम पर वहन करना पड़ता है और इसलिए दवा की कीमत एक प्रमुख कारक बन जाती है जो उपचार अनुपालन को प्रभावित करती है।

यूएफओ ने कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क से साथ साझेदारी की

मुंबई। यूएफओ मूवीज इंडिया लिमिटेड और द कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क प्राइवेट ने साझेदारी की घोषणा की है। दोनों कंपनियों के बीच की यह साझेदारी देश भर के ब्रांड्स को प्रभावशाली विपणन, ब्रांडेड सामग्री और सोशल मीडिया समाधान मुहैया कराने के लिए की गई है। अपने-अपने क्षेत्र की दोनों दिग्गज कंपनियों के बीच हुआ यह समझौता संबंधित क्षेत्र में मौजूदा ताकत और बुनियादी ढाँचे को बढ़ाए जाने के साथ ही बाजार की अग्रणी कंपनी के रूप में उन्हें परिचालन विस्तार का मौका मुहैया कराएगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए व्यापक फायदे वाली साबित होगीए जैसे कि रू इस साझेदारी के बारे में बताते हुए यूएफ्ओ मूवीज इंडिया लिमिटेड के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर कपिल अग्रवाल ने कहा किए हम इस बात को समझते हैं कि ब्रांड और मार्केटर्स हमेशा से ही राष्ट्रीय और स्थानीय इंफ्लूएंसर्स के साथ साझेदारी की संभावनाओं को तलाशते रहते हैं ताकि वह प्रासंगिक दर्शकों तक अपने ब्रांड की कहानी पहुँचा सकें।

रवि शंकर आरबीआई के डिप्टी गवर्नर बने

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि टी रवि शंकर ने सोमवार को केंद्रीय बैंक के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा।

कच्चे माल की बेरोक-टोक आवाजाही की अनुमति मिले : सीतारमण

- टीके के मामले में राष्ट्रवाद की गुंजाइश नहीं, विकसित देश प्रौद्योगिकी साझा करे

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने सोमवार को कोविड महामारी के मौजूदा दौर के बीच टीके को लेकर राष्ट्रवाद पर वैश्विक समुदाय को आगाह किया। साथ ही विकसित देशों से टीके के उत्पादन के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी साझा करने तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण उपकरणों एवं कच्चे माल की बेरोक-टोक आवाजाही की अनुमति देने को कहा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड महामारी के संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े व्यापार संबंधित पहलुओं (ट्रिप्स) पर गौर करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, देशों को टीका आधारित प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए तैयार होना होगा। महामारी के संदर्भ में ट्रिप्स समझौते पर गौर करना होगा। टीकों को लेकर कोई राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। देशों को इस मामले में लचीला रुख अपनाना चाहिए। ट्रिप्स समझौता विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के बीच एक कानूनी समझौता है। यह सदस्य देशों द्वारा बौद्धिक संपदा के विभिन्न रूपों के विनियमन के लिए मानक स्थापित करता है जो डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों पर लागू होता है।

फाइजर ने भारत में उसके कोविड-19 टीके को जल्द मंजूरी देने की मांग की, सात करोड़ डॉलर की दवाएं दान की

नई दिल्ली। वैश्विक दवा विनिर्माता कंपनी फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बोर्ला ने सोमवार को कहा कि कंपनी भारत मे फाइजर-बायोएनटेक टीका उपलब्ध कराने की खातिर उसे जल्दी मंजूरी दिलाने के लिए भारत सरकार के साथ बीतचीत कर रही है। उन्होने यह भी बताया कि फाइजर अपने अमेरिका, यूरोप और एशिया स्थित वितरण केंद्रो से सात करोड़ डॉलर (करीब 510 करोड़ रुपए) की दवाएं भारत भेज रही है। उन्होने फाइजर इंडिया के कर्मचारियो को भेजे मेल मे कहा, हम भारत मे कोविड-19 के हालात से बेहद चिंतित है, और दिल से आपके, आपके प्रियजनो और भारत के सभी लोगों के साथ है। उन्होने यह मेल लिंक्डइन पर पोस्ट किया है। बोर्ला ने कहा, हम इस बीमारी के खिलाफ भारत की लड़ाई मे भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है और अपनी कंपनी के इतिहास मे सबसे बड़ी मानवीय राहत के लिए तेजी से काम कर रहे है। उन्होने कहा कि फिलहाल अमेरिका, यूरोप और एशिया के वितरण केंद्रो मे फाइजर के सहयोगी इन दवाओ को तेजी से भारत भेजने के लिए प्रयास कर रहे है।

पाबंदियों से अप्रैल में 75 लाख नौकरियां गईं :सीएमआईई

- बेरोजगारी दर 4 माह के उच्च स्तर पर

भाषा। मुंबई

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर और उसकी रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर लगाए गए लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों से 75 लाख से अधिक लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है। इससे बेरोजगारी दर चार महीने के उच्च स्तर 8 प्रतिशत पर पहुंच गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन एकोनॉमी (सीएमआईई) ने सोमवार को यह कहा। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महेश व्यास ने कहा कि आने वाले समय में भी रोजगार के मोर्चे पर स्थिति चुनौतीपूर्ण बने रहने की आशंका है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मार्च की तुलना में अप्रैल महीने में हमने 75 लाख नौकरियां गंवाई। इसके कारण बेरोजगारी दर बढ़ी है। केंद्र सरकार के आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 7.97 प्रतिशत पहुंच गई है। शहरी क्षेत्रों में 9.78 प्रतिशत जबकि ग्रामीण स्तर पर बेरोजगारी दर 7.13 प्रतिशत है। इससे पहले, मार्च में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 6.50 प्रतिशत थी और ग्रामीण तथा शहरी दोनों जगह यह दर अपेक्षाकृत कम थी। कोविड-19 महामारी बढ़ने के साथ कई राज्यों ने लॉकडाउन समेत अन्य पाबंदियां लगाई हैं।

शेयर बाजार ने शुरुआती नुकसान की भरपाई की

- सेंसेक्स 64 अंक टूटा, निफ्टी में मामूली बढ़त

भाषा। मुंबई

वैश्विक शेयर बाजारों में नकरात्मक रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती बड़ी गिरावट से उबरते हुए अंत में 64 अंक के मामूली नुकसान के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में काफी गिरावट हुई, लेकिन बाद में रुपए में सुधार से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स एक समय 750 अंक से अधिक लुढ़क गया था। लेकिन बाद में इसमें सुधार आया और अंत में यह 63.84 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,718.52 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी इसी प्रकार का उतार-चढ़ाव आया और अंत में यह 3.05 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 14,634.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन को सर्वाधिक 4.58 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, ओएनजीसी, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, एचयूएल, मारुति, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी आदि शेयर लाभ में रहे। इनमें 3.98 प्रतिशत तक की तेजी आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बावजूद शेयर बाजार दिन के न्यूनतम स्तर से ऊपर आया। बैंकों और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) की ऋण वसूली और संपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंता से वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव रहा। हालांकि, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों तथा धातु कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

रुपया आरंम्भिक गिरावट से उबरकर 14 पैसे बढ़कर करीब एक माह के उच्च स्तर पर पहुंचा

मुंबई। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में आई गिरावट के बाद सोमवार को विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डालर को मुकाबले रुपया 14 पैसे की तेजी के साथ करीब एक माह के उच्च स्तर यानी प्रति डॉलर 73.95 रुपए पर बंद हुआ। कच्चा तेल कीमतों में गिरावट और सकारात्मक आर्थिक आंकड़ों की वजह से रुपए की आरंभिक हानि लुप्त हो गई। घरेलू शेयर बाजार में आरंभिक गिरावट की वजह से अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर 74.25 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान रुपए की विनिमय दर एक समय 74.33 तक नीचे चली गई।

बजाज बनी भारत की नंबर 1 मोटरसाइकिल कंपनी

मुंबई। निर्यात में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ बजाज ऑटो ने नए वित्त वर्ष की शुरुआत की जिसके चलते कंपनी ने भारत में मोटरसाइकिल सेगमेंट में सबसे शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। पूरी दुनिया में भारत सहित कुल 3,48,173 यूनिट की बिक्री करते हुए अप्रैल 2021 में बजाज ऑटो भारत की नंबर-1 मोटरसाइकिल निर्माता बन गई है जिसमें से 2,21,603 यूनिट निर्यात किए गए हैं। कंपनी के कुल वॉल्यूम का 52 फिसदी दुनिया के 79 देशों में निर्यात किए जाने के साथ वित्त वर्ष 20.21 में बजाज ऑटो की निर्यात से प्राप्त आय 12,687 रुपए करोड़ रही है। पिछले 10 वर्षों में लगातार बढ़ने वाले 18 मिलियन 1.8 करोड़ वाहनों के निर्यात के साथ बजाज ऑटो सारी दुनिया में सबसे ज्यादा दिखाई पड़ने वाला ब्रांड है जो इसे वास्तविक रुप में वर्ल्ड्स फेवरेट इंडियन बनाता है। इस बड़ी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए राकेश शर्मा एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर बजाज ऑटो ने कहा कि श्बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद हमने वित्त वर्ष 2022 की शुरुआत एक बेहद सकारात्मक तौर पर की है।

एसबीआई लाइफ का चौथी तिमाही मुनाफा 532 करोड़ रुपए पर स्थिर

नई दिल्ली। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने मार्च 2021 में समाप्त तिमाही में 532 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया जो कि पिछले साल के मुकाबले करीब करीब स्थिर रहा। निजी क्षेत्र की इस जीवन बीमा कंपनी ने एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 531 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। एसबीआई लाइफ ने नियामकीय सूचना में कहा है कि जनवरी-मार्च 2021 की तिमाही में कंपनी की कुल आय कई गुना बढ़कर 20,897 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 675 करोड़ रुपए रही थी।

लंदन के एक होटल में अमेरिका के राज्य सचिव एंटनी बायें व दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री द्विपक्षीय वार्ता के दौरान

आस्ट्रेलियाई पीएम ने भारत से लौट रहे नागरिकों पर प्रतिबंध का किया बचाव

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से अपने वतन लौटने की कोशिश करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों पर रोक लगाने और जेल की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान करने वाले फैसले का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि यह फैसला देश के सर्वोत्तम हित में है और यह कोरोना वायरस की तीसरी लहर को रोकेगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इतिहास में पहली बार, अपने उन नागरिकों के देश लौटने पर हाल में रोक लगा दी है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया वापस आने से पहले भारत में 14 दिन बिताए हैं। सरकार ने धमकी दी है कि ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा और पांच साल तक की जेल की सज़ा या 66,000 ऑस्ट्रेलियाई

डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा। मॉरिसन ने कहा कि यह एक अस्थाई व्यवस्था है और बहुत मुश्किल फैसला है। उन्होंने कहा, यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया में (कोविड-19) की तीसरी लहर ना आए और हमारी पृथक-वास व्यवस्था मजबूत बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह देश के सर्वोत्तम हित में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के लिए खराब महसूस होता है। मॉरिसन ने कहा, हमने हमारे होवर्ड स्प्रींग्स केंद्र में भारत से वापस आने वालों में संक्रमण दर में सात गुना का इजाफा देखा है। उन्होंने कहा, यह अहम है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे यहां अस्थाई रोक हो ताकि उन पृथक केंद्रों में व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके और जांच की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा सके और यह न सिर्फ भारत से रवाना होते हुए हो, बल्कि तीसरे देश से आने वाले लोगों के लिए भी हो। प्रधानमंत्री ने 2 जीबी रेडियो चैनल से कहा कि वे विशेष उड़ानों के जरिए पंजीकृत कराए गए करीब 20,000 लोगों को वापस देश लेकर आए हैं। विपक्ष के नेता एंथोनी अल्बानी ने ऑस्ट्रेलिया के लोगों को भारत में छोड़ने और वापस आने पर जुर्माने तथा जेल की सज़ा देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की है।

नेपाल के प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे

भाषा। काठमांडू

नेपाल में संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली सत्ता में बने रहने के प्रयास के तहत 10 मई को संसद में विश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। एक आधिकारिक बयान में रविवार को बताया गया कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सरकार के विश्वास मत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 10 मई को संसद का सत्र आहूत किया है। विश्वास मत हासिल करने के लिए 275 सदस्ईय प्रतिनिधि सभा में ओली (69) को कम से कम 136 वोट चाहिए क्योंकि चार सदस्य अभी निलंबित हैं। नेपाली मीडिया की खबरों के मुताबिक, रविवार को मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान ओली ने कहा कि सत्ता बरकरार रखने के लिए संसद में विश्वास मत जीतने का प्रयास करेंगे। पिछले साल प्रतिनिधि सभा को भंग करने के प्रधानमंत्री के विवादास्पद निर्णय के बाद देश में शुरू राजनीतिक गतिरोध के बीच ओली ने यह फैसला किया है। कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्री लीला नाथ श्रेष्ठ ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे। यह केवल एक दिन का सत्र होगा। श्रेष्ठ ने कहा कि ओली ठप पड़ी राजनीतिक प्रक्रिया को आगे ले जाना चाहते हैं। सरकार को यकीन है कि वह विश्वास मत जीत लेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो गठबंधन सरकार बनाने की प्रक्रिया होगी। प्रधानमंत्री ओली ने यह फैसला ऐसे वक्त किया है जब नेपाल कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। नेपाल में रविवार को कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 7,137 नए मामले सामने आए। देश में संक्रमितों की संख्या 329,000 हो गई है जबकि मृतक संख्या 3325 हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम ने कोविड-19की 50 करोड़ खुराक के वास्ते मॉडर्ना के साथ किया करार

एपी। जिनेवा

मॉडर्ना एवं टीका प्रवर्तक गावी ने एक सौदे की घोषणा की जिसके तहत दवा कंपनी 2022 के आखिर तक निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में जरूरतमंद लोगों तक कोरोना वायरस टीका पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम के वास्ते 500 करोड़ खुराक प्रदान करेगी। सोमवार को घोषित किए गए इस अग्रिम खरीद समझौते से महज कुछ दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई सप्ताह की देरी के बाद मॉडर्ना टीके को आपात मंजूरी देने की घोषणा की थी। इससे संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स कार्यक्रम को प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त होगा।लेकिन इस साल की आखिरी तिमाही से पहले टीकों की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाएगी और सौदे के तहत खुराकों का बड़ा हिस्सा -- 46.6 करोड़ खुराक के अगले साल तक मिलने की योजना है। बाकी 3.4 करोड़ खुराक इस साल मिल जाने की उम्मीद है। सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है।कई विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 संकट अब तीक्ष्ण है, खासकर भारत में मामले अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉडर्ना टीका (कोरोना वायरस की) नई किस्म, एक, जो भारत में फैल रहा है, से निपटने में अब तक के सबसे प्रभावी टीकों में एक समझा जा रहा है।

विनोद खोसला भारत के अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर दान करेंगे

ह्यूस्टन, भाषा भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कारोबारी विनोद खोसला भारत में अस्पतालों को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर की राशि दान करेंगे।भारत में कोविड-19 के मामलों में लगातार वृद्धि के मद्देनजर सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक खोसला भारतीय अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए लगातार मदद कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि लोगों के जीवन को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि और देरी करने से अब और लोगों की मौत होगी।खोसला ने कहा, भारत को देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। उन्हें हर दिन भारत भर के गैर लाभकारी एवं अस्पतालों से 20,000 ऑक्सीजन सांद्रक, 15,000 सिलेंडर, 500 आईसीयू बिस्तर, 100 वेंटिलेटर, 10,000 बिस्तर के कोविड सेंटर के लिए अनुरोध मिल रहा है। हमें तत्काल बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि खोसला परिवार गिव इंडिया पहल के तहत एक करोड़ डॉलर की राशि देगा और वह अन्य लोगों से भी तत्काल मदद करने की आशा करता है।भारत अभी कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है और रोजाना तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं तथा कई अस्पतालों में ऑक्सीजन एवं बिस्तरों की कमी है।

लादेन के खात्मे के 10 साल पूरे, बाइडन ने कहा- अमेरिका पर दोबारा नहीं होने देंगे आतंकी हमला

भाषा। वाशिंगटन

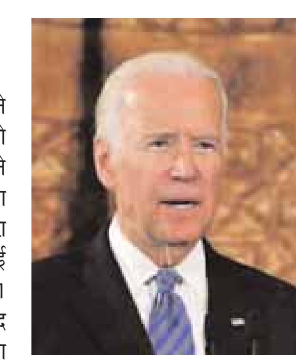

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन को मार गिराए जाने के दस साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को संकल्प लिया कि अमेरिका देश में दोबारा आतंकवादी हमला होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेगा। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए हमले के बाद भूमिगत हुए अलकायदा के नेता लादेन को अमेरिका के विशेष अभियान बलों ने एक मई 2011 को पाकिस्तान के ऐबटाबाद शहर में एक हमले में मार गिराया था।

बाइडन ने एक बयान में कहा कि 11 सितंबर के हमले के बाद अमेरिका ने दस साल तक अलकायदा के नेताओं की तलाश की और लादेन का पता लगाकर उसे जहन्नुम तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा, हम 9/11 हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों से वादा करते हैं कि हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। साथ ही हम संकल्प लेते हैं कि अमेरिका कभी भी अपनी जमीन पर दोबारा ऐसा हमला होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेगा और अमेरिकी लोगों की रक्षा करता रहेगा।

क्विक न्यूज

सीरिया की सर्वोच्च अदालत ने राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी स्वीकार की

बेरूत। सीरिया की सर्वोच्च संवैधानिक अदालत ने युद्ध प्रभावित इस देश में इस माह होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के वास्ते उम्मीदवारी के लिए आए 51 आवेदनों में से तीन ही स्वीकार किए हैं। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। काफी हद तक प्रतीकात्मक समझे जाने वाले इस चुनाव के मैदान में अब तीन प्रत्याशी-राष्ट्रपति बशर असद, अब्दुल्ला सलौम अब्दुल्लाह, और मोहम्मद अहमद मैरी हैं। बशर असद का यह चुनाव जीतना करीब करीब तय है। सात महिलाओं समेत 51 लोगों ने राष्ट्रपति पद के वास्ते उम्मीदवारी के लिए आवेदन दिया था। संसद ने बाद में इन नामों को संवैधानिक अदालत के पास भेज दिया। सीरिया में गृहयुद्ध के बाद यह दूसरा राष्ट्रपति चुनाव है जो 26 मई को होगा। देश में 2011 में गृहयुद्ध छिड़ा था। इस बात की संभावना नजर नही आ रही है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आगामी चुनाव की वैधता को मान्यता देगी।

स्वीडन की भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना

स्टाकहोम। स्वीडन ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स अभियान के तहत भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना बनाई है। इस अभियान के अंतर्गत देशों को कोरोना वायरस के टीके उपलब्ध कराए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग मंत्री पेर ओल्सन फ्रिडे ने स्वीडन के प्रसारक एसवीटी पर सोमवार को भारत को 10 लाख टीके दान करने के संबंध में घोषणा की। उन्होने कहा, हम देख रहे है कि महामारी के चलते दुनिया मे लोग मर रहे है, गरीबी फैल रही है और बच्चे अभी भी स्कूल नही जा पा रहे हैं। हमें दुनिया भर में इस महामारी के खिलाफ लड़ाई मे हरसंभव कदम उठाना चाहिए। स्वीडन के टीका समन्वयक रिचर्ड बर्गस्ट्रॉम ने कहा कि स्वीडन के पास आवश्यकता से अधिक टीके उपलब्ध है। उन्होने कहा, यह केवल 10 लाख है.... हमारे पास 40 से 50 लाख अतिरिक्त एस्ट्राजेनेका टीके है, जिन्हें हम बाद में साझा कर सकते हैं।

पिचाई ने भारत को मदद देने के लिए अमेरिकी प्रशासन की तारीफ की

सैन फ्रांसिस्को। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। गूगल के सीईओ मुख्य कार्यकारी अधिकारीद्ध सुंदर पिचाई ने कहा है कि भारत में कोरोना संक्रमण की हालत बहुत भयावह है। अभी हालात और खराब हो सकते हैं। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहाए ष्भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। लेकिन अमेरिका में यह देखकर हमें प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रपति जो बाइडेन विदेश मंत्री ब्लिंकेन सहित उच्च स्तर पर भारत और अन्य प्रभावित देशों की मदद की पहल की गई है।ष् अमेरिका से 440 ऑक्सीजन सिलेंडरए रेगुलेटर और करीब दस लाख रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट शुक्रवार को भारत पहुंच गए हैं। इस बीचए भारत विश्व व्यापार संगठन में कोरोना और मेडिकल सामग्री को बौद्धिक संपदा संबंधी अधिकारों संबंधी पहलुओं से छूट दिलाने की कोशिश कर रहा है। इससे कम और मध्यम आय वाले देशों तक वैक्सीन की और ज्यादा पहुंच में मदद मिलेगी। अमेरिका में डेमोक्रेट्स द्वारा इसका समर्थन किया गया है लेकिन रिपब्लिकन विरोध कर रहे हैं।

सैन डिएगो के पास नौका पलटने से तीन लोगों की मौत, 27 लोग अस्पताल में भर्ती

सैन डिएगो (अमेरिका)। सैन डिएगो तट के पास एक नौका के पलट जाने से उसमे सवार तीन लोगो की मौत हो गई है और घायल हुए करीब 27 लोगो को अस्पतालो मे भर्ती कराया गया है।इस नौका का इस्तेमाल संभवतः मानव तस्करी के लिए किया जा रहा था। सैन डिएगो दमकल-बचाव विभाग ने बताया कि प्वाइंट लोमा प्रायद्वीप के पास पोत पलटने की रविवार पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे सूचना मिलने के बाद स्थानीय जीवन रक्षक, अमेरिकी तट रक्षक और अन्य एजेंसियां बचाव कार्य मे लग गईं। विभाग के प्रवक्ता जोसे यसी ने बताया कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और 27 घायल लोगो को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस बात की आशंका है कि लोगो के समूह को एक छोटी मोटर चालित एवं लकड़ी की नौका से मेक्सिको से अमेरिका लाया जा रहा था।

सिंगापुर में भारतीय मूल की अध्यापिका पर घरेलू सहायिका के उत्पीड़न का आरोप

सिंगापुर। सिंगापुर मे भारतीय मूल की एक अध्यापिका पर अपनी घरेलू सहायिका के उत्पीड़न का आरोप लगा है जिसकी सुनवाई सोमवार को एक जिला अदालत में हुई। मामले के अनुसार नचम्मई सेलवा नचिअप्पन (39) और उसके 41 वर्षीय पति अरुणाचलम मुथैया पर उत्पीड़न के कई आरोपो मे मामला दर्ज किया गया है।

नेपाल ने घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगाई रोक

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच देश में पाबंदियों को कड़ा किया जा रहा है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों पर आज मध्यरात्रि से जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बृहस्पतिवार से पाबंदी लगा दी जाएगी। ओली ने सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में महामारी से लड़ने के लिए दूसरे देशों से टीकों, चिकित्सा उपकरणों, ऑक्सीजन और अन्य सामान की आपूर्ति की अपील भी की।

उन्होंने कहा, हम अपने पड़ोसी, मित्र देशों, और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुरोध करते हैं कि वे महामारी से निपटने के लिए जारी प्रयासों में मदद के तौर पर टीके, चिकित्सा उपकरण और किट, ऑक्सीजन थेरेपी तथा जरूरी दवाएं भेजें। ओली ने कहा कि सरकार ने 3 मई की मध्यरात्रि से 14 मई तक घरेलू उड़ान सेवाओं को निलंबित करने का फैसला किया है, जबकि काठमांडू और दूसरे देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाएं 6 मई से 14 मई तक बंद रहेंगी। ओली ने कहा कि कि एंटीजन जांच कराने के बाद ही भारत से लोगों को नेपाल में प्रवेश दिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने नेपाल को कोविड-19 टीकों की 10 लाख खुराकें दान की हैं। वहीं नेपाल में सोमवार को एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 7,448 मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 343,418 हो गई है। जबकि 37 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 3,362 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मौत के ये मामले बीते 24 घंटे में सामने आए हैं। नेपाल में पहली बार एक दिन में इतने अधिक रोगियों की मौत हुई है।

काठमांडू में कोरोना पीड़ित मरीजों की मौत के बाद पशुपतिनाथ मंदिर के पास बागमती नदी के किनारे उनका अंतिम संस्कार करते कर्मचारी

अमीर देशों ने टीके स्टॉक किए इसलिए दुनिया में वैक्सीन शॉर्टेज

दुनियाभर में टीकों की कमी के कारण बिगड़ रहे हालात

एजेंसी। वॉशिंगटन

पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है। भारत में बढ़ते संक्रमण के कारण कई देशों ने अपने यहां से आने.जाने वाली फ्लाइट्स बैन कर दी हैं। लेकिन भारत के सिवा दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो इस समय कोरोना हॉटस्पॉट बने हुए हैं। ईरान तुर्की और दक्षिण अमेरिका के ब्राजील समेत कई देशों में संक्रमण भयावह रूप ले रहा है। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फ्हरेटिन कोका कहते हैं कि हमें टीकों की व्यवस्था करने में कम से कम दो माह और लगेंगे। दुनिया में टीकों की कमी का सबसे बड़ा कारण है अमीर देशों देशों ने अपनी आबादी से कई गुना अधिक टीकों का स्टॉक कर लिया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार गरीब देशों में 500 लोगों में से बमुश्किल किसी एक व्यक्ति को टीका लगा है। जबकि अमीर देशों में हर चार में से एक व्यक्ति को टीका लग चुका है। वहींए टीकों के अलावा गरीब और मध्य आय वाले देशों में ऑक्सीजनए कर्न्सट्रेटर वेंटिलेटर और दवाओं की भी किल्लत है। 30 फीसदी मौतें गरीब या मध्य आय वाले देशों में हो रही हैं कोरोना से। 9.3 फीसदी मौतें पिछले माह तक कोरोना से हो रही थीं दुनिया में गरीब और कम आय वाले देशों में। 87 फीसदी टीके अमीर देशों ने खरीदकर अपने पास रख लिए हैं।

कहीं ऑक्सीजन नहीं, तो कहीं अस्पतालों में आईसीयू बेड फुल हो गए हैं-ब्राजीलरू 21 करोड़ आबादी में से 6: से कम को टीका लगा। मौतों के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। तुर्कीरू तीसरी लहर आने पर पहली बार लॉकडाउन लगा है। पर्यटन से आय बंद होने से बेकारी बढ़ रही है। मेक्सिकोरू वैक्सीन को लेकर मारामारी है। देश मृतकों के मामले विश्व में तीसरे स्थान पर है। ईरान 200 शहरों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। लॉकडाउन लगाकर संक्रमण काबू हो रहा है। कोलंबियारू 28.77 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 73992 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका भारत से टीके न मिलने से टीकाकरण रुका हुआ है। स्वास्थ्यकर्मियों को भी टीके नहीं लगे। अर्जेंटीनारू बड़े शहरों आईसीयू फुल हो गए हैं। नए मरीजों में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की आ रही है। पेरूरू 61477 लोगों की जान जा चुकी है। बेकारी से बेघर होकर लोग सड़कों पर रहने को मजबूर हो रहे हैं। बांग्लादेशरू 7.60 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 11510 मरीजों की मौत हो चुकी है।

कैदियों के समझौते पर ईरान के दावों का अमेरिका ने किया खंडन

- कैदियों की अदला-बदली अमेरिका और ईरान के बीच कोई असामान्य बात नही

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान कैदियों की रिहाई को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने इस बारे में बताया।अमेरिका ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित समझौते के बाधित होने की खबर से रविवार को इनकार किया था। कैदियों की अदला-बदली अमेरिका और ईरान के बीच कोई असामान्य बात नहीं है और दोनों देशों ने हाल के वर्षों में नियमित रूप से कैदियों को रिहा किया है।दोनों देशों के बीच कोई भी गतिविधि विशेष रूप से संवेदनशील है जबकि अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ईरान के साथ फिर से परमाणु वार्ता शुरू करने को लेकर आशान्वित है।दोनों देशों के बीच 2015 के परमाणु समझौते में कैदियों की अदला-बदली भी शामिल है।यह मामला ऐसे वक्त में सामने आया जब ईरान में प्रसारित एक खबर में एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि अमेरिकी और ब्रिटिश कैदियों के बदले में ईरान को अरबों डॉलर मिलेंगे।अमेरिकी अधिकारियों ने तत्काल इस रिपोर्ट का खंडन किया। हालांकि इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने बताया कि बातचीत जारी है और मध्यस्थों के माध्यम से संदेश भेजे जा रहे हैं।

बांग्लादेश में नौका पलटी, 26 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में क्षमता से अधिक भरी हुई एक स्पीड नौका बालू से लदे एक पोत से टकराने के बाद पलट गई। इस घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लापता हैं। पुलिस के अनुसार, यह नौका कथित रूप से अनुभवहीन नाबालिक लड़का चला रहा था। यह हादसा सोमवार सुबह बांग्लाबाजार फेरी घाट पर हुआ जब क्षमता से अधिक भरी स्पीड नौका की पोत से टक्कर हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मौके पर पत्रकारों को बताया, हमने 26 शवों को निकाला है और पांच लोगों को जीवित बचाया है.... लेकिन स्पीड नौका की कई सवारियों के लापता होने की आशंका है, इसलिए खोज अभियान जारी है। नजदीकी फेरी टर्मिनल के पुलिस निरीक्षक आशिक-उर-रहमान ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि नौका का चालक अनुभवहीन नाबालिग लड़का था। उन्होंने बताया, चश्मदीदों और पीड्तिों ने बताया कि नौका में 30 सवारियां सवार थीं और पोत मदरीपुर के शिबचर शहर के पास पद्म नदी में बालू ले जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

प्रियंका ने कोविड प्रभावित बच्चों के लिए

मुफ्त शिक्षा के मुद्दे पर सोनू सूद का किया समर्थन

मुम्बई। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने साथी अभिनेता सोनू सूद के इस अनुरोध का सोमवार को समर्थन किया कि सरकार उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराए जो कोविड-19 महामारी की वजह से अपने माता-पिता को गंवा बैठे।

पिछले सप्ताह ट्विटर पर साझे किए गए वीडियो में सूद (47) ने केंद्र, राज्य सरकारों, निजी संस्थानों एवं प्रभावशाली हस्तियों से कोरोना वायरस महामारी के चलते खराब वित्तीय हालत से गुजर रहे बच्चों का सहयोग करने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसे शिक्षा मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल को भी टैग किया था।

सूद के पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका चोपड़ा जोनास(38) ने कहा कि वह न केवल उनके समयोचित बयान बल्कि समाधान उन्मुख कार्य से प्रेरित हुई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, कोविड के चलते प्रभावित हुए बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा सुनिश्चित करने का सोनू का सुझाव राज्य एवं केंद्र सरकार दोनों के लिए है।

उन्होंने लिखा, भले ही वे अध्ययन के किसी भी चरण जैसे स्कूल, कॉलेज या उच्च शिक्षा के स्तर पर हों। इसका (सुझाव का) लक्ष्य यह है कि उनकी पढ़ाई खासकर पैसे के अभाव में रूक न जाए। यदि इसकी अनदेखी की गई तो बड़ी संख्या में बच्चे बालिग के तौर पर मौके से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने लोगों से कम से कम एक छात्र की शिक्षा का सहयोग करने या उसे मदद कर सकने वाले संस्थान ढूढने की अपील की। प्रियंका ने कहा, मैं सोनू के विचारों का पूरा समर्थन करती हूं और मैं शिक्षा में सहयोग के रास्ते ढूंढने की दिशा में बढ़-चढ़कर काम करूंगी क्योंकि मेरा हमेशा मानना रहा है कि हर बच्चे के लिए शिक्षा उसका जन्मसिद्ध अधिकार है और हम बतौर समाज इस वायरस को उसे बदलने नहीं दे सकते।

कोविड-19 से उबर रहे हैं अभिनेता अल्लू अर्जुन

मुंबई। तेलुगू फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता अल्लू अर्जुन ने सोमवार को बताया कि उनमें कोविड-19 के मामूली लक्षण बाकी हैं और वह संक्रमण से उबर रहे हैं। वह 28 अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे।

अर्जुन (38) ने अपने प्रशंसकों के लिए ट्विटर पर एक नोट साझा करते हुए उनकी दुआओं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। अभिनेता ने लिखा, मुझमें संक्रमण के हल्के लक्षण बाकी हैं। मैं इससे अच्छी तरह उबर रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं अब भी पृथकवास में हूं। आपके प्यार और दुआओं के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

युवा कन्नड फिल्मकार नवीन का कोविड-19 संक्रमण से निधन

बेंगलुरु। एक युवा कन्नड़ फिल्मकार की रविवार को कोविड-19 संक्रमण से मृत्यु हो गई। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। नवीन (36) को कोविड-19 संक्रमण के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मांड्या के रहने वाले थे। उन्होंने वन डे फिल्म के साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। इस फिल्म में रेवन्ना एवं अप्पू वेकेंटेश है। नवीन का अंतिम संस्कार उनके गृहनगर मांडया में किया गया।

लड़कियों के मोटापे पर उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का नए जमाने का रोमांटिक शो श्इश्क पर ज़ोर नहीं अपने दिलचस्प ड्रामा और अप्रत्याशित मोड़ के साथ दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। इस शो में अहान और इश्की की परवान चढ़ती प्रेम कहानी दिखाई जा रही हैए जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया गया है। इसमें महिलाओं को उनकी पसंद से चुनाव करने के अधिकार देनेए अपनी मर्जी से करियर चुनने की आजादी और अपनी राय जाहिर करने के अधिकारों का महत्व बताया गया है।

इस शो में अक्षिता मुद्गल इश्की का रोल निभा रही हैंए जो एक साधारण परिवार से है और कड़ी मेहनत में यकीन रखती है। वो आजाद ख्यालों और जिंदादिल स्वभाव की लड़की है। इश्की दुनिया में प्यार को सबसे ऊपर मानती है। इस शो की वर्तमान कहानी में इश्की को उसके वजन के कारण घर के बड़े बुजुर्गों की खरी.खोटी सुननी पड़ती है। ऐसे में अहान उसके पक्ष में खड़ा होता है। एक्ट्रेस अक्षिता मुद्गल मानती हैं कि लड़कियों के मोटापे के कारण उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि हर बॉडी टाइप खूबसूरत होता है। इस बारे में बताते हुए अक्षिता मुद्गल कहती हैंए ष्किसी दूसरे इंसान पर टिप्पणी करना बहुत ही आम और ओछी हरकत है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको ऐसी जगह नहीं रहना चाहिएए जहां दूसरे लोग आपके शरीर को लेकर आपको खराब महसूस कराएं। खास तौर पर तबए जब लोग अपने हुलिए को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं। बॉडी शेमिंग के नतीजे गंभीर होते हैं और इससे मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। तो आइए खुद से और आसपास सभी लोगों से अच्छा व्यवहार करें।

कोरोना को लेकर घबराएं नहीं नकारात्मक विचारों से भी बचें

होमियोपैथी में इसके समाधान की अनेक प्रभावी औषधियां हैं उपलब्ध

जीवन के लिये घातक कोरोना की दूसरी लहर ने लोगों के मन में डर एवँ दहशत पैदा कर दिया है। इस दूसरी लहर के खतरे का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4 लाख लोग इसस संक्रमित संक्रमित हो रहे है। देश में सारी चिकित्सा व्यवस्थाएँ चरमरा गई हैं। लोग दवाईओंए बेडए ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं और कोरोना से मौतों का आंकड़ा काफी बढ़ गया है । इन परिस्थितियों ने लोगों में अपनी एवं अपनों के सेहत की चिंता, परिवार के साथ कोई अनहोनी न हो जाय की चिंता, ब्यापार के नुकसान की चिंता, भविष्य की चिंता सता रही है। यह रोग कब तक चलेगा के संशय ने लोगों की चिंता को और बढ़ा दिया है। बृद्ध, गंभीर रोगों से बीमार एवं कमजोर अपने स्वास्थ्य एवं भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित हैं और अब युवा भी इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं इसलिए वे भी चिंतित हैं। गले में जरा सी खराश, आँख लाल, दस्त, शरीर में दर्द, खांसी, बुखार को होने पर उसे बेवजह कोरोना से जोड़ने लगते हैं। यदि आपके व्यवहार में इस प्रकार के परिवर्तन हो रहें हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन पर नियंत्रण सम्भव है। यह कहना है वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ अनुरुद्ध वर्मा का। उन्होंने बताया कि अपने ऊपर नकारात्मक विचार ना हॉबी होने दें।अपनी भावनाओं को लोगों से शेयर करें। खुद समझें एवं दूसरों को समझाएँ। सकारात्मक विचारों वाली पुस्तकें पढ़ें। फोन पर अपनों का हाल चाल लें एवं अपना देंए सुरुचिपूर्ण संगीत सुनें परिवारीजनों के साथ बातचीत करें एकाकीपन ना हाबी होने दें। नियमित रूप से योग, व्यायाम प्राणायम एवं मैडिटेशन करतें रहें। घर की छत पर टहलेंएपर्याप्त नींद लें। तनाव मेँ धूम्रपान एवँ नशे की दवाइयों का सेवन किसी भी हालत में न करें । यदि आप थोड़ी सी सावधानी अपनायेंगे तो यह समस्याएं आसानी से सुलझ जाएंगी। कोरोना से बचाव केलिये सरकारी दिशा. निर्देशों का पालन करेंए सामाजिक दूरी बनाये रखें एहाथों को लगातार धोतें रहें, मास्क का प्रयोग करें, गुनगुना पानी पिये, जब जरूरी हो तभी घर के बाहर निकलें।

डांस दीवाने के प्रतियोगियों का धमाल

बाहर अनिश्चितता के बादल छाये हैंए लेकिन कलर्स डांस दीवाने के प्रतियोगी अपने दर्शकों का मनोरंजन करने और माहौल में सकारात्मकता फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कोविड महामारी ने शहर को जकड़ रखा है और सभी की सुरक्षा के लिये प्रशासन ने लॉकडाउन की घोषणा की है, तो डांस दीवाने की टीम ने एकजुट होकर एक दिन के रिकॉर्ड समय में एक नया एपिसोड शूट करने का फैसला किया।

डांस दीवाने के आगामी एपिसोड में गेस्ट नोरा फतेहीए भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया केवल एक दिन में तैयारए लेकिन देखने लायक सभी एक्ट्स और परफॉर्मेंसेस को खड़े होकर सराहेंगे! इन बेहतरीन प्रस्तुतियों के अलावा हम सूचना और अरूंधती की हेल्?थ रिकवरी के बाद धमाकेदार वापसी भी देखेंगे।

डांस दीवाने के बहादुर पापाई की रोमांचक प्रस्तुति के बाद अंतरा के परफॉर्मेंस ने हर किसी का दिल जीत लिया! इस पर डांस की ओरिजिनल दिवा माधुरी दीक्षित ने कहा, ष्आपका परफॉर्मेंस शानदार थाए वह बहुत क्लीन था। लिफ्ट्स और कोऑर्डिनेशन परफेक्ट था। बैलेंस चौंकाने वाला था और सिंक परफेक्ट थी। वह बहुत भव्य था, उसमें रहस्य, डर और रोमांच था। वह अद्भुत था और आपका जादू मुझ पर भी चल गया।

गेस्ट जज नोरा फ्तेही ने भी कहा, मुझे पता है कि किसी एक्ट को सीखना आसान नहीं होता है। यह आप 4 घंटे में नहीं कर सकते। एक एक्ट को सेट करने में कम से कम 4 दिन लगते हैं। दर्शकों को पता होना चाहिये कि इसके पीछे कितनी मेहनत की गई है। इसके लिये बहुत सारी आत्मिक शक्ति चाहिये, और ट्रांजिशन बहुत स्मूथ थे, आपके एक्ट्स जादुई हैं और आपको सलाम। टाइमिंग बेजोड़ थी वह सिम्पलए लेकिन प्रभाव डालने वाली थी। यह कमेंट सुनकर प्रतियोगी पापाई ने कहा, यह सप्ताह हमारे लिये सबसे ज्यादा चुनौतियों से भरा था। जब हमें पता चला कि हमें अगले दिन शूटिंग करनी है और एक ही दिन में एक्?ट तैयार करना हैए तब हम कुछ सोच नहीं पा रहे थे। हमने हिम्?मत जुटाई और 4 घंटों में कड़ी मेहनत कीए कोई ब्रेक नहीं लिया और अपना काम करते गये।

संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस दत्त को उनकी 40वीं पुण्यतिथि पर याद किया

मुम्बई। अभिनेता संजय दत्त ने सोमवार को अपनी मां एवं महान अभिनेत्री नरगिस दत्त को उनकी 40 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि अब वह वह हर रोज उन्हें याद आती हैं। नरगिस का तीन मई, 1981 को 51 साल की उम्र में निधन हो गया था। उसके तीन दिन बाद संजय दत्त की पहली फिल्म रॉकी रिलीज हुई थी। संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस के साथ अपने बचपन का फोटो साझा करते हुए लिखा, ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब मुझे आपकी याद नहीं आती , मां। उनकी छोटी बहन प्रिया दत्त (54) ने भी सोशल मीडिया पर मां को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, मां के चले जाने के बाद भी उनका दुलार हमेशा के लिए बना रहता है.... मां यह 40 वर्षों से हमारे पास है। आपके लिए हमारा प्यार हमेशा के लिए है। उन्होंने इसी के साथ एक फोटा साझा किया जिसमें नरगिस अपने तीन बच्चों के बीच में बैठी नजर आ रही हैं। कोलकाता में फातिमा अब्दुल राशिद के नाम से पैदा हुईं नरगिस ने 1935 में छह साल की उम्र में तलाशे हक फिल्म से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। तीन दशक के करियर में उन्होंने महबूब खान की तकदीर , हुमायूं , अनोखा प्यार , आग , बरसात , अवारा , श्री 420 , ऑस्कर नामित ड्रामा मदर इंडिया और रात और दिन जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 1958 में अभिनेता सुनील दत्त से शादी की और इस दंपति की तीन संतानें-- संजय दत्त, नम्रता दत्त और प्रिया दत्त हैं।

भारत की पहली फीचर फिल्म के प्रदर्शन का दिन

नई दिल्ली। विश्व इतिहास में तीन मई के नाम पर बहुत सी महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। इस दिन कहीं गृहयुद्ध समाप्त हुआ तो कहीं शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। भारत में सिने जगत के इतिहास में 3 मई का दिन यादगार रहा क्योंकि इसी दिन भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र बम्बई (अब मुंबई) में प्रदर्शित हुई।

देश दुनिया के इतिहास में तीन मई की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है।

1660 : स्वीडन, पोलैंड और ऑस्ट्रिया ने ओलिवा शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

1764 : बंगाल के नवाब मीर कासिम को अंग्रेजों ने हराया।

1765 : फिलाडेल्फिया में पहला अमेरिकी मेडिकल कॉलेज खुला।

1845 : चीन के कैंटन में थिएटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत।

1913 : पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र का प्रदर्शन।

1961 : कमांडर ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी यात्री बने।

1965 : कंबोडिया ने अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए।

1969 : भारत के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसैन का निधन।

1981 : भारतीय सिने अभिनेत्री नरगिस का निधन।

1989 : देश के पहले 50 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का हरियाणा में शुभारंभ।

1993 : संयुक्त राष्ट्र ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की।

1998 : यूरो को यूरोपीय मुद्रा के रूप में स्वीकार किया गया।

2006 : पाकिस्तान और ईरान ने द्विपक्षीय गैस पाइप लाइन करार पर दस्तखत किए।

2008 : टाटा स्टील लिमिटेड को ब्रिटेन में कोयला खनन का पहला लाइसेंस मिला।

2013 : चीन में डायनासोर का लगभग 16 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला।

2016 : कनाडा के अल्बर्टा में भीषण आग लगने से तकरीबन 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और इस दौरान अरबों डालर का नुकसान हुआ।

2020 : देश में कोविड-19 के संक्रमण के कारण जान गंवाने वालों की संख्या।,306 हुई, कुल मामले बढ़कर 40 हजार के पार।

उपराष्ट्रपति नायडू ने प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को शुभकामनाएं दी और महामारी के दौर में भी जोखिम उठाकर आम जन तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने कहा कि सूचना के इस युग में मीडियाकर्मी विश्वसनीय और सत्यापित खबरें पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और गलत सूचनाओं से समाज की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मीडिया से जुड़े सभी बहन-भाइयों को बधाई स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। महामारी के इस दौर में पत्रकार भी अग्रिम पंक्ति के योद्धा रहे हैं और उन्होंने प्रशंसनीय कार्य किया है। नायडू ने एक अन्य ट्वीट में कहा, देश के पत्रकारों ने जोखिम उठाकर लोगों तक लगातार प्रामाणिक व सही जानकारी पहुंचाई है और लोगों को कोविड सम्यक व्यवहार अपनाने के लिए शिक्षित किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन जुलाई को प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया था।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 192
लखनऊ, मंगलवार, 4 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

प्रियंका चोपड़ा ने सोनू सूद का किया समर्थन
विविध-12

www.dailypioneer.com

कोरोना कर्फ्यू की अवधि दो दिन और बढ़ी

- अब बृहस्पतिवार सुबह सात बजे तक रहेगी पाबंदी
- कल से गांवों में चलेगा विशेष जांच अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने सप्ताहांत पर लगाए गए कोरोना कर्फ्यू की अवधि सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दी। अब बृहस्पतिवार सुबह सात बजे तक यह कर्फ्यू लागू रहेगा। सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि सरकार ने पिछले शुक्रवार को रात आठ बजे से मंगलवार सुबह सात बजे तक लागू किए गए कोरोना कर्फ्यू की अवधि सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दी है और अब यह व्यवस्था छह मई सुबह सात बजे तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह व्यवस्था इसी हफ्ते के लिए की गई है और इस अवधि में आवश्यक तथा अनिवार्य सेवाएं जैसे दवा, सब्जी की दुकानें, औद्योगिक इकाइयां वगैरह जारी रहेंगी। सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई टीम-9 की बैठक में यह फैसला लिया गया है। यह प्रदेश में कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के अपने प्रयासों के तहत लिया गया है।

वहीं कोविड महामारी से गांवों को सुरक्षित रखने में अब तक कामयाब रही उत्तर प्रदेश सरकार गांव-गांव में कोविड टेस्टिंग का अभियान चलाएगी। पांच मई से शुरू होने वाले इस अभियान के तहत गांवों में दस लाख से अधिक एंटीजन टेस्ट करके कोरोना की घुसपैठ को गांवों में रोका जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में एंटीजन टेस्ट करने के लिए 10 लाख एंटीजेन किट उपलब्ध कराई गई है और 10 लाख से अधिक मेडिकल किट बाँटे जाएंगे। एंटीजन टेस्ट में जो ग्रामीण कोरोना संक्रमित पाया जाएगा, उसका गांव में ही तत्काल इलाज शुरू किया जाएगा। कोरोना संक्रमित ग्रामीण को इलाज के लिए दवाई वाली एक कोविड किट और आयुष काढ़ा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि कोविड संक्रमण से गांवों को बचाने के लिए गांव-गांव में कोविड टेस्टिंग किया जाना तथा गांवों में सैनिटाइजेशन पर जोर देने से कोरोना की घुसपैठ को रोका जा सकता है। जिसके चलते ही अब प्रदेश के सभी 97 हजार राजस्व गांवों में कोविड टेस्टिंग का वृहद अभियान चलाने की योजना तैयार की गई है। कोविड टेस्टिंग को लेकर यह देश में अपनी तरह की अनूठी और वृहद योजना है, जिसके तहत एक दिन में 97 हजार गांवों में कोविड टेस्टिंग की जाएगी।

बड़े पैमाने पर की जाएगी मेडिकल स्टाफ की भर्ती

- स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में 25 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिये योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर मेडिकल स्टाफ को मानदेय पर रखने का फैसला लिया है। इसके तहत नर्स, वार्ड ब्वाय, सुपरवाईजर, चिकित्सक, अन्य पैरा मेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य कर्मियों को रखा जाना है। सरकार के निर्णय को धरातल पर उतारने के लिये जल्द ही शासनादेश जारी होगा। विदित हो कि सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि अतिरिक्त मैनपावर के लिए अस्पतालों में बड़ी संख्या में मानदेय पर मेडिकल और नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की सेवाएं ली जाएं। इसके अलावा रिटायर स्वास्थ्य कर्मियों, अनुभवी चिकित्सकों, एक्स सर्विस मैन को कोविड ड्यूटी से जोड़ा जाए। विभाग की ओर से इसके लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर कोविड की लड़ाई में रात-दिन जुटे स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के मानदेय में 25 फीसदी की भारी बढ़ोत्तरी का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। कोविड कार्यों में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ हाउसकीपिंग स्टाफ, स्वच्छता कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सरकार के इस अतिरिक्त मानदेय का फायदा मिलेगा।

नीट पीजी परीक्षा स्थगित, चिकित्सा प्रशिक्षुओं की तैनाती की जाएगी

- प्रधानमंत्री ने महामारी प्रबंधन कार्यों के लिए चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी फैसलों को अंतिम रूप दिया

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोविड-19 से निपटने के लिए मानव संसाधन की जरूरतों के मद्देनजर की गई समीक्षा के बाद सोमवार को एनईईटी-स्नातकोत्तर की परीक्षा को अगले चार महीने तक स्थगित करने के साथ ही चिकित्सा प्रशिक्षुओं को महामारी प्रबंधन कार्यों के लिए तैनात करने का फैसला लिया गया। ऐसे सभी कर्मियों को 100 दिनों का अनुभव पूरा करने के बाद आगे की सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी और साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान से भी नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 से निपटने के लिए चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी अहम फैसलों को आज अंतिम रूप दिया। पीएमओ ने बयान में कहा कि एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों का कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले मरीजों की निगरानी और टेली-मेडिसीन में उपयोग किया जा सकता है जबकि चिकित्सा प्रशिक्षु अपने संकाय के अधीन ऐसे मामलों में उपचार कर सकेंगे। बयान में कहा गया कि इससे कोविड-19 मरीजों के इलाज में जुटे मौजूदा चिकित्सकों का बोझ कम होगा। बयान के मुताबिक बीएससी नर्सिंग या जीएनएम पास नर्सों को वरिष्ठ चिकित्सकों और नर्सों की निगरानी में कोविड-19 मरीजों की सेवा में पूर्णकालिक उपयोग किया जा सकता है। पीएमओ के बयान में कहा गया कि कोविड प्रबंधन में काम करने वालों को 100 दिनों का अनुभव होने के बाद आगे सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही 100 दिन के अनुभव के बाद ऐसे सभी चिकित्साकर्मियों को भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान दिया जाएगा। चिकित्सा छात्रों और पेशेवरों को कोविड संबंधी कामकाज में तैनात करने से पहले उनका टीकाकरण किया जाएगा।

कोविशील्ड की 11 करोड़ खुराक के लिए 28 अप्रैल को 1,700 करोड़ का पूर्ण अग्रिम भुगतान किया गया : सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि मई, जून और जुलाई के दौरान कोविशील्ड टीके की 11 करोड़ खुराक प्राप्त करने के लिए सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआइ) को 28 अप्रैल को 1732.50 करोड़ रुपए की 100 प्रतिशत अग्रिम राशि जारी की गई। इसने कहा कि टीडीएस कटने के बाद यह राशि 1699.50 करोड़ रुपए हुई जो एसआईआई को 28 अप्रैल को ही मिल गई। मंत्रालय ने कहा कि आज तक के आंकड़ों के अनुसार, कोविशील्ड टीके की 10 करोड़ खुराकों के लिए पिछले ऑर्डर के क्रम में 8.744 करोड़ खुराक तीन मई तक प्राप्त हो चुकी हैं। इसने मीडिया में आईं उन खबरों को गलत और आधारहीन करार दिया जिनमें आरोप लगाया गया है कि केंद्र ने कोविड रोधी टीकों के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है।

कर्नाटक के चामराजनगर जिला अस्पताल में 24 मरीजों की मौत

- परिजनों ने ऑक्सीन की कमी का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

कर्नाटक के चामराजनगर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के चलते पिछले 24 घंटे में 24 मरीजों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कोविड-19 के 23 मरीज शामिल हैं। सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जांच अधिकारी के तौर पर आईएएस अधिकारी शिवयोगी कलसाड को नियुक्त किया है। कांग्रेस ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सिस्टम के जागने से पहले लोगों को और कितनी पीड़ा सहनी पड़ेगी? चामराजनगर जिला अस्पताल में मातम पसरा हुआ है जहां खबर सुनने के बाद मृतकों के परिजन रोते-बिलखते नजर आए। मृतकों के परिवारों ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया और आरोप लगाया कि यहां ऑक्सीजन की कमी थी। उन्होंने वहां नारेबाजी की। चामराजनगर जिला प्रभारी मंत्री एस सुरेश कुमार ने कहा कि उन्होंने घटना में जिला प्रशासन से मौत की ऑडिट रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। वह इस बात पर कायम रहे कि सभी मौतें ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई हैं। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह कहना सही नहीं होगा कि सभी 24 मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई हैं। ये मौतें रविवार सुबह से आज सुबह तक हुई हैं। ऑक्सीजन की कमी रविवार देर रात 12:30 बजे से 2:30 के बीच हुई थी। मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने भी जिला उपायुक्त से घटना के बारे में सूचना प्राप्त की है। सुरेश कुमार ने कहा कि मौत की ऑडिट रिपोर्ट से पता चलेगा कि ए मरीज किस बीमारी से ग्रस्त थे, उन्हें कोई और गंभीर बीमारियां थी और उन्हें किस स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा, जितने भी लोगों की मौत हुई है जरूरी नहीं कि सभी की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई हो। उन्होंने कहा कि 6,000 लीटर तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन थी लेकिन ऑक्सीजन सिलेंडरों की जरूरत थी। कुमार ने कहा, ए सिलेंडर मैसुरु से आने वाले थे लेकिन कुछ समस्या हो गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह स्थिति राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के निजी सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रताप रेड्डी को भी समझाई जो राज्य में ऑक्सीजन आपूर्ति के प्रभारी हैं। कुमार ने कहा, मैंने अधिकारियों को चामराजनगर जिले में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्थाई समाधान खोजने को भी कहा है। मैसुरू में जरूर ही समस्या है लेकिन मैसुरु से चामराजनगर और मांड्या में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। मरीजों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, मंत्री ने कहा कि वह स्थिति का जायजा लेने के लिए चामराजनगर जाएंगे। मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा ने घटना के दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी और घटना पर दुख व्यक्त किया।

कल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता। ममता बनर्जी पांच मई को तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पार्टी महासचिव पार्थ चटर्जी ने कहा कि नव-निर्वाचित विधायकों ने यहां हुई बैठक में बनर्जी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। तृणमूल विधायकों ने मौजूदा विधानसभा के अध्यक्ष विमान बनर्जी को नई विधानसभा का कार्यवाहक अध्यक्ष चुना है। चटर्जी ने विधायकों की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, नव-निर्वाचित सदस्य छह मई को विधानसभा में शपथ लेंगे। केंद्र सरकार ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कथित तौर पर भाजपा समेत विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया, जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

प्रदेश में कोरोना से 38,687 रोगी स्वस्थ

- 29,192 नए मामले आए, 288 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 288 संक्रमितों की मौत हो गई जबकि 29,192 नए मरीज चिन्हित किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में कोरोना संक्रमण से पिछले 24 घंटे में 288 संक्रमितों की मौत हो गई और अब तक कुल 13,447 संक्रमितों ने अपनी जान गंवाई है। उत्तर प्रदेश में 29,162 नए संक्रमितों के पाए जाने के बाद अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 13,42,413 हो गई है। पिछले 24 घंटे में मिले नए संक्रमितों के सापेक्ष 38,687 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। अभी तक राज्य में 10,43,134 कोरोना के मरीज पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय कोरोना संक्रमित 2,85,832 मरीजों का उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब उपचराधीन कोरोना संक्रमितों की संख्या घट रही है और तीन लाख से कम हो गई है। प्रसाद के मुताबिक राज्य में रविवार को कोरोना के 2.29 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई जबकि अब तक 4.15 करोड़ से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। सोमवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार लखनऊ में पिछले 24 घंटे में 3,058 नए मरीज मिले और 26 संक्रमितों की मौत हो गई। इसी अवधि में गौतमबुद्धनगर में 1,446, मुरादाबाद में 1,404, कानपुर नगर में 1,311, सहारनपुर में 1,222, गोरखपुर में 1,097 और वाराणसी में 1,022 नए संक्रमित मिले हैं। प्रयागराज में 25, झांसी में 21, गोरखपुर में 19, कानपुर नगर और चंदौली में 17-17, गौतमबुद्ध नगर में 13, वाराणसी में 11 तथा मेरठ में 10 और संक्रमितों की मौत हो गई है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि पांच मई से नौ मई के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम राज्य में घर घर जाकर लोगों को हाल चाल पूछेगी और जो लोग ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में लक्षणयुक्त पाए जाएंगे और उनकी जांच नहीं हुई है, उनको जांच के लिए प्रेरित किया जाएगा और साथ ही दवा की किट उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने भीड़ भाड़ वाली जगहों में जाने से बचने और दो गज की दूरी का पालन करने और मास्क पहनने की सलाह दी।

देश में 3,68,147 नए मामले, 3417 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कोविड-19 के 3,68,147 नए मामले आए तथा 3417 और मरीजों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक नए मामलों के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 1,99,25,604 जबकि मृतक संख्या 2,18,959 हो गई है। देश में एक मई को संक्रमण के रिकॉर्ड 4,01,993 नए मामले आए थे वहीं दो मई को 3,92,488 मामले सामने आए। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 34,13,642 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 17.13 प्रतिशत है।

पंचायत चुनाव

मुलायम की भतीजी और नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के पुत्र पराजित

मैनपुरी, बलिया (भाषा)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की भतीजी और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन मैनपुरी की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संध्या यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गईं। संध्या यादव ने मैनपुरी जिले के वार्ड नंबर 18 से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और उन्हें समाजवादी पार्टी के प्रमोद यादव ने पराजित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने बताया कि संध्या यादव जिला पंचायत की अध्यक्ष थीं और वह सपा के टिकट पर पिछला चुनाव जीती थीं लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गईं और भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ी लेकिन हार गईं। मैनपुरी से सपा के विधायक राजकुमार उर्फ राजू यादव की पत्नी वंदना यादव वार्ड नंबर 28 से जिला पंचायत सदस्य के लिए किस्मत आजमा रही थीं लेकिन उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी जर्मन यादव ने हरा दिया। वहीं नेता प्रतिपक्ष और सपा के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी के बेटे रंजीत चौधरी बलिया में जिला पंचायत के वार्ड संख्या 16 से पराजित हो गए हैं।

बाजार

सेंसेक्स	48,729	↓ 64	
निफ्टी	14,634	↑ 3	
सोना	46,580	↑ 310	/10g
चांदी	67,429	↑ 580	/kg

क्विक न्यूज

केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत की बेटी का कोरोना से निधन

इंदौर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत की 42 वर्षीय बेटी का कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज के दौरान सोमवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। मेदांता हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि गहलोत की बेटी योगिता सोलंकी (42) का उनके अस्पताल मे हफ्ते भर से इलाज चल रहा था और मरीज के 80 प्रतिशत फेफड़ों में संक्रमण फैल गया था। उन्होंने बताया, कोरोना वायरस से संक्रमित योगिता को टोसिलिजुमैब इंजेक्शन और अन्य जीवनरक्षक दवाएं भी दी गई थी लेकिन तमाम कोशिशो के बावजूद उनकी जान नही बचाई जा सकी। केंद्रीय मंत्री की बेटी के निधन पर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई ने शोक जताया है।

संक्रमित हो चुके लोगों पर टीके की एक ही खुराक कारगर

अध्ययन

भाषा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में कोरोनारोधी टीका लगवाती एक युवती

एक अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना वायरस से पहले संक्रमित हो चुके लोगों में कोविड-19 रोधी टीके की सिर्फ एक खुराक ही कारगर हो सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने वायरस के ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीकी स्वरूपों पर यह अध्ययन किया है लेकिन उनका मानना है कि उनकी पड़ताल ब्राजील (पी.1) और भारतीय (बी.1.617 और बी.1.618) स्वरूपों पर भी लागू हो सकती है। यह अध्ययन जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया है कि जो लोग पहले कोविड-19 से संक्रमित नहीं हुए हैं और उन्होंने टीके की सिर्फ एक ही खुराक ली है, उनमें कोरोना वायरस के स्वरूपों के प्रति रोग प्रतिरोधक प्रतिक्रिया नाकाफी हो सकती है। इम्पेरियल कॉलेज लंदन , लंदन की क्वींन मेरी यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के अनुसंधानकर्ताओं ने बार्ट्स और रॉयल फ्री हॉस्पिटल में फाइजराबायोएनटेक टीके की पहली खुराक लेने वाले ब्रिटेन के स्वास्थ्य कर्मियों पर अध्ययन किया है। उन्होंने पाया कि जिन लोगों को पहले संक्रमण हुआ था और उसके मामूली लक्षण थे या कोई लक्षण थे ही नहीं, उनमें इस टीके की पहली खुराक लेने के बाद वायरस के केंट और दक्षिण अफ्रीकी स्वरूपों के खिलाफ सुरक्षा काफी बढ़ गई है। वहीं जो लोग पहले कोविड-19 से बीमार नहीं पड़े हैं, उनमें टीके की पहली खुराक लेने के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता कम मजबूत थी और उन्हें वायरस के स्वरूपों का खतरा था। इम्पीरियल कॉलेज लंदन में इम्यूनोलॉजी और श्वसन चिकित्सा के प्रोफेसर तथा अनुसंधान की अगुवाई करने वाले रोसमेरी बॉयटन ने कहा कि उनके अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने टीके की पहली खुराक ली है और वे पहले सार्स-कोव-2 से संक्रमित नहीं हुए हैं, उन्हें वायरस के स्वरूपों से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन लोगों को कोरोना वायरस से पूर्ण सुरक्षा देने के लिए टीके की दूसरे खुराक लेने की अहमियत को रेखांकित करता है।

बिना जरूरत सीटी स्कैन न कराएं मरीज, कैंसर का खतरा

नई दिल्ली। एम्स के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने हल्के कोविड-19 लक्षणों में सीटी स्कैन की जल्दबाजी को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इसके दुष्प्रभाव होते हैं और फायदे से अधिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा, एक सीटी स्कैन 300 से 400 छाती एक्स-रे के समान होता है। आंकड़ों के अनुसार युवा अवस्था में बार-बार सीटी स्कैन कराने से बाद में कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है।

शाहजहांपुर में कार पेड़ से टकराई, पति-पत्नी और पुत्र समेत पांच की मौत

भाषा। शाहजहांपुर

बरेली से शाहजहांपुर आते समय एक कार पेड़ से टकरा गई जिसमें कार के परखच्चे उड़ गए और हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया है। मरने वालों में पति-पत्नी और पुत्र समेत एक ही परिवार के चार सदस्य हैं। थाना निगोही के लदौआ गांव में रहने वाले राम नरेश की पत्नी की तबीयत खराब थी उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी इसीलिए वह उन्हें बरेली के अस्पताल लेकर गए थे परंतु बरेली में ऑक्सीजन की व्यवस्था न होने पर उनकी पत्नी की हालत बिगड़ती गई। इसी क्रम में उन्हें ले जाते हुए कार में बैठे रामनरेश (55) उनकी पत्नी जमुका देवी (50), बेटा कौशलेंद्र (35) तथा रामनरेश के बड़े भाई हीरा लाल (60) एवं ड्राइवर विजय (35) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कोविड-19 प्रबंधन हमारा विशेषाधिकार नहीं निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

भाषा। नई दिल्ली

मद्रास उच्च न्यायालय की हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के संबंध में आईं कड़ी टिप्पणियों से व्यथित निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय से सोमवार को कहा कि कोविड-19 प्रबंधन उसका विशेषाधिकार नहीं है और राज्य का शासन उसके हाथों में नहीं है। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ से कहा कि संवैधानिक इकाई के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा की गई हत्या के आरोपों संबंधी टिप्पणी अवांछनीय है तथा इस तरह की निष्कर्षात्मक टिप्पणियां चुनाव इकाई को सुने बिना नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य का शासन निर्वाचन आयोग के हाथों में नहीं है। हम केवल दिशा-निर्देश जारी करते हैं। रैली में शामिल लोगों को रोकने के लिए हमारे पास सीआरपीएफ या कोई अन्य बल नहीं है। लोगों की संख्या सीमित करने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को आदेश जारी करना होता है। ऐसी अवधारणा है कि निर्वाचन आयोग के पास इस सबकी जिम्मेदारी है। कोविड प्रबंधन से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। उच्च न्यायालय ने महामारी की दूसरी लहर के दौरान मामलों में भयावह वृद्धि को लेकर 26 अप्रैल को निर्वाचन आयोग की निन्दा की थी और कोरोना वायरस के प्रसार के लिए इसे अकेले जिम्मेदार ठहराया था। इसने यहां तक कहा था कि निर्वाचन आयोग सर्वाधिक गैर-जिम्मेदार संस्थान है तथा इसके अधिकारियों के खिलाफ हत्या के आरोप में भी मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने द्विवेदी से कहा कि चुनाव इकाई को उच्च न्यायालय की टिप्पणी को सही भावना से लेना चाहिए।

कोरोना की लड़ाई में सारथी बने फ्रंटलाइन वर्कर्स को बड़ा तोहफा

● स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में 25 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड की लड़ाई में रात-दिन जुटे स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वकर्स के मानदेय में 25 फीसदी की भारी बढ़ोत्तरी का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। कोविड कार्यों में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, स्वच्छता कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सरकार के इस अतिरिक्त मानदेय का फायदा मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को टीम 9 के साथ कोरोना की समीक्षा बैठक में कहा कि अस्पतालों में सेवारत डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ को कोविड सेवा के दिनों के लिए वर्तमान वेतन-मानदेय का 25 फीसदी अतिरिक्त देय होगा। उन्होंने कहा कि अन्य कोरोना वॉरियर्स के लिए भी अतिरिक्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। यह अतिरिक्त मानदेय ड्यूटी के उपरांत इनके आइसोलेशन अवधि के लिए भी दिया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि मेडिकल नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं की सेवाएं भी कोविड सेवा कार्य में ली जाएंगी, सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मियों, अनुभवी डॉक्टरों, एक्स सर्विस मैन के अनुभवों का भी लाभ लिया जाए, उन्हें भी कोविड कार्य से जोड़ा जाए। सभी को नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में शीघ्र आदेश जारी कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सभी लोग अपने अपने माध्यम से सेवा दे रहे हैं। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंट लाइन वर्कर्स का इस जंग में बड़ा योगदान है। वे सीधे कोरोना से संक्रमित मरीजों के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना के खिलाफ प्रदेश में शुरू हुई लड़ाई में फ्रंटलाइन वर्कर्स ने जो मोर्चा संभाला है। जिसका नतीजा है कि प्रदेश में कोरोना की जांच में रिकार्ड बढ़ोत्तरी होने के साथ ही अस्पतालों व होम आईसोलेशन में बड़ी संख्या में रोगी ठीक होकर वापस अपने घर लौटने लगे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना हारेगा, भारत अवश्य जीतेगा को पूरी तरह से साकार करने में फ्रंट लाइन वर्कर्स जुटे हैं। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जनता से भी यही अपील की है कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में आप सभी का दायित्वपूर्ण भागीदारी कोरोना मुक्त समाज की स्थापना के लिये अत्यंत आवश्यक है। मानवता की रक्षा के लिये अपना अपना प्रयास जारी रखिये। इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से प्रदेश के समस्त ज़िलों में मैनपावर बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका फायदा बड़े पैमाने पर ग्रामणी जनता को मिलेगा। इस मैनपॉवर का उपयोगी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता दिलाएगा। सीएम योगी की ओर से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में बढ़ोत्तरी करने के फैसले का कर्मचारी वर्ग ने दिल से स्वागत किया है। यूपी फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव और राजकीय नर्सेज संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्णय से वर्तमान की कठिन परिस्थितियों में अस्पतालों में सेवा में जुटे कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और एक बार फिर से वे पूरी स्फूर्ति और ताकत से कोरोना को हराने की जंग में तब तक जुटे रहेंगे जब तक संक्रमण का पूर्ण खात्मा नहीं हो जाता।

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश में 8 हजार से अधिक फार्मासिस्ट, इतनी ही संख्या में नर्सेज, 12 हजार से अधिक डॉक्टर, तीन हजार से अधिक लैब टेक्नीशियन, एक हजार से अधिक एक्सरे टेक्नीशियन, एनएमएच के लगे दो हजार स्वास्थ्य कर्मी है। कोविड केयर ड्यूटी में लगे स्टाफ डॉक्टर, नर्स, वार्ड ब्वॉय और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को बेसिक आय का 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। कोविड 19 में स्वयंसेवक के रूप में सेवा करने वाले लोगों को प्रति दिन प्रचलित एनएचएम दर से 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय मिलेगा।

कोविड से लड़ाई को मजबूती देने को बनेगी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना के तेज संक्रमण और बढ़ते रिकवरी दर के बीच योगी सरकार स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने जा रही है। एसजीपीजीआई, केजीएमयू, अटल बिहारी वाजपेयी, आरएमएल इंस्टिट्यूट जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संसाधनों के डॉक्टर सलाहकार समिति में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। टीम 9 की बैठक में सीएम योगी ने कहा कि कोविड का वर्तमान स्ट्रेन लगातार रूप बदल रहा है। यह पहली लहर की तुलना में 30 से 50 गुना अधिक संक्रामक है। कुछ केस में देखा गया है कि कोविड के ट्रूनैट, एंटीजन अथवा आरटीपीसीआर टेस्ट में भी इसकी पुष्टि नहीं हो रही है, जबकि सीटी स्कैन में पता लग रहा कि उसके लंग्स कोविड से प्रभावित हैं। लक्षणविहीन लोगों में भी ऐसी समस्या देखी गई है। ऐसे में हमें और सतर्कता के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार किया जाए। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम-9 को समय समय पर परामर्श दे सकेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का परामर्श रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगा।

पंचायत चुनाव परिणाम से बीजेपी तय करेगी 2022 का रोडमैप

● भाजपा विधायकों व सांसदों का भी तय होगा कद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में पंचायत चुनाव के परिणाम से ही भाजपा अगले विधान सभा चुनाव के लिए रणनीति तय करेगी। 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 9 माह का समय शेष है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल बीजेपी की चिंता और अधिक बढ़ जाती है कि पंचायत चुनाव परिणाम यह बताएंगे हवा का रुख क्या है। यही नहीं संगठन ने जिन पदाधिकारियों और विधायक, सांसदों को जिम्मेदारी दी थी उसमें वह कहां तक सफल हुए हैं यह भी तय हो जाएगा। भाजपा ने पंचायत चुनाव लड़ने की पूरी घोषणा की थी और पूरी ताकत से चुनाव लड़ा भी है। इसलिए यह तय है कि इस चुनाव परिणाम के ही जरिए भाजपा 2022 का रोडमैप तय करेगी।

दरअसल संगठन ने पंचायत चुनाव में जाने से पहले पूरी तैयारी की थी और जिले स्तर पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी थी। यही नहीं स्पष्ट किया था कि कोई पदाधिकारी पंचायत चुनाव नहीं लड़ेगा यदि उसे चुनाव लड़ना होगा तो उसकी सूचना वह क्षेत्रीय अध्यक्ष को देगा। बीजेपी ने जिला पंचायत सदस्यों के उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर यह निर्देश संगठन के पदाधिकारियों को दिए थे कि वह पार्टी प्रत्याशी को चुनाव जीताने में पूरी मदद करें। अब यदि जिलों में इस जिम्मेदारी का निर्वावन पूरी तरह से यदि कोई नहीं कर पाता है तो यह लाजिमी है कि अगले चुनाव में उस पदाधिकारी को मौका नहीं दिया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस चुनाव में बीजेपी को न सिर्फ जमीनी पकड़ का अंदाज मिलेगा बल्कि सांगठनिक कमजोरियों का भी संकेत मिल जाएगा। इन्हीं संकतों को भांपकर पार्टी के रणनीतिकार अगले चुनाव के लिए तैयारी करेंगे। इन चुनाव के जरिए पार्टी इस बात को भी जानने का प्रयास करेगा कि 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद 2019 में जनाधार घटा है या फिर बढ़ा है। औसतन चार से छह जिला पंचायत सदस्यों को मिलाकर विधानसभा के एक क्षेत्र हो जाता है। ऐसे में जिला पंचायत सदस्यों को मिलने वाले वोट को आधार बनाकर भाजपा यह जानने की कोशिश करेगी कि जनाधार को और कैसे बेहतर किया जा सके। जाहिर है कि इसको लेकर संगठन में बदलाव भी होगा। कमजोर इलाकों में न सिर्फ नए और प्रभावी लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है बल्कि वर्तमान सेक्टर तथा बूथ कमेटियों के पुनर्गठन का काम भी शुरू किया जा सकता है। पार्टी की मानें तो हर जिले के जो भी परिणाम होंगे उनकी समीक्षा की जाएगी। क्षेत्रवार, जातिवार नतीजों पर मंथन के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। भाजपा ने प्रदेश में दो तिहाई बहुमत की सरकार और एक लाख 55 हजार बूथों पर संगठन की शक्ति के बूते सभी 75 जिला पंचायतों में कमल खिलाने की योजना बनाई है। दरअसल पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भगवा फहराने की रणानीति के तहत ही जिला पंचायत सदस्यों की जीत के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष कौन होगा यह पार्टी भविष्य के चुनाव को देखते हुए तय करेगी। संगठन को प्राथमिकता दी जाएगी। वह इसलिए जो जिला पंचायत अध्यक्ष बनेगा उसी पर अगले चुनाव की जिम्मदरी भी होगी। भाजपा ने इन अध्यक्षों के जरिए गांवों के जमीनी विकास की योजना को अमली जामा पहनाकर काम करने वाली सरकार का संदेश देने की तैयारी की है ताकि विधानसभा चुनाव में उसका लाभ मिल सके।

जेल महकमा गरीब बंदियों के कोरोना ग्रस्त परिजनों की भी मदद करेगा

● जेल वार्डर बन्दियों के बीमार परिजनों के निवास पर जाकर जेल डॉक्टर से ऑडियो-वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए लक्षणों के आधार पर निशुल्क उपलब्ध करा रहे कोरोना का पूरा पैकेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी की विभीषिका के इस दौर में एक साथ भारी संख्या में लोगों के संक्रमित होने और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे दबाव को दृष्टिगत रखते हुए जेल महकमे ने गरीब कैदियों के कोरोना से संक्रमित परिजनों की देखरेख व इलाज का बीड़ा उठाया है। डीजी जेल आनन्द कुमार ने प्रदेश के सभी जेल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस अभूतपूर्व संकट काल में हमें अपने दायित्यों से आगे बढ़कर पीड़ित मानवता की सेवा करनी है। न सिर्फ जेल के बन्दियों के प्रति बल्कि निर्बल असहाय बन्दियों के कोविडग्रस्त परिजनों को भी यथाशक्ति बचाना है।

मार्च 2020 में हुए लाकडाउन के साथ ही जेलों में कोरोना संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से परिजनों से मुलाकात पर जो रोक लगाई तो उसका अनुपालन आज भी जेलों में सख्ती से कराया जा रहा है। हालांकि कोरोना की पहली लहर के कमजोर पड़ने पर पिछले कुछ महीनों में बन्दियों के परिजनों की ओर से मुलाकात पर प्रतिबंध हटाने की भी मांग हुई किन्तु व्यापक बन्दी स्वास्थ्य हित में ऐसा नहीं किया गया। मुलाकात बंद होने की वजह से बंदी सिर्फ जेल में संचालित पीसीओ से टेलीफोन पर परिजनों से बात करते हैं। जेल मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि यूपी की जेलों में कुल कैदियों की संख्या 1,11,882 के करीब है। जेल महकमा इस बात के पूरे प्रयास कर रहा है की कैदियों कोरोना संक्रमित होने से बचाया जा सके। इसके साथ ही डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित कर दिया है कि गरीब और असहाय बंदियों के परिजनों का भी जेल अस्पतालों के माध्यम से पूरा ख्याल रखा जाए। उनके निर्देशों के अनुरूप प्रयागराज, सोनभद्र, फिरोजाबाद, मथुरा जेल के जेल अधीक्षकों द्वारा जेल में निरुद्ध बन्दियों के कोविड ग्रस्त माता पिता और निकट परिजनों को उनके घर-गांव में दवाएं, चिकिसकीय सहायता उपलब्ध करायी गयी है। इस व्यवस्था के तहत जेल वार्डर बन्दियों के बीमार परिजनों के निवास पर जाकर जेल डॉक्टर से ऑडियो वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए उनके लक्षणों के आधार पर कोरोना का पूरा पैकेज निशुल्क उपलब्ध करा रहे हैं। यद्यपि अनेक जेल कर्मी भी संक्रमण झेल रहे हैं तथापि इस व्यवस्था का जेल अधिकारियों ने स्वागत किया है और अधिक से अधिक जेलों द्वारा इसे लागू किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गांवों में कोरोना से बचाव के तरीकों को लेकर जागरूकता फैलाएंगे शिक्षक

● महानिदेशक बेसिक शिक्षा ने जारी किए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यूपी में शिक्षकों को अब गांवों में कोरोना संक्रमण से संबंधित जागरूकता फैलानी होगी। शिक्षकों को अभिभावकों व विद्यार्थियों के साथ मिल कर कोरोना संक्रमण के बचाव के तरीकों पर चर्चा करनी होगी। इस संबंध में महानिदेशक बेसिक शिक्षा विजय किरन आनंद ने आदेश जारी कर दिए है।

महानिदेशक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए साफ सफाई, मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और साबुन से हाथ धोना आदि संदेशों को जनआंदोलन बना कर लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा है कि इस अभियान को पूरे मिशन मोड में चलाया जाएगा और यूनाइट टु फाइट कोरोना हैशटैग के साथ इसकी तस्वीरें ट्वीट की जाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे प्रेरणा मिले। जिलों में अन्य विभागों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। इसके स्थानीय भाषा में संदेश विभिन्न माध्यमों से पहुंचाए जाए। डिजिटल माध्यम जैसे दूरदर्शन चैनल, रेडियो या ई लर्निंग साइट पर भी प्रचार किया जाए। कई तरह के पोस्टर व क्रिएटिव तैयार किया जाएं और स्कूल के अंदर व बाहर इसे लगाया जाए। इन्हें ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान भी दिखाया जाए। चूंकि प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की पहुंच गांव के ज्यादातर घरों में होती है लिहाजा वे इस अभियान को पूरे जोर से चलाएं और हर घर में कोरोना से बचाव के तरीके से अवगत कराएं।

उत्तर प्रदेश में नहीं सुधर रहे कोरोना संक्रमण के हालत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के हालत सुधर नहीं रहे हैं। प्रदेश में सांसों का आपातकाल जारी है। मुख्यमंत्री के झूठे दावों की रोजाना अस्पतालों से आ रही डरावनी तस्वीरें पोल खोल रही हैं। भाजपा सरकार को इससे अब शर्मिंदगी भी नहीं होती है। वस्तुत: सत्तादाल ने चार साल में कोई काम तो किया नहीं। उसने खुद आइसोलेशन में रहते रहते पूरे प्रदेश को ही आइसोलेशन में पहुंचा दिया है। अखिलेश ने कहा कि कितने घरों में आज चूल्हा बुझ चुका है। माँ बाप का साया उठ चुका है। पूरे का पूरा परिवार संक्रमित है पर कोई देखने वाला नहीं है। अस्पतालों में जिंदा को मुर्दा बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की टीम-9 और टीम-11 कहां है क्या कर रही है पता नहीं। सख्ती के आदेश-निर्देश सब कूड़े के ढेर में जा रहे हैं। न कहीं ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और न कहीं बेड बढ़ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में जब मनमानी चल रही है तब प्राइवेट नर्सिंग होम तो सर्व स्वतंत्र की भूमिका में रहेंगे ही। अखिलेश ने कहा सच तो यह है कि लोग कोरोना से ज्यादा भाजपा सरकार की लापरवाही और बदइंतजामी से दम तोड़ रहे हैं। लोगों की इस मौत के लिए भाजपा सरकार नैतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर जिम्मेदार है। घड़ियाली आंसू बहाने से परिवारों को उजाड़ने से बचाया नहीं जा सकता है।

आक्सीजन की कमी के चलते नहीं चालू हो पा रहे अस्पताल: अनुपम मिश्रा

लखनऊ। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर अवध शिल्प ग्राम में डीआरडीओ की तरफ से तैयार किये गए 500 बेड के अस्थाई हॉस्पिटल के आक्सीजन के अभाव में न चालू होने पर राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा है कि लखनऊ में आम जनमानस कोरोना के कहर से एक एक सांस को तड़प रहा है, ऐसे समय में ऑक्सीजन की कमी व अनुपलब्धता के कारण यह अस्पताल मरीजों का दाखिला नहीं ले सका। जबकि मुख्यमंत्री हर रोज बड़े-बड़े झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। अनुपम मिश्रा ने शहर के कई बड़े अस्पतालों की सूची जारी करते हुए सरकार से पूछा कि क्या कारण है कि एसजीपीजीआई में वीआईपी को ही प्राथमिकता मिल रही है। महामारी के इस दौर में जब एसजीपीजीआई को पूर्व में निर्देशित किया जा चुका था कि उसे बेडों की संख्या 1500 से अधिक बढ़ानी है।

गरीबों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की केंद्र से मांग करें सभी पार्टियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गों के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए।

सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि देश में अति भीषण व दर्दनाक रूप धारण करते कोरोना प्रकोप के कारण सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गो के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए। साथ ही, बीएसपी का यह भी कहना है कि यदि केन्द्र की सरकार इस अनुरोध को स्वीकार नहीं करती है तो फिर सभी राज्य सरकारों को अपने गै़र जरूरी खर्चों में कटौती की पहल करके इस जिम्मेवारी को इन्हें खुद ही उठाना चाहिये। मायावती ने आगे लिखा कि इतना ही नहीं बल्कि यदि इस मामले में दलगत राजनीति से अलग हटकर सभी दल मिलकर व आगे आकर जो भी पहल करते हैं तो फिर बीएसपी इसका स्वागत करेगी और इसमें हर संभव अपना पूरा सहयोग करेगी। यही समय की जरूरत भी है।

खनन पट्टों की मई माह की मासिक किस्त में की गई शिथिलता

लखनऊ। सचिव, भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली में उल्लिखित प्राविधानों के अंतर्गत खनन पट्टों के देय माह मई की मासिक किस्त में शिथिलता प्रदान करते हुए खनिजों की निकासी की मात्रा के आधार पर बिड दर के अनुसार पट्टा धारक से अग्रिम भुगतान प्राप्त कर खनिजों की निकासी की अनुमति प्रदान की जाए। डॉ जैकब ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के संक्रमण से कोविड काल में विकास कार्यों के प्रभावित होने के फलस्वरूप उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश में आम जनमानस को सुगमता से उपखनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने तथा खनन उद्योग एवं परिहारधारकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

पिछड़े जिलों के धार्मिक स्थलों को लगे विकास के पंख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार पिछड़े जिलों में स्थित सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को दुनिया भर में पहचान दिलाने में जुटी है। पहली बार श्रावस्ती, बलरामपुर, देवीपाटन और गोण्डा जिलों के दर्शनीय स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है।

सरकारी प्रवक्ता का कहना है कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण अभी तक ये यह सभी स्थल पर्यटकों की नजर से दूर थे। अब उनको विकसित कर यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ साथ युवाओं और यहां के व्यवसाय और शिल्पकलाओं को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू हो गये हैं। योगी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में पर्यटकों के लिए यूपी में अनूठे और आकर्षक पैकेज भी तैयार किये हैं। जिससे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लगना शुरू हो गये हैं। इन स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। गाइड के रूप में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना शुरू हुआ है। पर्यटन स्थलों के आसपास वहां की स्थानीय चीजों की बिक्री भी पहले से बढ़ी है और स्थानीय शिल्पकारों को रोजगार मिलना शुरू हा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिये जाने का ही नतीजा है कि आज बौद्ध सर्किट में श्रावस्ती, कपिलवस्तु और कुशीनगर और रामायण सर्किट में चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर में पर्यटन सुविधाओं का विकास शुरू हो चुका है। योगी सरकार ने अपने चार सालों में पर्यटन स्थलों के लिये ऐसी अनूठी और आकर्षक पहल की है जिसको दुनिया भर में सराहना मिली है। मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक गौरव प्रयागराज कुम्भ 2019 के आयोजन को यूनेस्को की सरहना के साथ भव्य रूप से सम्पन्न कराया गया। इसके साथ ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमि पूजन सम्पन्न कराना भी इतिहास में दर्ज हो गया।

योगी सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास को बढ़ावा देने और उनको दुनिया के नक्शे में स्थान दिलाने का काम अपने चार साल के कार्यकाल में किया। इसी का परिणाम है कि अयोध्या दीपोत्सव ने लगातार दो वर्षों में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा में कृष्णोत्सव, बरसाना में रंगोत्सव, वाराणसी में शिवरात्रि एवं देव दीपावली के आयोजन ने भारतीय संस्कृति को दुनिया भर में पहचान बनाने का काम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चार साल के कार्यकाल में बृज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद नैमिषारण्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद विंध्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद, शुक्रधाम तीर्थ विकास परिषदए चित्रकूट तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद और देवीपाटन तीर्थ विकास परिषद के गठन का भी अभूतपर्व कार्य कर दिखाया है। इसके अलावा योगी सरकार में पर्यटन को बढ़वा देने की रणनीति के तहत शक्तिपीठ सर्किट एवं आध्यात्मिक सर्किट से जुड़े स्थलों का विकास बहुत तेज गति से किया जा रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास भी इसमें शामिल है। महाभारत सर्किट के अन्तर्गत महाभारत से जुड़े स्थलों का विकास इसका उदाहरण बन गया है। जैन तथा सूफी सर्किट के तहत आगरा एवं फतेहपुर सीकरी में पर्यटन सुविधाओं भी चार सालों में बेहतर हो गई हैं।

संकटकाल में जनता के साथ खड़ी हो सरकार: कांग्रेस

● फ्री अनाज देने की व्यवस्था के साथ ही न्यूनतम प्रतिमाह 6000 रुपए की नकद आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा की उत्तर प्रदेश में योगी सरकार पर आरोप लगाया है कि कोरोना संक्रमण से निपटने में वह पूरी तरह विफल हो चुके हैं।

कोरोना के पहले फेज में लॉक डाउन के बाद बदले हालात में निर्धन, बेसहारा, निम्न व मध्यम वर्ग अत्यंत बदहाली व आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान में दूसरे कोरोना फेज के बाद उसकी आर्थिक दशा दयनीय होने की तरफ बढ़ चली है, ऐसे बदले हालात में सावर्जनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से फ्री अनाज देने की व्यवस्था के अतिरिक्त न्यूनतम प्रतिमाह 6000 रुपए की नकद आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराए। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अशोक सिंह ने राज्य की योगी सरकार से मांग करते हुए कहा कि पिछले 14 महीने में प्रदेश की एक बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। रोजगार के अवसर सरकार उपलब्ध कराने में असमर्थ हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग लॉकडाउन के चलते अन्य राज्यों से वापस अपने गांव आ रहे हैं। आपात परिस्थितियों में काम आने वाली मनरेगा जैसी योजना में दिहाड़ी कुशल, अकुशल श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहा है। काम की गारंटी न होने से समाज के सभी वर्गों में आर्थिक तंगी है। यह राज्य का दायित्व है कि वह अपने लोगों की मदद करे। अशोक सिंह ने कहा कि कोरोना टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट देने में पूरी तरह विफल हुई राज्य की योगी सरकार की गलतियों की पीड़ा, दर्द, मौत का मातम उत्तर प्रदेश देख रहा है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0, कक्ष सं0 301—304, पारेषण भवन, यू.पी. एस.एल.डी.सी. परिसर, निकट मंत्री आवास विभूति खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ। निविदा सूचना संख्या 02/2021—2022 सहायक अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन उपखण्ड टीआरटी लखनऊ के प्रयोगार्थ एक नग डीजल चालित हल्का वाहन वर्ष 2018 या उसके बाद का माडल (चालक सहित) नौ माह के लिए मासिक किराये पर उपलब्ध कराने हेतु सीलबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रपत्र पर दो भागों में अनुमवी एजेन्सी/ फर्मो द्वारा आमंत्रित की जाती हैं। भाग एक में धरोहर धनराशि रुपये 3000/—जो बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर्स चौक के रुप में अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड लखनऊ के पक्ष में संलग्न करना अनिवार्य है। भाग दो में दर नियम एवं अन्य शर्ते होनी चाहिए । निविदा दिनॉक 28—05—2020 को 12:00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं उसी दिन 15:00 बजे निविदा दाताओं या उसके अधिकृत प्रति. निधि के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र संख्या 02/2021—2022 का मूल्य रुपये 224/— (जी0एस0टी0 सहित) मात्र होगा जो इस कार्यालय से प्राप्त होगा। निविदा प्रपत्र www.upptcl.org पर भी उपलब्ध है। निविदा का क्रय करना अनिवार्य है। अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास बिना कारण बताये किसी भी निविदा को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है. तथा अवकाश की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। **अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण एवं परिचालन खण्ड उ0प्र0पा0ट्रां0का0लि0, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ** पत्रांक—121 दिनांक—01.05.2021 ''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''

बनारस के जिन घाटों पर उमड़ता था कभी जनसैलाब, वहां पसरा सन्नाटा

● काशी के अस्सी, दशाश्वमेध घाट दिख रहे सुनसान जहां गंगाआरती स्थल पर होती थी भारी भीड़

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

काशी के गंगा सेवा निधि सेवा समिति, गंगोत्री सेवा समिति, दशाश्वमेध एवं अस्सी स्थित सुबह ए बनारस की शाम व सुबह की महागंगा आरती विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो चुकी हैं। लेकिन आजकल कोविड महामरी के चलते शहर में लॉकडाउन लग गयी है जिसके चलते इन घाटों पर पसरा सन्नाटा हुआ है। जहॉ इन घाटों पर हजारों सैलानियों के साथ काशीवासी गंगाघाट घूमने आते हैं आजकल गंगा आरती स्थल सहित घाटों पर एक व्यक्ति सहित पशु- पक्षी भी नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन जो गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु आज भी अलसुबह पहुॅचकर गंगा स्नान कर रहे हैं और गंगा मां से इस कोविड के महामारी को खत्म करने की प्रार्थना कर रहे हैं जिससे देश, प्रदेश व शहर में शांति स्थापित हो सकें।काशी नगरी उन शहरों में गिना जाता है जहॉ स्वयं विशेश्वरनाथ व मॉ गंगा पृथ्वी पर विराजमान हैं उसके बावजूद कोविड महामारी से हजारों लोग प्रतिदिन मर रहे हैं। भगवान विश्वनाथ ही कोविड 19 की इस महामारी रोग को रोकने में सहायक होगें।

कोरोना जांच में 279 व्यक्ति पॉजिटिव मिले

चन्दौली । सोमवार को प्राप्त परिणाम में 279 व्यक्ति का रिपोर्ट पॉजटीव प्राप्त हुआ है। इनमें से 01 बालकए 03 बालिकाए 54 महिला व 221 पुरूष है। ये सभी लोकल ट्रैवलिंग या अपने कार्यस्थल से संक्रमित हुये है। जनपद चन्दौली में ये बरहनी ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 4ए चहनिया के 1ए चकिया ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 62ए चन्दौली ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के 33 व नगरीय क्षेत्र के 09ए धानापुर ब्लाक के 25ए नौगढ़ के 20ए नियामताबाद ब्लाक के 39ए डीण्डीण्यूण् नगर के 64ए सकलडीहा ब्लाक के 18ए शहाबगंज ब्लाक के 04 है। इनके सम्पर्क में आये अन्य व्यक्तियों की कान्टैक्ट ट्रेसिंग कर अग्रेतर कार्यवाही की जा रहीं है। जनपद में कोविड जॉच हेतु आज कुल 1496 नमूने संग्रहित किये गए। आज 652 व्यक्ति स्वस्थ्य हुए है व 19 मृत्यु की सूचना प्राप्त हुयी है। इस प्रकार जनपद चन्दौली में कोविड के कुल 13540 केस व इनमें एक्टिव केस की संख्या 2997 है।

पूर्व सांसद के निधन से सपा को अपूर्णनीय क्षति: देवी प्रसाद

संवाददाता। मिर्जापुर

पूर्व सांसद एवं लोकसभा मीरजापुर क्षेत्र के प्रत्याशी रामचरित्र निषाद का नोएडा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इनके निधन की सूचना मिलते ही जिले के सपाईयों में शोक की लहर दौड़ गई। पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजित कर दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने श्री निषाद के निधन पर दु:ख जताते हुए कहा कि इनके निधन से पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई हैए जिसकी भरपाई करना मुश्किल है। श्री निषाद पार्टी के प्रति निष्ठावानए संघर्षशील व जुझारू नेता थे। श्री चौधरी ने ईश्वर से प्रार्थना किया कि इस दु:ख की घड़ी में उनके परिवार को सहनशक्ति दे और श्री निषाद को अपने चरणों में स्थान दें।

निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसियाए पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह मुन्नी यादवए सुरेन्द्र सिंह पटेलए यादवए आशीष यादवए अशोक यादवए रोहित शुक्ला ;लल्लूद्धए जवाहर लाल मौर्याए रामगोपाल बिन्दए संजय यादवए अनिल यादवए गिरधारी पालए निजाम राइनए सुनील पाण्डेयए अभय यादवए सुभाष पटेलए अशोक मिश्राए धनश्याम साहूए सलीम बादशाहए रत्नेश श्रीवास्तवए जयनाथ यादवए शिवकुमार यादवए राजकुमार यादव आदि ने दु:ख जताया है।

सिर्फ कागजों पर दिखाई जा रही है बेड और ऑक्सीजन की उपलब्धता: अविनाश कुशवाहा

● समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

●अव्यवस्थाओं का पत्र में दिया हवाला

संवाददाता। सोनभद्र

समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक व प्रदेश प्रवक्ता अविनाश कुशवाहा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा जनपद मुख्यालय पर 200 बेड का शिशु एवं मातृ चिकित्सालय का निर्माण कराया गया था। उसी चिकित्सालय 200 बेड के अस्पताल को कोविड-19 हॉस्पिटल के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी कोविड-19 कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिस कारण उक्त चिकित्सालय में भी मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर कई प्राइवेट हॉस्पिटलों को कोविड-19 हॉस्पिटल घोषित किया गया है। परंतु इन सभी हॉस्पिटलों को प्रशासन द्वारा पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। निजी चिकित्सालय में कोविड-19 के संक्रमित मरीजों को भर्ती भी नहीं किया जा रहा है। जनपद के अधिकारियों द्वारा केवल कागजों पर ही बेड और ऑक्सीजन की उपयोगिता दिखाई जा रही है जबकि वास्तविकता यह है कि सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी के कारण और निजी चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की कमी बताकर प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। जिससे कई मरीज इलाज न मिल पाने के कारण दम तोड़ दे रहे हैं। पूर्व विधायक श्री कुशवाहा ने मांग किया है कि ऐसी स्थिति में जनपद सोनभद्र में ऑक्सीजन व बेड की पर्याप्त व्यवस्था कराए जाने के साथ ही व्यवस्था की उच्च स्तरीय निगरानी भी कराई जाए जिससे लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से निजात मिल सके।

डीसीएम ने किया डीडीयू जंक्शन का निरीक्षण

मुग़लसराय चन्दौली । मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के स्टेशनों पर कोरोना को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज मंडल वाणिज्य प्रबंधक ;डीसीएमद्ध मोहम्मद इकबाल द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन ;डीडीयू जंक्शनद्ध पर यात्री सुविधा व विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा स्टेशन पर कार्यरत रेल कर्मियों को सतर्क रहते हुए कोरोना से बचाव के प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा गयाए साथ ही यात्रियों में भी इस प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित रखने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी रेलकर्मी को कोविड से संबंधित कोई भी लक्षण महसूस होने पर अपने आपको अलग करने तथा इसकी सूचना संबंधित नियंत्रक अधिकारी को देते हुए उस रेलकर्मी द्वारा तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की हिदायत मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा सभी को दी गई।

पद्मविभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र की बेटी के निधन का मामला

छोटी बेटी ने प्रधानमंत्री मोदी से लगायी गुहार

● मैदागिन स्थित एक प्राइवेट हास्पिटल के खिलाफ बहन संगीता मिश्रा के इलाज के दौरान प्रबंधन की घोर लापरवाही करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा की बड़ी बेटी संगीता मिश्रा के निधन के बाद लगातार उनके परिजन मेडविन हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। सोमवार को पंडित छन्नूलाल मिश्रा की छोटी बेटी डॉ नम्रता मिश्रा ने मेडविन हॉस्पिटल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। उन्होंने हॉस्पिटल द्वारा उन 6 दिनों की सीसीटीवी फुटेज की मांग की जब उनकी बहन वहां एडमि ?ट थीं। साथ ही उन्होंने मेडविन हॉस्पिटल के डॉक्टर मनमोहन श्याम पर अपनी बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में तहरीर दी है। इस सम्बन्ध में अस्पताल पहुंची डॉ नम्रता मिश्रा ने बताया कि मेरी बड़ी बहन संगीता मिश्रा को उल ?टी और बुखार की शिकायत थी। तीन चार दिन उनका फीवर नहीं उतरा तो हम उन्हें डॉक्टर रोहित गुप्ता के यहाँ उन्हें लेकर गएए जहाँ उनके बेटे अत्रि गुप्ता ने उन्हें देखा और ये हॉस्पिटल रेकमंड किया और कहा कि एडमिट कर दीजिये। इसके बाद हम यहाँ लेकर आये तो पहले तो यहां एडमि ?ट नहीं कि ?या गयाए बाद में जिलाधिकारी के फ़ोन करने पर इन्होने हमारी बहन को एडमिट किया। डॉ नम्रता मिश्रा ने बताया कि एडमिशन के दिन ही डॉक्टर मनमोहन श्याम ने कहा था कि रोज़ाना आप अपने मरीज़ को 2 से 4 बजे तक सीसीटीवी फुटेज में देख सकते हैं। उस दिन फिर हम लोग डेढ़ लाख रुपये जमा करके यहां से चले गए। उस समय मेरी मां की तबियत भी खराब थी वो ओरियाना हॉस्पिटल में एडमिट थीं। हम लोग जब अगले दिन दीदी को देखने आये तो यहाँ बताया गया कि टीवी खराब जब टीवी बन जाएगा तो हम आप को बता देंगे।

डॉ नम्रता ने बताया कि? हमने उनसे विनती की कि आप ऊपर जाकर वीडियो बनाकर ले आइये या हमें ऊपर जाने दीजिये पर उन्होंने कहा कि परमिशन नहीं है। उसके बाद हम लोग यहां से चले गए और अपनी मम्मी की सेवा में लग गए। 26 तारीख को मेरी मां की डेथ हो गयी। उसके बाद लगातार तीन दिन मेरे पिताजी पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा ने फोन से डॉक्टर्स से हाथ जोड़कर विनती की कि मेरी बेटी का चेहरा एक बार दिखा दीजिये।

डॉ नम्रता ने बताया कि उसके बावजूद हमसे कहा गया कि गुरूजी हम असमर्थ हैं नहीं दिखा सकते। उसके बाद जब मेरी माता जी के गुजरने के बाद प्रधानमंत्री जी का कॉल आया तो हमारे पि ?ता जी ने प्रधानमंत्री जी से कहा कि मेरी बेटी भी एडमिट है एक बार उसका चेहरा दिखवा दीजिये। उनके प्रयासों से डीएम साहब जागे और 28 तारीख को रात 9 बजे कांफ्रेंस काल के ज़रिये पिता जी को दीदी को दिखलवाया गयाए जिसमे वो बेड पर बैठी हुई दिख रही थीं।

डॉ नम्रता मिश्रा ने आरोप लगाया कि जो डॉक्टर्स कह रहे थे कि आप की दीदी सात्विक भोजन कर रही हैं। दूध पी रही हैं काढ़ा पी रही है और 95 प्रतिशत ठीक हो गयी हैं। बहुत जल्दी आप अपनी दीदी को लेकर जाएँगी। 28 की रात में बात करवाई है और 29 की रात में फोन किया कि बहुत सीरियस कंडीशन है आप की दीदी की आप लोग आ जाइये। बस दस से 15 मिनट औरए उसके बाद रात के 11 बजे से ढाई बजे तक हम लोग अस ?पताल के बाहर खड़े रहे हैं। वो कह रहे थे कि डीएम साहब ने कहा है कि बीएचयू से दो डॉक्टर्स आ रहे हैंए वो आप की बहन को देखेंगे। कुछ नहीं होगा उन्हें। चिंता मत कीजिये और ढाई बजे कहा कि उनकी मौत हो गयी हैए अटैक आ गया है उन्हें।

डॉ नम्रता ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक भी रिपोर्ट या दवा का पर्चा हमें आज तक नहीं मिला। वो कहते हैं की 40 हज़ार और 35 हज़ार का इंजेक्शन लगा और 4 लाख और देना होगा आप को जबकि हम डेढ़ लाख देकर गए। हमें जब बॉडी मिली तो दीदी के नाक और मुँह से खून रिस रहा था। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि दीदी की बेटी आयी थीए मां से मिलने तो उसे एक घंटा खड़ा करवा के 1700 रुपये में एक पीपीई किट पहनाकर ऊपर एक व्यक्ति ले गया था। उस वक़्त दीदी ने बेटी से कहा कि बहुत कष्ट है पर वहां साथ में गए व्यक्ति ने बात घुमा दी और कहा कि वो कह रही हैं कि यहाँ एडमिट लोगों को बहुत कष्ट है और तुरंत ही उसे नीचे ले लाये।

डॉ नम्रता मिश्रा ने डॉ नम्रता मिश्रा ने मांग की है कि अस्पताल प्रशासन उन 6 दिनों का सीसीटीवी फुटेज हमें अवलेबल करवाए। यदि उसमे से दस मिनट का वीडि ?यो भी कटा तो हम जान जायेंगे कि उसी 10 मिनट में इन्होने मेरी बहन की हत्या कर दी। सारे टेस्ट की रिपोर्ट और सारी दवाओं के पर्चे चाहिए। वरना हम कोर्ट जाएंगे। फिलहाल हंगामे की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस उन्हें लेकर कोतवाली थाने ले आयी जहां डॉ नम्रता मिश्रा ने एक तहरीर मेडवि ?न अस ?पताल प्रबंधन के खि ?लाफ दी है और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। साथ ही प्रधानमंत्री नरे-?द्र मोदी से भी अपील की है कि? उनकी बहन को -?याय दि ?या जाए।

संक्रमितों को नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी: यादव

● चालू हुआ ऑक्सीजन प्लांट प्रतिदिन तीन सौ सिलेण्डरों की होगी रिफिलिंग

संवाददाता। सोनभद्र

हिण्डालको रेनूसागर पावर डिवीजन प्रबन्धन ने अनपरा परिक्षेत्र के करहिया स्थित ऑक्सीजन प्लांट को चालू करा कर बडी सफलता अर्जित की है। साथ ही यह भरोसा दिया है कि इस महामारी के समय ऑक्सीजन प्लांट को किसी भी कीमत पर बन्द नही होने दिया जायेगा। रेनूसागर प्रबन्धन सहयोग के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। सोनभद्र जिला प्रशासन की पहल पर हिण्डालको रेनूसागर के इंजिनियरो की टीम नें अपने जोश व जज्बे का परिचय देते हुए पिछले छ: साल से जीर्णशीर्ण अवस्था में रहे आक्सीजन प्लांट को न सिर्फमनुष्य के जीवन को संजीवनी देने वाले ऑक्सीजन प्लांट को सिलिण्डर रिफिलिंग योग्य बनाया बल्कि यह दावा भी किया कि यह ऑक्सीजन प्लांट अपनी पूरी क्षमता के साथ आपूर्ति कर सकता है। प्रशासन की पहल पर हिण्डालको रेनूसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष के0 पी0 यादव ने स्वंय उक्त ऑक्सीजन प्लांट की कमान सभालते हुए अपने एक दर्जन टेक्नीकल इलेक्ट्रीकल व इन्सटूमेन्ट के वरिष्ठ इंजिनियरो की टीम सहित प्लांट को चालू करने हेतु ए0सी0 कम्प्रेसर मोटर पम्प मेन सार्किट ब्रेंकर केबुल स्वीच दो बैरल आयल आदि सामानों के साथ मोर्चा सभाला जिसका परिणाम रहा कि एक सप्ताह बाद उक्त प्लांट को चालू कर लिया गया। हिण्डालको की इस पहल पर जनपद वासियों ने खुशी व्यक्त किया तथा स्थानीय जनता ने जिला प्रशासन व हिण्डालको रेनूसागर प्रबन्धन को धन्यवाद दिया। रेनूसागर प्रबन्धन के वरिष्ठ अधिकारी सी एस सिंह व सुदिप्ता नायक नें जानकारी देते हुए बताया कि हमारें प्रबन्धन प्रमुख के निर्देश पर इंजिनियरो ने रात दिन मेहनत कर के यह सफलता अर्जित की है। रविवार से उत्पादन भी शुरू हो गया। उक्त ऑक्सीजन प्लांट से प्रतिदिन तीन सौ सिलेण्डरो की रिफीलिग निर्वाध रूप से की जा सकेगी। छ: साल से बन्द पड़े प्लांट में उत्पादन किसी चुनौती से कम नही था इस ऑक्सीजन प्लांट के चालू होने से भयंकर रूप से फैली महामारी कोविड-19 कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव को रोकने और उपचार के लिए आवश्यक ऑक्सीजन सिलिण्डर की उपलब्धता मे कोई कमी नही आयेगी। रेनूसागर प्रबन्धन के मुखिया के0 पी0 यादव ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इस महामारी के दौर में उक्त ऑक्सीजन प्लांट में यदि कोई तकनीकी खराबी आती है तो रेनूसागर प्रबन्धन उसे ठीककर प्लांट को अनवरत चालू करने हेतु प्रतिबद्ध है।

आज से चलेगा कोविड जागरूकता अभियान

संवाददाता। मिर्जापुर

कोविड वैश्विक महामारी को रोकने के लिए चार से 8 मई तक चार दिवसीय अभियान जिले में शुरू किया गया है। इसके तहत एक दिवसीय जूम एप के जरिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व एएनएम समेत स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कोरोना नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय ने बताया कि अभी भी लोग कोरोना की जांच नहीं करा रहे और अपने घर पर ही बैठे है और कोरोना जैसी महामारी को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे है। इसी को संज्ञान में लेकर विभाग ने जनपद में चार मई से आठ मई तक 12 विकास खण्डों में लगातार निगरानी समिति के सदस्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताए आशाए एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा जागरूक व सावधानियों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी देने का कार्य करेगे। इसके लिए पत्र के माध्यम से जिले के सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व निगरानी समिति के सदस्यों को अवगत कराया जा चुका है। इसके लिए सोमवार को एक दिवसीय जूम एप के जरिये प्रशिक्षित भी किया गया है। इस अभियान में बाल विकास विभाग के 2668 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अभियान के दौरान सर्दीए जुकामए व कोरोना के लक्षण दिखने पर उनको नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाकर उनका उपचार कराया जायेगा। अभियान के दौरान कोविड के नियमों का कठोरता के साथ पालन किया जायेगा। उन्होने बताया है कि इस अभियान को पल्स पोलियो अभियान की तरह इस अभियान को चलाया जायेगा। इस अभियान में ग्राम स्तर व शहरी स्तर में दो निगरानी समिति के सदस्य एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व क्षेत्र की एएनएम को रखा गया है।

हजारों युवक और युवतियों ने राजकीय अस्पताल पर लगवाया कोविड इंजेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिले में 18 से 44 वर्ष के लाभार्थियों के लिए सोमवार से 17 केन्द्रों पर सुबह नौ बजे से ही राजकीय महिला जिला अस्पताल, कबीरचौरा, रामकृष्ण मिशन हास्पिटल, मारवाड़ी हास्पिटल, माता आनंदमयी हास्पिटल, राजा बलदेव दास बिड़ला, मच्छोदरी व बुनकर हास्पिटल को 45 वर्ष से अधिक उम्र के लाभार्थियों को टीकाकरण वैक्सील लगाने की भीड़ जुट गई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 वी0एस0राय ने कहा कि किसी भी लाभार्थी का केन्द्र पर तुरंत रजिस्टेऊशन नहीं किया जाएगा और न ही बिना पूर्व रजिस्टेऊशन के टीकाकरण किया जाएगा। एक अप्रैल से जिन 70 केन्द्रों पर चल रहा है, उन्हें बरकरार रखा गया है। पहले से काविन पोर्टल या आरोग्य सेतु एप पर पंजीयन एवं केन्द्र व स्लाट बुक कराकर आने वाले लाभार्थियो को ही इन केन्द्रों पर टीकाकरण लगाया जा रहा है। सोमवार को राजकीय महिला अस्पताल पर सुबह नौ बजे से 18 से 44 वर्ष के युवाओं की टीकाकरण लगवाने के लिए भीड़ लग गई थी। देखते ही देखते हजारों युवक-युवतियों ने कोविड का टीकाकरण लगवाया।डॉ नम्रता ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक भी रिपोर्ट या दवा का पर्चा हमें आज तक नहीं मिला। वो कहते हैं की 40 हज़ार और 35 हज़ार का इंजेक्शन लगा और 4 लाख और देना होगा आप को जबकि हम डेढ़ लाख देकर गए। हमें जब बॉडी मिली तो दीदी के नाक और मुँह से खून रिस रहा था। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि दीदी की बेटी आयी थीए मां से मिलने तो उसे एक घंटा खड़ा करवा के 1700 रुपये में एक पीपीई किट पहनाकर ऊपर एक व्यक्ति ले गया था। उस वक़्त दीदी ने बेटी से कहा कि बहुत कष्ट है पर वहां साथ में गए व्यक्ति ने बात घुमा दी और कहा कि वो कह रही हैं कि यहाँ एडमिट लोगों को बहुत कष्ट है और तुरंत ही उसे नीचे ले लाये।

नेटवर्क में हुआ सुधार

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारती समूह द्वारा समर्थित उपग्रह संचार कंपनी वनवेब ने सोमवार को कहा कि उसने रूस के वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से एरियनस्पेस के जरिए 36 उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है।कंपनी ने धरती की निचली कक्षा ;एलईओद्ध में इन संचार उपग्रहों को स्थापित किया।कंपनी ने बताया कि इसके साथ ही उसके द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों की संख्या 182 हो गई है। ये उपग्रह वनवेब के 648 एलईओ उपग्रह बेड़े का हिस्सा है जो तीव्र गति इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराएगी। वनवेब 2022 तक वैश्विक सेवाएं शुरू करने का इरादा रखती है।वनवेब के सीईओ नील मास्टरसन ने कहाए श्इस सफल प्रक्षेपण के साथ हमारा मकसद और भी उपग्रहों को लॉन्च करनेए नेटवर्क में सुधार लाने और इसे दुनिया के तमाम हिस्सों में पहुंचाने का है।

चुनाव आयोग के आदेश की जमकर उड़ीं धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव का परिणाम रविवार से लगातार आ रहा है और अभी भी मतगणना चल रही है। इस बार कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए चुनाव आयोग ने सभी प्रकार के विजय जुलूस पर रोक लगायी है। वाराणसी में इस बात के अनुपालन के लिए पुलिस सख्ती बरत रही हैं वहीं रोहनिया थानाक्षेत्र के मडाव गांव के विजयी ग्राम प्रधान प्रत्याशी और बीडीसी प्रत्याशी ने चुनाव आयोग की धज्जियां उड़ाते हुए विजय जुलूस निकाला।मडाव से प्रकाश गौड़ प्रधान पद पर निर्वाचित हुए हैं। सुबह आये परिणाम के बाद नवनिर्वाचित बीडीसी और 50 से अधिक लोगों के साथ प्रकाश गौड़ ने क्षेत्र में जुलूस निकाला। इस दौरान ना तो सोशल डिस्टेंसिंग थी और न ही किसी के मुँह पर मास्क था।इस सम्बन्ध में जब रोहनिया थाना प्रभारी से बात की गयी तो उन्होंने कहा की सूचना मिली है जांच की जा रही है। विजय जुलूस यदि निकाला गया है तो महामारी एक्ट में कार्रवाई की जायेगी।

कोरोना संक्रमित की मौत पर एल-2 खागा हास्पिटल में हंगामा व तोड़फोड़

● **परिजनों ने लगाया लापरवाही बरतने का आरोप**

संवाददाता। फतेहपुर

खागा तहसील क्षेत्र के मंझिलगांव स्थित इलाहाबाद इंजीनियरिंग कालेज में बनाये गये कोविड एल-2 हास्पिटल में आज उस समय हंगामा व तोड़फोड़ हो गयी जब एक कोरोना संक्रमित महिला की इजाज के दौरान मौत हो गयी। परिजनों के साथ-साथ वहां भर्ती अन्य मरीजों ने हास्पिटल स्टाफ पर जहां लापरवाही का आरोप मढ़ा वहीं आक्सीजन की कमी से मरीज की मौत होने की बात बतायी। घटना की जानकारी मिलने पर उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद झा मौके पर पहुंचे और उन्होने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। अस्पताल स्टाफ ने उनके साथ मारपीट करने का जहां आरोप लगाया वहीं परिजनों ने कहा कि मारपीट की सीसीटीवी के जरिये जांच करायी जा सकती है। उनके द्वारा सिर्फ हंगामा किया गया है मारपीट नहीं की गयी।

बताते चलें कि सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के सेमरी गांव निवासी संदीप सिंह की पत्नी नीलू सिंह कोरोना संक्रमित हो गयी थी। जिन्हें इलाज के लिए इलाहाबाद इंजीनियरिंग कालेज स्थित कोविड एल-2 हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां उनका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान सोमवार की सुबह उनकी मौत हो गयी। मौत होते ही परिजनों के बीच चीत्कार का माहौल शुरू हो गया। वहां भर्ती अन्य कोविड मरीजों में भी इसकी नाराजगी देखी गयी। परिजनों व अन्य मरीजों ने वहां हंगामा शुरू कर दिया। स्टाफ ने जब समझाने का प्रयास किया तो परिजनों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिससे वहां मौजूद कर्मचारियों के बीच हड़कम्प मच गया। तभी इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी गयी। जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद झा मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। स्टाफ ने आरोप लगाया कि परिजनों ने हंगामा करने के साथ-साथ उनके साथ अभद्रता व मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। परिजनों ने इस आरोप को नकारते हुए कहा कि उनके द्वारा मारपीट नहीं की गयी। इसकी जांच सीसीटीवी के जरिये कराई जा सकती है।

परिजनों का कहना है कि महिला मरीज की मौत से उनके अंदर आक्रोश जरूर है। आरोप लगाया कि कोविड अस्पताल में संक्रमितो के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बताया कि 24 घण्टे से सेन्टर में अभी तक कोई भी जिम्मेदार चिकित्सकीय स्टाफ नहीं आया। सीएमओ के बावजूद डॉ0 राजीव तिवारी, डॉ0 आरएम गुप्ता व डॉ0 एनके सक्सेना अब तक सेंटर नहीं आये हैं। संक्रमितो की देखरेख स्वयं तीमारदार करने को विवश हैं। जबकि आदेश है कि कोविड सेन्टर के अन्दर कोई भी तीमारदार प्रवेश नहीं करेगा। इसके बावजूद तीमारदारों को मजबूरीवश अपने मरीज की सेवा करनी पड़ रही है। बताया कि आक्सीजन सिलेण्डर में भी घपलेबाजी हो रही है। जब मरीज की हालत बिगड़ी थी तो हेल्पलाइन नम्बर पर इसकी सूचना देकर आक्सीजन सिलेण्डर मुहैया कराने की मांग की गयी थी लेकिन आक्सीजन सिलेण्डर नही आया। मृतका के ससुर ने बताया कि उन्होने किसी तरह आक्सीजन की व्यवस्था की थी लेकिन यहां आक्सीजन लगाने वाला तक मौजूद नहीं था। जिसके चलते उनकी बहू की मौत हो गयी है। परिजनों का आरोप है कि हालात यही रहे तो तीमारदार भी संक्रमित हो जायेंगे। उप जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई किये जाने का आश्वासन दिया है।

देर रात्रि तक फंसा रहा पेंच

जालौन (उरई)। सहाव जिला पंचायत सदस्य सीट पर परिणाम को लेकर उहापोह की स्थिति बनी रही। रात्रि करीब 1 बजे मतगणना के दौरान पुष्पेंद्र सिंह सेंगर ने आरओ शेखपुर बुजुर्ग, गधेला, अतरछला व ऊद गांव में रीकाउंटिंग कराने की मांग की। उनकी मांग पर अधिकारी रीकाउंटिंग की तैयारियों में व्यस्त हो गए। उधर, हार जीत की संभावना को लेकर अपने मतगणना अभिकर्ताओं के सलाह मशवरे पर उन्होंने रीकाउंटिंग की अपील को रात्रि करीब 2 बजे वापस ले लिया। इसके बाद डाटा फीडिंग के दौरान पुष्पेंद्र सिंह व बृजमोहन दीक्षित के समर्थकों के बीच हल्की फुल्की झड़प हो गई। जिसके बाद एसडीएम गुलाब सिंह, सीओ विजय आनंद रात्रि करीब 3 बजे मौके पर पहुंच गए। जहां उन्होंने प्रत्याशियों के अलावा अन्य सभी व्यक्तियों को मतगणना केंद्र से बाहर कर दिया। मतगणना केंद्र पर केवल प्रत्याशी ही रहे। इसके बाद सुबह साढ़े 4 बजे परिणाम घोषित किया गया।

स्वास्थ्य पर्यवेक्षक की पत्नी समेत 13 कोरोना पॉजिटिव

संवाददता, शुक्लागंज उन्नाव

कोरोना की दूसरी लहर के कहर ने हर ओर हाहाकार मचा कर रख दिया है। पीक पर आने के बाद नगर में संक्रमितों और मृत्युदर के आंकड़े भी बढ़ गए हैं। हालाकिं सोमवार को शुक्लागंज में स्वास्थ्य पर्यवेक्षक समेत 13 लोग पॉजिटिव आए हैं। हालाकिं सोमवार को पॉजिटिव मरीजों की संख्या अन्य दिन की अपेक्षा कम रही लेकिन चिकित्सकों की माने तो खतरा अभी टला नहीं है। बता दें कि स्वास्थ्य पर्यवेक्षक प्रदीप दिवाकर दिन रात बिना छुट्टी लिए एक माह से शुक्लागंज के लोगों के लिए बराबर जांच का दायरा बढ़ाने के साथ साथ भर्ती कराने तक अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा पूर्वक निभा रहे है। ऐसे में सोमवार को उनकी पत्नी की एंटीजन रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसके बाद भी उनका मनोबल नही टूटा। उन्होने बताया कि ऐसे में लोगों को बडा धैर्य रखना होगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को आरटीपीसीआर जांच में 11 पॉजिटिव है और एंटीजन जांच में दो पॉजिटिव हैं। इस तरह कुल 13 पॉजिटिव है। सभी को होम आइसोलेट किया गया।

290 को वैक्सीन, 18 से ऊपर वाले भीड़ न लगाएं

राजधानी मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर आशुतोष वार्ष्णेय ने बताया कि नगर में सोमवार को अस्पताल में 290 लोगों को वैक्सीन लगाई गयी। उन्होंने बताया कि कुल 290 लोगों को वैक्सीन का लाभ दिया गया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 18 वर्ष के लोगों को भी वैक्सीन लगाए जाने की घोषणा होने के बाद से नगर के पीएचसी में रोजाना दर्जनों की संख्या में युवक यहां पर आ जाने के बाद डॉक्टर्स और अस्पताल स्टाफ को परेशान करते हैं। उन्होंने बताया कि बेवजह भीड़ लग जाने के बाद उन लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बताया कि अस्पताल प्रशासन को अभी तक राज्य सरकार से कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। बेकाबू कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की नगर व ग्रामीण इलाकों में जमकर धज्जियां उड़ा रही हैं। लेकिन इसे देखने व रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। बता दें कि नगर में शुक्रवार रात 8 बजे से लगे लॉक डाउन के पहले दिन से नगर में पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय दिखी। सोमवार को भी राजधानी मार्ग, पोनी रोड, मरहला चौराहे पर बेवजह लोग बिना मास्क के कार व बाइक से फर्राटा भरते नजर आए। पिकेट के बैठने वाले स्थान पर ई रिक्शा सवारियां ढोते नजर आए। नगर व ग्रामीण इलाको में दुकानदार चोरी छिपे ऊंचे दामों पर सामान बेचते नजर आए। नगर के मेडिकल स्टोरों व डॉक्टरों के दवा खानों में काफी भीड़ दिखी। किसी भी चौराहे पर कोई भी किसी को रोकने टोकने वाला नही था। उधर आजादनगर, देवारा कला, पिण्डोखा, पुल के नीचे की साप्ताहिक बाजारों में बिना मास्क के ही लोग सब्जियों की खरीदारी करने आ रहे है। इन स्थानों पर जमकर सोशल डिस्टनसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

जीते प्रत्याशियों ने खूब बांटा कोरोना

उधर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम आने के बाद गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले देवारा कला, देवारा खुर्द, संभरखेड़ा, शंकरपुर, पिण्डोखा, नरबीजपुर, दलनारायनपुर, पोनी, मजरा व कटरी पीपरखेड़ा समेत सिंकरदरपुर सरोसी व करण के दर्जनों गांवो में विजेता प्रधान, बीडीसी को कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद लोगों में मिष्ठान का वितरण कर खुशी में हथगोले दागे। इस दौरान गांवों में लोगों ने जमकर कोरोना गाडलाइन की जमकर धज्जियां उड़ाईं। लोगों ने बिना मास्क व दूरी के खूब कोरोना बांटा। कुछ लोगों ने दबी जुबां कहा कि यदि स्वास्थ्य विभाग इन गांवों में एंटीजन और आरटीपीसीआर की जांच कर दें तो संक्रमण की वास्तविक स्तिथि सबके सामने आ जाएगी।

मतगणना जारी

फर्रुखाबाद। जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशियों की धड़कने बढने् लगी हैं। अब कुछ ग्राम पंचायतों की मतगणना अंतिम चरण में है। सपा समर्थक अनेकों प्रत्याशियों के अलावा कई निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी बढ़त बनाए हैं। ब्लॉक कमालगंज 5 नंबर वार्ड से निर्दलीय रिंकू कटियार के करीब 2000 वोटों से जीत दूसरे नंबर पर भाजपा के रोहिताश राजपूत रहे। वार्ड 2 से निर्दलीय प्रत्याशी ऐके राठौर के हजारों वोटों से जीतने की खबर मिल रही है। 6 नंबर वार्ड से छोटू यादव करीब 6000 वोटों से जीतने की चर्चा, दूसरे नंबर पर सलाउद्दीन एवं तीसरे नंबर पर विजय यादव रहे। वार्ड 4 निर्दलीय बंटू नागर जीते भाजपा के डॉक्टर राजपाल सुमन पीछे होने की खब मिली है। वार्ड 3 ताहिर हुसैन सिद्दीकी की पुत्रवधू करीब 900 वोटों से आगे। निर्दलीय राजीव राजपूत पीछे होने की खबर मिली है। ब्लाक शमशाबाद के वार्ड नंबर 2 के भाजपा प्रत्याशी कुंवर सिंह लोधी हजारों वोटों से आगे चल रहे हैं कुंवर सिंह के अलावा 29 सीटों पर किसी भी भाजपा प्रत्याशी के आगे चलने की सूचना नहीं है।

चुनावी चक्कलस और महामारी की भेंट चढ़ी उरई में गेहूं खरीद

● **खरीद केन्द्रों पर मजाक साबित हो रहे सरकारी इंतजामात**

● **किसानों की परेशानियों में होने लगा इजाफा**

संवाददाता। उरई (जालौन)

अप्रत्याशित कोरोना महामारी की आपदा के बाद बीच में यकायक उभरकर सामने आयी चुनावी चक्कलस अब किसानों पर भारी पडती प्रतीत होने लगी है बीते कुछ अरसे से देखा जा रहा है कि जहां एक ओर जनजीवन की अस्थिरता सामने आने लगी है तो वहीं सरकारी व्यवस्थायें भी इससे अछूती नही रही मसलन इन दिनों जनपद में सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर होने वाली गेहूं खरीद का मामला लगभग ध्वस्त होता जा रहा है जिससने अब किसानों की चिंतायें बढा दी है। सूत्रों की माने तो गेहूं केन्द्रों पर सरकारी नुमाइंदों की अनदेखी के चलते व्यवस्थायें मजाक साबित हो रही है। हर साल जिलें में गेहूं खरीद को लेकर शासन के निर्देशों के तहत प्रशासन दृारा गेंहू खरीद केन्द्र बनायें जाते है ताकि अधिक से अधिक किसानों की फसलों की खरीद निश्चित समय पर करायी जा सकें लेकिन जिस तरह से यहां जनपद में गेंहू खरीद का मामला अव्यवस्थाओं की भेट चढा हुआ है बताया जाता है कि इन दिनों अधिकांश खरीद केन्द्रों पर जिस तरह से अव्यवस्थायें देखने को मिल रही है उससे साफ प्रतीत होता है कि सरकारी मशीनरी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन करने में सजग प्रतीत नही होती हालाकि जानकारों की माने तो कुछ दिनों से तो आलम यह है कि अधिकांश केन्द्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है फिलहाल जो भी हो लेकिन इतना साफ है कि गेहूं खरीद की यही स्थिति रही तो जिलें कें किसनों के सामने आर्थिक संकट गहरा सकता है। गौरतलब हो जिलें की अधिकांश आबादी कृर्षि प्रधान व्यवस्था का हिस्सा है किसानों के लिये तो उनकी फसलों के उत्पादन से ही उनकी सभी व्यवस्थायें संचालित होती है फिर चाहे वह रोजमर्रा की जरूरतें हो या फिर अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाहन खेती किसानी की आय ही उनकें जीविको पार्जन का मुख्य जरियां होती है ऐसे में फसलें समय पर न बेची जा सके तो उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खडा होना लाजिमी ही है बहरहाल प्रशासन को चाहियें कि वह किसानों की परेशानियों को देखते हुये गेहूं खरीद केन्द्रों कें संचालन की व्यवस्थाओं को दुरूस्त करायें ताकि उन्हें राहत मिल सके।

किसी के सिर जीत का सेहरा तो किसी को चुनावी सबक

संवाददाता। पाटन

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतगणना के साथ ही उम्मीदवारों की हार-जीत का फैसला हो गया। सुमेरपुर ब्लॉक में प्रधान पद पर गोबहा से आशुतोष ने 860, जमींपुर से सुनीता ने 708, ऊंचगांव से सुशीला ने 249, गोरैया से विनीत कुमार ने 223, जगतपुर से निशा देवी ने 727, आटमनु खेड़ा से सुधा देवी ने 187, नैकामऊ से राकेश मोहन मिश्रा ने 391, ककरारी से वीरेंद्र बहादुर सिंह ने 271,कुतुबपुर से शोभा देवी ने 426,देवारा से छेदीलाल ने 281,कीरतपुर से अन्नपूर्णा 381, गोसाई खेड़ा से दयाशंकर ने 268, चौनपुर से सोनी देवी ने 862,जप्सरा से मायाराम ने 592, आकमपुर से ओमवती ने 426, हिस्यामपुर से आशा देवी ने 255, मुबारकपुर से विनम्र सिंह ने 205, रामपुर लोन से फूलमती ने 384,जंगल बुजुर्ग से नीलम सिंह ने 457,दुबेपुर से रेखा देवी ने 295,धर्मदास खेड़ा से सुरेंद्र सिंह ने 443,रामपुर खरही से निवेदिता सिंह ने 378, दूली खेड़ा से श्री कृष्ण ने 854,बिसरा मऊ से कृष्ण पाल ने 398, नारायणदास खेड़ा से कन्धई ने 274, भदेवरा से शैलेंद्र कुमार ने 523,पकरा खुर्द से राकेश कुमार ने 570,छाछी राई खेड़ा से अभिषेक वर्मा ने 307, गडरिया खेड़ा से मुकेश वर्मा ने 196, जालापुर से शिवेंद्र सिंह ने 291,पनई खुर्द से शिव करण ने 285,पोखरी से ओमप्रकाश ने 422,कलानी से दिलीप कुमार ने 373, गौरा से वीना सिंह ने 1107, धनकोली से केकती देवी ने 844, रछोलिया से नीतू ने 341,पनई बुजुर्ग से कृष्णा शरण सिंह ने 746,सराय मंगली से शिवानी सिंह ने 287,मनिकापुर से माजिद हुसैन ने 670 , डोकरी से मोहिनी सिंह ने 564,भैया खेड़ा से शिव प्रताप ने 237, पोरई से पूनम सिंह ने 408, कल्याणपुर से शिव दर्शन ने 236, साहिला से किरन बाजपेई ने 855,सराय मनिहार से आशीष प्रताप सिंह ने 605,मौलाना से वीना सिंह ने 600,हमीरपुर से निशा देवी ने 653, नरी खेड़ा से हरी शंकर ने 233,संग्रामपुर से शीला देवी ने 498,रावतपुर से रामनाथ ने 344, मवैया से पुष्पा देवी ने 253,पहाड़पुर से शिवकरण ने 429,महेश खेड़ा से राजेश ने 250, बाबू खेड़ा से आलोक कुमार ने 372, दुबई से इंद्रजीत ने 539,वाजिदपुर से धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने 416,सवाइन से फजलु रहमान खान ने 334,बक्सर से रामप्रसाद 585, सिरियापुर से कल्लू ने 493,पाटन से श्वेता पटेल ने 1035,बिहार से जग देई ने 850, शाहजहां मऊ से गंगाजली ने 501 रामनेर से इकबाल सिंह ने 342 सुल्तानपुर से सुनील कुमार ने 380 अहिरौरा से विमला देवी ने 347 खिझौली से नीरज सिंह ने 225, कल्याणपुर द्वितीय से मालती देवी ने 323 वाजपेई खेड़ा से सूरज मिश्रा ने 254 कुंदनपुर से विष्णु नारायण ने 379, बजौरा से रूमा सिंह ने 304 से जीत हासिल की।

30 घंटे में भी फाइनल नहीं हो सकी मतगणना

बांगरमऊ उन्नाव। जिला पंचायत सदस्य चुनाव की मतगणना में करीब 30 घंटे से भी अधिक समय लगा। इस चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त मिली है। ब्लॉक गंज मुरादाबाद और बांगरमऊ कि जिला पंचायत सदस्य सीटों पर चुनाव लड़ रहे अधिकांश भाजपा समर्थित प्रत्याशी चुनाव हार गए। जबकि चुनावी बाजी अधिकांश निर्दलीयों के हाथ लगी।अभी कुछ घंटे पूर्व समाप्त हुई मतगणना में बांगरमऊ की जिला पंचायत सदस्य प्रथम सीट से ग्राम छतरपुर निवासी शिवकुमार तिवारी विजई घोषित किए गए। जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशी विजय निषाद की भारी मतों से हार हुई है। इसी प्रकार बांगरमऊ द्वितीय सीट से ग्राम शादीपुर निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं प्रधान जरीना बेगम के पुत्र अंजर अहमद ने विजय हासिल की। इसके अलावा गंज मुरादाबाद प्रथम सीट से भाजपा के विमल चंद्र शुक्ला चुनाव हार गए हैं।

बसपा सात, भाजपा छह और चार पर सिमटी सपा

संवाददाता। उरई(जालौन)

जिला पंचायत क्षेत्र के सभी 25 वार्डो के परिणाम घोषित कर दिए गए है। जिसमें बहुजन समाज पार्टी 7, भारतीय जनता पार्टी को 6 और समाजवादी पार्टी को 4 और कांग्रेस एक, बीपी जनता दल एक तथा 6 सीटों पर निर्दलियों ने बाजी मारी है। हालांकि सहाव, खकसीस और चतेला सीटों को धोखाधड़ी एवं सत्ता का दबाव दिखाकर हथियाने का आरोप बहुजन समाज पार्टी ने भाजपा पर लगाया है।

जिला पंचायत सदस्य पद के लिए हुए चुनाव में सभी 25 वार्डो के विजयी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गयी है। बहुजन समाज पार्टी ने सात सीटों पर सफलता हासिल की है। बसपा ने जिला पंचायत क्षेत्र ऐर से कैलाश राजपूत, गढ़र से मनोज याज्ञिक, दिरावटी से मीनाक्षी देवी पटेल, मई प्रियंका गौतम, जगम्मनपुर से श्रीमती ज्योति देवी, अकबरपुर से अतर सिंह पाल और महेबा से श्रीमती मातावती ने चुनाव में सफलता हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद घनश्याम अनुरागी जिला पंचायत क्षेत्र रेढ़र से चुनाव जीत गये है। इसके अलावा परासन से रणविजय सिंह, चतेला से ज्ञानसिंह, पहाड़गांव से पूनम, खकसीस से अम्रता, सहाव से पुष्पेन्द्र सिंह सेंगर ने बाजी मारी है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल सिंह यादव का कब्जा लगातार पांचवी बार डकोर जिला पंचायत सीट पर रहा। उनकी पत्नी श्रीमती उमा देवी ने इस सीट पर जीत हासिल की है। जबकि जैसारी कला से अर्चना यादव, सिकरीराजा से संजू कठेरिया, चुर्खी से श्रीमती निशा देवी, गोहन से देवेन्द्र कुमार सोनी को सफलता मिली है। कैलिया बुजुर्ग सीट से कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी उर्मिला सोनकर ने जीत हासिल की है। जबकि बीपी जनता दल के टिकट पर हरौली से चुनाव लड़ी मालती ने सपा,बसपा, भाजपा के प्रत्याशियों को चित कर दिया। इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अच्छीखासी सफलता हासिल की है उनमें बबीना से निर्दोष यादव, शहजादपुरा से रामेन्द्र त्रिपाठी, वावली से रेखा प्रजापति, सिरसा कलार से अनिल कुमार, कुठौंद से अनुरूद्ध शामिल है। हालांकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर सहाव, खकसीस एवं चतेला में सत्ता के दबाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। बसपा के प्रवक्ता संजय राय का आरोप है कि सहाव सीट पर पहले 800 वोटों से बसपा प्रत्याशी ब्रजमोहन दीक्षित चुनाव जीत गये थे। लेकिन बाद में उन्हे करीब 56 वोटों से चुनाव हरा दिया गया। इसी तरह खकसीस सीट पर भी बसपा प्रत्याशी को हराकर भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी को विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र दे दिया। इसी तरह चतेला सीट पर निर्दलीय पिंकी गौतम आगे थी बाद में भाजपा नेताओं के दबाव के चलते ज्ञानसिंह को विजयी घोषित कर दिया गया।

ब्लाक राजेपुर में चलता रहा हार-जीत

संवाददाता। फर्रुखाबाद

इस बार मतदाताओं विकास कार्य में अग्रणी रहे। गांव की सरकार को दोबारा चुना। वहीं दूसरी तरफ दशकों से समाज की सेवा करने वालों को भी मतदाताओं ने अपना सौरभ मोर बनाकर गांव की जिम्मेदारी सौंपी। बानगी के तौर पर राजेपुर राठौरी में प्रदीप दशकों से समाज की सेवा में हर सुख दुख में जनता से कंधा में कंधा मिलाकर चलने वाले को ही मुखिया बना दिया। जिससे कछुआ राजेपुर में खुशी की लहर दौड़ गई।

राजेपुर राठौरी में प्रदीप गुप्ता ने 652 मत प्राप्त किये। अपने प्रतिद्वंदी उपदेश गुप्ता को हराया। ग्रामसभा भुडिया भेड़ा में संगीता शुक्ला ने 337 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी मंजू देवी को 35 मतों से हराया। महमूरगज राजेश्वरी देवी 593 मत प्राप्त कर विजयी बनी। कुबेरपुर विकासखंड राजेपुर संध्या देवी 1058 प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी जमीला बेगम को 560 मतों से हराकर तीसरी बार अपनी सीट पर काबिज हुई। अमैयापुर राम सिंह 919 मत प्राप्त कर प्रतिद्वंदी श्यामा देवी को 27 मतों से हराकर विजयी बने। दारापुर शशि राठौर 324 मत प्राप्त कर विजयी बने। वहीं इनके प्रतिद्वंदी मीरा देवी को 227 मत प्राप्त मिले। खंडोली में हरेंद्र सिंह 521 मतों से विजयी बने। ग्रमसभा भरखा से हर्षवर्धन 300 मत प्राप्त कर विजई बने। साधना सिंह 572 वोट पाकर विजयी बनी। इनके प्रतिद्वंदी विशनलाल को 422 मत प्राप्त हुए।

पूर्व मंत्री की पुत्री मोनिका यादव 970 मतों से आगे

फर्रुखाबाद। पंचायत चुनाव के लिए चल रही मतगणना में सुबह 10 बजे मिली जानकारी के मुताबिक मोहम्मदाबाद तृतीय क्षेत्र में पूर्व मंत्री की पुत्री मोनिका यादव 970 मतों से आगे चल रही है। वहीं मोहम्मदाबाद प्रथम क्षेत्र से रश्मि यादव क्रांति देवी से 167 वोटों से पीछे चल रही है।

ब्लाक शमशाबाद में प्रधान पद के विजयी हुए प्रत्याशी

शमशाबाद फर्रुखाबाद। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना चुन्नी देवी डिग्री कालेज में रविवार को सम्पन्न हुई। ग्राम पंचायत दुबरी से रजनीश चौहान विजयी, ग्राम पंचायत बघऊ की प्रधान प्रभा देवी विजयीए बरझाला से मुन्नी देवी 24 वोटों से विजयी तो विधायक सुपौत्र हिमांशु 24 वोटों से हारे। रमापुर जसू में अनुज प्रताप सिंह ने101 वोटों से जीत कर अपने प्रतिद्वंदी प्रत्याशी लका सिंह को हराया। ग्राम पंचायत अमलैया अशानंद के बृजेश गंगवार पत्नी प्रमोद ने जीत दर्ज की। अजीजाबाद से महेश, नौबार ग्राम प्रधान जीते मातादीन राजपूत, रोशनी देवी ग्राम पंचायत रोशानाबाद, बेहटा बलू से रंजवती, नैगवां दुर्विजय सिंह आगे चल रहे थे।

क्विक न्यूज

बीमारी के चलते गंगा में कूदा युवक

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बीमारी से ऊबकर एक युवक ने गंगा के पुल से छलांग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। गनीमत ये रही कि नाव पर बैठे गोताखोरों ने आनन फानन गंगा में कूदकर युवक को बाहर निकाल कर जान बचा ली। जानकारी अनुसार मदनी नगर निवासी चांद नूर सुबह करीब 11 बजे अपनी साइकिल से नवीन पुल पर पहुंचा, और थोड़ी देर इधर उधर देखकर उसने गंगा में छलांग लगा दी। नीचे बैठे गोताखोर शब्बीर, आलम और वारिस ने तुरंत गंगा में कूदकर डूब रहे युवक को बचा लिया। घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने इसकी जानकारी चांद के परिजनों को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि युवक ने गम्भीर बीमारी के चलते ये कदम उठाया।

जीत का जश्न पड़ा महंगा, हुई जेल

सफीपुर उन्नाव। नवनिर्वाचित प्रधान पति को समर्थको के साथ जीत का जश्न मनाना महगा पड़ गया। सीओ ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच प्रधान पति सहित तीन लोगो को हिरासत में ले लिया। सीओ डा. बीनू सिंह ने बताया की निर्वाचन व कोरोना गाइड लाइन का उलंघन कर रहे प्रधानपति पर विधिक कार्यवाही की जा रही है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के उनवा गांव में नव निर्वाचित ग्राम प्रधान आफरीन के पति रिजवान व फुरकान, गिलानी अपने सैकड़ो समर्थको के साथ गांव में जुलुस निकाल कर घर के बाहर जीत का जश्न मना रहे थे। तभी विपक्षियों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस बल के साथ सीओ डा. बीनू सिंह ने प्रधान पति रिजवान व उसके दो भाई फुरकान, गिलानी को हिरासत में ले लिया। सीओ डा. बीनू सिंह ने बताया की नवनिर्वाचित प्रधानपति ने निर्वाचन व कोरोना महामारी गाइड लाइन का उलंघन कर जुलुस निकाल जीत का जश्न मना रहे थे। जिसे हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ब्लाक प्रमुख पदों के लिये खेला शुरू

कानपुर देहात। ब्लाक प्रमुख पदो के परिसीमन घोषित होते ही शातिर अपराधी किस्म के माफिया व पेशेवर राजनीतिक किस्म के लोगों की गोटें पहले से ही बिछ चुकी है। भ्रष्टाचार, राजनीति की काली कमाई के अतिरिक्त इन पेशेवर राजनीतिक लोगों के पास कमाई का दूसरा कोई अन्य वैध साधन नहीं है काली कमाई से गरीबों के ऑसू पोंछने का अभिनय करने वाले स्वयॅ, परिजन को निर्विरोध बीडीसी निर्वाचन के बाद करीब एक दर्जन लोगों को बीडीसी पदों पर निर्वाचित कर विपक्ष में रहने के बावजूद सत्ताधारी कद्दावर भाजपा नेता के आर्शीवाद से फिर से ब्लाक प्रमुख पद का मॅसूबा पाले हुये है। भाजपा की अॅदरूनी कलह व विवाद से उनकी राह और ज्यादा आसान होती नजर आ रही है।

एचटी लाइन पर काम करते युवक झुलसा, मौत

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के कुरियनपुर इक्घरा में विगत 25 अप्रैल को एचटी लाइन में मरम्मतीकरण कार्य करने के दौरान झुलसे युवक की मौत हो गयी। मृतक की पत्नी ने लाइनमैन पर मरम्मतीकरण कार्य के दौरान एचटी लाइन में विद्युत आपूर्ति चालू करने का आरोप लगा थाने में शिकायत की है।गुड्डी पत्नी राकेश ग्राम कुरियनपुर मजरा इकघरा ने बताया कि मेरे पति राकेश पुत्र देवीदयाल निवासी ग्राम कुरियनपुर को दिनॉक 25 अप्रैल की सुबह करीब 7 बजे बिजली लाइनमैन सन्तोष पुत्र देवीचरन निवासी ग्राम इक्घरा अपने साथ घर से ले गया तथा मेरे पति को 11000 वोल्ट की लाइन के खम्भे पर चढा दिया और मेरे पति के हाईटेंशन लाइन के मरम्मतीकरण के दौरान ही लाइन को चालू करवा दिया। लाइन चालू होने मेरे पति बिजली के खम्भे से झुलस कर नीचे गिर गये गॉवा वालों की सूचना पर मुझ प्रार्थिनी ने अपने पति राकेश पुत्र देवीदयाल को गम्भीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया जहॉ उपचार के दौरान रविवार की रात्रि करीब 8 बजे मेरे पति की मौत हो गयी। प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जॉच कर कार्यवाही की जा रही है।

कोरोना को मात दी सीडीओ ने

उरई(जालौन)। मुख्य विकास अधिकारी डा. अभय कुमार श्रीवास्तव कोरोना को मात देने में सफल रहे और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ्य है। 17 वें दिन उनका एटीजिन टेस्ट कोविड निगेटिव आया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी शुभ चिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

टूटी हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से पांच बेजुवानों की मौत

जालौन (उरई)। सोमवार को खेत में चरने गये 5 गोवंश बिजली के तार के चपेट में आ गये। करेंट लगने से गोवंशों की मौत हो गई है। गोवंशों की मौत के बाद पशुपालकों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश है तथा मुआवजे की मांग कर रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐदलपुर निवासी पशुपालक गंगाराम, रामकेश व पिंटू की दुधारू गाये खेत में चरने गयी थी। सोमवार की सुबह करीब 11 बजे वह घास खाते खाते पर्वतपुरा निवासी श्याम करन के खेत में पहुंच गयी। जब घास खा ही रही थी कि तभी पर्वतपुरा से ऐदलपुर जाने वाली बिजली जर्जर हाई टेंशन लाइन टूट गयी। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 4 गायों व एक साड़ की मौके पर ही मौत हो गई। गोवंशों की मौत की खबर जैसे ही पशुपालकों को हुई। वह मौके पर पहुंच गये तथा बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। पशुपालकों ने दुधारू गायों की मौत पर मुआवजा की मांग की है। इस मौके पर गंगाराम, रामकेश, पिंटू, समभीर सिंह, प्रदीप, रिंकू, बृजकिशोर, पुष्पेंद्र, मोनू आदि ग्रामीण सम्मलित थे।

नगर में शराब की कालाबाजारी चरम पर

कायमगंज फर्रुखाबाद। लॉक डाउन लगने से शराब माफियाओं व उनके गुर्गोको वारे न्यारे हो जाते है। नगर में धड़ल्ले से शराब कि काला बाजारी चल रही हैए देशी शराब 70 रुपये का क्वाटर 100 से लेकर 120 में बिक रहा हैए वही अंग्रेजी शराब का क्वाटर 150 का 200 में वियर 130 कि 180 में खूब बिक रही हैए चुनाव के कारण शराब कि अवैध विक्री चरम पर हो रही है।लॉक डाउन का आदेश कि जानकारी मिलते ही माफिया अपने गुर्गों से शराब कि पेटियां ठेके दुकान से निकलाबाकर अपने अपने ठिकाने पर पहुँचा देते है। जिससे माफिया व उनके गुर्गे आसानी से काला बाजारी करते रहते है, जिसके भी पुलिस अंजान बनी रहती है।

अज्ञात शव की हुई पहचान

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज बाईपास हाईवे पर सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आये 45 वर्षीय अज्ञात अधेड़ की पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों ने पहचान करते हुए बताया कि चंदा कमाल पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी कुर्तापुर थाना नकासा जिला संभल का रहने वाला है। जो ट्रक खलासी है। कल सुबह लघुशंका करने के लिए सड़क पार कर रहा था तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गयी थी।

पटाखे से पिता-पुत्र जख्मी

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर में सोमवार की सुबह बम फट जाने से पिता-पुत्र गम्भीर रूप से घायल हो गये जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां उनकी हालत गम्भीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार कुंवरपुर गांव निवासी मुश्ताक हुसैन का 60 वर्षीय पुत्र साबिर अपने 30 वर्षीय पुत्र अनीस के साथ आतिशबाजी का काम कर रहा था। बताते हैं कि आज सुबह लगभग दस बजे वह कुछ भारी आवाज वाले बम बना रहा था। इसी दौरान बम फट गया जिससे पिता-पुत्र गम्भीर रूप से घायल हो गये।

बिजली रही बाधित

कालपी (जालौन)। हाईटेंशन लाइन की मुख्य केबिल में ब्लास्ट होने तथा फाल्ट आने से सोमवार को कालपी नगर के 10 से अधिक मुहल्लों की आपुर्ति बाधित हो गयी। लाइनमैन तथा कर्मचारियों के द्वारा अथक प्रयासों से अलग अलग स्थानों में गड़बड़ियों को सुधारा गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

कोविड-19 की रोकथाम के हो रहे प्रयास: सीडीओ

अयोध्या। सीडीओ अनीता यादव ने इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर में कोविड.19 संक्रमण के प्रसार पर प्रभावी रोकथाम बचाव हेतु किए जा रहे कार्यों व संक्रमित व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्साय सुविधाओं के स्थिति की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने घर पर उपचार ले रहे व विभिन्न चिकित्सालयों में भर्ती कोविड.19 से संक्रमित मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली तथा घर पर उपचार ले रहे समस्त मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा मरीज के पॉजिटिव आते ही तत्काल मेडिसिन किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घर पर उपचार ले रहे मरीजों से प्राप्त फीडबैक जिन मरीजों

को मेडिसिन किट उपलब्ध नहीं है उन्हें भी तत्काल पहचान कर मेडिसिन किट उपलब्ध कराया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान कर उनकी कोविड जांच कराने तथा निगरानी समितियों द्वारा चिन्हित किए गए सिंप्टोमेटिक लोगों की जांच कराना सुनिश्चित करने तथा पॉजिटिव आने पर उन्हें तत्काल मेडिसिन किट व की। उन्होंने बताया कि जनपद में टेस्टिंग की समस्त टीमों के पास पर्याप्त आवश्यकतानुसार बेहतर चिकित्सा सुविधाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में कोविड टीकाकरण के स्थिति की भी समीक्षा संख्या में टेस्टिंग किट उपलब्ध है। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीएम एनसीआर ने की उत्तर मध्य रेलवे पर कोविड 19 स्थिति की समीक्षा

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे कोविड 19 से अपने कार्यबल की रक्षा करते हुए सुरक्षित और कुशल ट्रेन संचालन को निर्बाध रूप से बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। सतत निगरानी प्रणाली के अंतर्गत सोमवार को महाप्रबंधक विनय कुमार त्रिपाठी ने उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षों मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज झांसी और आगरा के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर मध्य रेलवे पर कोविड 19 स्थिति की समीक्षा की। रेल द्वारा रो रो तथा कंटेनर रेक के माध्यम से तरल मेडिकल ऑक्सीजन के त्वरित परिवहन सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तर मध्य रेलवे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑक्सीजन एक्स. में प्रयुक्त किए जा रहे 106 वैगनों से लैस 4 टैंक वैगन के रेक झांसी में तैयार करने के अतिरिक्त उत्तर मध्य रेलवे आक्सिजन एक्स्प्रेस के खाली एवं लोडेड रेक के तीव्र गति से परिवहन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

29 नामजद समेत 250 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा हुआ दर्ज

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के अमीनपुर गांव में निवर्तमान प्रधान व वर्तमान प्रधान गुट के बीच में हुई मारपीट में पुलिस ने निवर्तमान प्रधान गुट की तहरीर पर 29 नामजद और 250 अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। आरोप है कि नवनिर्वाचित प्रधान गुफरान के द्वारा रैली निकाली जा रही थी, उसी दौरान अचानक निर्वाचित प्रधान गुफरान गुट ने निवर्तमान प्रधान गुट पर हमला बोल दिया और घर में तोड़फोड़ किया। इस दौरान कई लोगों को चोटें आई । तहरीर के अनुसार घटनास्थल पर अलनपुर के भी कुछ लोग निवर्तमान प्रधान के गुट की तरफ से मौजूद थे, इनको भी चोट आई है। तहरीर के अनुसार वर्तमान प्रधान की तरफसे भी अलनपुर के लोग मौजूद थे। यंहा यह बात महत्वपूर्ण है कि यदि यह मारपीट सुनियोजित नही थी तो घटना स्थल पर अलनपुर के लोग क्या कर रहे थे। यंहा यह भी गौर करने वाली बात है कि

मारपीट में घायल युवक

जीता हुआ प्रत्याशी इस प्रकार से मार पीट क्यों करेगा, इस बात पर पुलिस को गौर करना चाहिए था लेकिन पुलिस ने ऐसा नही किया। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्यवाई ने अमीनपुर गांव को हमेशा के लिए दो गुट में विभाजित कर दिया है। यह वर्चश्व की लड़ाई अब यही शांत नही होने वाली है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिस के द्वारा लाठियां बरसाई गई जिसमें लोग चोटिल हुए है लेकिन पुलिस इससे इंकार कर रही है।

क्विक न्यूज

पंचायत चुनाव: मतगणना में अनुपस्थित 66 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। एक ओर कोरोना वायरस का संक्रमण तो दूसरी ओर पंचायत चुनाव की मतगणना। कोरोना के चलते पहले चुनाव कराने और फिर अब मतगणना कराने में जिला प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस कार्य में कर्मचारी ड्यूटी से भी बचते रहे। ऐसे में जिला प्रशासन को सख्ती भी करनी पड़ी। रविवार की सुबह मतगणना में न जाने के कारण सीडीओ ने तीन थानों में 66 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सीडीओ शिपू गिरि ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार चुनाव आवश्यक कार्य है। इस कार्य को करने से सरकारी कर्मचारी इंकार नहीं कर सकते हैं। वैसे जिन कर्मचारियों को कोई परेशानी थी। उनको पहले ही छूट दी जा चुकी है। जो कर्मचारी आज रविवार को मतगणना करने के लिए नहीं आए। उनके खिलाफ अब मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही विभागीय कार्यवाई की जा रही है। कौड़िहार ब्लाक में 25 मतदान कर्मचारी अनुपस्थित थे। निर्वाचन अधिकारी कौड़िहार ने नवाबगंज थाने में उनके खिलाफ तहरीर दी है। इसी प्रकार जसरा ब्लाक के निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह सचान ने 27 कर्मचारियों के खिलाफ घूरपुर थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि फोन पर सूचना देने के बावजूद ये कर्मचारी नहीं आए। वहीं मांडा ब्लाक में 14 कर्मचारियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

चुनौतीपूर्ण समय में सभी की सहभागिता बहुत जरूरी

प्रयागराज। देश भर में चल रहे भयानक स्वास्थ्य संकट यानी कोरोना महामारी के मद्देनजर कोविड 19 राहत प्रयासों में सहायता करने और ऑक्सीजन प्राप्त करने में मदद करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को वीवो ने दो करोड़ रुपए के सहयोग की घोषणा की है। जब देश में कोविड 19 के कारण बेहद चुनौतीपूर्ण समय चल रहा है। ऐसे में नावेल कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में योगदान करना चाहता है। भारत और उसके लोगों के लिए प्रतिबद्धता को लगातार दोहराते हुए वीवो इंडिया के ब्रांड स्ट्रेटेजी डायरेक्टर निपुण मार्य ने कहा कि विकट परिस्थितियों में हम सभी एक साथ हैं। कोविड 19 को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ना चाहिए। इससे पहले वर्ष दो हजार बीस में कंपनी ने राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को नौ लाख मास्क पंद्रह हजार पीपीई सूट और पचास हजार लीटर सैनिटाइजर प्रदान किया था।संकट के समय में समाज की मदद करने के लिए आगे आ रहा है। यह छोटा सा योगदान कई लोगों की जान बचाने में मदद करेगा। इस चुनौतीपूर्ण समय से उबरने के लिए जबरदस्त संकल्प शक्ति का प्रदर्शन करना होगा। महामारी से लड़ने के लिए सरकार के प्रयासों में सहयोग करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

58 लोग स्वस्थ हुए , 41 में मिला संक्रमण

अंबेडकरनगर। जिले में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है । सोमवार को तीन लोगों के निधन के साथ ही मृतकों का आंकड़ा 79 पर पहुंच गया है। इसके साथ ही 41 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि 58 लोग स्वस्थ हुए हैं। जिले में मौजूदा समय में सक्रिय मरीजों की संख्या 826 है। जानकारी के अनुसार बेवाना थाना अंतर्गत उदयपुर निवासी विमला तिवारी 70 पत्नी श्रीपाल व सलेमपुर परसावा टांडा निवासी सुमित्रा मिश्रा पत्नी महेंद्र की सांस फूलने के कारण मौत हो गई। जिला मुख्यालय के पटेल नगर क्षेत्र में रहने वाले दुर्गा मेडिकल स्टोर के संचालक मुकेश विश्वकर्मा के पिता राधेश्याम विश्वकर्मा का भी कोरोना संक्रमण के कारण मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। मौजूदा समय में जांच प्रक्रिया कम होने के कारण संक्रमित लोगों की संख्या में कमी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि मतगणना के कारण जांच कार्य प्रभावित हो रहा है।

बड़ी संख्या में आये ग्राम प्रधानों के परिणाम

अंबेडकरनगर। रविवार से शुरू हुई मतगड़ना के उपरांत लगभग दो दर्जन ग्राम पंचायतों के परिणाम अभी तक घोषित किये जा चुके हैं। ग्राम पंचायत अढनपुर से माधुरी कनौजिया, धरमगंज से सुनीता, भीटी से रामप्रकाश निषाद, चंदापुर से कौशल्या, नगहरा से इंद्रावती ,मधुपुर मीरानपुर से निर्मला ,खरगपुर से गिरीशा मानिकपुर से सीमा, जैतपुर से शालिकराम ,पीठापुर से पुन्नवासी, अर्जुनपुर से विपुल, जलालपुर से माधव, चतुरी पट्टी से संजय वर्मा, पूरे दरबार से बबली, गोविंदा पुर से सीता वर्मा ,सया से बंदना, पिगिरियावा से उमावती, नरहरपुर से प्रभाकर सिंह ,बेला से प्रदीप सिंह,केवारी परमानंद से अतुल सिंह , बिलोलपुर से अनिल कुमार ,बेलबना से कंचन ,मल्लेपुर से तेज बहादुर, दुल्लापुर से रामचंद्र ,लोहझरा से अंजू ,ऊजीपारा से अनीता, आमी से सुषमा यादव ,बसोहरी से शारदा ,दहेमा से नीलम, जैतूपुर से राधेश्याम ,परियाये से रीता देवी, इटवां से अनुराधा, दिलावरपुर से बिंदु देवी, कंदरियावा से शांति, बीबीपुर सिटकहवा से कन्हैया लाल ग्राम प्रधान का चुनाव जीत चुके हैं।

विधायक की सास व जेठानी हारी

अंबेडकरनगर। आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में परिणाम बेहद उलटफेर भरे सामने आ रहे हैं। भाजपा विधायक अनीता कमल की सास एवं पूर्व विधायक त्रिवेणी राम की पत्नी भानमती जहांगीरगंज विकासखंड के मखदूमपुर वार्ड से चुनाव हार गई हैं। वहीं अक्थरा नारायणपुर गांव से विधायक अनीता कमल की जेठानी गीता देवी चुनाव हार गई हैं। इस सीट पर विधायक अनीता कमल एवं पूर्व विधायक त्रिवेणी राम की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। दोनों क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिये मैदान में थी। हार के साथ ही उनका ब्लॉक प्रमुख बनने का सपना टूट गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 जुलाई को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश अनुसार कोविड 19 के बढ़ते हुए संक्रमण के कारण 08 मई 2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित करते हुए अब 10 जुलाई 2021 को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी प्रज्ञा सिंह द्वितीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई है।

आरएसएस ने तीमारदारों के लिए शुरू की सेवाएं

प्रयागराज। प्रयागराज में वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर कोविड मरीजों के तीमारदारों की नि:स्वार्थ सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस ने नर सेवा नारायण सेवा के तहत मदद का बीड़ा उठाया है। आरएसएस के सेवा विभाग प्रयाग महानगर विभाग की ओर से स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के पास स्थित आदर्श उत्तर प्रदेश माध्यमिक विद्यालय सीपीआई परिसर में तीमारदारों के रहने के लिए सात कमरों 50 बेड की व्यवस्था शुरू की है। व्यवस्था के मद्देनजर दो कमरों में महिला तीमारदारों के लिए अलग से बेड की व्यवस्था है। सेवा विभाग के बैनरतले अस्पतालों में रह रहे मरीजों के तीमारदारों के रहने एवं भोजन की व्यवस्था है। दोपहर बारह बजे से दो बजे और सायं सात बजे से नौ बजे तक भोजन तथा औषधि युक्त काढ़ा एवं चाय की व्यवस्था की गई है। इसके लिए बाकायदा हेल्पलाइन नंबर 9696797603 जारी किया गया है। तीमारदारों के लिए की गई व्यवस्था का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

वैश्विक महामारी में मानवता की मिसाल बन रही है कायस्थ धर्मसभा

अयोध्या। महामारी काल में शायद किसी व्यक्ति के अंतिम संस्कार की व्यवस्था से बड़ी कोई और मानवीय और सामाजिक सेवा नहीं हो सकती। आज जब वैश्विक महामारी से समाज में हाहाकार मचा हुआ है, तब इस दौर में भी कुछ ऐसी संस्थाएं हैं जो बगैर सुगबुगाहट बड़े सलीके से इस पुण्य कार्य को अंजाम दे रही हैं।

इन्हीं संस्थाओं में से एक नाम का एक नाम कायस्थ धर्म सभा का भी है, जो विगत कई दिनों से रामनगरी अयोध्या के शमशान घाट और शहर के यमथरा घाट पर महामारी की भेट चढ़ने वाले लोगों के परिजनों को अंतिम संस्कार का संसाधन उपलब्ध करा रही है। इस संपूर्ण व्यवस्था को सुनियोजित तरीके से विस्तार पूर्वक संपन्न कराने के लिए धर्म सभा की ओर से बाकायदा स्टाल लगाकर और प्रचार माध्यमों से संपर्क सूत्र प्रसारित करने का भी कार्य भी किया जा रहा हैए जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों को धनसर धर्म सभा की ओर से इस व्यवस्था का लाभ दिलाया जा सके।

सोमवार को एक मुलाकात के दौरान धर्मसभा पदाधिकारी विश्व दीपक श्रीवास्तव व सत्येंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थ धर्म सभा लमबे समय से सामाजिक व

मानवीय सरोकारों के प्रति समर्पित रहने वाली संस्थाओं में शामिल रही है। धर्मसभा द्वारा लगातार सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। महामारी का यह समय ऐसा भयावह समय है जिसमें लोग अंतिम संस्कार के संसाधनों तक की आस लगाए हुए हैं। ऐसे में धर्मसभा द्वारा यह निर्णय लिया गया कि जरूरतमंदों की मदद के लिए धर्मसभा हर स्तर से तत्पर रहेगी।इसी क्रम में इस मुहिम की शुरुआत की गई है।

इस मुहिम के तहत कायस्थ धर्मसभा द्वारा असहाय लोगों के शव संस्कार में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का नि:शुल्क सेवा अयोध्या धाम घाट एवं यमथरा घाट अयोध्या में किया जा रहा है। इस कार्य में जरूरतमंद लोगों को अंतिम संस्कार के लिए हर आवश्यक चीजें उपलब्ध कराई जा रही है दोनों स्थानों पर लगाए गए स्टालों में लगाए गए फ्लेक्स पर संपर्क सूत्रों का भी मुद्रण कराया गया है और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रचार.प्रसार किया जा रहा है जिससे कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति आपात स्थिति में धर्म सभा पदाधिकारियों से संपर्क कर सके उन्होंने बताया कि इस कार्य में सत्येन्द्र श्रीवास्तव, सत्येन्द्र जी, ओम भास्कर, सतीश सहाय, विनोद श्रीवास्तव, कार्तिकेय, सुशील जी, महेश जी एवं अन्य सेवादारों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पूरा जिला पंचायत वार्ड दो व तीन से भाजपा की जीत

अयोध्या। विधानसभा अयोध्या के ब्लाक पूरा के जिला पंचायत वार्ड दो व तीन से भाजपा की विजय होने पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने जनता को धन्यवाद कहा है। पूरा द्वितीय से रोली सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी शम्भूनाथ सिंह दीपू को 3958 मतो तथा देवता पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी ज्ञानचंद यादव को 2800 मतो से पराजित किया है। महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि विपक्ष अब गुमराह करने की राजनीति पर उतर आया है। जनता से संवाद करके विपक्ष की गुमराह करने वाली राजनीति का जवाब दिया जायेगा। कोविड.19 का यह आपातकाल है। हमारी एकता व एक दूसरे की मद्द करने की प्रवृति निश्चय ही इस महामारी से हमें विजय प्रदान करेगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। निश्चय ही कोरोना का यह संकट हमारे लिये परीक्षा की घड़ी है। हमारा आत्म विश्वास और सबको साथ लेकर चलने की परिकल्पना हमें इस परीक्षा में शत प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण करेगी। महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। संवाद में बड़ी शक्ति होती है। पार्टी के कार्यकर्ताओं से जनता से संचार के विभिन्न माध्यमों से जुड़े रहने के लिए कहा गया है।

जीत की खुशी व हार के गम के साथ चल रही मतगणना

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना का परिणाम आने के बाद चुनाव जीते हुए प्रत्याशियों के खेमे में खुशी तो हारे हुए प्रत्याशियों के खेमे में गम के बादल छाए रहे। विकासखंड बसखारी में कुल 69 ग्राम सभा के लिए मतदान का कार्य का बीते 29 अप्रैल को संपन्न हुआ था जिसमें 69 ग्राम पंचायत प्रधान, 96 बीडीसी सदस्य एवं 879 ग्राम पंचायत सदस्य के साथ चार जिला पंचायत के सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई थी।

विकासखंड बसखारी के डॉक्टर परशुराम दीनबंधु परशुराम महाविद्यालय में जारी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के दूसरे दिन कुल 69 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 47 प्रधान पदों, 96 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सापेक्ष 55 के परिणाम शाम 5.30 बजे तक आ चुके थे। जिसमें प्रधान पद के लिए जमऊपुर से आदित्य तिवारी 13 मतों से, बनियानी से विजयमणि 24 मतों से,बसहिया से सितारा देवी 74 मतों से,मसड़ा मोहनपुर से पूनम गुप्ता 290 मतों से, तिलकारपुर से कंचन देवी 5 मतों से, जैनूद्दीनपुर से जनजीत मौर्य 153 मतों से, मेंढ़ीसुलेमपुर से राम मिलन 115 मतों से, फूलपुर से जयराम 197 मतों से, मकोइयां से नगमा खातून 56 मतों से, कटया गंजन से रामधनी 248 मतों से, वीवीपुर से दुर्गाविजय सिंह 7 मतों से,दौलतपुर हाजलपट्टी से संदीप यादव 481 मतों से,नसीराबाद से अनीता 76 मतों से,टड़वा मिश्र से सुमन मिश्रा 10 मतों से, छांगुरपुर मिश्रौलिया से राम मुसाफिर, बढ़ियानी कलां से राजमणि उपाध्याय, रामडीह सराय से अंकिता यादव 261 मतों से,तरौली मुबारकपुर नीलम मिश्रा, साबुकपुर पूनम,बर्गी निजामपुर से पूनम, नौरहनी रामपुर से बंदना, दायमपुर से पंकज,अरूसा आजमपुर चंद्रावती, मोहम्मदपुर साबुकपुर से राजन कुमार, उमरापुर मीनापुर से राकेश कुमार, डोडों ऐदिलपुर-से मोहम्मद आसिफ, नरायनपुर प्रीतमपुर से कलावती, समसुद्दीनपुर से रोशन लाल, पिपरी बिशुनपुर से मत्ती देवी, बेलापरसा से राजाराम, भिदूण से पूनम निषाद, हरसम्हार से सोमवती, हंसवर से कन्हैयालाल, केवटला से अनीता, पृथ्वीपुर से दिलीप कुमार,फरीदपुर सैफन से मनोज कुमार, औझीपुर से भानचंद, बजदहिया पाईपुर से साधना, रामपुर बेनीपुर से गंगेश कुमार, शंकरपुर बिशुनपुर से इसरावती, मोतिगरपुर से धर्मेंद्र कुमार, नरकटा बैरागीपुर से अमिता, अजमेरी बादशाहपुर से सोमपत्ती वर्मा, कल्यानपुर ऊदनपुर से माया सिंह, हुसैनपुर गिरंट से आकांक्षा, फाजिलपुर उसका से कृष्णावती, जल्लापुर साबुकपुर से मिथिलेश सिंह प्रधान पद के लिए निर्वाचित घोषित किए गए हैं। तो वही 96 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में 55 के परिणाम घोषित किए गए जा चुके थे।

साथ ही चार जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतगणना की प्रक्रिया जारी है। वहीं शेष प्रधान ,क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के सदस्यों के परिणाम के आने की संभावना देर रात तक बताई जा रही है। विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों के निर्वाचित होने की खबर से जहां उनके समर्थकों में खुशी छाई रही तो वही हारे हुए प्रत्याशियों के खेमे मे गम के बादल छाए रहने जैसा नजारा देखने को मिला।

प्रेम मिश्र जिले के सबसे कम उम्र के प्रधान निर्वाचित

- जमुनीपुर ग्राम पंचायत से सुभाष वर्मा व छितूनी से पंकज वर्मा ने दर्ज की जीत
- डोमनेपुर ग्राम मे 83 मतो से दर्ज की जीत

प्रेम मिश्र-प्रधान डोमनेपुर, सुभाष वर्मा प्रधान जमुनीपुर

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना जिले के सभी 9 विकास खंडों पर रविवार को प्रारंभ हो गई। भारी अव्यवस्था के बीच शुरू हुई मतगणना के परिणाम दोपहर बाद आने शुरू हो गए। कटेहरी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोमनेपुर के निर्वाचित प्रधान प्रेम मिश्रा जिले के सबसे कम उम्र के प्रधान निर्वाचित हुए हैं। प्रेम मिश्रा पुत्र ओमप्रकाश निवासी दुल्लापुर ग्राम सभा डोमनेपुर 394 मत प्राप्त कर 83 मत से विजयी हुए। दूसरे नंबर पर राम आशीष वर्मा रहे, उन्हें 311 मत मिला। डोमनेपुर में प्रेम को 122 मत व राम आशीष को 198 मत मिला था। दुल्लापुर में प्रेम को 272 व राम आशीष को 113 मत मिला। निवर्तमान प्रधान डब्बू को 260 मत मिला वे तीसरे नंबर पर रहे। वहीं अकबरपुर ब्लाक के जमुनीपुर ग्राम पंचायत से युवा नेता सुभाष वर्मा ने प्रधान पद पर जीत दर्ज की। अकबरपुर ब्लाक के छितूनी ग्राम पंचायत से पंकज वर्मा ने महज 5 वोटो से जीत दर्ज की। जहांगीरगंज विकास के अंतर्गत ग्राम पंचायत नरवा पितांबरपुर हजजीपुर से ब्राह्मण महासभा सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष हरिओम तिवारी उर्फगुड्डू तिवारी की पत्नी आरती तिवारी निर्वाचित घोषित हो गई हैं। इसके अलावा टांडा विकासखंड के मदारपुर से शाह आलम, बसंतपुर से अमित पांडे ,अमीनपुर से गुफरान निर्वाचित घोषित किए गए हैं। रामनगर विकास खण्ड के गोहनारपुर से सुधाकर प्रजापति चुनाव जीत गए हैं। शाहपुर औरॉव से रामसुख तथा तिगरा दाउदपुर से रिंकी देवी व राउतपारा से संगीता देवी निर्वाचित हुई हैं। जहांगीरगंज के भूपतिपुर कौड़हरा से रामकिशन गुप्ता, असनारा से नीरज यादव व जल्लापुर से मंजुला यादव चुनाव जीत गई है। इसके अलावा बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत प्रधानों के परिणाम भी घोषित किए जा चुके हैं तथा मतगणना का कार्य जारी है।

हाईकोर्ट की कमेटी ने बंदियों के रिहाई की बनाई योजना

- कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए लिया गया फैसला

प्रयागराज। प्रदेश की जेलों में कोरोना संक्रमण फैलने पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव की अध्यक्षता में गठित हाईपॉवर कमेटी ने सजायाफ्ता कैदियों और विचाराधीन बंदियों की रिहाई की योजना बनाई है। साथ ही न्यायिक अधिकारियों को जेलों में जाकर इस योजना के तहत कैदियों और बंदियों को 60 दिन के पेन्डेमिक पेरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा करने की कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। कमेटी ने महानिदेशक कारागार से उन कैदियों का डाटा मांगा है जो कारावास पूरा करने के बाद अर्थदंड न जमा कर पाने के कारण जेल में हैं। ताकि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उनके जुर्माने का भुगतान कर उन्हें रिहा किया जा सके। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव की अध्यक्षता में सदस्य प्रमुख सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी और महानिदेशक कारागार आनंद कुमार की कमेटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोरोना संक्रमण की निगरानी के लिए गठित की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के महानिबंधक आशीष गर्ग को पत्र लिखकर कमेटी की योजना का अनुपालन कराने का आग्रह किया है। पत्र में सभी जेल अधीक्षकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के लगातार संपर्क बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है। प्रदेश स्तरीय निगरानी टीम भी बनी है। जिसे जेलों में जाकर न्यायिक अधिकारियों की कार्यवाही की रिपोर्ट 15 मई तक हाईपॉवर कमेटी को सौंपने को कहा गया है। हाईपॉवर कमेटी की अगली बैठक 22 मई को होगी।

योजना के तहत 30 मई तक बंदियों को कोर्ट में पेश पर रोक लगा दी गई है। उनकी पेशी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से ही की जाएगी। जो कैदी पेरोल पर हैं। उनका पेरोल अगले 60 दिन के लिए बढ़ा दिया जाएगा। जो शांतिपूर्ण पेरोल के बाद समर्पण कर चुके हैं। उन्हें फिर से 60 दिन का पेरोल दिया जाएगा। जो सात साल से कम सजा के अपराध में जेल में हैं। उन्हें 60 दिन का विशेष पेरोल या अंतरिम जमानत दी जाएगी बशर्ते उनके विरुद्ध जेल में प्रतिकूल कार्यवाही न की गई हो। जो कैदी 2020 21 में या पांच साल के भीतर कभी पेरोल पर छूटे हों। उन्हें भी 60 दिन का पेन्डेमिक पेरोल दिया जाएगा। जिन कैदियों की अर्जी सरकार के समक्ष लंबित है। उस पर एक सप्ताह के भीतर 60 दिन के पेरोल पर रिहाई का फैसला लिया जाएगा। प्राधिकरण ने एसपी और जिलाधिकारी को पेन्डेमिक पेरोल देने का आंकलन करने को कहा है। प्राधिकरण ने पत्र में कहा है कि न्याय प्रशासन के हित में लोक शांति सुरक्षा और संरक्षा बनाए रखने के लिए जेलों में बंद 65 साल से अधिक के पुरुष व महिला कैदियों 50 साल से अधिक की महिला कैदियों सजायाफ्ता गर्भवती महिलाओं कैंसर हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त सभी कैदियों को 60 दिन का पेरोल पाने का हक है।

खुशियों के आंगन में मातमी चीत्कार

बेटे की शादी कर लौटे अधेड़ की करंट की चपेट में आकर मौत

पायनियर समाचार सेवा। नैनी प्रयागराज

बेटे की बारात लौटने के बाद घर में पूजा के लिए आम की टहनी तोड़ने गए दूल्हे के पिता की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद खुशी के माहौल में मातम छा गया। औद्योगिक क्षेत्र के मवइया गांव निवासी अशोक निषाद 45 पुत्र गेंदा लाल के बेटे की बारात गई थी। बारात वापस लौटने के बाद सोमवार को घर मे पूजन होना था। जिसकी तैयारी चल रही थी। पूजन के लिए अशोक लोहे की पाइप लेकर आम की टहनी तोड़ने गए थे। पत्ती तोड़ने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घरवाले सारी तैयारी छोड़कर मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी औद्योगिक पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया। अधेड़ की मौत से खुशी वाले घर मे मातम छा गया।

नैनी के युवा कोरोना से जूझ रहे परिवारों का बन रहे सहारा

नैनी, प्रयागराज। कोरोना की दूसरी लहर पैर पसारती जा रही है। नैनी के युवाओं की एक टीम बड़ी हिम्मत से इस महामारी को मुंह तोड़ जवाब दे रही है। राहुल बनर्जी श्रेया शुक्ला एवं हिना खान दिन रात कोरोना से जूझ रहे परिवारों के लिए तत्परता से खड़े हैं। कई दिनों से निरंतर स्वरूप रानी हॉस्पिटल में मरीजों के तीमारदारों के लिए निशुल्क भोजन एवं पानी वितरण का कार्यक्रम चला रखा है। भोजन की पैकिंग एवं बनवाई दी इंस्टा कैफे के कुशल टीम द्वारा किया जा रहा। टीम में अथर्व आदित्य कुलदीप शेफ आदर्श विशाल दीक्षा श्रीवास्तव एवं रक्षा श्रीवास्तव जैसे मेहनती युवा दिन रात समाज के लिए लगे हुए हैं।

रेलवे ने दीमापुर में तैनात किए दस आइसोलेशन कोच

प्रयागराज। कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्र की क्षमताओं को मजबूत करते हुए रेल मंत्रालय ने बहुआयामी पहलों के बीच करीब 64 हजार बेड साथ लगभग चार हजार आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है। पीआरओ ने बताया कि राज्यों के साथ साझा रूप से काम करने और यथासंभव सामंजस्यपूर्ण जल्द कार्यवाही के लिए एक आदेश को लेकर अपने समझौता ज्ञापन को पूरा करने के लिए रेलवे ने जोनों और डिवीजनों को सशक्त बनाने की एक विकेंद्रीकृत कार्य योजना तैयार की है। आइसोलेशन कोचों को आसानी से स्थानांतरित और भारतीय रेल नेटवर्क पर मांग के स्थानों पर तैनात किया जा सकता है। राज्यों की मांग के अनुसार वर्तमान में कोविड मरीजों की देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों को लगभग 3400 बेड की क्षमता के साथ 213 कोच सौंपे गए हैं। मौजूदा समय में आइसोलेशन कोचों का इस्तेमाल दिल्ली महाराष्ट्र अजनी आईसीडी नंदुरबार मध्य प्रदेश इंदौर के करीब तीही में किया जा रहा है। नवीनतम मांग नागालैंड की राज्य सरकार की ओर से आइसोलेशन कोचों के लिए आया है। इसके अनुरूप रेलवे ने दीमापुर में दस आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है। इसके अलावा रेलवे ने उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों जैसे फैजाबाद भदोही वाराणसी बरेली और नजीबाबाद में भी 50 कोच लगाए हैं। वहीं जिला प्राधिकारियों की मांग पर आइसोलेशन कोचों को नंदुरबार से पालघर स्थानांतरित किया गया है। जबलपुर के लिए भी आइसोलेशन कोच तैनात किए जा रहे हैं। दिल्ली उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में तैनात इन कोचों की उपयोगिता की अद्यतन स्थिति इस प्रकार है। आज की तिथि में महाराष्ट्र के नंदुरूबार में पिछले कुछ दिनों में छह नए मरीजों को भर्ती किया किया है।

जबकि तीन मरीज को आइसोलेशन अवधि के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। अभी इस सुविधा में 35 कोविड मरीज आइसोलेशन में हैं। अब तक राज्य स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा 95 भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। जबकि 60 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अभी भी 330 बेड उपलब्ध हैं। इसके अलावा रेलवे ने अजनी इनलैंड कंटेनर डिपो आईसीडी में 11 कोविड केयर कोचों चिकित्सा कर्मियों एवं आपूर्ति के लिए विशेष रूप से सेवा देने वाले एक कोच के साथ को लगाया है। मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दो कोचों की मांग के संबंध में पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन ने इंदौर के पास तीही स्टेशन पर 320 बेड की क्षमता वाले 22 कोच तैनात किए हैं। अब तक यहां 12 मरीज भर्ती हो चुके हैं। अभी 308 बेड उपलब्ध हैं। वहीं भोपाल में 20 कोच तैनात किए गए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इनमें 4 डिस्चार्ज के साथ 21 मरीजों को भर्ती किया गया। यहां अभी 275 बेड उपलब्ध हैं। रेलवे ने दिल्ली में 1200 बिस्तरों की क्षमता के साथ 75 कोविड केयर कोचों की राज्य सरकार की मांग को पूरा किया है। इनमें से 50 कोच शकूरबस्ती और 25 कोच आनंद विहार स्टेशन पर तैनात हैं। अब तक इनमें एक मरीज को डिस्चार्ज किए जाने के साथ चार भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। 1196 बेड अभी भी उपलब्ध हैं।

कोरोना का संकट

खराब हुई छवि

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में भारत की छवि को भारी धक्का लगा है। समय आ गया है कि हम दुनिया को अपनी असली शक्ति दिखा दें। विदेशी मीडिया ने कोविड-19 को सनसनी की तरह पेश कर हमें दुनिया अश्पृश्य जैसा बना दिया है। महामारी फैलने के कारण नई दिल्ली से हवाई संपर्क तोड़ लिए गए हैं और भारत इस समय ऐसी चुनौती का सामना कर रहा है जैसी स्वतंत्रता के बाद बहुत कम आई है। किसी महामारी, विदेशी आक्रमण या घरेलू अव्यवस्था के कारण आर्थिक मंदी का कुछ समय सामना करना एक बात है, लेकिन इस आयाम की विभीषिका का सामना करना एकदम अलग है। बढ़ते मामलों और मौतों के कारण स्वाभाविक रूप से विदेशी मीडिया ने अपना फोकस ट्रंप युग की समाप्ति के बाद अमेरिका में मची अफरातफरी के बाद अब भारत पर कर लिया है। ट्रंप अपने कार्यकाल में खबरों की भूखी मीडिया को काफी मसाला देते रहते थे, पर अब महामारी पर नियंत्रण के बाद व्हाइट हाउस पर मीडिया का ज्यादा ध्यान नहीं है और वैश्विक खबरिया मीडिया ने अपना ध्यान तेज घटनाक्रम वाले भारत की ओर मोड़ दिया है। फुटपाथों पर मर रहे मरीजों, कुत्तों के श्मसान में अंतिम संस्कार, अस्पतालों में बिस्तरों व आक्सीजन सिलिंडरों की कमी तथा ब्लैक मार्केट में 10 गुना दाम पर बिक रहे रेमेडेसेविर इंजेक्शनों की दु:खद खबरों ने मीडिया में जगह बना ली है। कुछ राज्यों द्वारा सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने के खिलाफ तुगलकी आदेशों से मामला और खराब हो गया है। महाकुंभ और विधानसभा चुनावों ने विदेशी मीडिया को धर्म और राजनीति का एक काकटेल परोस दिया है।

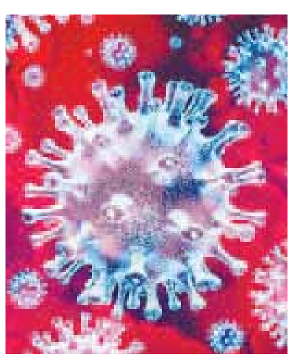

संदेहवादी विदेशी मीडिया कवरेज को पूर्वाग्रही व षडयंत्र से प्रेरित कह सकते हैं, पर तथ्य यह है कि पश्चिमी मीडिया अपनी प्रकृति से साधारण चीजों को सनसनीखेज तरीके से पेश करता है। ऐसे में वे यह अवसर क्यों छोड़ेंगे जहां सभी प्रकार की चीजें हैं। इसके परिणामस्वरूप दर्जनों देशों ने भारत से संपर्क काट लिए हैं और अपने नागरिकों को घर लौटने के लिए कहा है। बिगड़ते स्वास्थ्य ढांचे और अराजकता के कारण भारत को आज अश्पृश्य देश की तरह देखा जा रहा है। यह वही देश है जो कोरोना-पूर्व के दिनों में दुनिया की महाशक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभरा था। लेकिन कोरोना ने जल्दी ही इस छवि को एकदम उलट दिया है। विदेशी मीडिया में हो रही बहस में ज्यादातर ध्यान सुशासन के कथित अभाव पर दिया जा रहा है, वहीं इस तथ्य को अनदेखा किया गया है कि सड़कों पर चलने वाले लोग भी वायरस के प्रसार के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

यह स्पष्ट है कि हम भारतीय प्रोटोकालों और निर्देशों का पालन तभी करते हैं जब इनको दंडात्मक उपायों के माध्यम से हमारे ऊपर थोप दिया जाता है। ऐसे में यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि हमारे नेताओं ने भी आत्मानुशासन का उदाहरण नहीं पेश किया है। लेकिन इसमें कुछ भी नया नहीं है। भारत इस समय एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसमें नेताओं और आम जनता को एकसाथ आ कर उपयुक्त कदम उठाने चाहिए तथा यह छवि बदलने का प्रयास करना चाहिए। विश्व समुदाय को सही संदेश देने के लिए मजबूत राजनीतिक एकता स्थापित करना अत्यधिक दूरगामी कदम होगा। समय आ गया है कि सभी पार्टियों को समझना होगा कि देश उनके राजनीतिक लक्ष्यों से बड़ा है। वे और केवल वे ही जनता को लामबंद कर सकते हैं कि दुनिया में हमारी खराब हो रही छवि ठीक करने की दिशा में उचित कदम उठाए जाएं।

छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

न केवल छोटी फर्मों को धन मुहैया कराने के लिए बल्कि वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में उनकी मदद करने अनुकूल नीतियां बनाने की आवश्यकता है।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

किसी भी व्यवसाय की जीवन रेखा वित्त है। धन का आवंटन और उपयोग – तकनीकी रूप से पूंजी बजट के रूप में जाना जाता है – किसी भी व्यवसाय के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में से एक है। लेकिन क्या यह निर्णय बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी कंपनियों के लिए अलग है? बड़े उद्यमों की तुलना में छोटे उद्यमों में पूंजी का आवंटन अक्सर अधिक महत्वपूर्ण होता है – पूंजी बाजारों तक उनकी कमी को देखते हुए – क्योंकि गलती को ठीक करने के लिए आवश्यक धन उपलब्ध नहीं हो सकता है। इसके अलावा, बड़ी कंपनियां कई परियोजनाओं के लिए पूंजी आवंटित करती हैं, इसलिए एक में गलती दूसरों में सफलता से ऑफसेट हो सकती है।

जबकि पूंजी निवेश छोटी फर्मों के लिए एक प्रासंगिक क्षेत्र है, पिछले चार दशकों के दौरान किए गए अधिकांश अध्ययनों में बड़े उद्यमों के पूंजीगत बजट निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और छोटे संगठनों के लिए समान सबूत मौजूद नहीं हैं। इसलिए, छोटे व्यवसायों के पूंजी बजट प्रथाओं के बारे में बहुत कम जाना जाता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में छोटी कंपनियों के अनुपात और महत्व को देखते हुए और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संसाधनों के अधिक कुशल उपयोग के लिए उनकी निरंतर प्रेरणा के लिए, छोटी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विधियों पर जानकारी की निश्चित आवश्यकता होती है ताकि उनकी दुर्लभ पूंजी जमा और आवंटित की जा सके।

लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) क्षेत्र किसी भी बढ़ती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे विकास के इंजन के रूप में पहचाना जाता है – लगभग 70 प्रतिशत रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान। इस क्षेत्र के योगदान को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से देखा जा सकता है, जो दर्शाता है कि यह विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवाओं से सकल घरेलू उत्पाद में 24.6 प्रतिशत योगदान देता है। इसके अलावा, भारत से कुल निर्यात में इसकी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है और लगभग 120 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह 8,000 से अधिक विविध उत्पादों का विनिर्माण करता है, जिसमें कम-तकनीकी वस्तुओं से लेकर तकनीकी रूप से उन्नत वाले भी शामिल हैं। विश्व स्तर पर, दुनिया के सभी उद्यमों का 99.7 प्रतिशत एसएमई है और शेष 0.3 प्रतिशत बड़े पैमाने पर उद्यम हैं। भारत में एसएमई क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों का 95 प्रतिशत हिस्सा है। चूंकि यह क्षेत्र किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है, इसके अस्तित्व के लिए उचित वित्तीय प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि वित्तीय समस्याएं अक्सर छोटे व्यवसायों की विफलता का एक प्रमुख कारण होती हैं। दो प्रमुख समस्याएं, अंडरकैपिटलाइजेशन और बाहरी वित्त सहायता प्राप्त करने में कठिनाई, अक्सर खराब वित्तीय प्रबंधन से संबंधित होती हैं। गरीब और कुछ मामलों में पारंपरिक ऋण देने के स्रोतों से लाभ उठाने के लिए उचित वित्तीय रिकॉर्ड रखने वाली छोटी फर्मों की कमी है क्योंकि ये व्यवसाय उनकी वित्तीय व्यवहार्यता को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं। स्टार्ट-अप चरण में कई एसएमई, एक व्यवसाय के संचालन की लागत को कम करते हैं और इस प्रकार नकदी प्रवाह और आवश्यक परिचालन पूंजी की मात्रा का प्रबंधन करने में विफल होते हैं। कई अध्ययनों ने एसएमई प्रदर्शन और विशिष्ट वित्तीय प्रथाओं के बीच सहयोग के अस्तित्व को स्थापित करने का प्रयास किया है। सबूत बताते हैं कि एसएमई द्वारा सफल वित्तीय प्रदर्शन का वित्तीय मामलों के प्रभावी प्रबंधन, जैसे कि नियोजन, वित्तीय रिकॉर्डों का रखरखाव, बाहरी वित्त प्राप्त करना, पेशेवर वित्त सलाह और अन्य कारकों के साथ एक सकारात्मक जुड़ाव है।

पूंजी बजट सिद्धांत कुछ मान्यताओं पर आधारित है जैसे सभी सकारात्मक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) परियोजनाओं में निवेश करके और नकारात्मक एनपीवी वाले लोगों को अस्वीकार करके शेयरधारकों के धन को अधिकतम करना; और संपूर्ण वित्तीय बाजारों तक पहुंच, यह सभी मूल्य वर्धित परियोजनाओं को वित्त करने की अनुमति देता है। हालांकि, छोटी कंपनियों के लिए इन धारणाओं की प्रयोज्यता संदिग्ध हो सकती है। पृथक्करण सिद्धांत, जिसमें कहा गया है कि निवेश के निर्णयों को शेयरधारकों के स्वाद और वरीयताओं से स्वतंत्र किया जा सकता है, बारीकी से आयोजित और छोटे व्यवसायों के लिए नहीं है। एनपीवी तकनीक के तहत, अगर एनपीवी सकारात्मक है, तो यह स्वीकार कर लिया जाता है, अगर नकदी बहिर्वाह भविष्य के नकदी प्रवाह के मौजूदा मूल्यों से कम है, जो पूंजी की फर्म की लागत पर छूट देता है। हालांकि, चूंकि छोटी फर्मों के शेयर आसानी से बाजार में नहीं आते हैं, इसलिए छोटे व्यवसायों में बाजार निर्धारित छूट दरें अनुचित हैं। बड़ी और छोटी कंपनियों के लिए पूंजीगत बजट के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पूर्व के निर्णयों में स्टॉकहोल्डर्स के दृष्टिकोण से स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है, लेकिन बाद में, यह आवश्यक है कि मालिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों। छोटी कंपनियों को पूंजी बाजार से धन जुटाने में भी कठिनाई होती है। वास्तव में, इक्विटी और दीर्घकालिक फंडों की कमी देश में एसएमई के विकास को रोकती है। इसके अलावा, अनुसंधान से पता चलता है कि छोटी कंपनियां अपनी सूचना-अपारदर्शिता और मजबूत बैंकिंग संबंधों की कमी के कारण बैंक ऋणों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, कुछ छोटे उद्यमों के लिए, सार्वजनिक मुद्दे के माध्यम से धन जुटाना असंभव है और दूसरों के लिए यह निषेधात्मक रूप से महंगा हो सकता है। उपर्युक्त नकदी की कमी छोटे उद्यमों को किसी भी संभावित आकर्षक निवेश अवसर के लिए पर्याप्त नकदी संतुलन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। यद्यपि एसएमई क्षेत्र समग्र अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख तरीके से योगदान देता है, पिछले चार दशकों में वित्तीय अनुसंधान ने खुद को बड़े संगठनों द्वारा पसंद की जाने वाली पूंजी बजट तकनीकों को समझने तक सीमित कर दिया है और एनपीवी, आंतरिक दर वापसी (आईआरआर) जैसे परिष्कृत उपकरणों के उपयोग का अध्ययन किया है।), लाभप्रदता सूचकांक (पीआई) और पेबैक जैसे आसान उपकरण। भारत में 333 छोटी फर्मों पर किए गए एक शोध में, यह स्पष्ट हो गया कि देश में छोटे व्यवसाय पूंजी निवेश सिद्धांत द्वारा अनुशंसित लोगों की तुलना में संभावित निवेश का विश्लेषण करने के लिए कम परिष्कृत तरीकों को नियुक्त करते हैं। विशेष रूप से, सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि ये फर्म कैश फील, पेबैक अवधि और रिटर्न की लेखांकन दर की तुलना में कम कैश डिस्काउंट फ्लो (डीसीएफ) विश्लेषण का उपयोग करती हैं।

हालांकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास पेशेवर डिग्री है, वे आर्थिक रूप से साक्षर नहीं हो सकते हैं और उनकी छोटी प्रबंधन टीम एक पूंजी बजट विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डीसीएफ तकनीकों को लागू करने के लिए एक बाहरी सलाहकार को नियुक्त करना छोटी कंपनियों के लिए महंगा साबित हो सकता है। चूंकि पूंजी परियोजनाएं आकार में अपेक्षाकृत छोटी होती हैं, इसलिए उनका विश्लेषण करने की लागत को बनाए रखना किफायती नहीं हो सकता है। इससे पता चलता है कि छोटी परियोजनाओं के साथ छोटी फर्मों को समझ में आ सकता है जब वे कम परिष्कृत तकनीकों पर या मालिकों के सहज एहसास पर निर्भर करते हैं। चूंकि छोटी फर्में बुनियादी अस्तित्व से संबंधित हैं, वे नकदी-उन्मुख होते हैं और इसलिए पेबैक तरीकों पर जोर दे सकते हैं।

छोटे व्यवसाय के मालिक भी तत्काल भविष्य से परे पूर्वानुमान बनाने में सहज नहीं हैं क्योंकि वे नकदी प्रवाह और पूंजी बजट में अधिक अनिश्चितता का सामना करते हैं। शिक्षा, सरकार की नीतियों और वास्तविक व्यापारिक दुनिया के बीच एक अंतर मौजूद है। पारंपरिक व्यावसायिक शिक्षा ज्यादातर बड़ी फर्मों के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित है। हालांकि, प्रमुख ध्यान अब छोटे व्यवसायों के वित्तीय प्रबंधन में स्थानांतरित करना है। इसके अलावा, अनुकूल नीतियों को न केवल छोटी फर्मों को धन प्रदान करने के लिए, बल्कि उन्हें धन के प्रबंधन में मदद करने के लिए भी तैयार किया जाना है।

नेपाल सरकार की दिशाहीन नीतियां

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में शोधार्थी हैं)

नेपाली राजनीति का एक सामान्य तत्व राजनीतिक दृष्टिकोण से अनिश्चित होना तथा उसका अनुमानों से परे काम करना है। उसके ये कदम राष्ट्रीय कल्याण से बहुत दूर हैं तथा उन्होंने देश की राजनयिक पहल को नुकसान पहुंचाया है। केपी ओली नीत वर्तमान सरकार न घरेलू मामलों पर ध्यान दे पा रही है और न उसने देश की विदेश नीति मजबूत करने की चिन्ता की है। इस समय नेपाल में कोविड-19 के मामले भी बढ़ रहे हैं और वह भारत या चीन से मिलने वाली वैक्सीनों का ठीक से प्रबंधन नहीं कर पा रहा है। नेपाल इस समय राजनयिक अलगाव का सामना कर रहा है। नई दिल्ली में होने वाले रायसीना डायलाग, चीन में बीओएओ फोरम बैठक तथा अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन में नेपाल की अनुपस्थिति से यह बहस तेज हो गई है कि क्या नेपाल सरकार विदेश नीति के मामले में गंभीर है। हालांकि, अभी नेपाल भारत को ज्यादा सहयोग का आश्वासन देने में विफल रहा है, पर लगता है कि चीन भी रणनीतिक हितों के मामले में ओली सरकार पर आंखें मूंद कर विश्वास करने पर पुन: विचार कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका भी ओली से इसलिए नाराज है कि उन्होंने मिलीनियम चैलेंज कोआपरेशन-एमसीसी में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई क्योंकि चीन इसे एक सैनिक मंच मानता है, जबकि इससे नेपाल को सस्ते व हरित परिवहन, बिजली, क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति व विकास के नए रास्ते मिल सकते हैं।

नेपाल गंभीर जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का सामना कर रहा है। 2015 में भूकंप से आई भयानक विभीषिका के साथ ही माउंट एवरेस्ट पर पड़ने वाले प्रभाव, जंगलों में लगने वाली आग, हवा की गुणवत्ता खराब होने तथा देश में स्वच्छ जल सप्लाई में कमी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां नेपाल को अंतरराष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है। अमेरिका की बाइडेन सरकार ने जलवायु परिवर्तन तथा पेरिस घोषणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की है।

हालिया जलवायु शिखर सम्मेलन इस दिशा में नई शुरुआत है। नेपाल को इस सम्मेलन में आमंत्रित करना अपरिहार्य था, पर एमसीसी पर ठीक राजनयिक व्यवहार न करने वाली आत्मकेन्द्रित ओली सरकार ने नेपाल की बात रखना ठीक नहीं समझा। अमेरिका ने अक्सर नेपाल से एमसीसी को प्राथमिकता देने को कहा है, लेकिन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट सरकारों ने इसे अमेरिका बनाम चीन जैसा मामला बना दिया है। सरकार ने घोषणा की थी कि सागरमाथ

संवाद या एवरेस्ट संवाद बहुपक्षीय संवाद मंच होगा जिसकी प्रतिबद्धता प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय व राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार करना होगी। पहले संवाद का आयोजन 2-4 अप्रैल को होना था, पर इसे महामारी के कारण टाल दिया गया। हालांकि, नेपाल ने इसमें होने वाली चर्चा में भाग लेने के लिए अमेरिका, भारत व चीन को आमंत्रित किया है, पर नेपाल द्वारा जलवायु सम्मेलन में भाग न लेने से वाशिंगटन में नेपाल के बारे में बेचैनी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि नेपाल ने जलवायु परिवर्तन को 2016 में घोषित अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में 'राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे' की तरह पेश किया है। यह नीति इस उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय फंड प्राप्त करने की इच्छा प्रकट करती है। ओली ने इस बात के सारे प्रयास किए हैं कि भारत के साथ खराब हुए संबंधों को ठीक किया जाए। निकटतम पड़ोसी के रूप में भारत हमेशा सभी संकटों में नेपाल के साथ खड़ा हुआ है। भारत ने पहाड़ियों से माओवादी छापामार समूहों को हटाने तथा उन्हें संवाद के लिए मजबूर करने का काम किया था जिसका परिणाम अंतत: नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना के रूप में सामने आया। इसके बावजूद नेपाल की सभी पूर्व सरकारों तथा ओली नीत सरकार ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए भारत द्वारा व्यक्त सद्भावना का दुरुपयोग किया। जब भारत ने नेपाल को कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में सहायता की, उसी समय ओली चीन को खुश करने के लिए भारत के साथ सीमा समस्या भड़का रहे थे। एक जिम्मेदार पड़ोसी के रूप में नेपाल को भारत के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा के लिए राजनयिक माध्यमों का प्रयोग करना चाहिए था, पर उसने इसके बजाय भारत को राक्षस की तरह पेश करने का प्रयास किया।

नेपाली प्रधानमंत्री भले ही भारत के साथ तथाकथित 'शांतिपूर्ण इरादों' की बात करते हुए चीन के साथ सहयोग को बढ़ावा दें तथा नेपाल के घरेलू मामलों के माइक्रोमैनेजमेंट का प्रयास करें, लेकिन इन सारी चीजों के बावजूद बीजिंग ओली से खुश नहीं है। उसने 2019 में नेपाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित करवा कर तथा अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर कर एक शातिर चाल खेली है।

हालांकि, चीन को शी की यात्रा के समय इच्छित चीज नहीं मिली। बीजिंग काठमांडू के साथ प्रत्यावर्तन संधि करना चाहता था। इससे चीन को तिब्बती शरणार्थियों के 'फ्री तिब्बत' आंदोलन पर लगाम लगाने का ज्यादा मौका मिल जाता और वह नेपाल में रह रहे तिब्बती शरणार्थियों का प्रत्यावर्तन करवा लेता। लेकिन यूएनएचसीआर व मानवाधिकार संगठनों के अंतरराष्ट्रीय दबाव तथा देश में विपक्ष के बढ़ते दबाव के कारण अंतिम समय इस संधि पर वार्ता को टाल दिया गया। चीन को यह बात पसंद नहीं आई। संयुक्त बयान में चीन ने आशा प्रकट की थी कि जल्द ही यह संधि हो जाएगी। हालांकि, ओली नीत कम्युनिस्ट सरकार ने भले ही चीनी हितों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया हो, पर बीजिंग अपनी तिब्बत नीति को देखते हुए प्रत्यावर्तन संधि से कम किसी चीज के लिए तैयार नहीं है।

राजनीति और राजनय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सिक्का बनाते समय उन पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन नेपाल में व्यक्तिगत और पार्टी हितों को राष्ट्रीय हितों पर प्राथमिकता दी गई है। ओली जैसे नेताओं ने भारत के साथ 'विशेष संबंधों' का लाभ चुनावी लाभ के लिए उठाया और चीनी हितों के लिए राजनयिक स्वायत्तता का बलिदान कर दिया। नेपाल चारों ओर भूमि से घिरा देश है और उसे भारत तथा अन्य मित्र देशों की सहायता की आवश्यकता है, पर उसका राजनयिक व्यवहार संकुचित दृष्टिकोण वाला रहा है। भारत और अमेरिका के साथ संबंध नेपाल को चीन के साथ संतुलन बनाने में सहायता कर सकते हैं। लेकिन नेपाल की राजनीति और राजनेता अविश्वसनीय बने हुए हैं। इस कारण नेपाली जनता को भविष्य तय करने का काम अपने हाथ में लेना होगा।

आप की बात

भारत-जापान संबंध

हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उच्च प्रौद्योगिकी कौशल विकास और कोविड-19 बीमारी से लड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत जापान सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है इससे दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही साथ दोनों देशों के बीच 5त्न सबमरीन केबल औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को और मजबूत करने के साथ ही अन्य विकास परियोजनाओं के विविधीकरण में भी यही सहयोग की संभावनाएं है। इसके साथ ही भारत और जापान के बीच बहुत सारे भागीदारी समझौते हुए हैं जिससे कि दोनों देशों को अपनी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में स्थिति मजबूत करने में सहायक है और भारत को वह हर क्षेत्र में तरक्की प्रदान योग्य हैं। हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है। अधिक सहयोग और सहभागिता दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भारत और जापान दोनों ही उभरती अर्थव्यवस्था है और दोनों को अपने समावेशी विकास की ओर ध्यान देना होगा इसके लिए भारत जापान संबंधों में मजबूती एक बहुत ही अच्छी बात है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

वाहन ध्यान से चलाएं

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में लापरवाही के कारण जान माल की हानि होती है, जिसे कई वर्षो से रोकने हेतु प्रयत्न किये गए मगर दुर्घटनाएं कम नहीं हुई। सड़क पर चलते हुए या गाड़ी चलाते हुए मोबाइल पर बात कर रहे लोगो की आए दिन दुर्घटना की खबर पढ़ने को आती है। अधिकांश लोग वाहन चलाते समय चालक अपने मोबाइल को कान और कंधे के बीच दबाकर बातचीत करते हुए वाहन चलाते है उनका ध्यान बातचीत पर ही ज्यादा रहता ही। पीछे हार्न देने वाले की भी वो सुनते नहीं ऐसे में दुर्घटना संभव है। शराब पीकर के वाहन न चलाएं ,सर पर हेलमेट अवश्य पहने चाहे थोड़ी दूर जाना हो तब भी। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। तहसील स्तर और जिला स्तर पर जहां यातायात का दबाव ज्यादा हो वहां पर मुख्य चौराहों पर यातायात सिग्नल अवश्य लगाए जाना चाहिए। ताकि यातायात व्यवस्थित हो सकें। मोबाइल एवं स्वयं की सुरक्षा के साथ दूसरों का भी ख्याल रखे। परिवार के लोग आप के घर आने की राह देख रहे हैं। सुरक्षित चलें ,लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए निर्धारित गति से ज्यादा गति में वाहन चलाना ,एवं यातायात के नियमों का पालन नही करने से दुर्घटनाएं होती हैं।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

स्पुतनिक वरदान

देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े गतिमान अवस्था मे होते जा रहे है। कोरोना से त्रस्त जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। इस बीच रूसी वैक्सीन स्पुतनिक -वी की पहली खेप भारत मे मिलने से पुनः वेक्सीनेशन गतिमान अवस्था मे आएगा। भारत मे इस कोरोना काल मे 3 वैक्सीन को मौजूदगी से निश्चित ही कोरोना संक्रमण महामारी में नियंत्रण के आसार नजर आएंगे। भारत मे रूस के राजदूत ने कहा कि स्पुतनिक कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी है। बहुत अच्छी और राहत भरी पहल है कि कोरोना में स्पूतनिक वरदान साबित होगी। वैसे देश मे कोरोना संक्रमण महामारी को परास्त करने के लिए एडी से चोटी तक कि जोर आजमाइश की जा रही है। निश्चित ही कोरोना को जल्द से जल्द परास्त किया जाएगा। बस कमी है लोगो की समझदारी की वो अगर कुछ समय अपने आप को साध ले ,बेवजह घर से बाहर नही निकले , मास्क की ,और दो गज दूरी की अनिवार्यता को समझ ले तो हम अतिशीघ्र ही कोरोना से मुक्त हो सकते हैं।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

संकट के पिछले बीते दौर में भारत ने अन्य देशों की मदद करने के मामले में विशालहृदयता का परिचय दिया है और अब भारत की समस्या खत्म करने में सहयोग देने की जिम्मेदारी अन्य देशों की है।

– **एंथनी एस फॉसी**
अमेरिकी मुख्य चिकित्सा सलाहकार

अपने साहस एवं वंचितों की सेवा करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के चलते गुरु तेग बहादुर जी सारे विश्व में सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने तानाशाही एवं अन्याय के विरुद्ध झुकने से इनकार कर दिया।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

दूसरे दिन की मतगणना का हाल

जिला पंचायत सदस्य पद के नतीजे आज आएंगे

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव की मतगणना सोमवार को दूसरे दिन भी सीतापुर के सभी 19 ब्लॉक मुख्यालयों पर चलती रही, इस दौरान अधिकतर मतगणना केन्द्रों पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा। कोविड प्रोटोकॉल का पालन होता भी नजर नहीं आया। सोशल डिस्टेंसिंग तो दिखी ही नहीं दिखाई दे रही थी तो सिर्फ प्रत्याशी व उनके समर्थकों की भारी भीड़। हांलाकि सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की हिदायत अलांउस के जरिए दी जा रही थी लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह दल-बल के साथ भ्रमणशील रहे, इस दौरान सकरन, बिसवां आदि मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं परखते हुए राज्य सूचना आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतगणना सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। देर रात तक मतगणना चलती रही व मंगलवार को भी मतगणना होती रहेगी। सोमवार को आए ग्राम प्रधान पद के परिणाम ब्लाकों पर एक नजर-

●ब्लाक हरगांव में मतगणना के दूसरे दिन सोमवार प्रधान पद के लिए अब तक आए नतीजों में ग्राम पंचायत कोरैया उदयपुर से रईस आलम, निगोहा से जगदेई, रायपुर से प्रदीप गुप्ता, सिकन्दरपुर से वीरपाल सिंह, नेवादा से श्रवण जायसवाल, बडेलिया से अमित सिंह, खमौना से द्रौपदी, पट्टी कटेसर से योगेश वर्मा, अर्मी कुसियारी से अनुपम सिंह निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इसी तरह रौना से जसविन्दर सिंह, जलालीपुर देहात से अकील, गुरूधपा से जूली वर्मा, खेदरापुर से निर्मला, मुमताजपुर से हरीश सिंह, परसेहरा सरीफपुर से अवधेश प्रताप, बेलामऊ कला से विक्रम, जड़ौना से लालता प्रसाद, नौनेर से वीरेन्द्र मिश्रा, मुद्रासन से मोहम्मद अब्बास, नरपुर से राजेश बंसल, ककराही से सुधा वर्मा, सुल्तानपुर से विद्यावती, राजेपुर से मनोज यादव, पिपराघूरी से विमला सिंह, अख्तियारपुर से प्रीती राठौर, झरिया से रामदेवी, कटका से शशि यादव, क्योंटीकला से रामप्यारी, अमितिया से माला वर्मा, नयागांव फिरोजपुर से कुलदीप सिंह ने जीत दर्ज की है।

●मिश्रिख ब्लाक में अब तक मिले नतीजों के अनुसार ग्राम पंचायत कुतुबनगर से गीता गुप्ता, जसरथपुर से रामपाल, बिनौरा से सत्यम वैश्य, दधनामऊ से अतुल, परसौली से सुमन मौर्या, परसपुर से कुलदीप सिंह, चन्द्रावल से विकास यादव, अर्थापुर से सुरेन्द्र कुमार, नर सिधौली से वेदप्रकाश, अकबरपुर से रूबिया बेगम, कोहरावां से मुशीना, टेड़वा से कैलाश, मनिकापुर से राजेन्द्र, दधनामऊ से कन्हैयालाल, नीमसार देहात से पूजा मिश्रा, आंट से महफूज अली, अटवा से प्रदीप मौर्य, गोपलापुर से सोमवती, देवगवां से गुड्डी देवी, ततरोई से सविता देवी, ठाकुरनगर से दिलीप गुप्ता, इन्द्रवल ग्रंट से जयदेवी, बिजौली से संजय राठौर, जिहुरा से मंजू देवी, मुड़ियारा से रूकमणी देवी, इस्लामनगर से रामकिशोर वर्मा 'बड़कन्ने' ने जीत दर्ज की है।

●ब्लाक मछरेहटा-ग्राम पंचायत डेंगरा आस मोहम्मद, भेलावां आशा देवी, आदिलपुर फूलकली, अनोगी सुरनरायन, ददेवरा सरोजनी देवी, हरिपालपुर रामपती, भिठौरा हरिप्रसाद, बनियामऊ सुशील सिंह, बारेपारा जसोदा देवी, बहरावां जगदेई, हीरापुर रामा देवी, धवरपारा सुनैना पाल, दलेलनगर राजेन्द्र प्रसाद, कंदुआपुर माधवी शुक्ला, भदेभर से रेखा देवी, बिजुआमऊ राकेश कुमार, गुजरेहटा से अवधेश कुमार, गौरिया सर्वेश कुमारी, बेलंदापुर प्रीती देवी, बीहट-बीरम परम्पतप सिंह, राजागांव संगीता, गंधेरिया गीता देवी, जालेपारा कन्या देवी, काकोरी से किरन देवी, केसरा से विश्रामलाल, फिरोजपुर अनीता देवी, पैंदापुर सतीश, कोड़री रामधार, परसदा युसूफअली, गोड़ा से केतकी, लौली बुद्धाराम, रामपुर सरला देवी, कटिया पुष्पा देवी, सेनपुर पूजा यादव, लालपुर अनुज कुमार सिंह, जटपुरवा गायत्री, ढखिया बसंतू, राजपुर प्रताप अविनेश कुमार, राजेपारा शशि देवी।

●लहरपुर ब्लाक में मतगणना के दूसरे दिन अब तक मिले नतीजों में ग्राम पंचायत मकनपुर से शुभम श्रीवास्तव, दोस्तपुर टकेला से मनोज कुमार, गूरेपारा मानपुर से सुधा देवी, बेहड़ा कोदहरा से अनीता वर्मा, दारानगर से आशुतोष कुमार, महुआताल से धीरेन्द्र कुमार, मुबारकपुर गोकुलपुर से शाबान अहमद, खानपुर मोहिद्दीनपुर से अनीता देवी, शरीफपुर तलहा से बालकराम, रूढ़ा भवनाथपुर से रमेश यादव, तलवीपुर से रामदेवी, भेलावां से रीता देवी, अकैचनपुर-फरीदपुर से मोहम्मद कलीम, बसंतीपुर से ओमप्रकाश वर्मा, ढकेरा से रूबी वर्मा, बरेती जलालपुर से कामिनी देवी, लक्ष्मन नगर से विवेक शुक्ला, कल्यानपुर से रमेश चन्द्र वर्मा, जीतामऊ से जयद्रत वर्मा ने जीत हासिल की है।

●महोली ब्लाक में अब तक मिले नतीजों के अनुसार ग्राम पंचायत नरनी से कुसमा देवी, चिन्हारा से अनुराग कुमार, महेवा से सोने लाल, तुलसीपुर ग्रंट से सुनीता देवी, भुड़कुड़ा से नरेश वर्मा, पैलाकीसा से प्रहलाद, बहेरा से रेनू देवी, देवरिया से आशीष वर्मा, मुड़िया से गीता देवी, नरहरा से राजेश, रजवापुर से नीरज मिश्रा, बगचन से उमेश अवस्थी, कुसैला से मुन्नी कनौजिया, जमुनिया से विनोद कुमार, मदनिया से राकेश वर्मा, चाऊबेरवा से सुषमा, परसेहरा से मुनीन्द्र यादव, बहेरा से रेनू देवी, कटिघरा से भोली देवी, कुंवरपुर लच्छा से महेश प्रसाद, भुड़कुड़ी से बाबूराम, रोहिला से अवनीश मिश्रा, कुंवरपुर गद्दी से कलजीत कुमार, टिकरा-टिकरी से सीमा, परागपुर ग्रंट से मीना देवी, घर का तारा से आशा देवी, कार्टरगंज से सायरीन बानो, महोली देहात से ओमप्रकाश, महुआकोला से सद्दाम अहमद, चवाबेगमपुर से रामरती, अढ़ोरा से मंजू देवी, निमचेना से राकेश, ब्रम्हावली से मनीष बाजपेयी, पिपरावां से घनश्याम वर्मा, चितहला से सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, भिरिया से अमरीश कुमार, कोल्हौरा से राकेश कुमार, उमरिया से अन्तिमा सिंह, अमिलिया से रीना, बड़ैया से रिंकी शुक्ला, मल्हपुर से लक्ष्मीकान्त भार्गव, बीड़नपुर से पूर्णिमा वर्मा, इन्द्रौली से अखिलेश कुमार, बड़ागांव से जयदेवी, रमुआपुर से अन्नपूर्णा देवी, उरदौली से गीता वर्मा, ननसोहा से अवधेश कुमार, रन्नूपुर से अशोक यादव, बसारा से आशा देवी, सेमरावां से अशोक मिश्रा, हाजीपुर से गरिमा वर्मा, गुजिया से सरिता, बारातपुर से वीरा सिंह, गौरा जलालपुर में मनीष वर्मा ने लॉटरी से जीत दर्ज की है, मनीष ने जयराम को हराया है।

●खैराबाद ब्लाक में प्रधान पद के अब तक मिले नतीजों में ग्राम पंचायत टेड़वा चिलौला से अवधेश कुमार, खपूरा से विश्वनाथ यादव, कैथाभारी से माया देवी, असोढर से शकील खां, अकोइया से रामनरेश, दहेलिया से श्यामा देवी, अखबरगंज से रानी, गंगापुर उल्फतराय से गुड्डू, करियामऊ से कन्हैयालाल, इलसिया ग्रंट से राजेश कुमार, मकवापुर से संतराम, बद्रीपुर मंसूरपुर से गुड़िया देवी, नैपालापुर से अंजली गुप्ता, मुलाहिमपुर से विपिन, पकरिया से शकील खां ने जीत दर्ज की है।

●बिसवां ब्लॉक में प्रधान पद के अब तक मिले नतीजों में ग्राम पंचायत देवकलिया से अमित कुमार, संराय से बिलाल अख्तर, शिवथाना से प्रमोद अवस्थी, पुरैना से कौशल कुमार, राजा करनई से लाल मोहम्मद, सुखावा कंला से रमेश चंद, छीं से रामनरेश, हथिया गाजीपुर से सुनीता, भीरा से अवधेश चन्द्र, बघइया से जोगिन्दर कुमार, टिकरा से रंजीत कुमार, मानपुर से चंद्रिका, बिसेण्डा से राजरानी, पेड़रा से चन्द्रकली, मरसण्डा से सुनील कुमार, गुरेरा से अर्चना गौतम, भदेसिया से नरेन्द्र कुमार मौर्या, कल्यानपुर से लक्ष्मी, पुरैनी से गयादीन, जनुआ से कमला देवी, क्योटी बादुल्ला से शाबिर अली, चहारपुर से कौशल यादव, गोवर्धनपुर से रामसागर यादव, बिसेण्डी से नूरबानों, शंकरपुर से संजय कुमार, उलरा से जयंती देवी, पुरवा दासापुर से सत्तार, बन्नी खरैला से विजय लक्ष्मी, तेंदुआ से खगेश्वर, कमुआ से हीरा देवी, कैम्हरकलां से लक्ष्मी देवी, हैबतपुर से मुन्नी लाल, मुइजुद्दीनपुर से नईम, बजेहरा से अमरेन्द्र कुमार, इटदहा बसंती देवी, भागीपुर से संगीता, शाह जलालपुर से विमला, गेरूहा माथी से पूनम वर्मा, निपनिया माफी से राजकुमार, जहांगीराबाद से साजिदा खातून, महमूदपुर से मोहम्मद इजहार, रामपुर घेरवा से ममता, रामकुण्ड से माया देवी, हसनापुर से अंजनी कुमार, सरवाहनपुर से शांती देवी, करौंदी से सावित्री देवी, कटिया से माया देवी, बहेरवा से नन्दकिशोर, बिठौराकलां से रामनाथ, पिपराकलां से नीतू वर्मा, रेवा से त्रिश्री कुमार, कल्हापुर से नीलम वर्मा ने जीत का परचम फहराया है।

●गोंदलामऊ ब्लाक में प्रधान पद पर ग्राम पंचायत गोंदलामऊ से अखिलेश, कोठावां से सरिता सिंह, मुड़ियाकैल से राजाराम राठौर, बकछेरवा से जनमेजय, जरिगवां से अपूर्णा सिंह, महसुई से रमेश राठौर, इस्माइलगंज से मुन्नी देवी, पट्टी नेवादा से अरविन्द कुमार, असल से लालता प्रसाद, रौसिंहपुर से विमला, धरौली से सोना देवी, संदना से गिरीश सिंह, गंगोय से गया प्रसाद, खालेगढ़ी से ललित कुमार, उदईपुर पश्चिमी से विजय कुमार, गोपालपुर पश्चिमी से राजेन्द्र प्रसाद, गैथा से लल्ली देवी, कोरौना से विमला देवी, महमदपुर झबरा से श्यामा कुमार द्विवेदी, रामगढ़ से पिंकी देवी, चौपरिया से जानकी प्रसाद, कुसौली से निर्मला, गढवै से पूनम देवी, कबीरपुर से शिवराम, औरंगाबाद से नफीश अहमद, कुनेरा से सरस्वती ने जीत दर्ज की है।

●रेउसा ब्लाक में प्रधान पद पर ग्राम पंचायत बढ़ईडीह से मोहरमली, जमौली से सुन्ना देवी, शाहपुर से रेखा देवी, बजहा से दीप्ति देवी, मुजेहना से शीला देवी, बेर्रा-बेरौरा से रेशमा, चन्द्रसेनी से आराधना सिंह, काशीपुर से बजरंगी मिश्रा, अकसोहा से माया देवी, चौसा से रहीसा, धेनुआ से ब्रजलाल, राजापुर से शहजहां खातून, थानगांव से सरस्वती देवी, सिरसा से जहीर अहमद, बैजवारी से ओमकार सिंह, करस्यौरा से सफीकुन निशा, लड़िलापुर से मोहयुद्दीन, जठपुरवा से अनीसा, कनकारी से जयदेवी अवस्थी, असईपुर से राम प्रसाद, रंगवा से राजकुमार गुप्ता, बिजेहड़ा से विमला देवी, लालपुर से बलराम विश्वकर्मा, अमलोरा से राहुल त्रिपाठी, बम्भनावा से बलिराम नाग, कटरा से शालनी शुक्ला, भिठौली से रामकुमार, मल्लापुर से कमलाकांत अवस्थी, सुकेठा से मीरा देवी, कोंडरी से चांद बीबी, मानपुर से संजय कुमार, लखनी जैतपुर से गंगाराम चौहान, रंडा कोडर से चंदा यादव, बरा से कमलेश कुमार, डेलिया से कामनी देवी, सालपुर से संजीव मिश्रा, दलपतपुर से सियाराम, गोविन्दापुर से दुलारा, खनुवापुर से अर्चना यादव, बंभिया से ब्रम्ह प्रकाश मिश्र, घेवड़ा से श्रीराम यादव, सिसैया दरियाना से राजकुमारी, भरथा से संग्राम सिंह, ग्वारी से मोहम्मद इलियास, करसा से संतोष गिरी, भदेवां से प्रकाश, रेउसा से हामिद अली, सुपौली से अनिता देवी, गुडरूवा देवरिया से तृप्ति सिंह, दुलामऊ से जागेश्वर निषाद, सेउता से नंदराम गौतम, सिपतपुर से अकबाल बहादुर विजयी घोषित हुए हैं।

●महमूदाबाद ब्लाक में प्रधान पद पर ग्राम पंचायत अहिबनपुर से चांदनी देवी, हाजीपुर से शशिलता, चतुराबेहड से विकास, सरैंया चलाकापुर से आशा देवी, सुहेला से सरोजनी देवी, लैलकलां से रमेश, सोहरिया से सुरमती, रमद्वारी से राजू, शाहपुर से मनोरमा, सहिनपुर खेरिया से पूनम यादव, बेहटी से सोबरन, मुबारक कलां से शशि वर्मा, सिहारूखेडा से पूनम देवी, बनिगवां से सुनीता, भरहरमउ से अशोक कुमार, नबीगंज से शिवदेवी, खपूरा से नीति देवी, शिवपुर देवरिय से कुसुमलता, पहाडापुर से राम खेलावन, बाघिन से प्रेम चंद्र, मझिगवां से श्रीचंद्र, पोखरा से दया शंकर, बनवीरपुर से पुत्तन, लोधासा से सुनीता, केदारपुर से आलमआरा, मदारीपुर से कामिनी देवी, लालपुर से राम सिंह, शिवरूख कलां से अवधेश कुमार, कंडी चांदपुर से रेनू देवी, शाहपुर से मनोरमा वर्मा, गोडैंचा से शुचि देवी, रमद्वारी द्वितीय से सतेंद्र कुमार, जयरामपुर से सुरेश, मझिगवां द्वितीय से नफीसा, भिटौरा से चेतराम, भौरी से रमेश चंद्र, माल सरांय से राजा रानी, बाबूपुर से अनीसा, कंजखेरा से नियाज अली, रसूलाबाद से अंजू वर्मा, सुकईपुर से रोहित सिंह, सेमरा से किशोरी लाल, मिश्रिखा से ममता यादव, बकहुआ से चमेली, लच्छीपुर से करीना, इनायतपुर से किशोरीलाल, किशुनपुर से सत्यप्रकाश वर्मा, नाथूपुर से शोभा देवी, अगैया से प्रेमचन्द, कांसा से रीता देवी, कुंसरा से कामिनी देवी, अंगेथुआ से भगौती प्रसाद, उस्मानपुर से दीपक कुमार, कोठिला से उषा देवी, नीम्बाडेहरा से अंजना देवी, गोचौरा से सुषमा देवी, मोहम्मदपुर निस्फी से अनिल कुमार, खुरवल से अनीसुन, जाफरपुर से ब्रजेश, उनेरा से राम सिंह, कलुवापुर से प्रेमा देवी, इटौली से गणेश वर्मा, धर्मपुर से जाबिया बेगम ने जीत दर्ज की है।

●पहला ब्लाक में प्रधान पद पर अब तक मिले नतीजों के अनुसार ग्राम पंचायत बिलौली बाजार से मीरा पाठक, केशरीपुर से मीनू वर्मा, अफसरिया हुसैनपुर से सुनीता देवी, खाफ से रामप्यारी, मझिया से रणविजय सिंह, मलेथू से हरमोहिनी, दोधरा से सावित्री, बरइखेड़ा से सतीश कुमार, पलिया से शोभा देवी, कबरा से श्यामू, डिकोली से धनीराम, डलमऊ से आराधना सिंह, बरसापुर से अमित कुमार, बहटूटपुर से कीर्ति देवी, जमुनापुर से शंकरबख्श सिंह, खालगांव से चन्द्रपाल, विरासी से हाजिरा, चुनका से शांति देवी, देवकलिया से रजनी देवी, अशरफपुर राजा साहब से सर्वेश कुमार, गुलौली से इन्द्रप्रताप, बम्भौरी से रेनू, कण्डारी से अनूप सूरज, दरियापुर से सीता, फिरोजपुर से विनोद कुमार यादव, सदरावां से अनुज कुमार, सरैंयाबल्देव सिंह से आसमा, तुरसना से अरूण कुमार, भेथरामाधव से रेखा देवी, बनहरा बीरबल से माया, न्यामतपुर लबरहा से सुमैया खातून, कण्डौरा से मंजू देवी, दिल्ली आगरा से रामजानकी, रामपुर भुजंग से राजेन्द्र प्रसाद, बेहमा से निशा गुप्ता, नयागांव से रामरती, अकबापुर से ऐश कुमारी, सद्दूपुर से सुमन देवी, महरिया से लल्लन, सरैंया महिपतसिंह से निर्मला देवी, कंचनपुर महरिया से सुमन देवी, हुसैनपुर से सहबान, भगवंतपुर से महसन, धौला से रंजना सिंह चौहान, ईश्वरवारा से रामलखन, जसमण्डा से सिराज अहमद, सरैंया कादीपुर से आरती यादव, मुसैदाबाद से सत्येन्द्र कुमार, कोरार से शारदा, करौली से परशुराम विजयी हुए हैं।

●बेहटा ब्लाक में प्रधान पद पर अब तक मिले नतीजों के अनुसार ग्राम पंचायत सुमेर से विद्यादेवी, सुरेपारा से पैकरमा, रुक्नापुर से फूलकुमारी, कठूरा से विन्देश्वरी, सिकरी बेहटा से रिचा शुक्ला, बड़रिया से रूबी सिंह, बसंतापुर से आईशा निशा, दारापुर से आरती देवी, गुरेला से सुनीता, रोहा चाँदीखेरा से रितेश कुमार, पिपरिया से संतराम, भवानीपुर से अवधरानी, मानपुर मल्लापुर से नवी अहमद, गडौसा से किरन राज, बिसवां खुर्द से संदीप कुमार विजयी, हजरतपुर से नूर जहाँ, अकबरपुर से सरवर जहाँ, सिडकिडा से रेनू देवी, समोलिया से राममोहन, मरसंडा से संध्या देवी, पुरवाआचार्य से शिवरात्रि देवी विजयी, मूड़ीखेरा से रमाशंकर, सुमली से गीता देवी, अढ़मलपुर से रूपरानी, महसी से रामनाथ, मतुवा सरैंया से प्रेमा देवी, मुसियाना से मो. आलम, खैरीपट्टी से रोहित कुमार, बसेती से रामपाल, बेलवागोहनिया से छत्रपाल, अमरननगर से श्रीदेवी, भदफर से षिवकुमार यादव, औरंगाबाद से सूरज देवी, सेखनापुर से राजकुमार, बेहटा पकौरी से नेहा वर्मा, मुड़िला से खरगी, मुगलपुर से सियाराम, सेतुही से राजेश कुमार, तंबौर देहात से रामवती विजयी, समौदीडीह से सुलोचना, रोहिया शिवपुर से सोनासर, पलौली से धर्मेन्द्र कुमार, कुसेपा से धर्मपाल, मरसंडा से संध्या देवी विजयी, भदफर से शिवकुमार।

सुप्रीम कोर्ट और कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराने में कमलापुर पुलिस नाकाम साबित हुई, इसकी तस्दीक जीत दर्ज करने वाले प्रत्याशियों के निकाले गए विजस जुलूसों का वायरल वीडियो कर रहा है। आप देख सकते हैं, किस तरह कमलापुर में मतगणना केन्द्र से महज सौ मीटर की दूरी पर कैमहरा ग्राम पंचायत से जीते प्रधान के सैकड़ों समर्थकों ने अबीर-गुलाल उड़ाते हुए विजय जुलूस निकाला, इस दौरान पुलिस का कहीं आता-पता नहीं था।

युवक की मौत से परिवार में कोहराम

लखीमपुर खीरी। कहते हैं समय और मौत किसी का इंतजार नहीं करते। शहर के मोहल्ला गंगोत्री नगर निवासी रोहित कुमार उर्फ प्रिंस की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी। सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। परिजन अस्पताल लेकर गए जहां युवक ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसारए कोतवाली सदर के मोहल्ला गंगोत्री नगर निवासी रोहित कुमार ;28द्ध उर्फ प्रिंस की सोमवार की सुबह अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। परिजन उन्हें आनन फानन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां कुछ देर में ही उनकी मौत हो गई। मौत से परिजनों एवं मोहल्ले वासियों में मातम मच गया। किसी को भी प्रिंस के चले जाने पर यकीन नहीं हो रहा था।

प्रिंस के पिता का देहांत बचपन में ही हो गया था। 5 भाई बहन में प्रिंस दूसरे नंबर पर था। परिवार ने बहुत ही दु:ख के दिन देखे थे। बेवा मां ने बामुश्किल पांच बच्चों को पाला पोषा था। केवल बड़ी बहन की ही शादी हुई थी। प्रिंस बहुत ही मृदुभाषी था। हर कोई उसे पसंद करता था। अपने परिवार के प्रति प्रिंस हमेशा समर्पित रहता था। अचानक प्रिंस के गुजर जाने से परिवार में मातम मचा हुआ है।

बैलट पेपर के साथ प्रत्याशी हिरासत में

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

धर्म सभा इंटर कॉलेज में बनाए गए मतगणना केंद्र से एक प्रधान पद का प्रत्याशी 37 बैलट पेपर के साथ हिरासत में लिया गया है। उसने चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उसे जान बूझकर हरा दिया गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की है। अधिकारी जांच में जुट गए हैं। लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि उसके पास बैलट पेपर कहां से आए। प्रत्याशी के अनुसार उसे बैलट पेपर पोलिंग बूथ के बाहर मिले थे।

लखीमपुर सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत रुकुंदीपुर से मदनलाल वर्मा प्रधान पद के प्रत्याशी हैं। रविवार को धर्म सभा इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र पर वह भी आया हुआ था। मतगणना के बाद जब मदनलाल वर्मा चुनाव हार गए तो उसने चुनाव में धांधली होने का आरोप लगाया। उसने कहा कि उसे जानबूझकर हरा दिया गया है। जब अधिकारियों ने उससे पूछा कि वह क्यों ऐसा कह रहा है तो मदनलाल ने 37 सादे बैलट पेपर निकले और अधिकारियों के सामने रख दिए। इससे अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और उसे कोतवाली ले आई। उधर मदन लाल वर्मा का कहना है कि उसको यह बैलट पेपर मतदान केंद्र से बाहर मिले थे।

प्रभातेश श्रीवास्तव कोतवाल सदर लखीमपुर ने बताया कि पद का एक प्रत्याशी धांधली का आरोप लगा रहा था। उसके पास सादे बैलट पेपर भी मिले हैं।अधिकारियों के आदेश पर उसे हिरासत में ले लिया गया है।बाकी मामले की जांच हो रही है।आगे जो भी आदेश मिलेगा उसी के अनुसार कार्रवाई होगी।

कैसे मिले प्रत्याशी को बैलट, रहस्य बरकरार

लखीमपुर खीरी। इस मामले में सुनील श्रीवास्तव आरओ डीपीओ ने बताया कि जब कोई पोलिंग पार्टी मतदान केंद्र पर चुनाव कराने जाती है तो उसको लगभग उतने ही बैलट पेपर दिए जाते हैं। जितने उस मतदान केंद्र पर मतदाता हैं। फिर ये 37 बैलट पेपर प्रधान पद के प्रत्याशी को कैसे मिल गए। क्या पोलिंग पार्टी इन बैलट पेपरों को मतदान केंद्र पर छोड़ आई थी। अगर ऐसा हुआ है तो मतदान के दौरान बैलट पेपर कम पड़ गए होंगे। उनको कैसे पूरा किया गया होगा। प्रत्याशी का दावा है कि उसके पास 97 बैलेट पेपर हैं।

जितने मत पड़े थे उतने मतपत्र पेटी में मिले। प्रत्याशी ये मतपत्र कहां से लाया इसकी जांच चल रही है। यह भी आशंका है कि ये मतपत्र छपवाए गए हों। बरामद मत पत्रों पर मुहर नहीं लगी थी।

क्विक न्यूज

नगर आयुक्त ने परखी सैनेटाइजेशन, सफाई व्यवस्था

बरेली। कोरोना को हराने के लिए नगर निगम प्रशासन पूरी ताकत के साथ काम कर रहा है। नगर आयुक्त ने सेनेटाइजेशन के कार्य की प्रत्येक दो घंटे मे कंट्रोल रूम पर रिपोर्टिंग करने के आदेश दिए है। रविवार को नगरायुक्त अभिषेक आनंद ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने सबसे पहले बाजार मे सेनेटाइजेशन और सफाई अभियान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हे कई जगह कूड़े के ढेर मिले। सफाई निरीक्षको को नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था दुरस्त रखने का निर्देश दिया। इसके बाद वह नगर निगम कैंपस के कंट्रोल रूम पर शिकायतो के निस्तारण का निरीक्षण करने पहुंचे। शिकायतो का रजिस्टर चेक किया और शिकायतकर्ताओ से फोन पर बातचीत कर उनकी समस्या जानी। अपर नगरायुक्त अजीत कुमार सिंह, प्रभारी कंट्रोल रूम आरपी सिंह को शिकायतो के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने बताया कि कंट्रोल रूम मे आने वाली शिकायतो का निस्तारण समय पर किया जा रहा है या नही इसको परखा है। शिकायकर्ताओ से फोन पर बात भी की, जिनकी शिकायत का निस्तारण हुआ। सेनेटाइजेशन की शिकायतो का निस्तारण समय पर हो इसके लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए है। नगरायुक्त अभिषेक आनंद ने कहा है कि तीन दिन का वीकली कर्फ्यू लगा है। विशेष सफाई अभियान के तहत कचरा उठान, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, नालियो की सफाई, गंदगी वाले स्थलो पर ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव पर जोर दिया है। सैनिटाइजेशन की मांग कंट्रोल रूम नम्बर और वाट्स एप नम्बर पर कही से भी आती है तो त्वरित सैनिटाइजेशन वाहन भेजा जा रहा है। इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। संक्रमण से लोगो को बचाने के लिए अधीनस्थ अधिकारियो और सफाईकर्मियो को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए है।

बाइक में कार ने मारी टक्कर, दोनों घायल

बरेली। रिठौरा बैध के यहां दवा लेने जा रहे युवक की बाइक में कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार फरार हो गई। घायल को पुलिस ने दोनों को उपचार के लिये जिला अस्पताल भेजा। थाना कोतवाली के मोहल्ला बागब्रगटान निवासी घायल बिक्की पुत्र होरीलाल ने बताया अपने पिता होरीलाल की शुगर की दवा लेने रिठौरा जा रहा था। साथ मे निजाकत भी जा रहे थे। निजाकत थाना क्षेत्र के रहने वाला है। निजाकत के रिश्तेदार रिठौरा में शुगर की दवा देते है। जाते समय रिठौरा से पहले पद्मावती स्कूल के पास कार ने टक्कर मार दी जिससे दोनों लोग घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार भाग गई। विक्की ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने विक्की और निजाकत को जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजा।

अस्पताल में महिला डॉक्टर से अभद्रता पर हंगामा

बरेली। कोविड-19 के मरीजों के इलाज के स्थापित बरेली के एकमात्र 300 बेड सरकारी अस्पताल में मरीज के परिजनों द्वारा महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता के बाद अन्य डॉक्टरों ने काम रोक दिया और हंगामा किया। मौके पर पहुंचे सीएमओ ने मामले को रफा-दफा कराया। लेकिन महिला डॉक्टर ने बिना सुरक्षा के काम करने से इंकार कर दिया। वही ऑक्सीजन समाप्त होने को लेकर भी मरीजों के परिजनों ने गहरी नाराजगी देखी गई।बारादरी थाना क्षेत्र में स्थित मानसिक चिकित्सालय परिसर में बनाए गए 300 बेड कोविड-19 अस्पताल में आज दोपहर जूनियर महिला डॉक्टर आकांक्षा मरीजों का इलाज कर रही थी। इसी दौरान एक मरीज के बेड पर उसका हालचाल जानने गई। जहां पर मरीज के परिजनों ने किसी बात पर जूनियर डॉक्टर से अभद्रता की और हाथापाई की नौबत आ गई। नाराज जूनियर डॉक्टर ने अपने सीनियर डॉक्टरों को पूरी घटना की जानकारी दी। जैसे ही घटना की जानकारी आकांक्षा के साथियों को मिली। उन्होंने अस्पताल में काम बंद कर दिया और कहा कि वह बिना सुरक्षा के अस्पताल में काम नहीं कर सकेंगे। जैसे ही घटना की जानकारी आकांक्षा के घरवालों को मिली वह भी अस्पताल पहुंच गए। इधर अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों और अन्य स्टाफद्वारा काम बंद किया गया। तो अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने भी हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलने पर मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने आला पुलिस अधिकारियों को सूचना दी कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया।

जीत का जश्न मनाया तो जाएंगे जेल

● एसपी ने दिए आदेश
मतगणना में कहीं पुराने तो ज्यादातर दिखे नए चेहरे

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन की मतगणना सम्पन्न हो गई है। चुनाव में प्रत्याशियों को प्राप्त मत के आधार पर ग्रामीणों का प्रतिनिधि चुन लिया गया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विजय ढुल द्वारा समस्त विजेताओंए अन्य प्रत्याशियों व उनके समर्थकों से चुनाव परिणाम को सहर्ष स्वीकार करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि जीत या हार दोनों ही परिस्थितियों में उन्मादित न होकर निश्चित रूप से संयम का परिचय दें। विजय जुलूस न निकालें। किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। हिंसा फैलाना गंभीर श्रेणी का अपराध है। सभी इसका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस द्वारा अब तक कई लोगों को गिरफ्तार कर

उन्हें जेल भेजने की कार्यवाही की गई है। साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष को इस संबंध में निर्देशित किया गया है तथा गोपनीय रूप से प्रत्येक गांव में खुफिया पुलिस बल लगाया गया है। जिनके द्वारा गांव की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखते हुए हर स्थिति से अवगत कराया जा रहा है। जिसके आधार पर अब तक कई लोगों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा चुकी है। अत: सभी संयमित रहे तथा कोविड गाइडलाइन्स का पालन करते हुए अपने.अपने घरों में रहकर सुरक्षित व स्वस्थ रहे। किसी भी दशा में अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें।

ओयल संवाददाता के अनुसार, कस्बा ओयल ब्लाक बेहजम क्षेत्र के अंतर्गत हुए प्रधानी के चुनाव में कहीं खुशी कहीं गम का माहौल रहा। कई पुराने प्रधान अपनी साख बचाने में सफल रहे। कई नए चेहरे सामने आए। ग्राम पंचायत ओयल देहात से बीना सिंह ने गीतांजलि देवी को 188 मतों से पराजित किया। ग्राम पंचायत खागीओयल से पम्मी देवी ने गायत्री देवी को 249 मतों से पराजित किया। खानपुर गुरेला से सुशीला देवी 120 मतों से विजई रही। ग्राम पंचायत सुनसी से श्याम किशोर लगभग 200 मतों से विजई रहे। ग्राम पंचायत जाम मुबारकपुर से अनिल सिंह ढाई सौ मतों से विजई रहे। ग्राम पंचायत पनियौरा से पूर्व प्रधान प्रीति वर्मा लगभग 168 मतों से विजई रही। ओयल की ग्राम पंचायत सरैया से शशि वर्मा ने 306 मतों से विजई रहे। ग्राम पंचायत जमुनिया से पुतानी पुन: विजई हुए और अपनी सीट बचाने में सफल रहे।

मोहम्मदी संवाददाता के अनुसार, पचायत चुनाव की मतगणना की गिनती भी पूरी हो गयी। मतगणना सुबह तक चली। मतगणना में लगे अधिकारी और कर्मचारी पसीना पसीना हो गए। वही अभिकर्ताओं के खड़े खड़े पैर फूल गए। जो जीता वही सिकंदर बनकर निकला और जो हार गया वह गम के आंसू लेकर गमो के समंदर में डूब गया। इस बार अनेकों ग्राम सभाओं में नए प्रधान देखने को मिल रहे हैं। वहीं क्षेत्र पंचायत सदस्य भी ज्यादातर नए चेहरे सामने आए हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को जीतने के बाद मोहम्मदी और पसगवा के संभावित ब्लॉक प्रमुख के प्रत्याशियों ने अभी से संपर्क करना शुरू कर दिया है। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा किया जा रहा है। जिला पंचायत के मोहम्मदी तहसील में कुल 8 सीटें थी जिनमें कुछ के नतीजे सामने आ गए हैं। जिसमें मोहम्मदी प्रथम से फहीम खां, मोहम्मदी दुतीय से नन्हे लाल पासी, मोहम्मदी तृतीय से पुष्पकाति गौतम, चतुर्थ से दिलीप सिंह, पसगवा द्वितीय से अनूप सिंह पसगवा पंचम से दिनश गुप्ता, पसगवा तृतीय शेर रुखसाना बेगम निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचित जिला पंचायत प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को लोग फेसबुक पर सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दे रहे हैं। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने बड़ी मुस्तैदी के साथ काम करके इस मतगणना को संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान अदा किया है। कुल मिलाकर कहीं खुशी कहीं गम के बादल देखने को लगातार मिल रहे हैं। शासन प्रशासन की अपील के बाद किसी भी जीते हुए प्रत्याशी ने कोई जुलूस नही निकाला। जश्न नहीं मनाया। मोहम्मदी तहसील के पसगवा चतुर्थ से गुरमुख सिह की 18636 वोटों से सबसे लम्बी जीत हुई है।

प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर,कहीं खुशी-कहीं गम

भाजपा के अशोक जाटव व बसपा के राजाराम पाल जीते, बाकी तस्वीर अभी साफ नहीं

अशोक जाटव

संवाददाता। चित्रकूट

जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में अभी तक सिर्फ वार्ड नौ पहाडी से भाजपा समर्थित अशोक जाटव के चुनाव जीतने की खबर है। शेष 16 वार्डों में अभी तक चुनाव के नतीजे सामने नहीं आ सके। कई वार्डों में प्रत्याशी एक-दूसरे को कडी टक्कर देने में लगे हैं।रविवार से शुरु हुई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के 24 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद भी पूरी ग्राम सभाओं व जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम सामने नहीं आ सके। मऊ ब्लाक की मतगणना समाप्त हो गई है। सभी प्रधान व तीनों जिला पंचायत सदस्यों की सीटों की मतगणना पूरी हो चुकी है। एसडीएम नवदीप शुक्ला के निर्देश पर तय समय सीमा में मतगणना सम्पन्न हुई है। कर्वी, रामनगर, मानिकपुर और पहाडी ब्लाक में मतगणना जारी है। जिला पंचायत सदस्य पद के लिए वार्ड तीन खण्डेहा में कांटे की टक्कर में बसपा समर्थित राजाराम पाल पांच सौ वोटों से चुनाव जीत गये हैं। यहां निर्दलीय प्रत्याशी अजय मिश्र पहले ही चुनाव में बड़े-बडे सियासी सूरमाओं के दांत खट्टे कर दिये हैं। वह शुरु में राजाराम पाल से आगे चल रहे थे। अकबरपुर वार्ड 12 से जिला पंचायत सदस्य अनिल प्रधान की भाभी नौ हजार वोटों से आगे चल रही हैं। जिला पंचायत वार्ड छह पहाडी सीट से प्रेमा सिंह पत्नी शिवशंकर सिंह 1953 वोट पाकर आगे चल रही हैं। रानी देवी पत्नी महेश गौतम दूसरे नम्बर पर 1573 मत पाकर बने हुए हैं। मनीषा मिश्रा 1456 मत पाकर तीसरे स्थान पर बनी हैं। मतगणना को अभी तीरधुमाई गंगू, चांदी, सुरवल, देवारी, बेराउर, चिल्लीराकस, खटवारा, करौंदी, भंभेट गांव शेष हैं। वार्ड चार में भाजपा समर्थित अर्जुन शुक्ला सपा समर्थित सिद्धार्थ पाण्डेय से ढाई सौ वोटों से आगे चल रहे हैं। वार्ड पांच में पल-पल सियासी समीकरण बदल रहे हैं। निर्दल रामेश्वर प्रसाद शुक्ला निर्दल उमाकान्त त्रिपाठी से मात्र 15 मतों से आगे चल रहे हैं। इस तरह से अभी पहाडी वार्ड नौ को छोड़कर अन्य वार्डों की तस्वीर साफ नहीं हुई है। देर रात तक तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

जीते हुए प्रत्याशियों में खुशी की लहर

राठ(हमीरपुर)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बीडीसी, ग्राम प्रधान और जिला पंचायत सदस्यों की मतगणना के दौरान जीते प्रत्याशियों के चेहरों पर खुशी की लहर छा गई। वहीं जो प्रत्याशी हार गए उन्हें मायूसी हाथ लगी। सोमवार की दोपहर बाद तक परिणाम घोषित होते रहे। रविवार की सुबह से ही बीएनवी इंटर कॉलिज में बनाए गए मतगणना केंद्र पर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भीड़ लग गई थी। सोमवार की दोपहर तक जब सभी परिणाम घोषित हो गए तब जाकर भीड़ खत्म हुई। राठ ब्लाक की 41 ग्राम पंचायतों में प्रधान पद के लिए परा गांव से जौहर सिंह, बहगांव चरन सिंह, टिकरिया नीमा, ददरी प्रमोद रानी, कुर्रा चन्द्रप्रभा, बरदा से कामता प्रसाद, बिलरख से पूजा, सरगांव से कमलेश कुमारी, टोला खंगारन से जयंती देवी, मलेहटा से सरोज देवी, मझगवां से नीता सिंह, रौरो से रामसनेही, इकठौर से रामकुमार, गोहानी पनवाडी से चंद्रवती, बरेल से दिनेश प्रताप सिंह, गल्हिया से देवीदीन, उमन्निया से नीतू यादव, अटगांव से मलखान, खड़ाकर से प्रमोद कुमार, गिरवर से ज्ञानस्वरूप, टोलारावत से सहदेवी ने अपनी जीत दर्ज कराई। इसी तरह से गोहांड ब्लाक से जराखर से कमलेश राजपूत, धनौरी से तेजप्रताप, अकौना से कस्तुरी, पवई से अनीता, जमखुरी से जयप्रकाश, बीरा से राजकुमार, चिकासी से ईशु, बरौली खरका से खेत सिंह, अतरा से खेमचंद्र, इटैलियाराजा से सुनीता देवी, बंगरा से आरती देवी, रावतपुरा से विक्रम सिंह, सरसई से मनोज कुमारी, कुम्हारिया से हरनारायण, स्यावरी से विमलेश, बहपुर से करन सिंह, रिगवारा खुर्द से जगदीश, अमूंद से हेमरानी, करगवां से नीतू, बरूआ से विमलेश, कैमोखर से द्रगपाल सिंह, मसगवां से बरदानी ने जीत दर्ज की। नौरंगा से भानसिंह राजपूत की पुत्री भारती ने चुनाव में जीत दर्ज कराई।

ब्लाक सदन में दस बीडीसी सदस्य हस्ताक्षर के स्थान पर लगायेगे अंगूठा

सरीला। सरीला ब्लाक के 54 सदस्यी क्षेत्र पंचायत सदस्यों में दस निरक्षर सदस्यों ने अपनी जीत दर्ज करायी है। मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक आज प्रजातंत्र में साक्षरता दर की पोल उस समय खुलकर सामने आ गयी जब दस बीडीसी सदस्यों ने अनपढ होने का प्रमाण पत्र दिया। यह सभी सदस्य ब्लाक के सदन में बैठकर हस्ताक्षर के स्थान पर अंगूठा लगायेगे। लोगो का कहना है कि ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीसी सदस्य की विकास मे अहम भूमिका होती है। मगर जब अनपढ लोग ब्लाक के सदन में बैठकर कानून की क्या बात सोच सकेगे। इसी प्रकार ग्राम प्रधानों में कई अनपढ लोगो ने उपस्थिति दर्ज करायी है।

खम्हरिया गांव से शारदा पटेल पांचवी बार बने प्रधान

चित्रकूट। चित्रकूटधाम कर्वी ब्लाक के खम्हरिया गांव के प्रधान शारदा प्रसाद पटेल पांचवी बार लगातार प्रधान पद पर जीते हैं। किसी जमाने में डकैतों का गढ रहा खम्हरिया गांव शारदा प्रसाद के नेक व्यवहार व गांव में कराये अच्छे कार्यों के बूते उनकी फिर जीत हुई है। सोमवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नतीजे सामने आये। खम्हरिया गांव के प्रधान शारदा प्रसाद पटेल पांचवी बार प्रधान बने हैं। उन्होंने बताया कि इष्टदेव व बाबा स्व रामबालक पटेल तथा बुजुर्गों व सभी गांववासियों और मित्रों के आशीर्वाद व स्नेह के बूते प्रधान पद पर काबिज हुए हैं। ये चुनाव खासा रोमांचक रहा। चुनाव में किसका पलडा भारी रहेगा। इस बात पर अन्तिम समय तक संसय बना रहा। जब नतीजे सामने आये तो 151 मतों से शारदा पटेल को जीत हासिल हुई। उनकी जीत पर जिला पंचायत के पूर्व सदस्य डॉ रमेश पटेल आदि ने खुशियां जताई हैं।,

राठ में पेयजल की समस्या बढने से लोग परेशान

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के पठानपुरा बजरिया मोहल्ले में पेयजल की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मोहल्लेवासी बूंद बूंद पानी के लिये तरस रहे है। नगर पालिका द्वारा पानी टेंकर आते ही मोहल्लेवासी लाइन में खड़े होकर पानी भरने को मजबूर है। कुछ मोहल्लेवासी बिना पानी के बैरंग लौट जाते है। बतादें कि पठानपुरा बजरिया मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। मोहल्ले के मकबूल, शकील, दानिश, जीतेंद्र राजपूत, अनिल कुमार, राजेंद्र आदि ने बताया कि जल संस्थान द्वारा पानी की सप्लाई नहीं दी जाती है। जिससे मोहल्ले के लोग बूंद बूंद पानी के लिये तरस रहे है। बताया कि दूर दराज से पानी भरने के लिये मजबूर है। सुबह नगर पालिका द्वारा भेजा गया पानी का टैंकर से मोहल्लेवासियों को कुछ राहत महसूस होती है। बताया कि टैंकर का पानी खत्म होने पर कुछ लोग बिना पानी के बैरंग लौट जाते है। मोहल्ले में हैंडपंप न होने के कारण पानी की और भी समस्या बनी हुई। बताया कि मोहल्ले में हैंडपंप के रिबोर होने जाने से पानी की समस्या न होगी।

किशोरी ने जहर खाकर जान दे दी

राठ(हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव में अज्ञात कारणों के चलते एक किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराया है। किशोरी की मौत पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। औंता गांव निवासी दीक्षा 17 पुत्री पन्नालाल ने बीती रविवार की रात अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर दिया। किशोरी की हालत नाजुक देख परिजन आनन फानन में इलाज के लिये सीएचसी ले गये। जहां इलाज के दौरान किशोरी ने दम तोड़ दिया। मृतका के दादा देवकरण ने बताया कि उसकी भतीजी ने किसी बात को लेकर जहरीला पदार्थ खा लिया था। फिलहाल परिजन घटना के कारणों को लेकर चुप्पी साधे हुये थे। पुत्री की मौत पर मां सहित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

मरीज की मौत पर परिजनों ने काटा हंगामा

चित्रकूट। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की सरगर्मियों के बीच कोविड अस्पताल खोह में मृतक के परिजनों व स्वास्थ्य कर्मियों के बीच जमकर हंगामा हुआ। स्वास्थ्य कर्मियों के साथ परिजनों के अभद्रता करने से खफा एम्बुलेंस चालकों ने एम्बुलेंसों को सड़क पर खड़ाकर जाम लगा दिया। कोविड अस्पताल खोह में परिजनों के हंगामे की घटना सोमवार को अपरान्ह चार बजे हुई। बताया गया कि कोरोना से एक युवक की मृत्यु होने पर परिजनों ने हंगामा काट दिया। स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्रता की। इसके विरोध में स्वास्थ्य कर्मियों ने एम्बुलेंसों को सड़क पर खड़ाकर जाम लगवा दिया। इससे मानिकपुर कर्वी मार्ग का यातायात ठप हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाम हटवाने के तमाम प्रयास किये। पुलिस के न मानने पर एसडीएम सदर रामप्रकाश ने स्वास्थ्य कर्मियों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष का पुत्र भी हारा प्रधानी

फर्रुखाबाद। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ0 भूदेव राजपूत का पुत्र भी प्रधानी का चुनाव हार गया। जिससे उनके खेमे में मायूसी है। विकास खंड बढ़पुर की ग्राम पिथुपुरमेंहदिया निवासी भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भूदेव राजपूत का पैत्रक गाँव है। जहाँ से उनका पुत्र तरुण देव के खिलाफ गाँव से ही दुर्विजय ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ रहे थे।

गाँवों में निकले विजय जुलूस

फर्रुखाबाद। चुनाव आयोग ने कोविड 19 संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के कारण जुलूस,जश्न बनाने पर रोक लगाई थीए जिसका शक्ति से पालन कराने को प्रशासन को आदेश दिये थेए जिसके वावजूद कई गाँवों में अधिक संख्या में भीड़ एकत्र कर विजय जूलूस बैंड बाजे के साथ निकाले।

कोरोना के आगे अन्य बीमारियों पर नहीं है किसी का ध्यान

संवाददाता। चित्रकूट

मऊ ब्लाक व रामनगर के सुरौंधा, छिवलहा, बरिया आदि गांवों में इन दिनों घर-घर टाइफाइड, मलेरिया की बीमारी फैली है। कोरोना के भय से लोग सरकारी अस्पताल नहीं जाते हैं। कोरोना के आगे अन्य बीमारियों पर स्वास्थ्य विभाग का कोई ध्यान नहीं है। ऐसे में इलाज को मरीज दर-दर भटक रहे हैं। सोमवार को मऊ व रामनगर ब्लाक के सुरौंधा, छिवलहा, बरिया आदि गांवों में मलेरिया, टाइफाइड की बीमारी घर-घर फैली है। कोरोना के भय से लोग सरकारी अस्पताल न जाकर प्राइवेट डॉक्टरों के यहां इलाज करवा रहे हैं। लोगों ने बताया कि गांव में इन दिनों मच्छर बहुत लगते हैं। कभी दवा का छिडकाव नहीं होता है। साफ-सफाई भी नहीं होती है। सरकारी अस्पतालों में कोरोना मरीजों की भरमार रहती है। भीड के चलते नम्बर ही नहीं आता है। इसलिए ग्रामीण प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने को मजबूर हैं। कोरोना के आगे अन्य बीमारी की ओर स्वास्थ्य विभाग का कोई ध्यान नहीं है। तमाम लोग टाइफाइड, मलेरिया से जूझ रहे हैं। गांव की गलियों व नाली में भारी कचरा जमा होने से गन्दगी से मच्छरों की भरमार है। स्वास्थ्य विभाग को अन्य बीमारियों पर भी गौर करना चाहिए। अन्यथा गरीब जनता बेमौत मरने को मजबूर होती जा रही है।

डिप्टी जेलर समेत 146 और पाए गए कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता। चित्रकूट

जिले में कोरोना का कहर गजब ढा रहा है। जिला कारागार रगौली के डिप्टी जेलर व एचडीएफसी बैंक कर्वी के असिस्टेन्ट मैनेजर समेत 146 नये कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। सोमवार को सीएमओ डॉ विनोद कुमार यादव ने बताया कि आरटीपीसीआर जांच में 211, एंटीजन जांच में 970 कुल जांच 1181, आरटीपीसीआर में पॉजिटिव 91, एंटी पॉजिटिव केस 55, टूनॉट से पॉजिटिव केस जीरो कुल 146 पॉजिटिव केस आज मिले हैं। 49 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। कुल कोरोना पॉजिटिव 1501 हैं।

उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन के मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी कोरोना कमांड एवं कंट्रोल सेन्टर में लगे कर्मचारी लगातार ले रहे हैं। जिला अस्पताल में दवायें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष ने फिर दिये आक्सीजन सिलेण्डर

फतेहपुर। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर जहां थमने का नाम नहीं ले रहा है वहीं आक्सीजन की कमी से जूझ रहे मरीजों की सेवा करने के लिए समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष मो0 आजम खां लगातार मदद कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होने जिला चिकित्सालय पहुंचकर डा0 नरेश विशाल को दो बड़े व तीन छोटे आक्सीजन सिलेण्डर सौंपे। उनके इस कार्य की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। बताते चलें कि खासी बुखार के अन्य मरीज बड़ी संख्या में जिला चिकित्सालय में भर्ती है। जिनका लगातार यहां उपचार चल रहा है लेकिन बीच-बीच में आ रही आक्सीजन की कमी को लेकर मरीजों व तीमारदारों को जद्दोजहद करनी पड़ रही है। इसी जानकारी होने पर लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष आजम खां ने चार दिन पूर्व जिला चिकित्सालय को 50 सिलेण्डर मुहैया कराने का काम किया था। उन्होने कहा था कि आगे भी जरूरत पड़ी तो वह मदद पहुंचाने का काम करेंगे और एक बार फिर उन्होने जिला चिकित्सालय पहुंचकर डॉ0 नरेश विशाल को दो बड़े व तीन छोटे आक्सीजन सिलेण्डर सौंपने का काम किया। उनके इस कार्य की जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज व तीमारदार प्रशंसा कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वो पूरी कोशिश करते हैं कि जितना हो सके मरीजों के लिए आक्सीजन सिलेण्डर की व्यवस्था कर उन तक पहुंचाया जाये। जिससे जरूरतमंदों की जान बच सके। कहा कि इस समय हमारा देश बड़ी आपदा से जूझ रहा है ऐसे में लोगों को दिल खोलकर सभी की मदद करनी चाहिए। इस मौके पर समाजसेवी अशोक तपस्वी भी मौजूद रहे।

वीकेंड लाकडाउनः ईद में गुलजार रहने वाले बाजारों में पसरा सन्नाटा

फतेहपुर। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर जहां थमने का नाम नहीं ले रहा है वहीं प्रतिदिन अब भी एक सैकड़ा से अधिक लोग कोरोना पाजिटिव निकल रहे हैं। महामारी को फैलने से रोकने के लिए लगाये गये वीकेंड लाकडाउन का असर शहर में देखने को मिला। ईद में गुलजार रहने वाला प्रमुख बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है। आवश्यक वस्तुओं की दुकानों पर जरूरतमंदों की भीड़ देखी गयी। गैर जनपदों से आने वाले लोगों को आटो व रिक्शा के लिए जद्दोजहद करते हुए देखा गया। लोगों को अपने गन्तव्य तक पहुंचने के लिए पैदल ही जाना पड़ा। बताते चलें कि वैश्विक महामारी को लेकर शासन बेहद गम्भीर है लगातार नित्य नये नियम लागू किये जा रहे हैं। इसके बावजूद भी कोरोना पाजिटिव मरीजों की संख्या में गिरावट नहीं आ रही है। तीन दिनों के लाकडाउन के अन्तिम दिन भी शहर क्षेत्र की सभी दुकानें पूर्णतः बंद रहीं। मुस्लिम समुदाय का पर्व ईद बेहद नजदीक है। अब ईद में सिर्फ दस दिन ही शेष रह गये हैं। आम दिनों में ईद पर्व के नजदीक आते ही चौक, लाला बाजार, चूड़ी वाली गली, चौगलिया समेत अन्य बाजारों में खरीददारों की भीड़ उमड़ा करती थी लेकिन इस महामारी के प्रकोप में अब सब कुछ सिर्फ सपना ही लग रहा है। बाजार बंद होने से यहां सन्नाटा पसरा हुआ है लोग अपने-अपने घरों में कैद हैं।

प्रदेश के सभी पत्रकारों को सरकार घोषित करें फ्रंटलाइन वर्कर : पटेल

बाँदा -चित्रकूट सांसद ने सीएम योगी को पत्र भेज की मांग

संवाददाता। चित्रकूट

कोरोना से आये दिन सूबे के कर्मठ पत्रकारों की हो रही मृत्यु से चिन्तित बांदा-चित्रकूट के सांसद आरके सिंह पटेल ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर की भांति सुविधायें मुहैया कराने की मांग की है। सोमवार को सांसद आर के सिंह पटेल ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार विकराल रुप धारण कर रहा है। संक्रमण की तेज रफ्तार को देखते हुए पत्रकारों को भी फ्रंटलाइन वर्कर की भांति सरकार सुविधायें मुहैया कराये तो जनहित में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश समेत उनके संसदीय क्षेत्र बांदा-चित्रकूट में पत्रकार मित्र कोरोना के खतरनाक काल में अपनी जान-जोखिम में डालकर अपने धर्म का निर्वहन कर रहे हैं। आये दिन कर्तव्यों का निर्वहन करते कर्मठ पत्रकार कोरोना के शिकार हो रहे है। यूपी के सभी मीडिया कर्मियों को कोरोना योद्धा का दर्जा देकर प्राथमिकता से टीकाकरण कराये जाने के साथ-साथ भरण-पोषण आदि के पुख्ता इंतजाम किये जाने की जरूरत है। सांसद पटेल ने सूबे के मुख्यमंत्री से मांग किया कि मध्य प्रदेश सरकार की भांति सभी पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित किया जाये। उन्होंने मांग किया कि उत्तर प्रदेश के पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित कर सभी सुविधायें मुहैया कराई जायें।

पंचायत चुनाव में फिर दिखी डकैतों के परिजनों की धमक

चुनाव जीतने वाले डकैतों के परिजन।

बंदरी से ठोकिया का भाई दीपक तो शीतलपुर तरौहां से राधे का पुत्र अरिमर्दन बना प्रधान

संवाददाता। चित्रकूट

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में आतंक का पर्याय रहे दुर्दांत डकैत पटेल उर्फ ठोकिया के भाई दीपक पटेल और दस्यु ददुआ के दाहिने हाथ रहे दुर्दांत डकैत राधे उर्फ सूबेदार सिंह के पुत्र अरिमर्दन सिंह ने पंचायत चुनाव में चित्रकूट जिले के सदर ब्लाक के शीतलपुर तरौहां और बंदरी गांव से जीत का परचम लहराया है। आपको बता दे विंध्य पर्वत श्रृंखला के मध्य बसा उत्तर प्रदेश का चित्रकूट जिला विगत चार दशको से ददुआ ,ठोकिया,रागिया ,बलखड़िया ,बबली कोल आदि दुर्दांत डकैतों के आतंक का शिकार रहा है।

बुंदेलखंड के सबसे पिछड़े जिले में सुमार चित्रकूट में डकैतों के फरमान से ही ग्राम प्रधान से लेकर सांसद और विधायक बनते रहे है। डकैत ददुआ का फरमान 'वोट पड़ेगा हाथी,नहीं लाश मिलेगी घाटी में 'आज भी लोगों के जेहन में है। डकैतों का आतंक इस कदर हावी था कि उत्तर प्रदेश के चित्रकूट ,बाँदा ,फतेहपुर कौशाम्बी ,प्रयागराज तथा मध्य प्रदेश के सतना ,रीवां ,पन्ना ,छतरपुर आदि जिलों में दुर्दान्तो के फरमान से सियासत की अंक गणित बनती और बिगड़ती रही है। वर्ष 2007 के बाद डकैतों के आतंक का खात्मा शुरू हुआ। बसपा मुखिया मायावती की सरकार में जंहा ददुआ और ठोकिया का सफाया हुआ। वहीं योगी सरकार में आतंक का फन उठाने की जुर्रत करने वाले बदमाशों का सफाया कर दिया गया। जिससे चुनावो में डकैतों की दखल और उनके परिजनों की भागेदारी पूरी तरह खत्म हो गई थी। इधर डकैतों के परिजनों ने अपना रास्ता और तौर तरीका बदल कर जनसेवा में जुट गये। जिसके परिणाम स्वरुप सोमवार को घोषित हुए पंचायत चुनाव के परिणामो में दस्यु ठोकिया के भाई दीपक पटेल ने ग्राम बंदरी और दस्यु राधे उर्फ सूबेदार के पुत्र अरिमर्दन सिंह उर्फ सोनू ने शीतलपुर से ग्राम प्रधान पद पर रिकार्ड जीत हासिल की है।

जमाखोरी से मेडिकल स्टोरों पर जीवनरक्षक दवाइयों का टोटा

फतेहपुर। कोरोना का जैसे-जैसे रौद्र रूप सामने आ रहा है सरकार द्वारा रोकथाम के प्रयास और बचाओ की तरकीब के बीच मेडिकल स्टोरों से दवाइयां भी कम होती जा रही है। मांग के हिसाब से आपूर्ति न होना व कोरोना महामारी के इस दौरान लॉकडाउन के समय दवाइयों की अचानक जरूरत की सोचकर लोग आवश्यकताओं से अधिक दवाइयों की खरीदकर उसका स्टॉक कर रहे है। लोगों की यह जमाखोरी आम आदमियों के लिये समस्या बनती जा रही है। बाजार से गायब होने के कारण लोगों को यह दवाएं उपलब्ध नहीं हो रही। जनपद व गैर जनपद में भी सामान्यतः प्रयोग होने वाली दवाइयां लगभग सभी मेडिकल स्टोरों पर मिल जाती हैं। कुछ विशेष दवाइयों को भी मेडिकल स्टोरों में नोट करवाने की व्यवस्था है। जिसे मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा अगले दिन उपलब्ध करवा दिया जाता है। नियमित दवाइयों का सेवन करने वालों के लिये अधिकतर दवाइयां उनके लिये जीवन रक्षक दवाइयां जैसी ही होती है। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के अलावा रक्तचाप मधुमेह, थायरायड जैसे रोगों से पीड़ितों को लगातार दवाइयों का सेवन करना होता है। इसके अलावा सर्दी, बुखार, पेट दर्द जैसी सामान्य दवाईओ व सर्जिकल आदि के केस वालों की दवाइयां होती है जो कि अल्प अवधि के लिये इस्तेमाल की जाती है। कोविड-19 के सेकेंड स्ट्रीम की गंभीरता और लगातार संक्रमण की बढ़ोत्तरी ने लोगों के दिलो में दहशत भर दी है लोगों के लागतार संक्रमित होने का सिसलसिल थमने का नाम नही ले रहा है।

बांटी होम्योपैथिक औषधि

फतेहपुर। डॉ0 सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में यूथ आइकॉन डॉ0 अनुराग श्रीवास्तव द्वारा लगातार रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने हेतु होम्योपैथिक औषधि का वितरण किया जा रहा है। आज उन्होने मुराइनटोला चौकी पहुंचकर कार्यरत सभी पुलिस कर्मियों को होम्योपैथिक औषधि के साथ-साथ मास्क वितरित करने का काम किया। डॉ0 श्रीवास्तव अपने सहयोगी के साथ मुराइनटोला चौकी पहुंचे। जहां इस कठिन समय में सभी को सुरक्षा प्रदान कर अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी पुलिस कर्मियों को आयुष मंत्रालय द्वारा प्रमाणित एवं कोरोना के संक्रमण को कम करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि आर्सेनिक एल्बम 30 एवं मास्क का नि:शुल्क वितरण किया।

आकाशीय बिजली से दो किशोरों की मौत

मृतकों व घायलों के परिजनों को मिलेगी राहत राशि: एडीएम

संवाददाता। चित्रकूट

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी जीपी सिंह ने बताया कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के सिगवां गांव में आकाशीय बिजली गिरने से रामदयाल व आशीष की मृत्यु होने तथा चार लोगों के घायल होने पर मृतक व घायल के परिवारों को दैवीय आपदा राहत कोष से आर्थिक मदद देने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले के प्रभारी मंत्री नन्दगोपाल गुप्ता नन्दी ने आकाशीय बिजली से दो लोगों की मौत पर शोक जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ्य होने की ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को तत्काल राहत देने के निर्देश दिये हैं।

मानिकपुर थाना क्षेत्र के कोटाकंदैला गांव के मजरा सिगवां में मैच खेलते समय आकाशीय बिजली गिरने से आधा दर्जन लोग झुलस गये। दो लोगों की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज दौरान मृत्यु हो गई। रविवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदलने से गरज के बाद हल्की बारिश हुई। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से कोटाकंदैला गांव के मजरा सिगवां में बरगद पेड़ के नीचे मैच खेल रहे बच्चे गम्भीर रुप से झुलस गये। इनमें रामदयाल (17) पुत्र देवीदयाल व आशीष कुमार (12) पुत्र राजा को गम्भीर दशा में इलाज को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। इलाज दौरान दोनों की मृत्यु हो गई। जबकि अंकित (19) पुत्र धर्मपाल, बृजेश कुमार (20) पुत्र कमलेश, दीनदयाल (13) पुत्र बाबूलाल व गोलू (12) पुत्र अभिलाष का गम्भीर दशा में इलाज चल रहा है। प्रभारी डॉ मनीष कुमार ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आये दो किशोरों की रास्ते में मृत्यु हो गई। घायलों का इलाज जारी है। मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा है। घटना की सूचना मिलने पर मानिकपुर तहसीलदार राजेश यादव ने अस्पताल पहुंचकर मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए प्रभारी डॉक्टर से आकाशीय बिजली से झुलसे लोगों का बेहतर इलाज करने को कहा। मृतकों के परिजनों को दैवीय आपदा के तहत मुआवजा दिया जायेगा। इधर, सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के प्रति गहरा शोक जताते हुए दिवंगत लोगों के परिजनों को तत्काल राहत राशि देने के निर्देश दिये हैं।

मतगणना में लगे कर्मियों के स्वास्थ्य पर दें ध्यानः डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल व पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतगणना के मद्देनजर चित्रकूट इंटर कालेज कर्वी, पालेश्वरनाथ इंटर कालेज पहाडी, सीपी गौतम महाविद्यालय रामनगर व पकौआ देवी संस्कृत विद्यालय मानिकपुर समेत सभी मतगणना स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था देखी। ड्यूटी में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिये। सोमवार को डीएम-एसपी ने मतगणना के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों से कोरोना नियमों का पालन करने के निर्देश दिये। उपजिलाधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि जिन कक्षों में मतगणना का कार्य धीमा चल रहा है वहां और कर्मचारी लगाकर कार्य में तेजी लायें। देखें कि किसी कर्मचारी का स्वास्थ्य खराब न हो। समय से खानपान का इंतजाम करें। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोई प्रत्याशी चुनाव जीतने के बाद जुलूस न निकालने पाये। मुस्तैदी के साथ कार्य करें। किसी भी अराजकतत्व को बख्शा नहीं जायेगा। निरीक्षण दौरान एडीएम जीपी सिंह, एसडीएम कर्वी रामप्रकाश, मानिकपुर एसडीएम संगमलाल, राजापुर एसडीएम राजबहादुर समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आरओ के सामने प्रत्याशियों में विवाद भाजपा नेता को पुलिस ने दबोचा

फर्रुखाबाद। धांधली का आरोप लगा रहे एक प्रत्याशियों नें जमकर हंगामा किया। उसके समर्थन में भाजपा उपाध्यक्ष भी आ गये। आरो पके सामने ही र्स्याशियों में हाथापाई को हुयी। उसी समय पंहुचे जिलाधिकारी के निर्देश पर भाजपा उपाध्यक्ष को हिरासत में ले लिया।दरअसल विकास खंड राजेपुर क्षेत्र के ग्राम कुबेरपुर कुढरा से छोटे शर्मा व आशीष वर्मा प्रधान पद का चुनाव लड़े

पंचायत चुनाव में दिग्गजों को जनता ने दिखाया आईना

नीरज सिंह। अमेठी

राजनैतिक दृष्टिकोण से अमेठी जनपद को देखा जाए इसकी एक अपनी अलग अहमियत है द्य इस जिले में कई दशकों तक गांधी परिवार का दबदबा रहा और इसे बीआईपी का दर्जा मिलता रहा वर्तमान में भी केंद्र की मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी इस संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व कर रही हैं और वीवीआईपी का रुतबा कायम रखा है सभी मायनों में जिले में संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी काफी अहम था सभी दलों ने इन चुनाव को काफी गंभीरता से लिया था सत्ताधारी भाजपा के साथ.साथ सपा व कांग्रेस ने भी काफी तैयारी की थी क्षेत्र पंचायत सदस्यए ग्राम पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान पद के लिए इन पार्टियों ने अपने समर्थक या प्रत्याशी सीधे तौर पर भले ही नहीं उतारे थे लेकिन कहीं ना कहीं प्रत्याशियों से उनका जुड़ाव रहा प् इन दलों ने केवल जिला पंचायत पद के लिए अपने समर्थित उम्मीदवारों की सूची जारी की थी प् अब जबकि जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम आ चुके हैं एक अनुमान के मुताबिक भाजपा वह सपा ने दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके हैं एभले ही इनके दावे बड़े.बड़े हो प् इसी प्रकार बसपा व कांग्रेस के दो या तीन सदस्य से अधिक प्रत्याशी नहीं जीत सके है प् इन चुनावों ने जिले के राजनीतिक धुरंधरों की चूल्हें हिला कर रख दी हैं वंशवाद और परिवारवाद को जनता ने काफी हद तक नकार दिया है चाहे वह प्रधान पद या फिर क्षेत्र पंचायत पद हो अथवा जिला पंचायत पद के लिए हो अब बात करें माननीयों की तो जिसमें जिला पंचायत पद के लिए गौरीगंज के सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने अपने परिवार के 03 सदस्यों को जिला पंचायत सदस्य पद के लिए चुनाव मैदान में उतारा था जिसमें उनकी पत्नी शीलम सिंह वार्ड नंबर 08 से विजई हुई हैं जबकि उनके भाई मुकेश सिंह वार्ड नंबर 26 से भाजपा प्रत्याशी से हार गए प् वही वार्ड नंबर 23 से उनके छोटे भाई उमेश सिंह को निर्दलीय प्रत्याशी सविता सिंह पत्नी उदयभान सिंह बबलू से हार का सामना करना पड़ा द्य इसी वार्ड से पूर्व मंत्री व गौरीगंज के पूर्व विधायक जंग बहादुर सिंह की बहू व भाजपा प्रत्याशी बिंदु सिंह भी चुनाव लड़ रही थी उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा प् इस नतीजे को अप्रत्याशित तौर पर देखा जा रहा है प् इस प्रकार वार्ड 22 से गौरीगंज के पूर्व विधायक तेजभान सिंह की बहू व भाजपा प्रत्याशी डॉ सुनीता सिंह को भी हार का सामना करना पड़ा है द्य तिलोई के भाजपा विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह भी सभी भाजपा प्रत्याशियों को जीत नहीं दिला सके प् इसी तरह जगदीशपुर विधानसभा से विधायक व राज्यमंत्री की विधानसभा क्षेत्र से दो भाजपा समर्थित प्रत्याशी जीतने में कामयाब हुये प् अमेठी विधानसभा में भी भाजपा विधायक गरिमा सिंह भाजपा प्रत्याशियों को आशानुरूप नहीं जिता पायी द्य वही सपा के पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की बहू रेनू प्रजापति चुनाव जीतने में कामयाब रही प् इसके साथ ही वार्ड 30 से भाजपा नेता व उद्योगपति राजेश अग्रहरि मसाला चुनाव जीतने में कामयाब रहे इन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी के तौर पर भी देखा जा रहा है प् जिला पंचायत अध्यक्ष पद के दूसरे दावेदार सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह के समर्थकों की माने तो उनके कई समर्थक चुनाव जीते हैं प् फिलहाल बड़ी संख्या में निर्दलीयों के जीतने से जिला पंचायत अध्यक्ष पद काफी रोचक होगा द्य पंचायत चुनाव में वर्षों से एक ही परिवार में चली आ रही ग्राम प्रधानी को भी जनता ने वर्चस्व खत्म कर दिया है प् इसके साथ में अनेक दिग्गज राजनीतिक धुरंधर के समर्थक भी चुनाव में शिकस्त खा गए प् इससे लगता है कि इस बार जनता ने वर्चस्व वाली राजनीति को नकार दिया है यह सभी जनप्रतिनिधियों के अल्टीमेटम के समान है क्योंकि लोगों की माने तो संपन्न हुई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आगामी विधानसभा चुनाव सेमी फाइनल के रूप में देखा जा रहा है प् यहां का हर परिणाम राजनीति के गलियारों में हलचल मचाने के लिए काफी है कांग्रेस भाजपा सपा बसपा सभी दलों की निगाहें आने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष व क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष के चुनाव पर गड़ गई हैं प् चुनाव के नतीजे से ही बहुत कुछ विधानसभा चुनाव का समीकरण बनेगा प् जिला पंचायत के चुनाव भाजपा के लिए उत्साहजनक नहीं साबित हुए हैं प् इससे भाजपा ही नहीं उनकी सांसद स्मृति ईरानी भी के लिए आने वाले चुनाव अग्नि परीक्षा के सामान साबित होने वाले हैं पवही विपक्षियों में इस चुनाव से उत्साह अवश्य बढ़ा हुआ हैद्य फिलहाल जनता ने अपना फैसला सुना दिया है गुणा भाग करने का कार्य राजनीतिक दलों के पाले डाल दिया है ।

धनबल रहा हावी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चुनाव जीतने के लिए प्रत्याशियों ने जिस प्रकार शराब और धनबल का प्रयोग किया यह लोकतंत्र व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है द्य इससे आमजन चुनाव लड़ने का सोच भी नहीं सकते हैं जबकि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का सभी को अधिकार है लेकिन धनबल का जिस प्रकार प्रयोग हुआ एक साधारण आदमी चुनाव कैसे लड़ सकता है चुनाव आयोग भले ही प्रत्याशियों के खर्च का निर्धारण करता है लेकिन वास्तविकता में कुछ अलग ही होता है इस बार भी धान का प्रयोग जनता को लुभाने में सबसे मुफीद हथियार साबित हुआ है द्य जिस पर प्रशासन भी रोक लगाने में कामयाब नहीं हो सकी है द्य इस प्रकार चुनाव में हो रहे धनबल का प्रयोग रोकने के लिए सरकार को रोकने के लिए सोचना होगा नहीं तो चुनाव में निष्पक्षता कहां रह जाएगी और साधारण आदमी चुनाव लड़ नहीं सकेगा।

बछरावां के जनप्रिय डॉक्टर अशोक तिवारी नहीं रहे

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

स्थानीय कस्बे के लोकप्रिय डॉक्टर अशोक तिवारी का अल्प अवधि बीमारी के पश्चात दिल्ली के एम्स में निधन हो गया,ज्ञात हो कि डॉ अशोक तिवारी के पिता आर आर तिवारी बछरावां से मशहूर चिकित्सक थे, एक लंबे समय तक उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवाएं दी थी सेवा निर्वस्त्र होने के बाद उन्होंने अपना निजी चिकित्सालय कन्या इंटर कॉलेज के बगल में स्थापित किया था, पिता की देखरेख में डॉ अशोक तिवारी द्वारा भी बीए एम एस की डिग्री ली गई और कई अस्पतालों में सरकारी डॉक्टर के रूप में सेवाएं प्रदान की गई सेवा निर्वस्त्र होने के बाद उन्होंने अपने पिता का पूर्व दवाखाना संभाल लिया ,वह इतने विनम्र वह मृदुभाषी थे कि अगर किसी के पास देने के लिए उनकी फीस नहीं होती थी, तो वह पीस लेना तो दूर ,सैंपल में मिली दवाएं अपने पास से ही दे दिया करते थे, स्वर्गीय डॉक्टर तिवारी के बहनोई विजेंद्र अग्निहोत्री रायबरेली कम्युनिस्ट पार्टी के जिला मंत्री थे उनके सानिध्य में स्वर्गीय

तिवारी भी वामपंथी विचारधारा से प्रभावित थे, आते हैं गरीबों का इलाज मुफ्त में ही किया करते थे, स्वर्गीय तिवारी के निधन पर बछरावां कस्बा ही नहीं पूरे क्षेत्र में एक दयावान मसीहा खो दिया है, उनके असामयिक निधन पर पत्रकार टी एन मिश्रा, कंचन द्विवेदी, आशीष मिश्रा, ललित चौधरी, अमित चौधरी, कामरेड चंद्र किशोर आजाद, सर्वेश मिश्रा, अमित अवस्थी, शुभम मिश्रा, अंकुर चौधरी, राम बहादुर वर्मा संतोष डे, शशीकांत मिश्रा, सौर्य मंडल शुक्ला, राजकुमार चौधरी, लाल बहादुर चौधरी, डॉ विजय शुक्ला, मनोज मिश्रा, सुनील सागर, राकेश चौधरी आदि ने गहरा दुख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए,।

अनुपमा मिश्रा, अंजली पासी, विनय कुमार वर्मा ने डीडीसी की सीट पर लहराया परचम

शिवगढ़,रायबरेली। शिवगढ़ क्षेत्र में शिवगढ़ प्रथम से निर्दलीय उम्मीदवार अनुपमा मिश्रा पत्नी पवन मिश्रा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी महेंद्र यादव को 524 मतों से शिकस्त देकर जीत हासिल की है। अनुपमा मिश्रा को जहां कुल मत 5450 मिले वहीं महेंद्र यादव को 4926 मत मिले। जिला पंचायत की शिवगढ़ द्वितीय सीट से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी गोल्ड मेडलिस्ट अंजली पासी विजयी रही। जिन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी अर्चना पासी पत्नी राजकुमार पासी को 2472 मतों से करारी शिकस्त दी है। अंजली पासी को जहां 5962 मत मिले वहीं अर्चना पासी को मात्र 3490 मत ही प्राप्त हो सके। शिवगढ़ तृतीय से एमएलसी प्रतिनिधि विनय कुमार वर्मा ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी रागिनी वर्मा पत्नी वीरेंद्र वर्मा को 3830, मतों से करारी शिकस्त दी है। विनय कुमार वर्मा को जहां 8369 मत मिले वहीं रागिनी वर्मा को कुल 4539 मत प्राप्त हुए। जबकि भाजपा समर्थित रमेश सिंह को 3911 मत मिले। आरओ शिवानंद शरण त्रिपाठी ने बताया कि यहां से इनके रिकॉर्ड जिले पर भेजे जा रहे हैं वहीं जिले से इन लोगों को प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाएंगे।

मृतक प्रधान व बीडीसी प्रत्यशी की हुई जीत

श्रावस्ती। जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत लालबोझा में महिला प्रधान प्रत्यशी कृष्णावती जो अब दुनिया में नही है उन्हें 214 मत मिलने से जीत हासिल हुयी तो वही वार्ड संख्या 100 से क्षेत्र पंचायत सदस्य महिला मृतक प्रत्याशी शाकरून को 524 मत मिलने से विजय मिली।जमुनहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत लालबोझा की कृष्णावती पत्नी गुरुदेव की सांस लेने में असुविधा होने के चलते 25 अप्रैल को मौत हो चुकी थी। सोमवार को मतगणना में मृतका कृषणावती को 214 मत मिलने से जीत पक्की हो गयी वही रनर प्रत्यशी सुमन वर्मा को को 183 मत मिले। इसी तरह क्षेत्र पंचायत सदस्य वार्ड संख्या 100 की महिला प्रत्याशी शाकरून की 11 अप्रैल को मौत हो चुकी थी। लेकिन 524 मतदाताओं ने मृतका को अपना मत देकर जीत हासिल करा दिया।

ग्रामीणों को नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से विकास की उम्मीद

संवाददाता। शिवगढ़,रायबरेली

शिवगढ़ क्षेत्र में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के आए परिणामों में ग्राम पंचायत बदावर के 32 वर्षीय शिव प्रकाश द्विवेदी 145 मत अर्जित कर बदावर प्रधान बने, वहीं ग्राम पंचायत शिवगढ़ की निवर्तमान प्रधान प्रमिला सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 234 मतों से पराजित कर दोबारा प्रधान बनी। इसी के साथ ग्राम पंचायत बैंती के निवर्तमान प्रधान जानकी शरण जायसवाल की मां जनक दुलारी अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी प्रीति मिश्रा को 201 मतों से पराजित कर विजयी रही। वहीं ग्राम पंचायत कसना के निवर्तमान प्रधान कृष्ण कान्त उर्फ दउवा शुक्ला की पत्नी रेनू शुक्ला 31 मतों से विजयी रही। ग्राम पंचायत भौसी से लीलावती पत्नी पंचूलाल अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी फूलमती पत्नी रमेश कुमार को 76 मतों से पराजित कर भौसी प्रधान बनी। ग्राम पंचायत बसन्तपुर सकतपुर से संतू सिंह समर्थित रामू अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पंचमराम को 46 मतों से पराजित कर बसन्तपुर - सकतपुर प्रधान बने।इसके

अलावा शिवगढ़ क्षेत्र से नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों में नेरथुआ के राम शंकर रावत ने 1122 मत प्राप्त करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंदी जीत बहादुर को 236 मतों से पराजित कर नेरथुआ बन गया गए हैं। वहीं सराय छात्रधारी से विष्णु कुमार गोस्वामी ने 1259 मत अर्जित कर अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी रुबी श्रीवास्तव को 153 मतों से पराजित कर सरांय छत्रधारी प्रधान बन गए हैं। ग्राम पंचायत जड़ाऊगंज से पवन सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रामदीन को 70 मतों से पराजित कर जड़ागंज प्रधान बन गए हैं। रामपुर खास से हनुमान सिंह समर्थित राम सजीवन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शम्भू को 167 मतो से पराजित कर रामपुर खास प्रधान बन गए हैं। शिवली से प्रमोद सिंह की पत्नी गुंजन त्रिवेदी शिवली प्रधान चुनी गई, सूरजपुर से शिवेन्द्र सिंह तो ऐमापुर से रमेश सिंह की पुत्र वधू पूजा सिंह ऐमापुर प्रधान बनी,बेड़ारु से कोमल देवी बेड़ारु प्रधान बनी। वहीं गूढ़ा ग्राम पंचायत में पूर्व प्रधान नीलम वर्मा व निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य रामा देवी के बीच हुई कांटे की टक्कर में दोनों प्रत्याशियों 1448 - 1448 अर्थात बराबर मत होने के चलते रात 11रू45 तक दोनों प्रत्याशियों में जीत का निर्णय नही हो सका। जिसके चलते दोनो प्रत्याशी रि-काउंटिंग की मांग कर रहे थे।वहीं आर.ओ.शिवानन्द शरण त्रिपाठी ने चुनाव आयोग की गाइड लाइन का हवाला देते हुए बाद में लकी ड्रा किया जिसमें रामादेवी की जीत हुई। जिससे नाराज नीलम वर्मा के एजेंट एवं उनके पति चन्द्रभाल वर्मा ने आर.ओ.को लिखित शिकायती पत्र देकर आपत्ति जताई है। उनकी मांग है कि रि-काउंटिंग की जाय। ढेकवा ग्राम पंचायत से भजन सिंह की पत्नी पत्नी कामिनी सिंह अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी धर्मा देवी को पराजित कर ढेकवा प्रधान बनी हैं। रायपुर नेरुआ से रतीपाल रावत अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मंशाराम को 160 मतों से पराजित कर प्रधान बने। ग्राम पंचायत कुम्भी से पूर्व प्रधान अशर्फी लाल यादव अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रामशरन यादव को 212 मतों से पराजित कर एक बार फिर से कुम्भी प्रधान बन गए हैं। कुम्भी ग्राम पंचायत की जनता ने अशर्फीलाल यादव पर दोबारा भरोसा जताया है। इससे पूर्व वे 2010 से 2015 तक कुम्भी प्रधान रह चुके हैं। जगदीशपुर से शिवकुमार यादव की पत्नी शिवपती अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी लक्ष्मी देवी पत्नी दिल बहादुर प्रजापति को 60 मतों से पराजित कर जगदीश प्रधान बनी हैं। ग्राम पंचायत ढोढ़वापुर से नरेंद्र कुमार सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दिनेश कुमार को 50 मतों से पराजित कर ढोढवापुर प्रधान निर्वाचित हुए हैं। ग्राम पंचायत ओसाह से मनोज कुमार त्रिवेदी अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शिशिर सिंह को 92 मतों से पराजित कर ओसाह प्रधान निर्वाचित हुए हैं। इससे पूर्व इनकी मां सुनीता त्रिवेदी ओसाह प्रधान थी। ग्राम पंचायत चितवनियां से आशा देवी पत्नी चन्द्रिका प्रसाद अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी चन्द्रकान्ती को 414 मतों से पराजित कर चितवनियां प्रधान बन गई हैं। आशा देवी को जहां 986 मत मिले हैं वही चंद्रकांति को 572 मत मिले हैं। ग्राम पंचायत देहली से राकेश कुमार उर्फ लाला की अनुज वधू निर्मला देवी पत्नी स्वर्गीय दुर्गेश कुमार ने 282 मतों से जीत हासिल की है। निर्मला देवी को जहां 760 मत मिले हैं वही उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को 478 मत मिले हैं। ग्राम पंचायत बहुदा खुर्द से अनिल वर्मा अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अंकित विश्वकर्मा को 45 मतों से पराजित कर विजई हुए। अनिल वर्मा को मिले 480 मत, ग्राम पंचायत नारायनपुर से निवर्तमान प्रधान अमृतलाल लोधी ने दूसरी बार लहराया परचम, निकटतम प्रतिद्वंदी देवनारायन को पराजित कर बने नारायनपुर प्रधान।

पंचायत चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से निपटी

संवाददाता। अमेठी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतगणना का कार्य जनपद अमेठी के समस्त विकास खंडों के चयनित स्थलों पर निष्पक्षए शांतिपूर्ण व सकुशल तरीके से संपन्न हुआ। बताते चलें कि जनपद अमेठी में 26 अप्रैल को प्रधान ग्राम पंचायतए सदस्य ग्राम पंचायतए क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जिला पंचायत सदस्य के पदों पर सकुशल सम्पन्न हुए मतदान की मतगणना का कार्य जनपद के 13 विकास खंडों के चयनित स्थलों पर 2 मई को प्रात: 8रू00 बजे से प्रारंभ होकर 3 मई को प्रात: 10रू00 बजे तक सकुशल संपन्न हुआ। मतगणना कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए संपन्न कराई गई। सभी मतगणना केंद्रों पर डॉक्टरों की टीम लगाकर मतगणना स्थल पर प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कराते हुए स्वास्थ्य पाए गए व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया गया। मतगणना के दौरान जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी पं0 अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह सहित माण् प्रेक्षकए सुपर जोनल मजिस्ट्रेटए जोनल मजिस्ट्रेट सेक्टर मजिस्ट्रेट निरंतर भ्रमणशील रहकर मतगणना कार्य का जायजा लेने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। डीएम और एसपी द्वारा स्वयं विकासखंड गौरीगंज के मतगणना स्थल मनीषी महिला महाविद्यालय गौरीगंज अमेठी के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमेठीए भेटुआ के श्रीमती यशोदा देवी बालिका इंटर कॉलेज भेटुआए मुसाफिरखाना के ए0एच0 इंटर कॉलेज मुसाफिरखानाए जगदीशपुर के ए0एच0 इंटर कॉलेज जगदीशपुर जामों के राजकीय इंटर कॉलेज जामों बहादुरपुर के राजकीय इंटर कॉलेज जायस का निरीक्षण कर मतगणना कार्य का जायजा लेने के साथ ही प्रत्याशियों व उनके एजेंटों तथा अन्य लोगों से कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करनेए मास्क लगानेए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश देते रहे। मतगणना का कार्य सकुशल संपन्न होने पर जिलाधिकारी ने मतगणना कार्य में लगे समस्त अधिकारियोंए कर्मचारियों व मीडिया बंधुओं को बधाई दी है।ऊंचाहार में तीन निरक्षर व तीन परास्नातक हुए प्रधान

17 प्रधान मात्र साक्षर

ऊंचाहार,रायबरेली। गांव की सत्ता पर काबिज हुए प्रधान जी की शैक्षिक स्थित इस बार बेहतर है । ऊंचाहार की कुल 54 ग्राम पंचायतों में विजय श्री हासिल करने वाले तीन प्रधान परास्नातक है । जबकि निरक्षर प्रधान की संख्या मात्र तीन है ।ऊंचाहार के गांव खोजनपुर से प्रधान चुनी गई राची गुप्ता , सवैया धनी से चुनी गई संगीता देवी और मदारीपुर से चुने गए मनीष सिंह परास्नातक है । जबकि कोतरा बहादुर गंज से आकाश यादव , किसुन दास पुर से राकेश कुमार , कमोली से प्रदीप सिंह , ईश्वरदास पुर से रावेन्द्र सिंह , दौलतपुर से आरती मौर्या , मत रौली से कामना गुप्ता , निगोहां से आशीष कुमार , भागी पुर से अशोक कुमार और सराय भान से राजकुमार स्नातक तक शिक्षित है । इनके अलावा जब्बारी पुर से अनिल कुमार , सलीम पुर भैरों से शिव मूरत , खालिक पुर से प्रदीप कुमार , आइमा जहानिया से मनीष गौतम , मोखरा से आनंद कुमार और गंगौली से बबीता यादव ने इंटर तक शिक्षा प्राप्त की है । दूसरी ओर सेमरी रानापुर के प्रधान गिरधारीलाल , हटवा गांव की प्रधान सुमित्रा देवी और खुर्रमपुर गांव की प्रधान निर्मला देवी निरक्षर है । उधर गोकना की प्रधान सुमित्रा , मुरार मऊ की प्रधान कंधई , बभनपुर के प्रधान पुत्तीलाल , सवैया राजे की प्रधान रजनी , सवैया हसन की प्रधान प्रेमा देवी , गंगश्री के प्रधान सुरेश कुमार , बेहरा मऊ के प्रधान राम अवध , शुकुरुल्ला पुर के प्रधान केशलाल , चड़ रई की प्रधान शोभा देवी , शहजादपुर की प्रधान आशा देवी , सावापुर नेवादा की प्रधान सावित्री देवी , पचखरा की प्रधान सीता देवी , सरबहादा की प्रधान राजकुमारी , राम चन्द्र पुर की प्रधान ज्योति तिवारी , सराय हरदो के प्रधान शिव प्रकाश , कल्याणी के प्रधान नागराज और पट्टी रहस कैथवल के प्रधान फूल चन्द्र मात्र साक्षर है । निर्वाचित प्रधान के शैक्षिक स्तर की जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त हुई है । इनके अलावा ऊंचाहार के अन्य प्रधान हाई स्कूल व आठवीं पास है ।

डीएम ने 9 समितियों का किया गठन

संवाददाता। रायबरेली

शासन के निर्देशों के क्रम में कोविड-19 द्वितीय लहर के परिप्रेक्ष्य में महामारी के प्रभावी नियंत्रण, चिकित्सालयों में आई0सी0यू0 व ऑक्सीजनयुक्त बेड्स की व्यवस्था, एम्बुलेंस सेवाओं की सुचारू व्यवस्था, ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, लोगों के आवागमन को नियंत्रित करने, इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एवं कन्ट्रोल रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने, चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा विभागों की इकाइयों द्वारा जनमानस को सभी सुविधाएं सुनिश्चित कराने, सभी औद्योगिक इकाइयों को संचालित रखने व वहाँ काम कर रहे मजदूरों की समस्याओं के समाधान तथा जन सामान्य से लगातार संवाद आदि महत्वपूर्ण कार्यों हेतु टीम-11 को पुनर्गठित करते हुए जनपद स्तर पर टीम-9 का गठन कर दिया गया है।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद स्तर पर टीम 9 के बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि स्वास्थ्य समिति के संबंध में सीएमओ अध्यक्ष व सदस्य सीएमएस, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कृष्णा सोनकर, फिज़ीशियन डॉ बीरबल व अधीक्षक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलोन डॉ पीके बैसवारा व दूसरी समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके चौधरी व सदस्य स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी एसके पांडे व मेडिकल ऑफिसर आयुष डॉ अश्वनी बनाए गए हैं। शासन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर समन्वय स्थापित करना आदि कार्यों के लिए मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष व पीडी सदस्य बनाए गए हैं। औद्योगिक इकाइयों का संचालन आदि हेतु चौथी समिति के अध्यक्ष जिला विकास अधिकारी व सदस्य उपाध्यक्ष जिला उद्योग केंद्र पांचवी समिति गेहूं, किराना गो आश्रय स्थलों आदि के लिए एडीएम प्रशासन अध्यक्ष व सदस्य सीवीओ, डीएसओ, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक पीसीडीएफ बनाए गए हैं। इसी प्रकार ऑक्सीजन की समुचित व समय से उपलब्ध कराने आदि व्यवस्था हेतु छठी समिति के अध्यक्ष अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जीत लाल सैनी अध्यक्ष व सदस्य एआरटी आदि व सातवी समिति प्रवासी कामगारों आदि हेतु अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अध्यक्ष व तीन सदस्य, आठवीं समिति कंटेनमेंट जोन में प्रभाव व्यवस्था, साप्ताहिक बंदी आदि व्यवस्थाओं हेतु पुलिस अधीक्षक अध्यक्ष व सदस्य अपर पुलिस अधीक्षक बनाए गए हैं। 9वीं समिति नगरी है ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सेनेटाइजेशन, निगरानी समितियों को सक्रिय रखना, पेयजल आदि व्यवस्थाओं हेतु नगर मजिस्ट्रेट अध्यक्ष व सदस्य डीपीआरओ वाह अधिशासी अभियंता जल निगम बनाए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी 9 समितियां को निर्देश दिए हैं कि अपने अपने कार्यों का संपादन भली-भांति करके उसकी रिपोर्ट भी दे।

अज्ञात चोरों ने दो घरों से लाखों का सामान किया पार

ऊंचाहार,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के जगदीशपुर मजरे मिर्जापुर ऐहरी गांव के दो घरों से अज्ञात चोरों ने शुक्रवार की रात नकदी समेत लाखों रुपए के आभूषण पार कर दिये । पीड़ितों ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।उक्त गांव के प्रदीप सिंह व बबलू सिंह का मकान आपस में मिला हुआ है। शुक्रवार की रात अज्ञात चोर घर के पिछवाड़े से दीवाल से सटे नीम के पेड़ के सहारे छत पर चढ़ गए और अंदर जाकर अलमारी में रखे नकदी व लाखों कीमत के सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गए। घर में सो रहे परिजनों को इस बात की भनक तक ना लगी। और सुबह जागने पर कमरे का दरवाजा खुला देख परिजनों के होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो अलमारी खुली और सामान बिखरा हुआ पड़ा था। यह देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। कोतवाल विनोद कुमार सिंह ने बताया कि चोरी होने की सूचना मिली है जांच कराई जा रही है। घर के पीछे एक मोबाइल फोन भी मिला है। जल्द ही चोरी की घटना खुलासा किया जाएगा।

देर रात तक जारी रही मतगणना, प्रधान पद पर इन्होंने मारी बाजी

संवाददाता। श्रावस्ती

जनपद में हो रही मतगणना में प्रधान पद के अधिकांश परिणाम आ चुके है और कुछ के आने बाकी है, प्राप्त परिणामो के अनुसार निम्न प्रत्यासियों ने जीत दर्ज की है।

विकास खण्ड इकौना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बैदौरा मशरिख से श्रीमती रीतादेवी 2- मलौना खसियारी से संदीप कुमार 3- चक्र भंडार से समसुल कमर 4- इटवारिया से मनोज कुमार मिश्रा 5- कोंडरी दीगर से कहकशा 6- परसुरामपुर से अमिरिका प्रसाद 7- कैलाशपुर से विजय कुमार 8- मिश्रौलिया से इश्तियाक अहमद 9- सौंरूपुर से बुधना 10- भलूहिया दसौंधी से अमेरिका प्रसाद 11- डकाही से ज्योति देवी 12- नरपतपुर से अरशद 13- कंजडवा से लक्ष्मी राव 14- कटरा से छांगुर 15- पटखौली कला से श्रीदेवी 16- भोजपुर से सालिकराम 17- रमवापुर से गगनदीप 18- सोनरई से कामिनी सिंह 19- लालपुर खदरा से सुखरानी 20- गनेशपुर से अनिल कुमार 21- सेमरी तरहर से अमित कुमार 22- सलवरिया से श्रीमती सुशीला मौर्या 23- पुरुषोत्तमपुर से आनन्द 24- दहांवरकलां से छोटेलाल 25- पूरे मंसाराम से रामकिशोर 26- खांवा पोखर से नूरजहां 27- जोरडीह से श्रीमती शबनम 28- राजगढ़ गुलरिहा से पुल्लूर निषाद 29- महरौली से सुदामा 30- भटपुरवा कला से श्रीमती मोनिका शुक्ला 31- लक्ष्मणपुर गोडपुरवा से श्रीमती निर्मला देवी (32)अमारेभरिया से राजेंद्र 33- बगही से अंजू देवी 34- अकबरपुर से श्रीमती मीरा कुमारी 35- भरथापुर से श्रीमती मालती देवी 36- कल्याणपुर से विद्या प्रकाश 37- नरायनजोत से श्रीमती सुषमा देवी 38- चैनपुर से सच्चिदानंद 39- विशुनापुर से मुस्ताक 40- चिचड़ी से इरफान पीर 41- मध्यनगर मनोहरपुर से श्रीमती मालती सिंह 42- भगवानपुर बनकट से श्रीमती कैलासा देवी 43- जय चंदपुर कटघरा से अरविंद कुमार 44- गोपालपुर से श्रीमती फूलमती 45- मनोहरापुर से श्रीमती पुष्पा देवी 46- किडिहौना से श्रीमती मायावती 47- बरईपुर से त्रिलोकीनाथ 48- लाल बोझी से गीता देवी 49- महादेव जगदीश से बाबूराम 50- मुजहनिया से अंगनूराम 51- मोहनीपुर से श्रीमती मालती देवी 52- शिवा जोत से श्रीमती यशोदा देवी प्रधान पद के लिए विजई घोषित हुये हैं। विकास खण्ड जमुनहा के ग्राम पंचायत कलकलवा से अजय कुमार, संगमपुरवा से रूबी, ओदाही से सोडर, असनी से लज्जावती, डांडे कुइयां से रामकली देवी , उल्लहवा से शांती देवी, गंगा भाग? से राम, आलागांव से इस्राइल खां, बभनपुरवा से गुड्डू, झिरझिरवा से खतूना, चौरी कोटिया से मुस्लिम, फुलवरिया शाहपुर से रहमतुल निशा, दामूपुरवा से जाहिदा बानो, अचरौरा शाहपुर स्व मंजू देवी, राजापुर पुरैना स्व आसिया खातून, नदईडीह से रीना देवी, रानीसीर से मदरानी, पटना से शिल्पी सोनी, बनकटवा महोली से मो0 दलीफ, लालबोझा दरवेश गांव से मनीराम, कथरामाफी से मुन्नी देवी, बालापुर से नीलम देवी, लक्ष्मनपुर गंगापुर से श्यामता प्रसाद, कुंडा से मीरा देवी, जोगिया से भागी , ?लीफतपुर से सुषमा देवी, खजूरी से श्यामा देवी, बेलरी से रक्षा राम, तिवारी गांव से अताउर्रहमान, हरवंशपुर से शबनम , भगवानपुर सेआलोक कुमार, बरगदहा से हरिद्वार, खावा कला से सादिक अली, सागर गांव से शम्भू, भगवानपुर भैसाही से हसीना, गौसपुर से अनीता, फतेहपुर बनगई से झगरू, वीरपुर लौकिहा से श्यामवती, धूमबोझी दुर्गा से खुशबू, कनीबोझी से जन्नतुल बेगम, चंदन कोटिया से नरेंद्र कुमार वर्मा, लक्ष्मनपुर सेमरहनिया से कैलाश नाथ, रामपुर बस्ती से तारा देवी, जमुनहा भवनियापुर से रोशन आरा, मनवरिया दीवान से जावेद अहमद, इमलिया करनपुर से ताहिरा बेगम, देवरनिया से जाकिर खां, सोनपुर से संदीप,भरथा से गोली राम, महरू मुर्तिहा से गुलामवारिस,लालपुर हरीडीह बकरीदन ने जीत दर्ज की।

विकास खण्ड सिरसिया के ग्राम पंचायत

1- गंगापुर से मैन देवी 2- चैपुरवा से सोन पती 3-पिपरहवा रंजीत पुर से लीला वती 4- अमरहवा से विद्या राम 5- गुलरा से शायरा बेगम 6- गांधी से अनिता देवी 7- गब्बापुर से रुची त्रिपाठी 8- बेचूवा से गंगाजली 9- बेलहरी से आशीष कुमार श्रीवास्तव 10-गेहूआभारी से कुशमा 11- कटकुइया कला से राजेन्द्र उर्फ राजेन्द्र प्रसाद 12- पिपरी से अनवर मो.खां 13-अग्गापुर से संतोष कुमार 14- आह्लाद नगर से सरिता 15- ग ?ी से रमावती16- प ?री से अनुराधा 17-परसादेवतहा से ज्ञानमती 18- बैरिहवा से आशीष कुमार 19- घोघवा कला से मालती देवी 20- जोगिन भरिया से नरेन्द्र बहादुर 21- शाहपुर पुरेशिवदीन से जकीरा 22-परसोहना से रियाज खां 23- डोमाई से राजेन्द्र प्रसाद 24- एकघरवा से दिनेश कुमार 25- मदरहवा से संतोष कुमार 26- तालबघौडा से मोती लाल 27- घोलिया कला से केशव राम 28- मोतीपुर कला से राधेश्याम 29- चैलाही से उर्मिला 30- जानकी नगर से सावित्री देवी 31- बहादुर पुर से उर्मिला देवी 32- परसिया राजा से अनिता वर्मा 33- बकवा से राम कुमार यादव 34- पिपरहवा जोगागांव से नूर मो. 35- राजगुरु जु ?पनिया से जगरानी 36- लालपुर कुशमहवा से बलदाऊ जी 37- पूरे प्रसाद से घसीटे 38- दुर्गापुर से रीता वर्मा 39- टंगपसरी से छठी लाल 40- लालपुर अयोध्या से प्रतिभा 41- शाहपुर बरगदवा से आरिफ 42- दुर्गापुर के पी से अविनाश सिंह 43- पूरेबाले से मो.शफीक 44- पिपरहवा से नन्द रानी 45- जमुनी कला से राम हरख 46- वीरपुर बगही से फूल करन 47- टीटीहिरिया से राम समुझ 48-रानीपुर भेला से राफिकुलनिशा 49- बलनपुर बसंतपुर से मिश्री लाल 50- राम नगर चरईडीह से क्षाया देवी 51- संग्राम गंज से शीला देवी 52- विशुनपुर रामनगर से अनीता देवी 53- भचकाही से मन कुमारी 54-भरथारोशनग ? से मन्दा आजमी 55- धन्नीडीह से पंकज कुमार 56- सचौली से राम दयाल 57- बेनीडीहवा से जयकोरा 58- पटखौली से अंजनी देवी59- हरैया तराई से अंकित कुमार 60- मदार ग ? से सकीना 61- भगवानपुर से अजय कुमार 62- तेन्दुआ रतनपुर से अनीता देवी ने जीत दर्ज की। विकास खण्ड गिलौला के ग्राम पंचायत औरैइया निधान से राम समुझ, इकघरवा से समसुल, गुटुहरू से महेश कुमार, कटार से रीमा सिहं, किशुन पुर चंदनभारी से जैतुना, अकारा से मंजू देवी , इकडगवा से जैस राम, केरवनिया से सकुन्तला, औरैइया टिक ई से अरविन्द कुमार , उत्तमापुर से राजेश, कल्यानपुर से रज्जब अली, गौहनिया ,से भाई लाल, कुरबेनी से फूल कुमारी, चन्द्रावा से राजेन्द्र मौर्य, कशियापुर से पूनम सिहं, गोपालपुर से गीता देबी, इमलिया नरायन से सब्बाज, बैरागीपुर खरकैहिया से राम उजागर, कल्यानपुर मध्यनगर से संजू देबी, कटहा से राजिया वेगम, नरायनपुर से गायत्री देवी, डिकरा से रुचि, ककंधू से सोना देवी, परेवपुर से रामप्रकाश, केशवापुरपजावा से उर्मिला देवी, रामपुर त्रिभवना से सिताबा, कोटिमुबारकपुर से रामदीन, नीबाभारी से हेमराज, भिठौरा राम सहाय ,से ओमशंकर , पुरखीपुर डिहवा से पूजा जयसवाल, घोरमा परिसिया से सीतापति, चन्द्रखाबुजुर्ग से शीला देवी, मनकौरा से गायत्री, प्रहलादा से जरीना बेगम, गुजुरूवारा से मोनी, सिहनिया से संतोष, चेतिया से सुभद्रा, नकहाधर्मनगर से ओमकार, कमलाभारी से वंसती, तुरैहनी वलराम से मीना देवी, धुसवा से मालती देवी, गिलौला से दीपा पटवा, खैराकला से पूजा, भवानी नगर से राजेश कुमार, दूवकला से सिद्धनाथ, रायपुर विलेला से माधुरी सिहं, विशुनापुर से पंकज कुमार, गोडारी से रामकली, नगरौरा से पहलवान, रामनगर से ऊषा देवी , तिलकपुर से सूर्य लाल, वरावा हरगुन से अंकेस कुमार, तुलसीपुर से कृष्णा वती, गिलौली से हारुन, वागवानी से नीलम तिवारी, रायपुर प्यारे से चुन्हे, वेलवा खतीब से प्रेम कुमार दूवे, पचदेवरी माफी से सविता सिहं, मोहरनिया से विमला देवी, भिठियाचिचडी से नीलम देवी, पिपरा से प्रमिला देवी ने जीत दर्ज की।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री और पांच विधायक

फिर भी नहीं बची लाज

बस्ती। जिले में पंचायत चुनाव के नतीजे ने भाजपा को बड़ा झटका दिया है। कहा जा रहा है कि जिस जिले में सांसद के रुप में संगठन के राष्ट्रीय मंत्री और पांच विधायक हो, वहां पर अगर भाजपा को इज्जत बचानी पड़े, तो यह पार्टी के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। हालत यह है कि एक लाख से अधिक वोट पाने वाले हर्रैया विधानसभा क्षेत्र के विधायक अपने गांव और घर की इज्जत तक नहीं बचा पाए। क्षेत्र पंचायत सदस्य और विक्रमजोत ब्लॉक की प्रमुखी की प्रबल दावेदार विधायक अजय सिंह के बड़े भाई केके सिंह की पत्नी कविता सिंह पैतृक गांव लजघटा से चुनाव नहीं जीत पाई। इतना ही नहीं विधायक का गांव एससी सीट होने के कारण इनके समर्थक रहे रामप्रसाद को 68 वोटो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि विधायक और उनके पूरे परिवार को घर-घर जाकर वोट मांगना पड़ा। इस हार से विधायक की प्रतिष्ठा पर धब्बा लगने की बात गांव वाले कर रहे है। हैरान करने वाली बात यह है कि हर्रैया क्षेत्र की तीनों जिला पंचायत सदस्य के भाजपा प्रत्याषी को हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रमुख दावेदार और सांसद की पहली पसंद एवं सांसद प्रतिनिधि राजेष पाल चौधरी को क्षेत्र के मतदाताओं ने बाहरी कह कर नकार दिया। इसी तरह गौर तृतीय से एचडी एंड कंपनी के खास प्रत्याषी और जिले की सबसे बड़ी कुर्सी के दावेदार पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अषोक कुमार गुप्त को भी क्षेत्र के मतदाताओं ने बाहरी करार देकर उन्हें वापस अपने घर भेज दिया। अब देखना यह है कि जिला पंचायत सदस्य के एक चौथाई से कम सीट मिलने के बाद क्या भाजपा अपने प्रत्याषी को जिले की सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठा पाएगी? या फिर इस बार परम्परा टूटने वाली है। भाजपा के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर ताजपोषी का संकट खड़ा हो गया है। कौन होगा जिले की सबसे बड़ी कुर्सी पर काबिज, इसका मंथन सपा, बसपा और भाजपा में होना षुरु हो गया। भाजपा प्रत्याषियों की यही कमोवेष स्थित ग्राम और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के चुनाव में भी होने की बाते कही जा रही है। भाजपा के कितने प्रत्याषी प्रमुखी का ताज पहन पाएंगे, इसका भी संकट खड़ा हो गया। भाजपा के एक बड़े नेता का कहना है कि पंचायत चुनाव में भाजपा की ऐसी स्थिति इससे पहले देखने को नहीं मिली। इसके लिए वे लोग जिम्मेदार हैं, जिन्होंने भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपेक्षित सम्मान और उनका हक नहीं दिया। कहते हैं कि अधिकतर वहीं भाजपाई जीते हैं, जो जनता के करीब रहें है। चयन प्रक्रिया में मानकों को पूरा न करने की भी बातें भी कही जा रही है। किसी भी पार्टी के पास 22 वाली जादुई आंकड़ा न होने से कुर्सी काफी रोचक हो गया, जमकर खरीद फरोख्त होने और सत्ता प्रषासन का उपयोग करने की चर्चाएं होनी षुरु हो गई है। भाजपा के राजेषपाल चौधरी और अषोक कुमार गुप्त के हारने के बाद जीतने वाले गिल्लम चौधरी, संजय चौधरी और आरसी वर्मा में से किसी एक को सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठाने की चर्चा हो रही है। इनमें भाजपा के प्रदेष अध्यक्ष के चहेते आरसी वर्मा का पलड़ा सबसे अधिक भारी पड़ने की संभावनाएं हैं। कहने की बात नहीं और माना भी यही जा रहा हैं, कि इन्हें कुर्सी पर बैठाने के लिए पार्टी कुछ भी कर सकती है। अगर हाईकमान का आदेष हुआ तो सत्ता प्रषासन को सहयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जैसा कि इससे पहले वाले चुनाव में देखा जा चुका है। इतिहास गवाह है कि जिले के सबसे बड़ी कुर्सी पर सत्तापक्ष का प्रत्याषी ही बैठा है। आर्थिक रुप से जहां गिल्लम चौधरी को मजबूत माना जा रहा है, वहीं संजय चौधरी के साथ उनकी छवि और मेहनत है। भाजपा से जुड़े कुछ लोगों का मत है कि भाजपा के प्रत्याषी को निर्विरोध कराया जाना चाहिए, जाहिर सी बात है कि निर्विरोध कराने के लिए सत्ता और धन दोनों का इस्तेमाल जमकर होगा। अगर कहीं चुनाव की नौबत आई, जिसकी संभावना दिखाई दे रही है, तो इसमें पुलिस और प्रषासन की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। भाजपा का एक वर्ग ऐसा भी है जो दावे और अनुभव के साथ कह रहा है कि कुर्सी पर तो भाजपा का ही कोई प्रत्याषी बैठेगा।

भाजपा नेता और एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीष सिंह ने पंचायत चुनाव में पार्टी की हार के बाद कहा कि पार्टी के कर्ताधर्ता को यह सोचना और गहन समीक्षा करनी चाहिए कि ऐसे में वह 2022 का चुनाव कैसे लड़ेगी और जीत कैसे हासिल करेगी। कहा कि चुनाव से पहले कोई जमीनी स्तर पर रणनीति नहीं बनाई गई, क्षेत्र और प्रत्याषियों के चुनाव में पारदर्षिता नहीं निभाई गई। टिकट फाइनल करने से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा तक नहीं की गई। कहते हैं कि जिस जिले में सांसद भाजपा का हो और पांचों विधायक भाजपा के है, और उसके बाद अगर यह हालत होती है तो यह सोचने और मंथन करने वाली बात है। कहते हैं कि ऐसे में सारे जनप्रतिनिधियों की जबावदेही तय होनी चाहिए। सत्ता में रहकर भी अगर कोई माननीय अपने ही गांव से परिवार के सदस्य और समर्थक को चुनाव नहीं जिता पाता है, तो उन पर सवाल उठना लाजिमी है। भाजपा के हारने वाले अधिकतर प्रत्याषियों का कहना है कि अगर माननीयगण अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र का कमान संभाल लेते तो आज भाजपा प्रत्याषियों की यह हालत न होती। कहते हैं कि जिस तरह विधायक अपने गांव और घर की इज्जत नहीं बचा पाए, उससे साबित होता है, कि जनता ऐसे विधायकों को एक तरह से नकार चुकी है। माननीयगण उन सीटों को भी नहीं बचा पाए जिन पर पार्टी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। कुछ लोग इसे बंगाल के चुनाव नतीजे के चष्में से देख रही है।

- सांसद प्रतिनिधि राजेशपाल चौधरी और अशोक कुमार गुप्ता के हार से लगा झटका
- जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर ताजपोशी का भी संकट

प्रमुखी के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर नजर!

विवादों में रहने वाले सपा के ब्रहमदेव यादव की माता मुराती जिला पंचायत सदस्य प्रथम कुदरहा से चुनाव जीत गई है। यह पिछले बार कुदरहा की ब्लॉक प्रमुख भी रही है। आर्थिक रुप से मजबूत माने जाने वाले ब्रहमदेव यादव की माता को जिला पंचायत अध्यक्ष का दावेदार भी माना जा रहा है। अगर भाजपा का गणित कमजोर हो गया तो मुराती का पलड़ा भारी पड़ सकता है। खरीद फरोख्त के खेल में ब्रहमदेव यादव और उनके साथी अनिल दुबे बड़े खिलाड़ी माने जाते है। दोनों को आर्थिक रुप से अन्य के मुकाबले काफी मजबूत माना जा रहा है। इन दोनों की नजर पुनः ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी पर है।

जिला पंचायत सदस्य पद पर जीते प्रत्याशी

बस्ती। जिला पंचायत सदस्य पद के छह प्रत्याषियों का अधिकृत रूप से मतगणना परिणाम घोषित किया गया है। 43 जिला पंचायत सदस्यों में से जो अधिकृत प्रत्याषियों की जीत की घोषणा की गई है उनमें रूधौली प्रथम से राजेन्द्र, रूधौली द्वितीय से नौषाद अहमद, रूधौली तृतीय से अतीक अहमद, कुदरहा द्वितीय से राम चन्द्र, कप्तानगंज द्वितीय से प्रमोद कुमार चौधरी' गिल्लम, कुदरहा प्रथम से मुराती देवी शामिल हैं। इसके अलावा सल्टौआ चतुर्थ से रजनीष चौधरी, हर्रैया तृतीय से कुमारी यादव, कप्तानगंज प्रथम से षिव षंकर चौधरी 'शाका', हर्रैया प्रथम से सुरेष चौधरी, हर्रैया द्वितीय से जवाहर लाल, गौर द्वितीय से दिग्विजय सिंह' राना' गौर प्रथम से उर्मिला सिंह, साऊंघाट प्रथम से गुड़िया चौधरी, रामनगर द्वितीय से संजय चौधरी, कुदरहा द्वितीय से राम चन्द्र वर्मा, बस्ती चतुर्थ से वीरेन्द्र चौधरी, बनकटी प्रथम से लता त्रिपाठी के जीत की खबर है।

कोरोना से लड़ाई अभी बाकीः जिलाधिकारी

संवाददाता। गोंडा

जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 सकुशल और निर्विघ्न संपन्न हो गया जिसमें 1205 ग्राम प्रधान, 1614 बीडीसी, ग्राम पंचायत सदस्य 15410 तथा 65 जिला पंचायत सदस्यों के लिए निर्वाचन निर्विघ्न संपन्न हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी मार्कंडेय शाही तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने नामांकन से लेकर मतगणना कार्य को सकुशल और निर्बाध ढंग से संपन्न कराने में अथक प्रयासों से लगे रहे समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, निर्वाचन कार्मिकों तथा सुरक्षा कार्य में मुस्तैदी से डटे रहे सुरक्षा अधिकारियों और कर्मियों का आभार व्यक्त किया है तथा उन्हें निर्विघ्न पंचायत निर्वाचन संपन्न कराने के लिए बधाई भी दी है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त जनपद वासियों को निर्वाचन कार्य में सहयोग के लिए बधाई दी है।

जिलाधिकारी ने कहा है की तमाम चुनौतियों के बीच पंचायत चुनाव निर्विरोध संपन्न हो चुका है परंतु अभी एक लड़ाई और बाकी है। सजगता और कठोरता का पालन करते हुए कोविड-19 से जंग जीतना है जिसमें सभी जनपद वासियों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने अपील की है कि समस्त जनपद वासी कोविड-19 का सख्ती से पालन करें तथा खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरे की भी सुरक्षा करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता व बचाव ही कोविड 19 के खिलाफ जंग में सबसे बड़ा हथियार है इसलिए सभी लोग शासन द्वारा जारी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें और सुरक्षित रहें।

71 बीडीसी प्रत्याशियों के चेहरे खिले

विक्रमजोत, बस्ती। विक्रमजोत ब्लॉक के लतीफिया इंटर कालेज छावनी में चल रही मतगणना में सोमवार सुबह करीब 7 बजे तक पूरी हो गई। नगरा बदली से कमला, मल्हनी से उमेश, सिटकहा पांडेय से लक्ष्मी देवी, मलौली गोसाई प्रथम शहनाज बानो, देवखाल से गीता देवी, अमोढ़ा तृतीय से नंदकुमार, विक्रमजोत से जनार्दन यादव, इमिलिया से कमलेश, अकला से धर्मेंद्र कुमार सिंह, अकवारा से कलामुल्लाह, अमोढा प्रथम से राम कुबेर, गुंडा कुंवर से अर्चना सिंह, लजघटा से धर्मेंद्र सिंह, केशवपुर से राजेश कुमार, शंकरपुर प्रथम से कमला देवी, करमियां से हरिश्चंद्र, तुरसी से नीरज कुमार, अमोढ़ा द्वितीय से शमशाद, औरंगाबाद से बबलू, धिरौली बाबू से राधिका देवी, खानकला से प्रेम कुमार, चपिलांव से हौसिला, बटौली से लव कुश, शेरवानी कृष्ण कुमार सिंह, डहडा मिश्र पिंकी, रानी गांव से गोपी, सुकरौली पांडेय से रामु उर्फ रानू, देवकली रानी से राम मणि, कलानी कला से कैलाश, केनौना से आशीष सिंह, ताला गांव से शेष धर, दुबौली दुबे से जानकी, हरेवा शुक्ल से गंगाजली, बस्थनवां से राहुल, पावड़ से विजय कुमार, रिक्खीपुर से सतीश, बड़ौरा से राहुल, खतमसराय से अमरचंद, गौरिया नैन से हनुमान, बछईपुर से रविंद्र सिंह, फूलडीह से रामू, कवलपुर से अमरेंद्र प्रताप सिंह, नेतवर पट्टी गायत्री देवी, शंकरपुर द्वितीय रामकिशन, चंद्रपलिया से देव कुमार, खेमराजपुर से अरविंद सिंह, मलौली गोसांई द्वितीय से अखंड प्रताप सिंह, एकमा हिरनिया से रिंकू, अतरौराझाम से रेनू सिंह, लखना से सावित्री देवी, तुरसी से नीरज कुमार, पूरे दीवान पारस नाथ पांडेय, देवखर से कमलेश, पचवस से सोनम सिंह, नटौवा से सरोज सिंह, खेसुआ से बृजेश सिंह, श्योरा लाला से शीला यादव, बीरपुर खरहरा से जितेंद्र, मल्लूपुर विंध्यवासिनी, सोनबरसा से सीमा, खम्हरिया से शबनम, बभनगांवां पतिराजा, माझिलगांव से गुड्डू निषाद, माझा किताअव्वल से संगीता, पूरे हेमराज से लाल बहादुर, रूपगढ़ से पूजा देवी, धौराहरा चौहान कुलदीप जैतापुर से सावित्री, बभरौली से भीम गौतम के सिरपर जीत का ताज पहनाया गया।

बिना मास्क वालों से वसूले 27 सौ रुपये

संवाददाता। संतकबीरनगर

पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देशन में जनपद में कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत बिना मास्क के विचरण कर रहे लोगों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत 27 व्यक्तियों से 2700 रु0 वसूल किया गया। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तीनों सर्किलों में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्राए क्षेत्राधिकारी धनघटा अम्बरीष भदौरिया व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल रामप्रकाश के नेतृत्व में सभी थानों द्वारा कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत लोगों को सोशल डिस्टेसिंग अपनानेए हाथ धोने आदि के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा अभियान चलाकर बिना मास्क के घूम रहे 27 व्यक्तियों से 2700 रु0 चालान वसूल किया गया ।

प्रशासन ने टेलीकंसल्टेंसी के लिए नामित किए डाक्टर

- डाक्टरों के नम्बर पर काल कर लिए जा सकेंगे टेली कन्सलटेंसी के माध्यम से परामर्श

बस्ती। आईएमए की ओर से टेलीकंसल्टेषन के लिए 16 निजी अस्पतालों के डाक्टरों का पैनल बनाकर उनके नम्बर जारी करने के बाद जिला प्रषासन की ओर से कोविड19 से सम्बन्धित बीमारी एवं इलाज के लिए टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से चिकित्सकों को परामर्श देने के लिए 21 डाक्टरों और दो अस्पतालों को नामित किया गया है। डीएम ने नामित चिकित्सकों के मोबाइल नम्बर जारी किए है जिनसे तय समयावधि में परामर्ष लिया जा सकता है।

फिजीशियन डा. राम प्रकाश वर्मा के मोबाइल नंबर 9415036168 पर प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक, डा. मो. आसिम फारुकी के मोबाइल नंबर 7376259755 पर प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक, डा0 रामजी सोनी के मोबाइल नंबर 9648727238 पर अपरान्ह 2 बजे से सायं 8 बजे तक, डा0 विवेक गौरव सचान के मोबाइल नंबर 9889680621 पर प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक, सर्जन डा0 अनिल चौधरी के मोबाइल नंबर 9554745545 पर अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे तक, डा0 राशिद अहमद खान के मोबाइल नंबर 8853777101 पर अपरान्ह 1 बजे से 3 बजे तक, डा0 विजय कुमार तिवारी के मोबाइल नंबर 9559673537 पर अपरान्ह 2 से 8.30 तक, डा0 एचआर वर्मा के मोबाइल नंबर 9450353693 पर प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक, ऑर्थो सर्जन डा0 रंजीत पटेल के मोबाइल नंबर 9473862680 पर अपरान्ह 2 बजे से 4 बजे तक, डा0 एसके अरोरा के मोबाइल नंबर 9839887473 पर अपरान्ह 4 बजे से 6 बजे तक, डा0 तारिक जमील के मोबाइल नंबर 8979552143 पर अपरान्ह 2 बजे से 4 बजे तक, डा0 रामचंद्र के मोबाइल नंबर 9415069473 पर प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक, डा0 डीके गुप्ता के मोबाइल नंबर 9415487371 पर 24 घंटे तक,बाल रोग विशेषज्ञ डा0 पीके चौधरी के मोबाइल नंबर 9161560380 से प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक,डा0 विनोद कुमार मिश्रा के मोबाइल नंबर 9415847353 पर अपरान्ह 2 बजे से सायं 8 बजे तक, डा0 सरफराज नवाज खान के मोबाइल नंबर 9125121150 पर रात्रि 10 बजे से प्रातः 8 बजे तक, डा0 नवल किशोर वर्मा के मोबाइल नंबर 9450553995 पर प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक, चर्म रोग विशेषज्ञ डा0 रामप्रकाश के मोबाइल नंबर 9415833816 पर प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक, नाक कान गला विशेषज्ञ डा0 एसएस कनौजिया के मोबाइल नंबर 7310477573 पर प्रातः 8 से 2 बजे तक, एचआईवी संबंधित डा0 रश्मि श्रीवास्तव के मोबाइल नंबर 7755830869 पर प्रातः 10 से 2 बजे तक, होम्योपैथ विशेषज्ञ डा0 वीके वर्मा के मोबाइल नंबर 9415163328 से प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक, विभिन्न रोगों के लिए राजेंन्द्रा हॉस्पिटल के मोबाइल नंबर 8948000777, श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के मोबाइल नंबर 8960557055 पर 24 घंटे टेली कन्सलटेंसी के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरो से परामर्श ले सकते हैं।

होम्योपैथी विभाग ने वितरित की औषधियां

संवाददाता। गोंडा

जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, सहयोगी चिकित्सा अधिकारियों व विभागीय कर्मियों द्वारा कोरोना महामारी के रोकथाम के उद्देश्य से जनपद में रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन तथा अन्य स्थानों पर औषधि आर्सेनिक अल्वम-30 व अन्य यथोचित दवाओं का वितरण आम जन में कराया गया।वितरित की गयी औषधियों में एक ड्रम की 135 शीशी आर्सेनिक अल्वम-30, एक ड्रम की 30 शीशी ब्रायोनिया अल्वा-30 तथा एक ड्रम की 25 शीशी एन्टिम टार्ट-30 औषधियों का वितरण किया गया। इस दौरान कोविड-19 से बचाव के लिए लोगों को जागरूक भी किया गया।

जिसके अंतर्गत दो गज की दूरी मास्क लगाना है जरूरी, एवं काढ़ा पीना तथा सुबह शाम भाप लेना तथा नमक पानी का गलाला करना तथा बार-बार हाथ धोना बताया गया। इस मौके पर डा0 जितेन्द्र कुमार चिकित्साधिकारी कौड़िया बाजार, महेन्द्र नाथ त्रिपाठी फार्मासिस्ट तथा प्रमोद कुमार, राज कुमार श्रीवास्तव, देवेन्द्र प्रताप सिंह तथा रोहित कुमार आदि शामिल रहे।

क्विक न्यूज

दो जिला पंचायत वार्ड के परिणाम देर से घोषित हुए

बस्ती। विक्रमजोत प्रथम से सपा समर्थित आदित्य प्रताप पांडे 8395 मत पाकर सपा की विधानसभा प्रभारी अरविंद यादव को 32 से 87 मतों से पराजित किया वही निर्दलीय चुनाव लड़े शिवा प्रताप बर्मा तीसरे व भाजपा से विनय मिश्रा मोनू, बसपा से आलोक प्रताप नारायण मिश्र स्थान पर रहे इसके पहले यह सीट जीते प्रत्याशी के खेमे मे रही थी। विक्रमजोत द्वितीय मे कांटे की लड़ाई रही भाजपा समर्थित उम्मीदवार स्वाति सिंह को 8613 व सपा समर्थित शशी सिंह को 8328 मत मिले मतगणना समाप्ति सपा समर्थक रमाकांत सिंह व उनकी पत्नी शशी सिंह ने रिटर्निंग ऑफिसर व मतगणना स्टाफ पर आरोप लगाते हुए जमौलिया माफी बूथ के मतपत्रों की पुनरू मतगणना की मांग करते हुए बताया कि पार्टी की साख को बचाने के लिए सत्ता के इशारे पर उन्हें मामूली वोटों से हराया गया मतगणना समाप्ति के 6 घंटे बाद परिणाम की घोषणा की गई इसके पहले यह सीट स्वाती सिंह के परिवार मे थी। वहीं विक्रमजोत तृतीय से पहली बार चुनाव लड़े प्रवीण सिंह को जहां 7420 मत मिले वही भाजपा समर्थित प्रत्याशी पूर्व सदस्य महेंद्र प्रताप सिंह को 7006 मत मिले, भाजपा तृतीय की सीट को अपनी जीत पक्की मानकर चल रही थी मतगणना के बाद बदले परिणाम के रूख ने पार्टी के कान खडे कर दिए, स्थानीय विधायक और सत्ता के करीबी प्रत्याशी की हार पर हंगामा मचना लाजमी था, महेंद्र प्रताप सिंह की मांग पर तहसील हरैया चंद्रभूषण प्रताप 12 बजे आनन-फानन में मतगणना स्थल लतीफिया स्कूल पहुंचे और रिटर्निंग ऑफिसर रेहान फारूखी के साथ घंटों मंत्रणा की इस दौरान खंड विकास अधिकारी श्वेता वर्मा थाना अध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी की मौजूदगी में पुनः मतगणना के मांग को खारिज कर दिया गया।

जीते हुए प्रधान औेर बीडीसी को पुलिस की सुरक्षा में तीन रिजर्व बसों से मतगणना स्थल से प्रत्याषियों के घर भेजे गए। विक्रमजोत की आरओ रेहान फारुकी ने बताया कि प्रमाण-पत्र देने के बाद एसओ आलोक श्रीवास्तव की निगरानी में घर भेजा गया।

नतीजे से नाराजगी दो जिला पंचायत वार्ड में उठी पुनः मतगणना की मांग

विक्रमजोत। क्षेत्र के मतगणना स्थल लतीफिया इटरकालेज छावनी मे सोमवार की सुबह 6 बजे वोटो कि गिनती समाप्त हुई लेकिन जिला पंचायत सदस्यों सहित एक दर्जन प्रधान व बीडीसी सदस्यों के मतगणना समाप्त होने के बाद भी प्रमाण पत्र के लिए 12 बजे तक इंतजार करना पडा वही देर रात सेवरालाला, खेसुआ, रानीगावं, कवलपुर के टेबल पर मतगणना के दौरान रिजेक्ट वोटो को गड्डी मे रखने, कक्ष मे प्रत्याशी के कई ऐजेंटो की मौजूदगी और प्रमाण पत्र के बदले वसूली शिकायतो पर कई बार हंगामा मचा जिसे सभालने मे पुलिस और रिटर्निंग आफिसर के पसीना छूट गया था। सोमवार की सुबह खेसुआ ग्राम पंचायत का परिणाम आते ही उस समय हंगामा मच गया जब दोनों उम्मीदवारों को बराबर मत मिले तीन घंटे के बाद पुनः मतगणना हुई तो दो मतों से जीत हार का फैसला हुआ। वही सेवरालाला ग्राम पंचायत में मात्र 3 मतों से जीते प्रधान के खिलाफ हारे सभी उम्मीदवार समर्थकों ने हरैया तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया तहसीलदार चंद्रभूषण प्रताप ने ज्ञापन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर समर्थक माने।

जिला पंचायत की कुर्सी पर दो ने की दावेदारी

संतकबीरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतगणना कार्य सोमवार की देर शाम पूर्ण हुआ। सभी जीते हुये प्रधान एव बीडीसी को जीत का प्रमाण पत्र मतगणना स्थल पर दिया गया। खुशियों में डूबे विजयी प्रत्याशी व समर्थक मन्दिरो में दर्शनएअबीर गुलाल लगायाएपटाखे फोड़े लेकिन कोरोना के गम्भीरता को नही समझा। जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम आने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन होगा विराजमान यह चर्चा जोरों पर शुरु हो गई है। हलाकि यहाँ की सीट पिछड़ी होने के कारण दो जीते हुये सदस्यों ने दावेदारी दमदारी से की है। जिलाधिकारी कार्यालय पर रिटर्निग अफ़सर एनण् केण्सिंह ने आरओ के रिपोर्ट आने के बाद जिला पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र कोविड कस पालन करते हुऐ वितरित किये। वार्ड सख्या 17 से विजयी प्रत्याशी अजय कुमार शर्माए वार्ड सख्या 18 से राम सुरेश चौरसियाए वार्ड सख्या 19 से बलिराम यादव, वार्ड सख्या 20 से शेलेंद्र यादव एवार्ड 29 से शारदा देवीएवार्ड सख्या 30 से जावेद आलम को जीत का प्रमाण पत्र प्राप्त किये। समाचार लिखे जाने तक जिला पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित कार्य जारी रहा। जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल ने सभी नवनिर्वाचित प्रधान, बीडीसी व जिला पंचायत सदस्यों को बधाई दी है।

कोरोना कर्फ्यू में शनिवार व सोमवार बैंकों में बंदीः जिलाधिकारी

गोंडा। कोरोना कर्फ्यू के दौरान शनिवार व सोमवार को जनपद में कार्यरत सभी बैंक शाखाएं बन्द रहेंगी। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार एवं कोविड-19 महामारी संक्रमण को रोकने के क्रम में कर्फ्यू के दौरान आ रहे शनिवार व सोमवार को जनपद में कार्यरत सभी बैंक शाखाएं बन्द रहेंगी। इस कर्फ्यू के दौरान बैंक के सभी वैकल्पिक वितरण प्रणाली कार्य करेंगे एवं जनपद के सभी ग्राम में कार्यरत बैंक मित्र, एटीएम एवं इंटरनेट बैंकिंग व मोबाइल बैंकिंग से आवश्यक लेन-देन हो सकेगा।

कोरोना के 207 नए मामले मिले

संवाददाता। गोंडा

जिला प्रशासन द्वारा जारी कोरोना बुलेटिन के अनुसार सोमवार को प्राप्त 3885 जांच रिर्पोटों में से कोरोना के 207 नए मरीज मिले हैं। जिससे जिले में कोरोना मरीजों की कुल संख्या अब बढ़कर 9691 हो गई है। वहीं आज हुई तीन मौतों को मिलाकर मरने वालों की संख्या 125 हो गई है। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग आमजन को निरंतर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में जुटा हुआ है, किन्तु आये दिन मिल रहे कोरोना पाजीटिव मरीजों से उनके भी हाथ-पांव फूलने लगे हैं।

सोमवार को जिला प्रशासन द्वारा जारी कोरोना बुलेटिन में 207 नए कोरोना मरीज मिले हैं। जिससे जिले में कोरोना मरीजों की कुल संख्या 9691 हो गई है। वहीं अब तक 1491 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज किये चुके हैं। इसके अलावा होम आइसोलेशन में रखे गए मरीजों में से 224 मरीजों की आइसोलेशन अवधि पूरी हो जाने के साथ ही अब तक 6313 मरीज अपना आइसोलेशन की अवधि पूरी कर चुके हैं। इसलिए उन्हें भी डिस्चार्ज मरीजों की श्रेणी में रखा गया है। जिले में अब तक 125 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। इस प्रकार 03 मई तक जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या 1762 है। जिले में अब तक 453206 व्यक्तियों का नमूना परीक्षण के लिए लिया जा चुका है, जिसमें 452608 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। इसमें से 442917 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिले के 126 बिस्तरों वाले कोविड-19 चिकित्सालय में 35 मरीज तथा 100 बिस्तरों वाले एससीपीएम हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड लेबल-2 अस्पताल में 110 मरीज भर्ती हैं। जिले के 126 बिस्तरों वाले कोविड-19 चिकित्सालय में 35 मरीज तथा 100 बिस्तरों वाले एससीपीएम हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड लेबल-2 अस्पताल में 110 मरीज भर्ती हैं। वहीं जिले के बाहर विभिन्न अस्पतालों में 32 मरीजों का इलाज चल रहा हैं। इसके अलावा 1566 मरीजों को आइसोलेशन में रखा गया है।

जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने जिले वासियों से अपील किया है कि सभी कोरोना के बावत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें। साथ ही कोरोना को लेकर किसी प्रकार की दहशत या अफ्वाह न फैलाएं। अन्यथा की दशा में महामारी एक्ट तहत कार्यवाही की चेतावनी दी है।

प्रधान के 1179, बीडीसी के 1040 परिणाम घोषित

बस्ती। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना दूसरे दिन तक जारी रही। सोमवार को अपराहन तीन बजे तक ग्राम प्रधान के 1185 सीटों के सापेक्ष 1179 पर हुए मतदान बाद हुई मतगणना में 1161 के परिणाम घोषित हो चुके थे। जबकि बीडीसी के 1077 में से 1060 पर हुए मतदान बाद हुई मतगणना में 1040 के परिणामों की घोषणा की गई। बहादुरपुर में एक प्रधान पद की मतगणना निरस्त होने के कारण उसका परिणाम घोषित नहीं किया गया।

मतगणना के दूसरे दिन 11 बजे दिन तक ग्राम प्रधान पद के 1180 पद में से 1086, क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के 1061 में से 965 पदों का परिणाम घोषित हो चुका था। हर्रैया में ग्राम प्रधान पद के सभी 88 परिणाम घोषित हो गए। साऊंघाट के 87 में से 86 पदों पर मतदान हुआ। एक पद पर मतदान नहीं होने के कारण उसके अलावा सभी के परिणाम घोषित किए गए। रामनगर में 81, कप्तानगंज में 53, कुदरहा में 75 पद के सापेक्ष सभी की मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित हो पाए थे। बनकटी में 86 के सापेक्ष 55, गौर में 108 की जगह 106 पदों पर हुए मतदान बाद सभी परिणाम घोषित हो गए। परसरामपुर में 107 में से एक की मतगणना पूरी नहीं हो पाई थी। बस्ती सदर में 102 पदों पर हुए मतगणना बाद 95, बहादुरपुर के 86 के सापेक्ष 50, दुबौलिया के 63 के सापेक्ष 55 पदों की मतगणना पूरी होने के बाद उसे घोषित किया गया। शेष ग्राम प्रधान के पदों पर मतगणना जरी थी। बीडीसी के हर्रैया में 78 में से 77 पदो पर चुनाव हुए जिसके परिणाम घोषित किए गए। साऊंघाट में 81 के सापेक्ष 77, रामनगर में 76 के सापेक्ष हुए 74 पदों के मतदान बाद परिणाम घोषित हुए। विक्रमजोत में 71 के सापेक्ष 66 पदों परर मतदान हुआ जिसमें से 64 के परिणाम, रूधौली में 66 में से 65 पदो पर मतदान हुआ जिसमें 58 परिणाम घोषित हुए। कप्तानगंज में 47 के सापेक्ष सभी के परिणाम आ चुके थे। बनकटी में 71 के सापेक्ष 68 पदो पर ही मतदान हुआ। इनमें से 38 के परिणाम, गौर में 100 के सापेक्ष सभी, परसरामपुर में 95 के सापेक्ष 94 पदों के परिणाम घोषित हो चुके थे, एक की मतगणना जारी थी। बस्ती सदर में एक को छोड़कर 102 पदो पर हुए चुनाव बाद 90 के परिणाम, सल्टौआ में 91 के सापेक्ष 86, कुदरहा में 65 की जगह 63 सीटों पर हुए चुनाव बाद 62 के परिणाम घोषित हुए। बहादुरपुर में 77 के सापेक्ष 76 पदों पर मतदान हुए। मतगणना बाद 50 के परिणाम घोषित किए गए। दुबौलिया में 56 के सापेक्ष 48 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके थे। शेष पदों पर मतगणना जरी रही। जिन सीटों पर मतगणना पूरी होने के बाद परिणामों की घोषणा हुई उस प्रत्याषी के समर्थक जोष से भर उठे। जिन ग्राम प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत सीटो पर मतगणना जारी थी उसके परिणाम जानने के लिए लोग बेचैन रहे। जिन सीटों पर मतदान बाद मतगणना हो रही है उनमें से बची सीटों के परिणाम देर शाम तक आने की संभावना है। रविवार को दिन से ही लोगों को चुनाव परिणाम का इंतजार रहा। गांव की सरकार बनाने वाले ग्रामीण प्रधान और क्षेत्र पंचायत चुनाव के नतीजों का इंतजार करते रहे। जैसे ही उन्हें पता चला कि जिसको उन्होंने वोट दिया है वह जीत गया, खुशी से फूले नहीं समाए। वह एक दूसरे को बधाई देते रहे। वहीं ऐसे लोग जिनके प्रत्याशी चुनाव हार गए उनमें मायूसी छाई रही।

प्रधानी में इन्होंने मारी बाजी

करनैलगंज (गोंडा)। विकास खण्ड करनैलगंज के अंतर्गत आने वाली 71 ग्राम पंचायतों में करीब 65 ग्राम पंचायतों का परिणाम सोमवार की देर शाम तक जारी किए गए। बाकी पंचायतों की मतगणना जारी रही। करनैलगंज ब्लॉक के ग्राम प्रधान पद पर निर्वाचित होने वाले प्रत्याशियों में ग्राम पंचायत तरहटा से पूनम सिंह, ग्राम ढेमा से रजिया खातून, ग्राम हरिगंवा से ज्ञानवती, ग्राम पाल्हापुर से अंजना सिंह, ग्राम पंचमरी से रूबी, नरायनपुर साल से नीलम तिवारी, ग्राम मोहम्मदपुर गढ़वार से सुभाष, ग्राम काशीपुर से आरती, फतेहपुर कोटहनासे रामनाथ, सकतपुर से जगदीश, शाहपुर से संतोष कुमार, ग्राम दूदी से उदयभान, करूवा से गुड़िया गोस्वामी, बुढवालिया से सीमा, गुमदहा से मीना सिंह, नकार से मोहम्मद से रामनाथ, सकतपुर से जगदीश, शाहपुर से संतोष कुमार, ग्राम दूदी से उदयभान, करूवा से गुड़िया गोस्वामी, बुढवालिया से सीमा, गुमदहा से मीना सिंह, नकार से मोहम्मद सलमान, ग्राम गौरासिंहपुर से रमेश कुमार, ग्राम कचनापुर से राकेश मोहन तिवारी, पैरौरी से अमित कुमार, ग्राम शीशामऊ से बृहस्पति कुमार, ग्राम बरतरा से रमेश ओझा, ग्राम चंगेरिया से बाबूलाल, ग्राम फतेहपुर से फरूल निशा, ग्राम बसेहिया से मायाराम, अहिरौरा से राजू, ग्राम मुंडेरवा से कुसुम रानी, कुम्हरौरा सावित्री से देवी, रूदौलिया से जीवनलाल, मनिहारी से रामावती, घरकुईंयां से राजभवन, बरदहा से अनुपम तिवारी, बिबियापुर गोसाईं से गीता देवी, कैथोली से विद्यावती, पाण्डेचौरा से राजेश कुमार सिंह, मौहर से सालिकराम, ग्राम रेक्सड़िया से रेनू देवी, करनैलगंज ग्रामीण से मैनादेवी, कुतुबपुर से प्रभादेवी, भटपुरवा से अरमान, चतरौली से रामकृपाल, दिनारी से जहीर खान, बेल्हरी से कुरीशा, सरैयां से परितोष सिंह, सकरौरा ग्रामीण से परागदत्त गुप्त, पूरे अंगद से ननकई, कुर्था से पुष्पा देवी, मसौलिया से आशीष कुमार सिंह, खजुरिया से रेखा, नारायनपुर मांझा से राजू यादव, बिबियापुर अवधूत नगर से सरिता सिंह, कोनहटा से गीता देवी, गुरवलिया से कुंवारा, रामगढ़ से सुमन सिंह, ग्राम उल्लहा से रीना देवी, जहँगीरवा से रामप्रताप, पिपरी से सुमन सिंह, प्रतापपुर से कौशलेंद्र प्रताप, अल्लीपुर गोकुला से नेतराम, मलौली से बाबूराम, रुदौली से राधा देवी शामिल हैं। बाकी ग्राम पंचायतों की मतगणना सोमवार शाम तक जारी रही।

आईपीएल में कोविड का संक्रमण

- केकेआर-आरसीबी मुकाबला स्थगित
- कोलकाता के वरुण व संदीप पाजिटिव
- सीएसके स्टाफ में भी पॉजिटिव मामले

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 ने सोमवार को आईपीएल में दस्तक दी जब केकेआर के वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर इस घातक वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए जिसके कारण आज शाम आरसीबी के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले टीम के मैच को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा सीएसके की टीम में भी कुछ मामले सामने आए हैं। केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबला सोमवार की शाम अहमदाबाद में होना था लेकिन अब इसका आयोजन 30 मई को समाप्त होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान किसी अन्य दिन किया जाएगा। आईपीएल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पिछले चार दिन में तीसरे दौर के परीक्षण में वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर पॉजिटिव पाए गए। टीम के अन्य सभी सदस्य कोविड-19 के लिए नेगेटिव पाए गए हैं। इसके अलावा पता चला है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और स्टाफ का एक अन्य सदस्य रविवार को पॉजिटिव पाए गए। बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने उनके मामले को गलत पॉजिटिव घोषित किया था लेकिन बाद में स्पष्ट किया गया कि बालाजी और एक ड्राइवर दूसरे परीक्षण में पॉजिटिव आए हैं। सूत्रों ने कहा, सीएसके दल के सदस्य, सीईओ काशी, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और एक बस ड्राइवर का सुबह परीक्षण पॉजीटिव पाया गया जिसके बाद रैपिड एंटीजन परीक्षण की रिपोर्ट नेगेटिव आई। हालांकि दूसरे आरटी पीसीआर परीक्षण में बालाजी और बस ड्राइवर को फिर से पॉजिटिव पाया गया। टीम के अन्य सदस्यों विशेषकर खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। सीएसके की टीम अभी दिल्ली में है। उसने दिन का अपना अभ्यास स्थगित कर दिया तथा उसे पांच मई को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। टीम में इससे पहले यूएई में 2020 में खेले गए आईपीएल के दौरान भी कोविड मामले पाए गए थे। साथ ही दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं। इस मैदान पर मंगलवार को मुंबई इंडियन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है। दिल्ली एवं डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि इनमें कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीसीसीआई लगातार जोर देकर कह रहा है कि लीग जारी रहेगी लेकिन सोमवार के मामलों से निश्चित तौर पर लीग पर कोविड-19 का साया मंडराने लगा है। लेग स्पिनर चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज वारियर को पृथकवास में रखा गया है और फिलहाल दल के अन्य सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है। ए दोनों 30 बरस के हैं। इन दोनों में से वारियर को मौजूदा सत्र में अब तक केकेआर के सात मैचों में से एक में भी खेलने का मौका नहीं मिला है। मेडिकल टीम लगातार दोनों के संपर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। इस बीच कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रोजाना परीक्षण की दिनचर्या से गुजरेगी जिससे कि किसी अन्य संभावित मामले की पहचान हो सके और जल्द से जल्द इलाज किया जा सके। मेडिकल टीम साथ ही पॉजिटिव नतीजों के नमूने एकत्रित करने से 48 घंटे पहले तक दोनों पॉजिटिव खिलाड़ियों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान करेगी। केकेआर ने अपना पिछला मुकाबला 29 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था और पॉजिटिव नतीजे आने के बाद टूर्नामेंट में घबराहट की स्थिति हो सकती है जिसका आयोजन छह स्थलों में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खाली स्टेडियम में किया जा रहा है।

कड़े बायो बबल में कोविड की घुसपैठ, पर टीमों ने कहा आईपीएल जारी रहना चाहिए

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में कोविड-19 के दो मामले पाए जाने के बाद खिलाड़ी विशेषकर विदेशी क्रिकेटर असहज महसूस कर रहे हैं लेकिन टीमों का मानना है कि इस महामारी के बढ़ते खतरे के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जारी रहना चाहिए। केकेआर के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद सवाल उठ रहे है कि विश्व के सबसे बड़े टी20 लीग के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में यह खतरनाक वायरस कैसे पहुंच गया। भारत से यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी खिलाड़ी पहले ही स्वदेश लौटने को लेकर चिंतित थे और अब उनकी चिंता बढ़ गई है। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, आधा टूर्नामेंट हो चुका है। इसको रोकने का कोई मतलब नहीं बनता है। इस खबर (केकेआर टीम में पॉजिटिव मामले) से बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। हमने सुना है कि एक खिलाड़ी इसलिए संक्रमित हुआ क्योंकि उसे स्कैन के लिए बायो बबल से बाहर ले जाया गया। इसलिए यह बायो बबल के बाहर हुआ। जहां तक मैं जानता हूं हर कोई बीसीसीआई के प्रोटोकॉल का पूरा पालन कर रहा है और उसका कोई उल्लंघन नहीं हुआ। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यदि कोई अन्य टीम वायरस से प्रभावित नहीं होती है तो टूर्नामेंट जारी रहना चाहिए। यदि आप टूर्नामेंट रोकना चाहते हैं तो क्या तब तक एकमात्र तरीका यही है कि पॉजिटिव मामलों को अलग थलग करके खेल जारी रखा जाए। खिलाड़ी निश्चित तौर पर अब अधिक चिंतित है लेकिन उनकी मुख्य चिंता यह है कि वे स्वदेश कैसे लौटेंगे। ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भारत से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगा रखा है और आईपीएल में इन तीनों देशों के कई क्रिकेटर खेल रहे हैं। आस्ट्रेलिया के तीन क्रिकेटर यात्रा प्रतिबंध लगने से पहले स्वदेश लौट गए थे। एक टीम के अन्य अधिकारी ने कहा, हमें यह फैसला बीसीसीआई पर छोड़ देना चाहिए कि हम सबके लिए क्या सर्वश्रेष्ठ है। उन्हें कई तरह की राय देने से भ्रम की स्थिति ही पैदा होगी।

अभी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड विमान नहीं : सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख निक हॉक्ले ने सोमवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) समाप्त होने के बाद कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत से आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को स्वदेश लाने के लिए चार्टर विमान की व्यवस्था करने की अभी उनकी कोई योजना नहीं है। हॉक्ले ने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन उनकी यह टिप्पणी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों के इस खतरनाक वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने की खबर से पहले आई थी। इस कारण केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया।

स्पेनिश इंटरनेशनल में नहीं खेल पाएंगे भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और सुकांत कदम की पैरालंपिक की तैयारियों को झटका लगा क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते नए पृथक्वास नियमों के कारण भारतीय टीम स्पेनिश इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगी। टूर्नामेंट का आयोजन 11 से 16 मई तक होना है लेकिन स्पेन ने भारत से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन का अनिवार्य पृथक्वास लागू किया है जिसके कारण खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा लेना संभव नही है।

भारत की जंग में 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर दान देगा सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत मे तबाही मचा रही कोविड-19 की दूसरी लहर से लड़ाई के समर्थन में सोमवार को 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर देने का वादा किया और साथ ही अपने खिलाड़ी संघ तथा यूनिसेफ के साथ मिलकर और राशि जुटाएगा। पिछले कुछ हफ्तों से भारत मे रोजाना संक्रमण के तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे है और इस दौरान प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले भी सामने आए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार रोजाना मरने वालों का आंकड़ा भी तीन हजार से अधिक है।

गेल या मलान से पारी का आगाज कराने के बारे में नहीं सोचा: अग्रवाल

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के कार्यवाहक कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने लोकेश राहुल की गैरमौजूदगी में आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल या डेविड मलान के उनके साथ पारी का आगाज करने की संभावना के बारे में अब तक चर्चा नहीं की है। नियमित कप्तान राहुल को आंत्रपुच्छ के उपचार के लिए सर्जरी की जरूरत है। उनके जल्द ही टीम से जुड़ने की संभावना कम है लेकिन टीम ने उम्मीद जताई कि मुंबई के अस्पताल में सर्जरी के बाद वह एक हफ्ते से 10 दिन के भीतर वापसी करेंगे।

मेस्सी के दो गोल से बार्सीलोना जीता

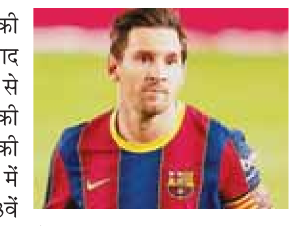

मैड्रिड। लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेलेंसिया को 3-2 से हराकर ला लीगा फुटबॉल खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखा है। बार्सीलोना की ओर से मेस्सी ने 57वें और 69वें मिनट में गोल दागे जबकि एंटोनी ग्रिजमैन ने 63वें मिनट में गोल किया। वेलेंसिया की ओर से गैब्रियल पोलिस्ता (50वें मिनट) और कार्लोस सोलर (83वें मिनट) ने गोल किए। इस जीत से बार्सीलोना के 34 मैचों में 74 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सीलोना की टीम अगर अगले सप्ताहांत होने वाले मुकाबले में एटलेटिको को हरा देगी तो मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष पर पहुंच सकती है। अन्य मैचों में विलारीयाल घरेलू मैदान पर गेटाफे को 1-0 से हराकर छठे स्थान पर पहुंच गया है जबकि सातवें स्थान पर मौजूद रीयाल बेटिस को वेलाडोलिड ने 1-1 से बराबरी पर रोका। बार्सीलोना को हराने वाले ग्रेनाडा को हालांकि केडिज के खिलाफ 0-1 से हार झेलनी पड़ी।

बालाजी के पॉजिटिव आने से दिल्ली में होने वाले आईपीएल मैचों पर संशय

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के कोविड-19 परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) दिल्ली में होने वाले अगले कुछ आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) मैचों को लेकर असमंजस की स्थिति में है। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सोमवार की शाम को होने वाला उसका मैच स्थगित कर दिया गया था। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद जहां केकेआर की पूरी टीम पृथकवास पर चली गई है, वहीं नियमित तौर पर सीएसके टीम के साथ रहने वाले बालाजी भी सोमवार को आरटी पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव आने के बाद अलग थलग हो गए हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, बालाजी की पॉजिटिव रिपोर्ट वास्तव में चिंता का विषय है हालांकि सीएसके के खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। अमूमन अधिकतर लोगों में पांचवें या छठे दिन लक्षण दिखाई देते हैं। चर्चा यह है कि क्या दिल्ली में अगले दोनों मैचों का आयोजन किया जाना चाहिए या नहीं।

बांग्लादेश को हराकर श्रीलंका ने श्रृंखला जीती

पालेकल। पदार्पण कर रहे प्रवीण जयविक्रम के मैच में 11 विकेट की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को 209 रन से हराकर टेस्ट श्रृंखला 1-0 से जीत ली। श्रीलंका को जीत के लिए अंतिम दिन पांच विकेट की दरकार थी और जयविक्रम ने इनमें से तीन विकेट चटकाए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने मैच में 178 रन देकर 11 विकेट हासिल किए। पदार्पण करते हुए यह किसी टेस्ट गेंदबाज का 10वां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह किसी श्रीलंकाई गेंदबाज का पदार्पण करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जयविक्रम ने अकिला धनंजय को पीछे छोड़ा जिन्होंने तीन साल पहले बांग्लादेश के खिलाफ 44 रन देकर आठ विकेट चटकाए थे। बांग्लादेश ने 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने अंतिम तीन विकेट आठ गेंद में गंवा दिए जिससे टीम दूसरी पारी में 227 रन पर सिमटी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स जीत का प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। लगातार दो जीत के साथ लय में लौटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार होगी। मुंबई ने अपने पिछले मैच में कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की बदौलत फॉर्म में चल रहे चेन्नई को चार विकेट से हराया। दूसरी तरफ सनराइजर्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 55 रन की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा सत्र में टीम की सात मैचों में छठी हार है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है जिसमें खराब फॉर्म से जूझ रहे डेविड वार्नर से कप्तानी केन को सौंप दी गई है। मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (250 रन) और क्विंटन डिकॉक (155 रन) एक बार फिर पांच बार की चैंपियन टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के अलावा अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में बदलना चाहेंगे। मुंबई का आक्रामक मध्यक्रम पिछले दो मैचों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सफल रहा है जो टीम प्रबंधन के लिए राहत की बात है। चेन्नई के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 87 रन की मैच विजेता पारी खेलने वाले पोलार्ड (168 रन) इस फॉर्म को बरकरार रखने उतरेंगे। कृणाल (100 रन), हार्दिक (52 रन) और सूर्यकुमार (173 रन) विरोधी टीम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं और एकजुट होकर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। यह भी देखना होगा कि क्या मुंबई की टीम जेम्स नीशाम की जगह इशान किशन और जयंत यादव में से एक को मौका देती है या नहीं। नीशाम ना तो बड़ी पारी खेल पाए हैं और ना ही विकेट हासिल कर पाए हैं। मुंबई के गेंदबाजों को हालांकि चेन्नई के खिलाफ खराब प्रदर्शन को भुलाकर नई शुरुआत करनी होगी। जसप्रीत बुमराह (छह विकेट) और ट्रेंट बोल्ट (आठ विकेट) ने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और सनराइजर्स के बल्लेबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर (11 विकेट) मुंबई के सबसे सफल गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें कृणाल से सहयोग की जरूरत है जो सिर्फ तीन विकेट चटका पाए हैं।

मयंक पर भारी पड़े धवन, दिल्ली जीता

- पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हराया

भाषा। अहमदाबाद

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 166 रन बनाए। दिल्ली ने 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 167 रन बनाकर जीत दर्ज की। केएल राहुल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे मयंक अग्रवाल केवल एक रन से शतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उनकी नाबाद 99 रन की लाजवाबार पारी की मदद से पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में धीमी शुरुआत के बावजूद छह विकेट पर 166 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। अग्रवाल ने शुरू से एक छोर संभाले रखा तथा अपनी 58 गेंदों की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उनकी पराक्रमी पारी के दम पर पंजाब अंतिम छह ओवरों में 76 रन जुटाने में सफल रहा। उन्हें शतक पूरा करने के लिए अवेश खान की पारी की अंतिम गेंद पर छक्के की जरूरत थी लेकिन वह चौका ही लगा पाए। इससे पहले की दो गेंदों पर उन्होंने चौका और छक्का लगाया था। पंजाब किंग्स को शीर्ष क्रम में राहुल की कमी खली।

मयंक 99 रन

स्कोरबोर्ड

पंजाब किंग्स : प्रभसिमरन का स्मिथ बो रबाडा 12, मयंक 99, गेल बो रबाडा 13, मलान बो अक्षर पटेल 26, हुड्डा रन आउट 01, खान का हेटमायर बो अवेश खान 04, जोर्डन का ललित यादव बो रबाडा 02, हरप्रीत बरार नाबाद 04, **अतिरिक्त** (लेग बाई 02, वाइड 03) 05, **कुल** (20 ओवर में, छह विकेट पर) 166, **विकेट पतन** : 1-17, 2-35, 3-87, 4-88, 5-129, 6-143, **गेंदबाजी**: इशांत 4-1-37-0, स्टोइनिस 1-0-6-0, रबाडा 4-0-36-3, अवेश 4-0-39-1, ललित 3-0-25-0, अक्षर पटेल 4-0-21-1।

दिल्ली कैपिटल्स पारी: पृथ्वी शॉ बॉ हरप्रीत 39, धवन नाबाद 69, स्मिथ ब मलान इ मेरेडिथ 25, ऋषभ ब मयंक इ जॉर्डन 14, हेटमायर नाबाद 16, **अतिरिक्त** 4, **कुल** : 17. 4 में 167 रन 3 विकेट, **विकेट पतन**: 1-63, 2-111, 3-147, **गेंदबाज़ी**: मेरेडिथ 3.4-0-36-1, शमी 3-0-37-0, बिश्नोई 4-0-42-0, जॉर्डन 2-0-21-1, हरप्रीत 3-0-19-1, हुड्डा 2-0-11-0

इंटर मिलान ने पहला सिरी ए खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने एक दशक से अधिक समय बाद पहला सिरी ए फुटबॉल खिताब जीता जिसके बाद मिलान शहर में जश्न का माहौल है। दूसरे स्थान पर मौजूद अटलांटा को रविवार को सासुओलो ने 1-1 से बराबरी पर रोका जिससे इंटर मिलान के चैंपियन बनने की पुष्टि हो गई। इंटर मिलान ने 13 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि अब सिर्फ चार मैच खेले जाने बाकी हैं। इंटर मिलान के खिताब जीतने की पुष्टि होने के बाद टीम के हजारों समर्थक पियाजा डुमो में शहर के मुख्य चौराहे पर जमा हो गए जो हाथ में झंडे और स्कार्फ लिए हुए थे और नारे लगाने के अलावा गाने गा रहे थे। इस दौरान हालांकि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों को नजरअंदाज किया गया। सभी ने मास्क तो पहने हुए थे लेकिन कई लोगों ने इसे नाक और मुंह से नीचे किया हुआ था। समर्थकों ने इस दौरान आतिशबाजी भी की। इंटर मिलान का 2011 से यह पहला खिताब और 2010 से पहला सिरी ए खिताब है। टीम ने 2010 में लीग, चैंपियन्स लीग और इटैलियन कप का तिहरा खिताब जीता था। इंटर की खिताबी जीत के साथ यूवेंटस का लीग में लगातार नौ खिताबी जीत का अभियान भी थम गया।

करोबारी खोसला भारत को ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर दान करेंगे

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कारोबारी विनोद खोसला भारत में अस्पतालों को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर की राशि दान करेंगे। भारत में कोविड-19 के मामलों में लगातार वृद्धि के मद्देनजर सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक खोसला भारतीय अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए लगातार मदद कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि लोगों के जीवन को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि और देरी करने से अब और लोगों की मौत होगी। खोसला ने कहा, भारत को देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। उन्हें हर दिन भारत भर के गैर लाभकारी एवं अस्पतालों से 20,000 ऑक्सीजन सांद्रक, 15,000 सिलेंडर, 500 आईसीयू बिस्तर, 100 वेंटिलेटर, 10,000 बिस्तर के कोविड सेंटर के लिए अनुरोध मिल रहा है।

संयुक्त राष्ट्र कायक्रम ने 50 करोड़ खुराक के वास्ते मॉडर्ना के साथ किया करार

जिनेवा। मॉडर्ना एवं टीका प्रवर्तक गावी ने एक सौदे की घोषणा की जिसके तहत दवा कंपनी 2022 के आखिर तक निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में जरूरतमंद लोगों तक कोरोना वायरस टीका पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम के वास्ते 50 करोड़ खुराक प्रदान करेगी। सोमवार को घोषित किए गए इस अग्रिम खरीद समझौते से महज कुछ दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई सप्ताह की देरी के बाद मॉडर्ना टीके को आपात मंजूरी देने की घोषणा की थी। इससे संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स कार्यक्रम को प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

बांग्लादेश ने 16 मई तक बढ़ाया लॉकडाउन

ढाका। बांग्लादेश ने कोरोना वायरस की दूसरी लहर पर लगाम लगाने के लिए देश में लगे लॉकडाउन की अवधि 16 मई तक के लिए बढ़ा दी है। बांग्लादेश ने पांच अप्रैल को एक सप्ताह के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया था और सार्वजनिक परिवहन को निलंबित कर दिया था तथा बाजारों को बंद कर दिया था। इस पाबंदियों को बाद में 28 अप्रैल और फिर पांच मई तक के लिए बढ़ा दिया गया था।

जी-7 की बैठक में भाग लेते अमेरिका के विदेश मंत्री बिल्नकेन व अन्य देश के राजनयिक

बांग्लादेश में नौका पलटी, 26 की मौत

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में क्षमता से अधिक भरी हुई एक स्पीड नौका बालू से लदे एक पोत से टकराने के बाद पलट गई। इस घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लापता हैं। पुलिस के अनुसार, यह नौका कथित रूप से अनुभवहीन नाबालिग लड़का चला रहा था। यह हादसा सोमवार सुबह बांग्लाबाजार फेरी घाट पर हुआ जब क्षमता से अधिक भरी स्पीड नौका की पोत से टक्कर हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मौके पर पत्रकारों को बताया, हमने 26 शवों को निकाला है और पांच लोगों को जीवित बचाया है.... लेकिन स्पीड नौका की कई सवारियों के लापता होने की आशंका है, इसलिए खोज अभियान जारी है। नजदीकी फेरी टर्मिनल के पुलिस निरीक्षक आशिक-उर-रहमान ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि नौका का चालक अनुभवहीन नाबालिग लड़का था। उन्होंने बताया, चश्मदीदों और पीड़ितों ने बताया कि नौका में 30 सवारियां सवार थीं और पोत मदरीपुर के शिबचर शहर के पास पद्म नदी में बालू ले जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

सैन डिएगो के पास नौका पलटने से तीन लोगों की मौत, 27 लोग अस्पताल में भर्ती

सैन डिएगो (अमेरिका)। सैन डिएगो तट के पास एक नौका के पलट जाने से उसमे सवार तीन लोगों की मौत हो गई है और घायल हुए करीब 27 लोगो को अस्पतालो मे भर्ती कराया गया है। इस नौका का इस्तेमाल संभवतः मानव तस्करी के लिए किया जा रहा था। सैन डिएगो दमकल-बचाव विभाग ने बताया कि प्वाइंट लोमा प्रायद्वीप के पास पोत पलटने की रविवार पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे सूचना मिलने के बाद स्थानीय जीवन रक्षक, अमेरिकी तट रक्षक और अन्य एजेंसियां बचाव कार्य मे लग गईं। विभाग के प्रवक्ता जोसे यसी ने बताया कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और 27 घायल लोगों को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। इस बात की आशंका है कि लोगों के समूह को एक छोटी मोटर चालित एवं लकड़ी की नौका से मेक्सिको से अमेरिका लाया जा रहा था। तस्कर इस प्रकार की नौकाओं का इस्तेमाल मेक्सिको से अवैध तरीके से लोगों को अमेरिका लाने के लिए करते है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने भारत से लौट रहे नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने का बचाव किया

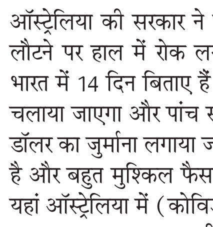

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से अपने वतन लौटने की कोशिश करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों पर रोक लगाने और जेल की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान करने वाले फैसले का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि यह फैसला देश के सर्वोत्तम हित में है और यह कोरोना वायरस की तीसरी लहर को रोकेगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इतिहास में पहली बार, अपने उन नागरिकों के देश लौटने पर हाल में रोक लगा दी है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया वापस आने से पहले भारत में 14 दिन बिताए हैं। सरकार ने धमकी दी है कि ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा और पांच साल तक की जेल की सज़ा या 66,000 ऑट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा। मॉरिसन ने कहा कि यह एक अस्थाई व्यवस्था है और बहुत मुश्किल फैसला है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया में (कोविड-19) की तीसरी लहर ना आए और हमारी पृथक-वास व्यवस्था मजबूत बनी रहे। यह देश के सर्वोत्तम हित में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के लिए खराब महसूस होता है। हमने हमारे होवर्ड स्प्रींग्स केंद्र में भारत से वापस आने वालों में संक्रमण दर में सात गुना का इजाफा देखा है। यह अहम है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे यहां अस्थाई रोक हो ताकि उन पृथक केंद्रों में व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके।

स्वीडन की भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना

स्टाकहोम। स्वीडन ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स अभियान के तहत भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना बनाई है। इस अभियान के अंतर्गत देशों को कोरोना वायरस के टीके उपलब्ध कराए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग मंत्री पेर ओल्सन फ्रिड ने स्वीडन के प्रसारक एसवीटी पर सोमवार को भारत को 10 लाख टीके दान करने के संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि महामारी के चलते दुनिया में लोग मर रहे हैं, गरीबी फैल रही है और बच्चे अभी भी स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। हमें दुनिया भर में इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में हरसंभव कदम उठाना होगा।

कैदियों के समझौते पर ईरान के दावों का अमेरिका ने किया खंडन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान कैदियों की रिहाई को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने इस बारे में बताया। अमेरिका ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित समझौते के बाधित होने की खबर से रविवार को इनकार किया था। कैदियों की अदला-बदली अमेरिका और ईरान के बीच कोई असामान्य बात नहीं है और दोनों देशों ने हाल के वर्षों में नियमित रूप से कैदियों को रिहा किया है। दोनों देशों के बीच कोई भी गतिविधि विशेष रूप से संवेदनशील है जबकि अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ईरान के साथ फिर से परमाणु वार्ता शुरू करने को लेकर आशान्वित है। दोनों देशों के बीच 2015 के परमाणु समझौते में कैदियों की अदला-बदली भी शामिल है। यह मामला ऐसे वक्त में सामने आया जब ईरान में प्रसारित एक खबर में एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि अमेरिकी और ब्रिटिश कैदियों के बदले में ईरान को अरबों डॉलर मिलेंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने तत्काल इस रिपोर्ट का खंडन किया। हालांकि इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने बताया कि बातचीत जारी है और मध्यस्थों के माध्यम से संदेश भेजे जा रहे हैं।

अमेरिका के मिसीसिपी राज्य में बवंडर आया, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

मिसीसिपी। अमेरिका में मिसीसिपी राज्य में रविवार को कई स्थानों पर बवंडर आए जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है लेकिन किसी के जख्मी होने का तत्काल पता नहीं चल सका है। रविवार दोपहर और रात तक पूरे राज्य में कई तूफान आए। ट्यूपेलो और आसपास के इलाकों के लिए रविवार देर रात बवंडर आपात स्थिति घोषित की गई। 11 बजे फेसबुक पर बताया कि ट्यूपेलो शहर में नुकसान की खबर है और आपात सेवा से जुड़े कर्मी नुकसान के स्तर का आकलन कर रहे हैं। लोगों से अपील की गई कि वे घरों से न निकलें और गाड़ी नहीं चलाएं। मेमफिस में राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कई फोटो ट्वीट किए हैं जिनमें दिख रहा है कि कई पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वामत मत प्रस्ताव पेश करेंगे

काठमांडू। नेपाल मे संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सत्ता मे बने रहने के प्रयास के तहत 10 मई को संसद में विश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। एक आधिकारिक बयान में रविवार को बताया गया कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सरकार के विश्वास मत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 10 मई को संसद का सत्र आहूत किया है। विश्वास मत हासिल करने के लिए 275 सदस्ईय प्रतिनिधि सभा मे ओली (69) को कम से कम 136 वोट चाहिए क्योंकि चार सदस्य अभी निलंबित है।

सीरिया में राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी स्वीकार

बेरूत। सीरिया की सर्वोच्च संवैधानिक अदालत ने युद्ध प्रभावित इस देश मे इस माह होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के वास्ते उम्मीदवारी के लिए आए 51 आवेदनो मे से तीन ही स्वीकार किए है। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। काफी हद तक प्रतीकात्मक समझे जाने वाले इस चुनाव के मैदान मे अब तीन प्रत्याशी- राष्ट्रपति बशर असद, अब्दुल्ला सलौम अब्दुल्लाह, और मोहम्मद अहमद मैरी है।

नाइजर में सैन्य गश्ती दल पर घात लगाकर हमला, 16 सैनिकों की मौत

नियामे (नाइजर)। माली से लगी नाइजर की सीमा के निकट सैन्य गश्त के दौरान घात लगाकर किए गए हमले मे नाइजर के 16 सैनिको की मौत हो गई और एक सैनिक लापता है। सरकार ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने रविवार को एक बयान मे कहा कि गश्ती दल माली सीमा से लगे उत्तरी नाइजर के ताहुआ क्षेत्र के तिल्लिया में सुरक्षा मिशन से लौट रहा था।

प्रियंका ने कोविड प्रभावित बच्चों के लिए

मुफ्त शिक्षा के मुद्दे पर सोनू सूद का किया समर्थन

मुम्बई। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने साथी अभिनेता सोनू सूद के इस अनुरोध का सोमवार को समर्थन किया कि सरकार उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराए जो कोविड-19 महामारी की वजह से अपने माता-पिता को गंवा बैठे।

पिछले सप्ताह ट्विटर पर साझे किए गए वीडियो में सूद (47) ने केंद्र, राज्य सरकारों, निजी संस्थानों एवं प्रभावशाली हस्तियों से कोरोना वायरस महामारी के चलते खराब वित्तीय हालत से गुजर रहे बच्चों का सहयोग करने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसे शिक्षा मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल को भी टैग किया था।

सूद के पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका चोपड़ा जोनास(38) ने कहा कि वह न केवल उनके समयोचित बयान बल्कि समाधान उन्मुख कार्य से प्रेरित हुई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, कोविड के चलते प्रभावित हुए बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा सुनिश्चित करने का सोनू का सुझाव राज्य एवं केंद्र सरकार दोनों के लिए है।

उन्होंने लिखा, भले ही वे अध्ययन के किसी भी चरण जैसे स्कूल, कॉलेज या उच्च शिक्षा के स्तर पर हों। इसका (सुझाव का) लक्ष्य यह है कि उनकी पढ़ाई खासकर पैसे के अभाव में रूक न जाए। यदि इसकी अनदेखी की गई तो बड़ी संख्या में बच्चे बालिग के तौर पर मौके से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने लोगों से कम से कम एक छात्र की शिक्षा का सहयोग करने या उसे मदद कर सकने वाले संस्थान ढूढने की अपील की। प्रियंका ने कहा, मैं सोनू के विचारों का पूरा समर्थन करती हूं और मैं शिक्षा में सहयोग के रास्ते ढूंढने की दिशा में बढ़-चढ़कर काम करूंगी क्योंकि मेरा हमेशा मानना रहा है कि हर बच्चे के लिए शिक्षा उसका जन्मसिद्ध अधिकार है और हम बतौर समाज इस वायरस को उसे बदलने नहीं दे सकते।

कोविड-19 से उबर रहे हैं अभिनेता अल्लू अर्जुन

मुंबई। तेलुगू फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता अल्लू अर्जुन ने सोमवार को बताया कि उनमें कोविड-19 के मामूली लक्षण बाकी हैं और वह संक्रमण से उबर रहे हैं। वह 28 अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे।

अर्जुन (38) ने अपने प्रशंसकों के लिए ट्विटर पर एक नोट साझा करते हुए उनकी दुआओं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। अभिनेता ने लिखा, मुझमें संक्रमण के हल्के लक्षण बाकी हैं। मैं इससे अच्छी तरह उबर रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं अब भी पृथकवास में हूं। आपके प्यार और दुआओं के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

युवा कन्नड फिल्मकार नवीन का कोविड-19 संक्रमण से निधन

बेंगलुरु। एक युवा कन्नड़ फिल्मकार की रविवार को कोविड-19 संक्रमण से मृत्यु हो गई। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। नवीन (36) को कोविड-19 संक्रमण के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मांड्या के रहने वाले थे। उन्होंने वन डे फिल्म के साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। इस फिल्म में रेवन्ना एवं अप्पू वेकेंटेश है। नवीन का अंतिम संस्कार उनके गृहनगर मांडया में किया गया।

लड़कियों के मोटापे पर उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का नए जमाने का रोमांटिक शो श्इश्क पर ज़ोर नहीं अपने दिलचस्प ड्रामा और अप्रत्याशित मोड़ के साथ दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। इस शो में अहान और इश्की की परवान चढ़ती प्रेम कहानी दिखाई जा रही हैए जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया गया है। इसमें महिलाओं को उनकी पसंद से चुनाव करने के अधिकार देनेए अपनी मर्जी से करियर चुनने की आजादी और अपनी राय जाहिर करने के अधिकारों का महत्व बताया गया है।

इस शो में अक्षिता मुद्गल इश्की का रोल निभा रही हैंए जो एक साधारण परिवार से है और कड़ी मेहनत में यकीन रखती है। वो आजाद ख्यालों और जिंदादिल स्वभाव की लड़की है। इश्की दुनिया में प्यार को सबसे ऊपर मानती है। इस शो की वर्तमान कहानी में इश्की को उसके वजन के कारण घर के बड़े बुजुर्गों की खरी.खोटी सुननी पड़ती है। ऐसे में अहान उसके पक्ष में खड़ा होता है। एक्ट्रेस अक्षिता मुद्गल मानती हैं कि लड़कियों के मोटापे के कारण उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि हर बॉडी टाइप खूबसूरत होता है। इस बारे में बताते हुए अक्षिता मुद्गल कहती हैंए ष्किसी दूसरे इंसान पर टिप्पणी करना बहुत ही आम और ओछी हरकत है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको ऐसी जगह नहीं रहना चाहिएए जहां दूसरे लोग आपके शरीर को लेकर आपको खराब महसूस कराएं। खास तौर पर तबए जब लोग अपने हुलिए को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं। बॉडी शेमिंग के नतीजे गंभीर होते हैं और इससे मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। तो आइए खुद से और आसपास सभी लोगों से अच्छा व्यवहार करें।

कोरोना को लेकर घबराएं नहीं नकारात्मक विचारों से भी बचें

होमियोपैथी में इसके समाधान की अनेक प्रभावी औषधियां हैं उपलब्ध

जीवन के लिये घातक कोरोना की दूसरी लहर ने लोगों के मन में डर एवँ दहशत पैदा कर दिया है। इस दूसरी लहर के खतरे का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4 लाख लोग इसस संक्रमित संक्रमित हो रहे है। देश में सारी चिकित्सा व्यवस्थाएँ चरमरा गई हैं। लोग दवाईओंए बेडए ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं और कोरोना से मौतों का आंकड़ा काफी बढ़ गया है । इन परिस्थितियों ने लोगों में अपनी एवं अपनों के सेहत की चिंता, परिवार के साथ कोई अनहोनी न हो जाय की चिंता, ब्यापार के नुकसान की चिंता, भविष्य की चिंता सता रही है। यह रोग कब तक चलेगा के संशय ने लोगों की चिंता को और बढ़ा दिया है। बृद्ध, गंभीर रोगों से बीमार एवं कमजोर अपने स्वास्थ्य एवं भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित हैं और अब युवा भी इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं इसलिए वे भी चिंतित हैं। गले में जरा सी खराश, आँख लाल, दस्त, शरीर में दर्द, खांसी, बुखार को होने पर उसे बेवजह कोरोना से जोड़ने लगते हैं। यदि आपके व्यवहार में इस प्रकार के परिवर्तन हो रहें हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन पर नियंत्रण सम्भव है। यह कहना है वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ अनुरुद्ध वर्मा का। उन्होंने बताया कि अपने ऊपर नकारात्मक विचार ना हॉबी होने दें।अपनी भावनाओं को लोगों से शेयर करें। खुद समझें एवं दूसरों को समझाएँ। सकारात्मक विचारों वाली पुस्तकें पढ़ें। फोन पर अपनों का हाल चाल लें एवं अपना देंए सुरुचिपूर्ण संगीत सुनें परिवारीजनों के साथ बातचीत करें एकाकीपन ना हाबी होने दें। नियमित रूप से योग, व्यायाम प्राणायम एवं मैडिटेशन करतें रहें। घर की छत पर टहलेंएपर्याप्त नींद लें। तनाव मैं धूम्रपान एवँ नशे की दवाइयों का सेवन किसी भी हालत में न करें । यदि आप थोड़ी सी सावधानी अपनायेंगे तो यह समस्याएं आसानी से सुलझ जाएंगी। कोरोना से बचाव केलिये सरकारी दिशा. निर्देशों का पालन करेंए सामाजिक दूरी बनाये रखें एहाथों को लगातार धोतें रहें, मास्क का प्रयोग करें, गुनगुना पानी पिये, जब जरूरी हो तभी घर के बाहर निकलें।

डांस दीवाने के प्रतियोगियों का धमाल

बाहर अनिश्चितता के बादल छाये हैंए लेकिन कलर्स डांस दीवाने के प्रतियोगी अपने दर्शकों का मनोरंजन करने और माहौल में सकारात्मकता फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कोविड महामारी ने शहर को जकड़ रखा है और सभी की सुरक्षा के लिये प्रशासन ने लॉकडाउन की घोषणा की है, तो डांस दीवाने की टीम ने एकजुट होकर एक दिन के रिकॉर्ड समय में एक नया एपिसोड शूट करने का फैसला किया।

डांस दीवाने के आगामी एपिसोड में गेस्ट नोरा फतेहीए भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया केवल एक दिन में तैयारए लेकिन देखने लायक सभी एक्ट्स और परफॉर्मेंसेस को खड़े होकर सराहेंगे! इन बेहतरीन प्रस्तुतियों के अलावा हम सूचना और अरूंधती की हेल?थ रिकवरी के बाद धमाकेदार वापसी भी देखेंगे।

डांस दीवाने के बहादुर पापाई की रोमांचक प्रस्तुति के बाद अंतरा के परफॉर्मेंस ने हर किसी का दिल जीत लिया! इस पर डांस की ओरिजिनल दिवा माधुरी दीक्षित ने कहा, ष्आपका परफॉर्मेंस शानदार थाए वह बहुत क्लीन था। लिफ्ट्स और कोऑर्डिनेशन परफेक्ट था। बैलेंस चौंकाने वाला था और सिंक परफेक्ट थी। वह बहुत भव्य था, उसमें रहस्य, डर और रोमांच था। वह अद्भुत था और आपका जादू मुझ पर भी चल गया।

गेस्ट जज नोरा फतेही ने भी कहा, मुझे पता है कि किसी एक्ट को सीखना आसान नहीं होता है। यह आप 4 घंटे में नहीं कर सकते। एक एक्ट को सेट करने में कम से कम 4 दिन लगते हैं। दर्शकों को पता होना चाहिये कि इसके पीछे कितनी मेहनत की गई है। इसके लिये बहुत सारी आत्मिक शक्ति चाहिये, और ट्रांजिशन बहुत स्मूथ थे, आपके एक्ट्स जादुई हैं और आपको सलाम। टाइमिंग बेजोड़ थी वह सिम्पलए लेकिन प्रभाव डालने वाली थी। यह कमेंट सुनकर प्रतियोगी पापाई ने कहा, यह सप्ताह हमारे लिये सबसे ज्यादा चुनौतियों से भरा था। जब हमें पता चला कि हमें अगले दिन शूटिंग करनी है और एक ही दिन में एक ?ट तैयार करना हैए तब हम कुछ सोच नहीं पा रहे थे। हमने हिम्?मत जुटाई और 4 घंटों में कड़ी मेहनत कीए कोई ब्रेक नहीं लिया और अपना काम करते गये।

संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस दत्त को उनकी 40वीं पुण्यतिथि पर याद किया

मुम्बई। अभिनेता संजय दत्त ने सोमवार को अपनी मां एवं महान अभिनेत्री नरगिस दत्त को उनकी 40 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि अब वह वह हर रोज उन्हें याद आती हैं। नरगिस का तीन मई, 1981 को 51 साल की उम्र में निधन हो गया था। उसके तीन दिन बाद संजय दत्त की पहली फिल्म रॉकी रिलीज हुई थी। संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस के साथ अपने बचपन का फोटो साझा करते हुए लिखा, ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब मुझे आपकी याद नहीं आती , मां। उनकी छोटी बहन प्रिया दत्त (54) ने भी सोशल मीडिया पर मां को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, मां के चले जाने के बाद भी उनका दुलार हमेशा के लिए बना रहता है.... मां यह 40 वर्षों से हमारे पास है। आपके लिए हमारा प्यार हमेशा के लिए है। उन्होंने इसी के साथ एक फोटा साझा किया जिसमें नरगिस अपने तीन बच्चों के बीच में बैठी नजर आ रही हैं। कोलकाता में फातिमा अब्दुल राशिद के नाम से पैदा हुईं नरगिस ने 1935 में छह साल की उम्र में तलाशे हक फिल्म से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। तीन दशक के करियर में उन्होंने महबूब खान की तकदीर , हुमायूं , अनोखा प्यार , आग , बरसात , अवारा , श्री 420 , ऑस्कर नामित ड्रामा मदर इंडिया और रात और दिन जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 1958 में अभिनेता सुनील दत्त से शादी की और इस दंपति की तीन संतानें-- संजय दत्त, नम्रता दत्त और प्रिया दत्त हैं।

भारत की पहली फीचर फिल्म के प्रदर्शन का दिन

नई दिल्ली। विश्व इतिहास में तीन मई के नाम पर बहुत सी महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। इस दिन कहीं गृहयुद्ध समाप्त हुआ तो कहीं शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। भारत में सिने जगत के इतिहास में 3 मई का दिन यादगार रहा क्योंकि इसी दिन भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र बम्बई (अब मुंबई) में प्रदर्शित हुई।

देश दुनिया के इतिहास में तीन मई की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है।

1660 : स्वीडन, पोलैंड और ऑस्ट्रिया ने ओलिवा शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

1764 : बंगाल के नवाब मीर कासिम को अंग्रेजों ने हराया।

1765 : फिलाडेल्फिया में पहला अमेरिकी मेडिकल कॉलेज खुला।

1845 : चीन के कैंटन में थिएटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत।

1913 : पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र का प्रदर्शन।

1961 : कमांडर ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी यात्री बने।

1965 : कंबोडिया ने अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए।

1969 : भारत के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसैन का निधन।

1981 : भारतीय सिने अभिनेत्री नरगिस का निधन।

1989 : देश के पहले 50 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का हरियाणा में शुभारंभ।

1993 : संयुक्त राष्ट्र ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की।

1998 : यूरो को यूरोपीय मुद्रा के रूप में स्वीकार किया गया।

2006 : पाकिस्तान और ईरान ने द्विपक्षीय गैस पाइप लाइन करार पर दस्तखत किए।

2008 : टाटा स्टील लिमिटेड को ब्रिटेन में कोयला खनन का पहला लाइसेंस मिला।

2013 : चीन में डायनासोर का लगभग 16 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला।

2016 : कनाडा के अल्बर्टा में भीषण आग लगने से तकरीबन 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और इस दौरान अरबों डालर का नुकसान हुआ।

2020 : देश में कोविड-19 के संक्रमण के कारण जान गंवाने वालों की संख्या।,306 हुई, कुल मामले बढ़कर 40 हजार के पार।

उपराष्ट्रपति नायडू ने प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को शुभकामनाएं दी और महामारी के दौर में भी जोखिम उठाकर आम जन तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने कहा कि सूचना के इस युग में मीडियाकर्मी विश्वसनीय और सत्यापित खबरें पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और गलत सूचनाओं से समाज की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मीडिया से जुड़े सभी बहन-भाइयों को बधाई स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। महामारी के इस दौर में पत्रकार भी अग्रिम पंक्ति के योद्धा रहे हैं और उन्होंने प्रशंसनीय कार्य किया है। नायडू ने एक अन्य ट्वीट में कहा, देश के पत्रकारों ने जोखिम उठाकर लोगों तक लगातार प्रामाणिक व सही जानकारी पहुंचाई है और लोगों को कोविड सम्यक व्यवहार अपनाने के लिए शिक्षित किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन जुलाई को प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया था।